RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 205
लखनऊ, मंगलवार, 18 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

सुनिधि चौहान की 'ये रंजिशें'
विविध-12

बंगाल में दो मंत्रियों, एक विधायक की गिरफ्तारी के बाद हाई वोल्टेज ड्रामा

नारद स्टिंग मामला

- ममता का सीबीआई कार्यालय में छह घंटे तक धरना, समर्थकों का प्रदर्शन
- पहले सीबीआई अदालत ने गिरफ्तार नेताओं को दी जमानत, बाद में हाईकोर्ट ने जमानत देने के आदेश पर लगाई रोक

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता, नई दिल्ली

नारद स्टिंग मामले में सीबीआई ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के दो मंत्रियों, टीएमसी के एक विधायक और एक पूर्व मंत्री को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं सीबीआई मुख्यालय पहुंच गयीं और धरना देकर खुद को गिरफ्तार करने की मांग करने लगीं। वहीं तृणमूल कांग्रेस ने कोरोना कर्फ्यू तोड़ते हुए राज्य में जगह-जगह प्रदर्शन किए। बाद में सीबीआई अदालत के न्यायाधीश अनुपम मुखर्जी ने वरिष्ठ मंत्री सुब्रत मुखर्जी और फरहाद हकीम, तृणमूल कांग्रेस विधायक मदन मित्रा और पूर्व मंत्री सोवन चटर्जी के वकीलों और एजेंसी के वकील का पक्ष सुनने के बाद चारों नेताओं को जमानत दे दी। उन्हें डिजिटल तरीके से अदालत के समक्ष पेश किया गया था। इसके कुछ ही घंटे बाद हाईकोर्ट ने सीबीआई कोर्ट के जमानत देने आदेश पर रोक लगा दी और गिरफ्तार नेताओं को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। अगली सुनवाई बुधवार को होगी।

सोमवार की सुबह कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में स्थित इन नेताओं के घरों से उनकी गिरफ्तारी के बाद उन्हें निजाम पैलेस स्थित सीबीआई के दफ्तर में रखा गया था। एजेंसी ने अदालत से आरोपियों की न्यायिक हिरासत की मांग की थी। सीबीआई ने दावा किया था कि नारद टीवी न्यूज चैनल के मैथ्यू सैमुअल ने 2014 में कथित स्टिंग ऑपरेशन किया था जिसमें तृणमूल कांग्रेस के मंत्री, सांसद और विधायक लाभ के बदले में कंपनी के प्रतिनिधियों से कथित तौर पर धन लेते नजर आए। घटना के वक्त चारों आरोपी मंत्री थे। आरोपियों की 14 दिन की न्यायिक हिरासत की मांग करते हुए सीबीआई के वकील ने अदालत से कहा कि चारों प्रभावशाली व्यक्ति हैं और इस चरण में अगर उन्हें जमानत दी जाती है तो जांच प्रक्रिया बाधित होगी। जांच एजेंसी इन नेताओं और एक अन्य आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करेगी। आईपीएस अधिकारी एसएमएच मिर्जा मामले में पांचवे आरोपी हैं और फिलहाल वह जमानत पर हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरों द्वारा गिरफ्तार किए जाने के तुरंत बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता में निजाम पैलेस स्थित सीबीआई के दफ्तर पहुंचीं और तृणमूल नेताओं को रिहा करने की मांग की, जो 2019 में तत्कालीन कोलकाता पुलिस के तत्कालीन आयुक्त राजीव कुमार से पूछताछ करने के सीबीआई के कदम के खिलाफ उनके विरोध की याद ताजा करती है। ममता बनर्जी करीब छह घंटे बाद परिसर से गईं। दिन में जब सीबीआई अधिकारियों ने ममता बनर्जी को चले जाने का अनुरोध किया था, तब उन्होंने उनसे उन्हें भी गिरफ्तार कर लेने को कहा था। तृणमूल की कद्दावर नेता ने सीबीआई कार्यालय में पंद्रहवें तल पर एक कमरे के बाहर इंतजार किया। बताया जाता है कि तृणमूल नेताओं को गिरफ्तार करके यहीं लाया गया था। उन्होंने सीबीआई कार्यालय परिसर में मौजूद संवाददाताओं के किसी भी प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। (शेष पेज 9)

कोलकाता में सीबीआई कार्यालय से बाहर निकलतीं ममता बनर्जी। वहीं प्रदर्शन करते तृणमूल कांग्रेस के समर्थक

किसी भी दशा में नदियों में शव प्रवाहित न किए जाएं: मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गंगा-यमुना सहित अनेक नदियों और उनके किनारे लगातार शवों के मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्नाथ ने निर्देश दिये हैं कि धर्मगुरुओं की मदद से इसे रोका जाये। इसके साथ ही सीएम ने एसडीआरएफ तथा पीएसी की जल पुलिस को प्रदेश की सभी नदियों में लगातार पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिये है ताकि किसी भी दशा में शव का जल प्रवाह न हो। मुख्यमंत्री ने कोरोना संक्रमण की समीक्षा करते हुये सोमवार को यह निर्देश टीम-9 के अधिकारियों को दिये। उन्होने कहा कि मृतक की अंत्येष्टि के लिए जल प्रवाह अथवा नदी के किनारे दफ्नाने की प्रक्रिया पर्यावरण के अनुकूल नहीं है। इससे पर्यावरण को खतरा पैदा होता है। ऐसे में इस सम्बधित जिलों के अधिकारी धर्मगुरुओं से संवाद स्थापित करके, लोगों को जागरूक करे ताकि नदियों में शवों के प्रवाह और दफ्नाने का सिलसिला रोका जा सके। इसके साथ ही सीएम ने एसडीआरएफ तथा पीएसी की जल पुलिस को गंगा यमुना घाघरा गोमती सहित सभी नदियों में लगातार पेट्रोलिंग करके किसी भी दशा में शव का जल प्रवाह रोकने के निर्देश दिये हैं। योगी ने कहा है कि मृतकों के परिजनों के प्रति सरकार की संवेदनाएं हैं। अंत्येष्टि की क्रिया मृतक की धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप ससम्मान की जानी चाहिए। (शेष पेज 9)

मुजफ्फरनगर में कोविड कमांड नियंत्रण केंद्र का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अर्थव्यवस्था बचाने के लिए नहीं लगाया संपूर्ण लॉकडाउन: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अर्थव्यवस्था को देखते हुए हमनें कोरोना कर्फ्यू लगाया है, यह सम्पूर्ण लाकडाउन नहीं है। आवश्यक सेवाएं चालू हैं। मजदूरों को समस्या न आए, उनके समक्ष रोजी-रोटी की समस्या ने आये, इसके लिए उद्योग धंधे और कारोबार चालू हैं। नोएडा, मेरठ, गाजियाबाद और मुजफ्फरनगर के मैराथन दौरे के बाद सहारनपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज मीडिया से बातचीत करते हुये कहा कि हमारा मकसद है परेशानी भी न हो, भीड़ भी न हो, साथ ही भुखमरी की समस्या भी न आये। इसके लिए कम्युनिटी किचन की व्यवस्था की गयी है। सरकारी अस्पतालों में उपचार के साथ भोजन मिल रहा है। निशुल्क खाद्यान्न वितरण शुरू किया जा रहा है। (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	49,580	↑	848	
निफ्टी	14,923	↑	245	
सोना	47,547	↑	348	/10g
चांदी	71,310	↑	936	/kg

क्विक न्यूज

प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में बरसात की संभावना

लखनऊ। महाराष्ट्र तथा अन्य पश्चिमी तटीय इलाकों में कहर ढा रहे चक्रवाती तूफान ताउते का असर उत्तर प्रदेश मे भी दिखाई देगा और आने वाले दिनो मे प्रदेश के ज्यादातर इलाकों मे बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसकी जानकारी दी। लखनऊ स्थित आंचलिक मौसम केंद्र के निदेशक जे पी गुप्ता ने सोमवार को भाषा को बताया कि चक्रवाती तूफान ताउते का असर जल्द ही उत्तर प्रदेश में भी दिखाई देगा और इसके परिणाम स्वरूप आगामी 19 मई को राज्य के ज्यादातर क्षेत्रो मे बारिश होने की संभावना है। उन्होने बताया कि प्रदेश मे अगले 24 घंटो के दौरान कुछ स्थानों पर तेज हवा और धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। वही, तूफान के साथ साथ पश्चिमी विक्षोभ भी अपना असर दिखाएगा, नतीजतन बारिश का सिलसिला 20 मई तक जारी रहने का अनुमान है। इस बीच, मौसम केंद्र से जारी रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटो के दौरान राज्य के कुछ हिस्सो मे हल्की बारिश और बूंदाबांदी हुई।

सरकार ने कोरोनारोधी दवा 2-डीजी जारी की

नई दिल्ली में कोरोनारोधी दवा जारी करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 की दूसरी लहर से देश में जारी संघर्ष के बीच रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित की गई कोविड-19 रोधी दवा 2-डीजी की पहली खेप सोमवार को जारी की गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन के साथ इसे जारी करते हुए कहा कि 2-डीजी दवा आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर है। कोविड-19 के मध्यम लक्षण वाले तथा गंभीर लक्षण वाले मरीजों पर 2-डीऑक्सी-डी-ग्लूकोज (2-डीजी) दवा के आपातकालीन इस्तेमाल को भारत के औषधि महानियंत्रक (डीजीसीआई) की ओर से मंजूरी मिल चुकी है। इस अवसर पर अपने संक्षिप्त संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि यह दवा कोविड-19 मरीजों के उपचार के लिए उम्मीद की किरण ले कर आई है। उन्होंने कहा, यह देश के वैज्ञानिक कौशल का अनुपम उदाहरण है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह समय थकने और आराम करने का नहीं है क्योंकि इस महामारी के स्वरूप को लेकर कुछ भी निश्चित जानकारी नहीं है। (शेष पेज 9)

प्रदेश में दस हजार से नीचे आया कोरोना का आंकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस की दूसरी लहर से निपटने में सरकार कामयाब दिख रही है। सरकारी स्तर पर कोरोना से निपटने के इंतजामों के चलते सोमवार को कोरोना का आंकड़ा दस हजार के नीचे पहुंच गया है। प्रदेश में 9391 कोरोना के नए केस के बीच 285 मरीजों की बीते 24 घण्टे के अंदर मौत हुई है। राजधानी लखनऊ में कोरोना के 517 नए मामलों के बीच 22 मरीजों के मौत के मामले सामने आए हैं। प्रदेश में 149032 वे लखनऊ में 9849 एक्टिव हैं। बीते 24 घण्टे के अंदर लखनऊ में 1663 और प्रदेश भर में 23045 लोगों को स्वस्थ घोषित किया गया है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में बीते 24 घंटे में 255110 सैंपलों की जांच की गई है। उन्होंने कहा कि यह बात गलत फैलाई जा रही है कि टेस्ट कम हो रहे हैं। हमारा लक्ष्य प्रतिदिन ढाई लाख कोरोना टेस्ट है, इसके विपरीत हम रोज इससे अधिक टेस्ट कर रहे हैं। सरकार के ट्रैक, टेस्ट और ट्रीट का ही परिणाम है कि रिकवरी दर बढकर 89.80 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि आज से पांच और जनपदों में 18-44 आयु वर्ग का वैक्सीनेशन कार्य शुरू किया गया है। (शेष पेज 9)

राम मंदिर गर्भगृह स्थल पर पूजित शिलाएं स्थापित

- कार्यक्रम के दौरान संघ के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी व ट्रस्ट के पदाधिकारी रहे उपस्थित, दिए कार्य में तेजी लाने के संकेत

संवाददाता। अयोध्या

श्रीरामलला के नव निर्माणाधीन मंदिर के कार्य को गति प्रदान करते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा गर्भ गृह पर संघ के पूर्व सरकार्यवाह भैयाजी जोशी द्वारा पूजन शास्त्रोक्त विधि से सम्पन्न हुआ। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि परिसर में श्री रामलला मंदिर के गर्भगृह स्थल पर नवग्रह के पूजन के साथ 9 शिलाओं को स्थापित किया गया और 5 अगस्त को पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा पूजित शिलाएं, चांदी का कलश व अन्य धातु को नींव में डाला गया। पूजन में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पतराय, ट्रस्ट के सदस्य व निर्मोही अखाड़ा के महंत दिनेंद्र दास, सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा व डीएम भी उपस्थित रहे। मंदिर निर्माण के लिए 40 फुट गहरी खुदाई की गई नींव की ग्राउंड के इम्प्रूवमेंट का कार्य किया जा रहा है। जिसके लिए 400 फुट लंबे, 300 फुट चौड़े स्थल को लगभग 44 लेयर में भरा जाएगा। वर्तमान में 300 एमएम की दो लेयर बिछाई जा चुकी हैं। श्रीराम मंदिर के निर्माण कार्य में प्रगति लाई जा सके इसके लिए आज शुभ मुहूर्त में सुबह 7 बजे वैदिक मंत्रों के द्वारा पूजन प्रारम्भ किया गया और 9.15 मिनट पर सभी 9 शिलाएं नंदा अजिता अपराजिता भद्रा रिक्ता जया शुक्ला पूर्णा सौभाग्यनी को स्थापित किया गया। जिसके बाद अन्य धातुएं चांदी से बना कछुआ नाग नागिन पंच धातु से बना नवरत्न जड़ित कमल का फूल, बकुल वृक्ष की जड़ से निर्मित संकुल व चांदी की कलश को भी स्थापित किया गया। पूजन के दौरान विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह पंकज भी मौजूद रहे।

अयोध्या में रामजन्मभूमि परिसर में गर्भगृह स्थल पर पूजन करते भैयाजी जोशी और चंपत राय

मिशन ऑक्सीजन में 75 जिलों में 79 अस्पतालों का चयन

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश के बाद रंग ला रही आबकारी तथा चीनी विभाग की मेहनत, लगभग तीन हजार बेड्स पर उपलब्ध होगी सीएसआर के जरिए ऑक्सीजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आबकारी तथा चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग कोरोना मरीजों को बचाने के लिए ऑक्सीजन जेनरेटर्स लगा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इसके लिए 75 जिलाधिकारियों द्वारा 79 अस्पतालों का चयन कर लिया गया है। जिसमें ज्यादातर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से लगे हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इनमें से 15 स्थलों पर ऑक्सीजन पाइपलाइन एवं जनरेटर की व्यवस्था लगभग उपलब्ध है और 16 स्थलों पर आंशिक व्यवस्था उपलब्ध है।

विभाग की तरफ से अब तक 54 ऑक्सीजन जेनरेटर निर्माताओं को क्रय आदेश निर्गत किये गये है। आबकारी तथा चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से लगभग 30 आबकारी विभाग की इकाइयों के माध्यम से और 45 चीनी मिलों के माध्यम से प्रदेश भर में एक एक सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र या जिला अस्पताल चयनित किए गए हैं। सरकार की तरफसे इन ऑक्सजीन जेनरेटर्स को एयरलिफ्ट कराने की भी तैयारी जोरों पर है। इसके लिए साई नॉन कन्वेंशनल एनर्जी, गैसटेक इंजी. प्राइवेट लिमिटेड और मेडवांते इंडिया एलएलपी द्वारा मशीनों को एयरलिफ्ट कराने का अनुरोध किया गया है। जिसके लिए ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट के सप्लायर्स से लिफ्टिंग शेड्यूल मांगा गया है। विदित हो कि स्थापित किये जा रहे ऑक्सीजन जेनरेटर्स को उपयोग में लाये जाने के लिए चयनित अस्पतालों में डब्लूएचओ द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप ऑक्सीजन पाइपलाइन और न्यूनतम लगभग 42 किलोवाट क्षमता के जनरेटर एवं विद्युत स्वीकृत लोड की आवश्यकता होगी। जिसके लिए संबंधित जिलाधिकारियों को जानकारी विभाग की तरफ से उपलब्ध करा दी गई है। बरेली, गोरखपुर और सीतापुर, शामली, कुशीनगर, अमरोहा में दो-दो अस्पतालों का चयन किया गया है। जहां ऑक्सीजन जेनरेटर्स की स्थापना की जा रही है। सहारनपुर जिले में सीएचसी ननौता 50 बेड, बरेली में सीएचसीए मीरगंज 30 बेड और सीएचसी बहेड़ी में 30 बेड, बांदा में सीएचसीए नारायनी 50 बेड, श्रावस्ती में सीएचसी लक्ष्मणपुर 50 बेड, उन्नाव में सीएचसी औरास 50 बेड, प्रयागराज में पीएचसी उरुवा 50 बेड, फतेहपुर में सीएचसी बिंदकी 50 बेड, प्रतापगढ़ में ट्रामा सेंटर रानीगंज 50 बेड, कौशाम्बी सीएचसी मंझनपुर 50 बेड, चित्रकूट में सीएचसी मानिकपुर 50 बेड, अलीगढ़ में सीएचसी अतरौली 150 बेड, एटा में सीएचसी बगवाला 70 बेड, हाथरस में सीएचसी मुरसान 30 बेड, कासगंज में सीएचसी गंजडुण्डवाडा 30 बेड, बदायूं में सीएचसी घाटपुरी 50 बेड, महोबा में जिला अस्पताल 50 बेड, बलिया में सीएचसी सिआर 30 बेड शामिल हैं। ऐसे ही सीतापुर में सीएचसी खैराबाद 50 बेड और सीएचसी महमूदाबाद 30 बेड, बाराबंकी में जिला अस्पताल सिरौली गौसपुर 35 बेड, कानपुर देहात में सीएचसी पुखरायां 30 बेड, भदोही में ट्रामा सेंटर औराई 35 बेड, बहराइच में सीएचसी कैसरगंज 40 बेड, बागपत में सीएचसी सरुरपुर 50 बेड, जौनपुर में सीएचसी सथरिया 50 बेड, मथुरा में सीएचसी सोनाई 50 बेड, शामली में जिला अस्पताल शामली 100 और थाना भवन 30 बेड, अयोध्या में सीएचसी मसौधा 50 बेड, ऐसे ही अमेठी में सीएचसी फुर्सतगंज 25 बेड, पीलीभीत में सीएचसी भदौरा टांडा 100 बेड, मिर्जापुर में सीएचसी विंध्याचल 30 बेड, सोनभद्र में सीएचसी मधुपुर 30 बेड, कानपुर नगर में सीएचसी बिल्हौर 30 बेड, वाराणसी में सीएचसी चिरईगांव, नरपतपुर 30 बेड, लखनऊ सीएचसी गोसाईगंज 30 बेड, गोरखपुर में सीएचसी चौरी चौरा 50 बेड और सीएचसी हरनई 50 बेड, बस्ती में सीएचसी फिमेल अस्पताल हरैया 100 बेड आदि शामिल हैं।

जहरीली शराब कांड पर जांच के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आजमगढ़ सहित कई जिलों में हुई जहरीली शराब की घटनाओं पर मुख्यंमत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिये हैं। इसके लिये सीएम ने एडीजी स्तर के एक अधिकारी को नामित करके जांच करने को कहा है। विदित हो कि कोरोना संकट के दौरान आजमगढ़ तथा राज्य के कुछ अन्य जिलों में जहरीली शराब की घटनाएं हुईं। जिसमे कई लोगों की जानें गई। टीम-9 के अधिकारियोंके साथ कोरोना संक्रमण पर चर्चा के दौरान सीएम ने जहरीली शराब की घटनाओं के बारे में अधिकारियों से पूछा। कोई संतोषजनक जवाब न मिलने पर सीएम ने तत्काल इन मामलों की गहन जांच के लिए एडीजी स्तर के अधिकारी को नामित कर जांच करने तथा दोषियों के खिलाफ एनएसए जैसी धाराएं लगाकर कठोरतम दंड दिये जाने के निर्देश दिये।

नदियों के किनारे यूपी पुलिस का कड़ा पहरा

विशेषकर गंगा नदी के किनारे बसे जिलों में पुलिस पीएसी व एसडीआरएफने शुरू की 24 घंटे पेट्रोलिंग

● अंतिम संस्कार के लिए शवों को नदी में प्रवाहित करने पर सख्ती के साथ रोक लगाने के पुलिस कप्तानों को निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की नदियों में शवों को प्रवाहित होने से रोकने के लिए यूपी पुलिस ने नदियों के किनारे कड़ा पहरा बैठा दिया है। उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय की ओर से सभी जिलों के पुलिस कप्तानों को नदियों में शवों के अंतिम संस्कार के लिए प्रवाहित करने पर सख्ती के साथ रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। विशेष तौर से गंगा नदी के किनारे बसे जिलों में नदियों के किनारे तथा नदी में पुलिस, पीएसी व एसडीआरएफ के जरिए 24 घंटे पेट्रोलिंग करते हुए घाटों पर भी पुलिस पिकेट के जरिए निगरानी रखने को कहा गया है।

एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि इसके साथ ही गांवों में एवं घाटों के आसपास ध्वनि प्रसार यंत्रों, पीए सिस्टम के द्वारा तथा पुलिस तथा प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से निवासियों के साथ मीटिंग कर उन्हें शवों को नदी में प्रवाहित न करने तथा आर्थिक कमजोर परिवारों को शासन द्वारा शव के अन्तिम संस्कार के लिए 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की योजना का प्रचार प्रसार करने को कहा गया है । यदि कोई शव कोविड 19 से प्रभावित है तो उसका अन्तिम संस्कार प्रत्येक स्थिति में निर्धारित कोविड प्रोटोकॉल के अन्तर्गत ही किया जाए। एडीजी ने कहा कि जिलों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार अब तक वाराणसी में 7 शव , गाजीपुर में 15-16 शव, चन्दौली में 8 शव व बलिया में 8 शव नदियों में उतराते मिले थे। जिनका उचित रीति से अन्तिम संस्कार कराया गया है। उन्नाव में बक्सर घाट पर पुलिस पिकेट लगाने के साथ गंगा नदी में पुलिस पेट्रोलिंग की जा रही है। घाट से 100 मीटर की दूरी पर पुलिस चौकी बक्सर एवं थाना बारासगवर का कण्ट्रोल रूम स्थापित है, जहां से प्रकरण पर दृष्टि रखी जा रही है। बलिया का थानाक्षेत्र नरही जनपद गाजीपुर व बिहार के बक्सर का सीमावर्ती क्षेत्र है। शव विसर्जन की घटनाएं न हों इसके लिए पुलिस द्वारा नदी के किनारों एवं नदी में गस्त की जा रही है। नदी में मृत शरीर को फेंके जाने की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए पुलिस, लेखपाल व राजस्व अधिकारियों द्वारा ग्राम प्रधानों के साथ बैठकें कर निर्देशित करने के साथ ही अन्तिम संस्कार के सम्बन्ध में सरकारी योजनाओं के सम्बन्ध में भी जानकारी दी जा रही है तथा इसका प्रचार-प्रसार मीडिया के द्वारा भी करवाया जा रहा है। गाजीपुर में 18 श्मशानघाटों पर पुलिस एवं राजस्व की स्टैटिक टीम की ड्यूटी शिफ्टवार लगायी गयी है। जिनके द्वारा शवों को प्रवाहित न किए जाने के लिए सतर्क दृष्टि रखी जा रही है । जनपद के थाना सैदपुर से थाना गहमर तक गंगा नदी के तटीय क्षेत्र में कुल 34 टीमें शिफ्टवार लगातार पैट्रोलिंग ड्यूटी कर रही हैं। उत्तर प्रदेश व बिहार के अन्तर्राज्यीय बार्डर पर थाना गहमर के बारा व देवल, थाना दिलदारनगर के ताजपुर कुर्रा एवं थाना जमनियां के कर्महरी व देवगढ़ी बार्डर पर चेकिंग के लिए पुलिस बल की शिफ्टवार ड्यूटी लगायी गयी है। गाजीपुर जिला प्रशासन द्वारा समस्त घाटों पर पर्याप्त लकड़ी की व्यवस्था करवाते हुए धनाभाव के कारण मृत सदस्य के अन्तिम संस्कार करने में असमर्थ परिवार के लिए सम्बन्धित ग्राम पंचायत अथवा नगर निकाय के माध्यम से 5 हजार रुपए की धनराशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है।

चित्रकूट घटना के बाद जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हुई नए सिरे से समीक्षा

● डीजी जेल आनंद कुमार ने एक दर्जन बिंदुओं पर कार्रवाई के लिए जेल अधीक्षकों को दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

चित्रकूट जेल में हुई गैंगवार के बाद प्रदेश की जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कारागार मुख्यालय ने नए सिरे से समीक्षा शुरू कर दी है। सभी जेलों को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने को लेकर मंथन चल रहा है। चित्रकूट घटना के बाद उजागर हुई कमियों के आधार पर डीजी जेल आनंद कुमार ने सभी जेल अधीक्षकों को एक दर्जन बिंदुओं पर कार्रवाई करने के दिशा निर्देश जारी किए हैं।

अब तक की हुई विभागीय जांच के बाद चित्रकूट जेल की घटना में जो प्रमुख कमियां उजागर हुई हैं उनसे यह साफ है कि कैदियों की सुरक्षा के नियमों की जेल अधिकारियों द्वारा लगातार अनदेखी की जा रही है। जेलों में कैदी बेखटके एक स्थान से दूसरे स्थान पर और अपनी बैरक से दूसरे किसी कैदी की बैरक में आते जाते रहते हैं। इस तरह से उनके घूमने गिरने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। जेलों में मूवमेंट रजिस्टर नहीं बनाए गए हैं जहां कहीं पर हैं अभी तो उन्हें मेंटेन नहीं किया जाता। संवेदनशील स्थानों पर जवाब दें जेल कर्मियों की तैनाती नहीं है। 24 घंटे जेलों में किसी न किसी एक अधिकारी को मौजूद रहना चाहिए जबकि ऐसा नहीं हो रहा है पूरा प्रबंधन मातहतों के भरोसे छोड़ कर अधिकारी लापरवाही बरत रहे हैं। संवेदनशील कैदियों तथा उनके कक्ष, बैरकों, अहातों की नियमित रूप से प्रभावी तलाशी भी नहीं की जा रही है। बंदियों के सामानों की नियमानुसार सघन तलाशी की भी अनदेखी हो रही है। इसके लिए उपलब्ध उपकरणों का प्रयोग तक नहीं हो रहा है। डीजी जेल आनंद कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए निर्देश दिए हैं कि हाई सिक्योरिटी बैरक के बंदियों को एक साथ कतई न खोला जाए। सुरक्षा के लिए जारी आदेशों का कड़ाई से अनुपालन हो। मुलाकात व्यवस्था बंद है, जिसे सख्ती से सुनिश्चित किया जाए। तलाशी व सर्विलांस के सभी उपकरण 24 घंटे क्रियाशील रहें। जेल गेट पर सभी आगन्तुकों समेत स्टाफ की भी तलाशी हो। सीसीटीवी कैमरे सभी संवेदनशील स्थानों पर अनिवार्य रूप से लगाया जाएं। कैमरों को बड़े अपराधियों पर फोकस किया जाए। कारागार में हर समय एक अधिकारी मौजूद रहे। हाई सिक्योरिटी बैरक के बंदियों का मूवमेंट कारण समेत एक रजिस्टर में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए।

वायरल परीक्षा कार्यक्रम को यूपी बोर्ड ने बताया फर्जी

लखनऊ (पीएनएस)। कोरोना संक्रमण के चलते यूपी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं पर असमंजस की स्थिति के बीच सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुये नए परीक्षा कार्यक्रम का बोर्ड ने खंडन किया है। उधर बोर्ड ने हाईस्कूल के छात्रों के छमाही व वार्षिक परीक्षा में प्री बोर्ड परीक्षा के प्राप्तांक व पूर्णांक 18 मई तक परिषद के वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। अपलोड न होने की स्थिति में जवाबदेही जिला विद्यालय निरीक्षक की होगी। माना जा रहा है कि हाईस्कूल के छात्रों को प्रमोट करने का निर्णय सरकार ले सकती है। यूपी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव दिव्यकान्त शुक्ल ने वायरल परीक्षा कार्यक्रम पर कहा है कि 5 जून से 25 जून के बीच परीक्षा कार्यक्रम को लेकर वायरल समय सारिणी फर्जी है। वायरल करने वाले के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। जबकि इंटर के परीक्षा को लेकर 20 मई तक सरकार निर्णय लेगी।

ग्रामीण सड़कों के रखरखाव व चौड़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएः केशव

● भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, शहरों व कस्बों में बाईपास निर्माण की कार्य योजना बनाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्रामीण सड़कों के रखरखाव, नवीनीकरण व चौड़ीकरण आदि पर विशेष रूप से फोकस किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है । उन्होंने यह भी कहा कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, शहरों, कस्बों आदि में बाईपास बनाने की कार्य योजना बनाई जाए। केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को राज्य सड़क प्रबंधन समिति की वर्चुअल बैठक में अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। बैठक में प्रबंधन समिति के सदस्यों से भी सड़क निर्माण कार्यों के बारे में सुझाव लिए गए। राज्य सड़क निधि के अंतर्गत वर्ष 2021-22 की कार्य योजना में प्राविधानित 3000 करोड़ रुपए की धनराशि में से 2200 सौ करोड़ रुपए की धनराशि चालू कार्यों पर व 800 करोड़ रुपए की धनराशि नवीन कार्यों पर व्यय किए जाने हेतु समिति द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया। समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि राज्य सड़क निधि 3054-मद में प्रावधानित 1500 करोड़ में से चालू कार्य हेतु 1200 सौ करोड़ एवं नए कार्यों हेतु 300 करोड़ रुपए की धनराशि की जाएगी तथा राज्य सड़क निधि मद-5054 में प्राविधानित 1500 करोड़ के सापेक्ष चालू कार्यों हेतु 1000 करोड़ एवं नए कार्यो हेतु 500 करोड़ रुपए की धनराशि व्यय की जाएगी।

राजधानी की आलमबाग सब्जी मंडी में उड़ीं सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां

बिजली कंपनियों को नियामक आयोग की फटकार

● रेग्यूलेटरी सरचार्ज बढ़ाने पर आयोग में हुई सुनवाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं पर रेग्यूलेटरी सरचार्ज का भार डालने को लेकर उप्र विद्युत नियामक आयोग में वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए हुई सुनवाई में हंगामा रहा और उपभोक्ताओं के हित के सवाल पर आयोग और पावर कारपोरेशन कोई जवाब नहीं दे पाया।

प्रदेश की बिजली क पनियों की तरफ से दाखिल एआरआर वर्ष 2021-22 व स्लैब परिवर्तन सहित रेग्यूलेटरी सरचार्ज बढ़ाने के लिये दाखिल प्रस्ताव पर सोमवार को आयोग के चेयरमैन आरपी सिंह व अन्य सदस्य के साथ वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पश्चिमॉंचल, दक्षिणॉंचल व केस्को की सुनवाई प्रात: 11 बजे से शुरू होकर 2 बजे तक चली। तीनों क पनियों के प्रबन्ध निदेशकों, निदेशकों की तरफसे अपने प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण किया गया। पावर कारपोरेशन के रेग्यूलेटरी इकाई ने भी सभी बिजली कंपनियों के आँकड़ों का संकलित प्रस्तुतीकरण किया गया। नियामक आयोग के चेयरमैन द्वारा बिजली कंपनियों पर तल्ख टिप्पणी से सभी के होश उड़ गए।

चेयरमैन नियामक आयोग ने कहा कि चूँकि उपभोक्ता परिषद 19537 करोड़ के एवज में बिजली दर कम करने की बात कर रहा है। इसलिए उसको रोकने के लिये आप नियम विरूद्ध रेग्यूलेटरी सरचार्ज का प्रस्ताव ले कर आ गये। केन्द्र सरकार की उदय की गाइडलाइन तो पढ़ लेते। अब आगे 19 मई को भी मध्यॉंचल, पूर्वांचल की सुनवाई होगी इसके बाद आयोग बिजली दर पर निर्णय लेगा। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बिजली क पनियों पर अनेकों विधिक सवाल जब दागना शुरू किया तो सभी के होश उड़ गये। उपभोक्ता परिषद ने कहा रेग्यूलेटरी सरचार्ज का नियम विरूद्ध प्रस्ताव लाने के लिये बिजली क पनियों के प्रबन्ध निदेशकों के खिलाफ विधिक कार्रवाई होनी चाहिए। 9 वर्षों में किसानों ग्रामीणों व शहरी के बिजली दरों में 84 प्रतिशत से 500 प्रतिशत तक वृद्धि की गयी है आज प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत उत्तर प्रदेश में केवल 629 यूनिट है। उसका मु य कारण बिजली दर मंहगी होने के कारण उपभोक्ता चाह कर भी उसका उपभोग नहीं कर पाता। उपभोक्ता परिषद ने कहा जो स्लैब परिवर्तन खारिज हो चुका है उसको कैसे दुबारा बिजली क पनियाँ लेकर आ गई। प्रदेश के उपभोक्ताओं का बिजली क पनियों पर जो 19537 करोड़ निकल रहा है उसके एवज में बिजली दरों में एकमुश्त 25 प्रतिशत अथवा 3 वर्षों तक 8.8 प्रतिशत की कमी हो। जिससे करोना संकट में उपभोक्ताओं को राहत मिले। उपभोक्ता परिषद ने कहा जब नियामक आयोग ने 11.08 वितरण हानियाँ बिजनेस प्लान में अनुमोदित की तो बिजली क पनियाँ कैसे 16.64 प्रतिशत लेकर आ गयीं। यह जॉंच का मामला है।

जलशक्ति मंत्री आज करेंगे स्थलीय निरीक्षणः लखनऊ। जल शक्ति मंत्री डा महेन्द्र सिंह मंगलवार को बाराबंकी के एक दिवसीय भ्रमण पर जा रहे हैं। इस भ्रमण के दौरान डा महेन्द्र सिंह जनपद में बाढ़ से बचाव के लिए संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं देवेन्द्र सिंह पुत्र रामपाल सिंह निवासी ग्राम-नौहानीगाँव परगना /तहसील रसूलाबाद जिला कानपुर देहात मेरे दो पुत्र हैं रागेन्द्र सिंह एवं अखिलेन्द्र सिंह जिनमें कि अखिलेन्द्र सिंह का चारित्रिक आचरण ठीक न होने के कारण मैं अखिलेन्द्र सिंह से समस्त सम्बन्ध विच्छेद करते हुए अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ।

इलाज की अव्यवस्थाएं बरकरार मरीजों की कहीं सुनवाई नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना और ब्लैक फंगस की बीमारी से लोगों की रोज ही जानें जाने लगी है, इलाज की अव्यवस्थाएं बरकरार हैं, मरीजों की कहीं सुनवाई नहीं है तब ऐसी अनियंत्रित अवस्था में मुख्यमंत्री की जनपदीय यात्राओं से कौन सा परिणाम आएगा। मुख्यमंत्री जहां जाते हैं अस्पतालों में मरीजों को उनके हाल पर छोड़कर डाक्टर-अधिकारी उनकी आवभगत में लग जाते हैं। आदेश-निर्देश से क्या हासिल होना है। नदी किनारे शवों का अंबार, मंडराते गिद्धों-चीलों के दृश्य राज्य सरकार को यह सब क्यों नहीं दिखता है। अखिलेश ने कहा कि क्या यह सच्चाई नहीं है कि उत्तर प्रदेश में जो भी स्वास्थ्य ढांचा है वह समाजवादी सरकार में ही निर्मित हुआ है। भाजपा सरकार ने चार वर्ष में किसी अस्पताल की नींव तक नहीं रखी। अवध शिल्पग्राम और हज हाउस आज कोविड इलाज में काम आ रहे हैं, इनका निर्माण भी समाजवादी सरकार के समय ही हुआ था। वैसे भी मुख्यमंत्री अपने दौरों की निरर्थक कसरत से क्या संदेश देना चाहते हैं। उनके पास ऐसा कौन सा नुस्खा है जो डाक्टरों को पता नहीं है।

भेदभाव रहित मदद करे सरकार

● चुनाव ड्यूटी में मृत शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों के आश्रितों को भी दिया जाए अनुदान व सरकारी नौकरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने राज्य की भाजपा सरकार पर पंचायत चुनाव ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले शिक्षकों के समान शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों को एक समान अनुदान देने की मांग करते हुए कहा कि कोरोना की सरकार जनित त्रासदी में यह जान गंवाने वाले सभी लोगों के साथ समान नीति के अंतर्गत न्याय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समान अनुदान के साथ मृतक शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों के आश्रितों को सरकारी नौकरी भी दी जाए। लल्लू ने कहा कि शिक्षकों व अन्य कर्मियों के अतिरिक्त 200 शिक्षामित्रों, 99 अनुदेशकों सहित लगभग 100 रसोइयों को पंचायत चुनाव ड्यूटी करते समय कोरोना संक्रमण हुआ और उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी है। शिक्षकों व अन्य राज्य कर्मियों के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रत्येक के आश्रितों को 30 लाख रुपया प्रति कर्मी अनुदान घोषित किया है लेकिन उसमें शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों के लिये कोई राहत की घोषणा नहीं की, जिससे मृतको के आश्रितों के समक्ष रोजी रोटी का संकट है जिसके लिये राज्य सरकार पूरी तरह दोषी है।

झूठ बोलकर अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश कर रही सरकारः सभाजीत

लखनऊ। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि कोरोना महामारी से प्रदेश कराह रहा है, लेकिन योगी सरकार सब ठीक बता रही है। सरकार की कोशिश झूठ बोलकर अपनी नाकामी छिपाने की है, मगर नदियों के किनारे भयावह मंजर पूरी पोल खोल रहे हैं। गंगा किनारे दो हजार से ज्यादा शव दफन हैं। इलाज का हाल तो जगजाहिर है, अब योगी राज में लोगों को सम्मानजनक ढंग से अंत्येष्टि भी नहीं हो पा रही है। आप के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि सरकार महामारी की सच्चाई छिपाने में जुटी हुई है। सही आंकड़े जनता के सामने न आ पाएं, इसीलिए योगी सरकार ने कोरोना जांच आधे से भी कम करा दी है। सभाजीत सिंह ने कहा कि योगी सरकार महामारी पर अंकुश लगाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। सीएम योगी की चुनावी जिद से कोरोना गांव तक फैल चुका है।

मेडिकल सामग्री उत्पादन इकाई लगाने पर 25 प्रतिशत की छूट का शासनादेश जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में कोविड की महामारी के बीच सरकार ने एक सार्थक पहल की है जिससे उप्र की मेडिकल सामग्री के उत्पादन में निर्भरता दूसरे राज्यों पर नहीं रहेगी। सरकार द्वारा बीती कैबिनेट की बैठक में निर्णय लेने के बाद सोमवार को एमएसएमई विभाग ने शासनादेश जारी कर दिया। शासन ने उप्र कोविड इमरजेंसी वित्त पोषण योजना को लागू कर दिया है। योजना की अवधि पूरे एक साल होगी। इस बीच कोविड के इलाज से जुड़ी इकाइयों के विस्तार तथा नई इकाइयों की स्थापना पर सरकार द्वारा उद्यमियों को इकाई की स्थापना लागत का 25 फीसदी अथवा अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक सब्सिडी देगी।

योजना के लागू होने से राज्य में कोविड के इलाज में आक्सीजन तथा अन्य मेडिकल उपकरणों की कमी को पूरी करने में मदद मिलेगी। नई इकाइयों की स्थापना होने पर राज्य कोविड के इलाज में उपयोग में लाए जा रहे चिकित्सीय उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर बन सकेगा। इस योजना का लाभ लेने के लिए प्लांट, मशीनरी, उपकरण में पूंजी निवेश की न्यूनतम सीमा 20 लाख रुपये रखी गई है। पात्र इकाइयों को वित्तीय सहायता देने के लिए सरकार रिवाल्विंग फंड बनाएगी। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक इकाई को किसी भी शिड्यूल कामर्शियल बैंक अथवा सिडबी में आवेदन करना होगा। अपर मु य सचिव एमएसएमई तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग की अध्यक्षता में शासन स्तर पर गठित कमेटी द्वारा आवेदनों पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग योजना के क्रियान्वयन के लिए नोडल विभाग होगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

काकोरी सीएचसी के मेडिकल आफिसर इंचार्ज निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में ड्यूटी के प्रति रुचि न लेने के आरोप में काकोरी सीएचसी के मेडिकल आफिसर इंचार्ज (एमओआईसी) को वरिष्ठ नोडल अधिकारी कोविड 19 लखनऊ डा. रोशन जैकब की संस्तुति पर सीएमओ ने निलंबित कर दिया है। साथ ही निलंबित अधिकारी को मुख्यालय से सम्बद्ध करते हुए अन्य को तैनाती दी गई है।

वरिष्ठ नोडल अधिकारी लखनऊ ने आज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र काकोरी के क्षेत्रान्तर्गत दो ग्राम क्रमश: बड़ागांव व दुर्गागंज का निरीक्षण किया। काकोरी ब्लॉक कार्यालय में आयोजित आशा कार्यकात्रियों की बैठक को सम्बोधित भी किया। साथ ही एमओआईसी एवं उनकी टीम के साथ ग्रामों में घर घर सर्विलांस एवं दवा वितरण कार्यों की समीक्षा भी की। समीक्षा के दौरान पाया कि एमओआईसी को सर्विलांस टीम द्वारा किये जो कार्यों के सम्बंध में कोई जानकारी नहीं है। दवा वितरण आरआरटी टीम का गठन टीम द्वारा प्रत्येक दिन किये जाने वाले आरटीपीसीआर जांच का विवरण आदि किसी भी विषय से सम्बन्धित कोई आख्या उनके द्वारा उपलब्ध नहीं करायी जा सकी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र काकोरी में तैनात आरआरटी की संख्या पर्याप्त नहीं है और उपस्थित टीम द्वारा पर्याप्त संख्या में टेस्टिंग भी नहीं की जा रही है। आशा कार्यकात्रियों के पास वितरण हेतु उपलब्ध करायी गयी दवा किट्स की संख्या कम थी। अधिकांश के पास दो या चार किट ही वितरण हेतु मौजूद थे। गांवों में सर्विलांस गतिविधियों के बारे में जागरूकता कम पाई गई। जबकि शासन स्तर पर 20 मई तक देहात क्षेत्र हेतु विशेष अभियान के तहत प्रत्येक गांव के प्रत्येक घर में आशा, आगनबाड़ी, एएनएम की सर्विलांस टीम पहुंच कर स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी लेना लक्षणात्मक सभी व्यक्तियों को मौके पर दवा किट्स उपलब्ध कराना एवं संदिग्ध मरीजों तथा इच्छुक सभी व्यक्तियों के टेस्टिंग हेतु आरआरटी को संदर्भित करने सम्बन्धी कार्रवाई के निर्देश दिए गये हैं।

अधिक वसूली में लिप्त हॉस्पिटलों के खिलाफ कार्रवाई न होने पर जताई नाराजगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में निजी कोविड अस्पतालों के लिए निर्धारित शासकीय दर से अधिक वसूली करने वाले राजधानी के 3 अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई न करने को लेकर प्रभारी अधिकारी 19 ने सीएमओ से नाराजगी जताई है। उन्होंने शीघ्र अस्पतालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई से अवगत कराने को कहा है। राजधानी के तीन अस्पतालों मैक्वेल, जेपी और देविना पर मरीजों से वसूली के गंभीर आरोप प्रभारी अधिकारी रोशन जैकब के निरीक्षण में पाए गए थे। जिसके बाद प्रभारी अधिकारी ने अस्पतालों के खिलाफ गत 12 मई को सीएमओ को रिपोर्ट दर्ज कराने का आदेश दिया था। पर अभी तक कोई कदम ना उठाये जाने पर प्रभारी अधिकारी ने नाराजगी जाहिर की है। वही सीएमओ डॉ संजय भटनागर का कहना है कि अस्पतालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रक्रिया होती है, जिसका पालन किया जा रहा है। सेक्टर आफीसर की रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

होम आइसोलेशन वाले मरीजों के लिए जनपद स्तर पर नोडल नामित

लखनऊ। होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों को आक्सीजन की आपूर्ति में आ रहीं समस्याओं का संज्ञान लेते हुए मंडलायुक्त रंजन कुमार ने आसानी से आक्सीजन आपूर्ती सुनिश्चित कराने के लिए मंडल के जनपदों में सेंटर निर्धारित कर नोडल अधिकारी नामित किए हैं। होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों के परिवारजन अपने जनपदों में निर्धारित सेंटरों से ऑक्सीजन गैस प्राप्त कर सकते है तथा गैस प्राप्त करने में आ रही किसी भी समस्या के समाधान के लिए नोडल अधिकारी से संपर्क कर अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं।

क्विक न्यूज

आजम खान की सेहत में सुधार, वार्ड में हुए शिफ्ट

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के चलते मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की हालत में काफी सुधार है। आजम खान की सेहत को देखते हुए अस्पताल की तरफसे उन्हें कोविड आईसीयू से निकाल कर वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। मेदांता हॉस्पिटल के निदेशक डॉ राकेश कपूर की तरफसे जारी मेडिकल बुलेटिन में कहा गया है कि सपा सांसद आजम खान को सीवियर कोविड इन्फेक्शन के कारण आईसीयू में रखा गया था। आजम खान की तबियत में सुधार को देखते हुए उनको वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। आज उनकी तबियत बेहतर और संतोषजनक है। वही मोहम्मद अब्दुल्ला खान की स्थिति स्थिर एवं संतोषजनक है, उन्हें भी डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। बता दें कि आजम खान व उनके पुत्र को मेदांता हॉस्पिटल में बीते 9 मई को कोरोना संक्रमण के चलते भर्ती कराया गया था।

बिना मॉस्क 2182 लोगों का कटा चालान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कोरोना गाइड लाइन व यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस ने बिना मॉस्क 2182 लोगों का चालान किया। इसके साथ ही यातायात पुलिस ने 322 वाहनों का ई-चालान करते हुए 97500 रुपये का शमन शुल्क किया। इनमें दो पहिया वाहन में बिना हेलमेट में चालान 178, तीन सवारी में चालान आठ, चार पहिया में सीट बेल्ट में चालान 37, बिना लाइसेन्स के वाहन चलाने में 37, बिना प्रदूषण सर्टिफेकिट के वाहन में 18, अन्य अफेन्स में 10 ,रांग साइड में 11 व नो पार्किंग में 36 वाहनों के चालान शामिल हैं। इसके अलावा यातायात पुलिस ने बिना मॉस्क चार व कमिश्नरेट पुलिस ने 2178 लोगों का चालान काटा।

पांच जून तक इंटर स्टेट बस सेवाओं पर रोक

लखनऊ। कोरोना महामारी के चलते यूपी से गैर राज्यों के बीच 5 जून तक इंटर स्टेट बस सेंवाओं पर रोक लगा दी गई है। यह जानकारी देते हुए परिवहन निगम के प्रधान प्रबंधक डीबी सिंह ने बताया की लखनऊ समेत यूपी के कई जनपदों से अन्य राज्यों के लिए बसें नहीं चलेंगी। इनमें यूपी से दिल्ली, उत्तराखंड, राजस्थान, बिहार, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेशए चंडीगढ़ के बीच करीब 700 बसों का संचालन हो रहा था। बता दें कि यूपी से इन राज्यों के बीच एसी जनरथ, एसी स्लीपर, एसी शताबदी व वोल्वो का संचालन किया जा रहा था। इन बसों से रोजाना 15000 से ज्यादा यात्री एक राज्य से दूसरे राज्य के बीच सफर करते थे। इस दौरान गैर राज्यों के बीच ऑनलाइन सीटों की बुकिंग भी बंद कर दी गई है।

वीआईपी नंबरों की नई सीरीज कल से

लखनऊ। दो व चार पहिया नए वाहनों पर वीआईपी नंबरों की नई सीरीज 19 मई से शुरू रही है। इस बार नंबरों की नई सीरीज यूपी 32 एमसी से शुरू होगी। जिसमें 443 अगल अलग चार श्रेणियों के नंबर होंगे। इन नंबरों पर ऑनलाइन नीलामी बोली में हिस्सा लेने के लिए नए वाहन मालिक बुधवार से रजिस्ट्रेशन करा सकते है। यह जानकारी देते हुए एआरटीओ प्रशासन अखिलेश द्विवेदी ने बताया कि परिवहन विभाग की बेवसाइट पर 19 मई की सुबह दस बजे से पंजीयन करा सकते है।

ग्रामीणों के असहयोग से परवान नहीं चढ़ पा रही टेस्टिंग की योजना

बख्शी का तालाब। ग्रामीणों के असहयोग से कोरोना के निवारण के तहत रोस्टिंग टेस्टिंग ट्रेकिंगऔर दवाओं का वितरण सुनिश्चित होने में बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अभियान के तहत सोमवार को शिवपुरी में 60, बेहटा में 74 व मुसपिपरी में 64 जांचों के लिये ही लोग सामने आये हैं । बीकेटी बीडीओ पूजा सिंह के मुताबिक सरकार के मंशा के अनुरूप निवारण के समस्त उपाय किये जा रहे है। लेकिन ग्रामीणों के समुचित सहयोग न करने के कारण तीन गांवो में मात्र 198 जांचों के साथ दवाइयों का वितरण संभव हो सका है। निगरानी समितियों के सहयोग सेग्रामीणों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है ।

मरीजों को संक्रमण से उबारने में बेहद कारगर हो रहीं आयुर्वेदिक दवाएं

मोहनलालगंज। आयुर्वेदिक दवाएं कोरोना संक्रमित मरीजों को सेहतमंद बनाने में बेहद कारगर साबित हो रही हैं। यह दवाएं सभी राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय से नि:शुल्क दी जा रही हैं। आयुष कवच एप के जरिए प्राणायाम और योगासन का अभ्यास कर फेफड़ों को संक्रमण के दुष्प्रभाव से बचाया जा सकता है। सोमवार को पायनियर संवाददाता से बातचीत के दौरान राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय मोहनलालगंज के नोडल अधिकारी डॉ. राकेश ने बताया कोरोना संक्रमण की चपेट में आने के बाद सामान्य लक्षणों वाले मरीजों को आयुष-64 ,संशमनी बटी ,अणु तेल और आयुष काढ़े का आयुर्वेदिक चिकित्सक से परामर्श लेकर नियमित प्रयोग शुरु कर देना चाहिए। जिसके काफी अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। हालांकि गंभीर मरीजों को अस्पताल ले जाकर भर्ती कराने में देर नहीं करनी चाहिए। डॉ राकेश ने बताया आयुर्वेदिक दवाओं की किट सरकार की ओर से सभी आयुर्वेदिक अस्पतालों में मुफ्त दी जा रही है। उन्होने बताया यह दवाएं लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर कोरोना संक्रमण से सुरक्षित रखने में भी बेहद उपयोगी हैं। नोडल अधिकारी डॉ राकेश ने बताया राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय की ओर से लगातार आयुर्वेदिक दवाओं की किट मरीजों को वितरित की जा रही है। अब तक 160 लोगों को किट दी जा चुकी है।

कोविड अस्पतालों में तीमारदारों को बांटे भोजन के पैकेट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ह्यूमन वेलफेयर इक्वल जस्टिस संस्था के लोगों ने सोमवार को सिविल हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेज, राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल समेत राजधानी के विभिन्न कोविड अस्पतालों में भर्ती मरीजों के तीमारदारों को 500 भोजन के पैकेट, पानी व मास्क बांटे।

संस्था के संस्थापक हेमंत कुमार मिश्रा ने बताया कि लॉक डाउन में खाने पीने की दुकानें बंद होने के कारण तीमारदारों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। लिहाजा अन्य सक्षम लोगों को इनकी मदद में आगे आना चाहिए। हेमंत के मुताबिक भोजन वितरण अभियान में संरक्षक मनीष जैन, जिलाध्यक्ष सीतापुर सत्येंद्र कुमार शुक्ला, जिलाध्यक्ष उन्नाव अभिषेक मिश्रा, उमेश यादव, राघवेंद्र सिंह यादव, कुंवर प्रताप सिंह, देशराज सिंह यादव, कमरुल चौधरी, प्रशांत वर्मा, अतुल सिंह, आशीष रावत, मोहम्मद सलमान, शुभम गुप्ता व रजनी रावत आदि साथी दिन रात अपनी सेवा देने में जुटे हुए हैं।

दो बार पॉजिटिव निकलने पर किया खुदकुशी का प्रयास

लखनऊ। कोरोना संक्रमण शारीरिक के साथ ही मानसिक कष्ट भी दे रहा है। संक्रमण से उबरने के बाद भी लोग अवसाद की चपेट में आ रहे हैं। ऐसा ही वाकया ग्रमीण सड़क अधिकरण के अकाउंटेंट के साथ हुआ। उन्होंने तनाव में आकर गले और हाथ की नस काट कर खुदकुशी करने का प्रयास किया। एसीपी हजरतगंज राघवेंद्र मिश्र के मुताबिक न्याय विहार कालोनी में अकाउंटेंट परिवार के साथ रहते हैं। 15 अप्रैल को कोविड लक्षण होने पर उन्होंने टेस्ट कराया था। रिपोर्ट पाजीटिव आने पर वह होम आइसोलेशन में थे। जिसकी अवधि पूर्ण होने के बाद उन्होंने दोबारा से कोविड परीक्षण कराया। इस बार भी उनकी रिपोर्ट पॉजीटिव आई। दोबारा से संक्रमित होने पर अकाउंटेंट अवसाद में चले गए। एसीपी के मुताबिक 11 मई को अकाउंटेंट का फिर से कोविड परीक्षण हुआ था। इस बार रिपोर्ट निगेटिव आई। लेकिन एक महीने तक होम आइसोलेशन में रहने की वजह से अकाउंटेंट अवसाद का शिकार हो गए। सोमवार सुबह उन्होंने ब्लेड से हाथ की नस काट ली। उन्होंने गले की नस पर भी वार किया था। खून अधिक बहने से वह गिर पड़े। परिवार वालों ने अकाउंटेंट को घायल देख उन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल के पोस्ट कोविड वार्ड में भर्ती कराया है। एसीपी के मुताबिक अकाउंटेंट की हालत पहले से बेहतर है।

आप ने शुरू की ऑक्सीजन युक्त मुफ्त ऑटो एंबुलेंस सेवा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अस्पताल तक जाने के लिए परेशान लोगों को एंबुलेंस वालों की मनमानी न झेलनी पड़े, इसके लिए आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की ओर से मुफ्त ऑटो एंबुलेंस सेवा शुरू की गई है। ऑक्सीजन युक्त ये ऑटो एंबुलेंस उन मरीजों के बहुत काम आएगी, जिनका ऑक्सीजन लेवल गिर रहा है। अब राजधानी के लोगों को अस्पताल जाने के लिए एंबुलेंस वालों को 20-25 हजार रुपए नहीं देने पड़ेंगे। सोमवार को ये बातें आप के प्रदेश प्रभारी राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने ऑटो एंबुलेंस सेवा को हरी झंडी दिखाने के बाद कहीं। संजय सिंह ने महामारी के इस दौर में पार्टी के साथियों द्वारा लोगों की मदद का जज्बा दिखाने पर उनकी सराहना की। बताया कि इस एंबुलेंस सेवा का प्रबंध पार्टी के साथियों ने आपसी चंदे से किया है। प्रदेश भर से एंबुलेंस वालों की मनमानी की खबरों के बीच यह सेवा मानवता की सेवा के लिए इस वक्त बेहद प्रासंगिक है। कुछ दिन पहले दिल्ली में ऑटो एंबुलेंस सेवा शुरू की थी। इसका अनुसरण करते हुए पार्टी के साथियों ने मेरठ, बनारस, प्रयागराज, नोएडा, गाजियाबाद आदि शहरों में ऑक्सीजन सिलिंडर युक्त ऑटो एंबुलेंस की सेवा शुरू की है। सोमवार को राजधानी में इसकी शुरुआत हुई। इसके लिए 9818430043 पर कॉल करना होगा।

अवैध रूप से संचालित हो रहा था हुक्का बार सात गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● भारी मात्रा में हुक्का व अन्य सामग्री बरामद

राजधानी में जहां एक तरफ लोग वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से जिंदगी बचाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ पैसों के नशे में चूर रईशजादे कोरोना कर्फ्यू की धज्जियां उड़ाने से बाज नहीं आ रहे हैं। सोमवार को पुलिस को सूचना मिली कि आशियाना थाना क्षेत्र के बंगला बाजार में कोविड 19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर अवैध रूप से एक हुक्का बार का संचालन किया जा रहा है इस पर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर सात लोगों को दबोच लिया और भारी मात्रा में हुक्का बरामद किया है। जानकारी के अनुसार आशियाना थाना क्षेत्र के बंगला बाजार में स्थित मुथूट फाइनेंस बिल्डिंग के दूसरे तल पर हुक्का बार में छापा मार कर सेक्टर एच आशियाना के रहने वाले शारिक हुसैन, राम नगर आलमबाग के रहने वाले राजवीर सिंगर ,बंगला बाजार आशियाना के रहने वाले सुल्तान, सेक्टर एफ कृष्णा नगर के रहने वाले तुषार, सनशाइन सिटी कृष्णा नगर के रहने वाले अमित सिंह उर्फ अमित डेंबला, सेक्टर आई आशियाना के रहने वाले नदीम सिद्दीकी व अमीनाबाद के रहने वाले मानिक को गिरफ्तार कर अवैध रूप से संचालित हुक्का बार से 7 हुक्के 6 चिलम बरामद कर लिए।

CITY MONTESSORI SCHOOL FOUNDERS DECLARE THEIR PERSONAL ASSETS

Dr. Jagdish Gandhi & Dr. Bharti Gandhi, Founders of City Montessori School, Lucknow have declared their personal assets as on 1st April, 2021

Also see on Website: www.jagadishgandhiforworldhappiness.org

Details of Assets	Figure in Rupees
1- VEHICLES:	
Honda JAZZXMAT A/C Car	Rs. 1,65,984.00
2- INVESTMENTS:	
Infrastructure Bonds - Bharti Gandhi	Rs. 40,000.00
Infrastructure Bonds - Jagdish Gandhi	Rs. 40,000.00
Tax Saving - Bharti Gandhi (Allahabad Bank Hussainganj)	Rs. 1,18,620.00
Tax Saving - Jagdish Gandhi (Allahabad Bank Hussainganj)	Rs. 1,01,673.00
TOTAL	Rs. 3,00,293.00
3- SHARES (Current Value):	
100 Shares of Union Bank of India @ 34.05 per share as on 31/03/2021 - Jagdish Gandhi	Rs. 3,405.00
100 Shares of Bank of India @ 67.85 per share as on 31/03/2021 - Jagdish Gandhi	Rs. 6,785.00
100 Shares of Union Bank of India @ 34.05 per share as on 31/03/2021 - Bharti Gandhi	Rs. 3,405.00
200 Units of UTI Mutual Fund @ 177.345 per unit (master gain) as on 31/03/2021- Bharti Gandhi	Rs. 35,469.00
1166.006 Units of Kotak Mahindra Mutual Fund @ 58.66 - Bharti Gandhi	Rs. 68,397.44
4964 Shares @ 25.00 per share of Hindustan Cooperative Bank Limited - Bharti Gandhi	Rs. 1,24,100.00
TOTAL	Rs. 2,41,561.44
4- CASH IN HAND:	
Cash-in-hand Bharti Gandhi (as on 31/03/2021)	Rs. 3,21,526.00
Cash-in-hand Jagdish Gandhi (as on 31/03/2021)	Rs. 2,78,574.00
TOTAL	Rs. 6,00,100.00
5- BANK ACCOUNTS & BALANCES: As on 31-03-2021	
Allahabad Bank Hussainganj, Saving Bank A/c No. 20296581190	Rs. 6,08,369.40
Allahabad Bank Hussainganj, Saving Bank A/c No. 20296592678	Rs. 1,27,573.96
Allahabad Bank Hussainganj, Saving Bank A/c No. 20296581032	Rs. 64,304.34
Yes Bank Ltd., Saving Bank A/c No. 001890700003782	Rs. 1,40,507.33
TOTAL	Rs. 9,40,755.03
6- Net Assets as on 1st April 2021:	
Net worth of Assets (Rupees Twenty-Two Lakh Fourty-Eight Thousand Six Hundred Ninty-Three and Paise Fourty-Seven only)	Rs. 22,48,693.47

OUR DECLARATION

- We do not have any personal Land, Property or own house. We are living in a rented House for the past 62 years.
- We do not have any Foreign Currency, Gold, Silver Jewellery or Ornaments. We have no Locker anywhere.
- We do not have any Current Account in any bank.
- We do not have any Fixed Deposit.

We do not have any thing else other than the above in this world.

www.jagadishgandhiforworldhappiness.org/assets.html

Signature (Dr. Bharti Gandhi)

R.N. Khanna & Co. Chartered Accountants, Lucknow

Signature (Dr. Jagdish Gandhi)

Space donated by "Pioneer" issued in public interest

पहले दिन कुल 179 युवाओं ने ली पहली डोज

● मोहनलालगंज सीएचसी में युवाओं के लिए भी वैक्सीनेशन शुरू

संवाददाता। मोहनलालगंज

युवाओं के लिए मोहनलालगंज सीएचसी पर कोविड वैक्सीनेशन की शुरुआत हो गई है। हालांकि वैक्सीनेशन के लिए 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को पहले से ही आनलाइन रजिस्ट्रेशन के जरिए एप्वाइंटमेण्ट लेकर आना अनिवार्य किया गया है। सोमवार को वैक्सीनेशन के पहले दिन कुल 179 युवाओं ने वैक्सीन की पहली डोज ली। जबकि अधेड़ उम्र के 36 लोगों ने वैक्सीनेशन कराया। सीएचसी अधीक्षिका ज्योति कामले ने बताया सीएचसी पर 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों को वैक्सीन लगवाने की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। वैक्सीनेशन के लिए लोगों को कोविन पोर्टल पर आनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने के बाद तिथि और समय पहले से ही तय कर दिया जा रहा है। इससे लोगों को असुविधा से छुटकारा मिल जा रहा है। सीएचसी परिसर की बीएमसी बिल्डिंग में वैक्सीनेशन के लिए दो सेण्टर बनाए गए हैं। उन्होने बताया सोमवार को पुरसेनी और परेहटा में कोविड टेस्टिंग के लिए कैम्प लगाकर 83 लोगों की टेस्टिंग कर दवाएं वितरित की गई। वहीं एसडीएम विकास सिंह ने शिवलर गांव का दौरा कर निगरानी समिति के जरिए संचालित हो रहे घर-घर जांच अभियान की नब्ज टटोली और बीमार मरीजों के परिवार को खुद मेडिसिन किट वितरित की।

मोहनलालगंज सीएचसी पर कोविड वैक्सीन की पहली डोज ले चुके लोगों को दूसरी डोज के लिए इंतजार करना होगा। सरकार की नई गाइडलाइन के मुताबिक पहली डोज ले चुके लोगों को 12 सप्ताह बाद दूसरी डोज दी जाएगी। सीएचसी अधीक्षिका ज्योति कामले ने बताया लोगों को पहली डोज के तीन महीने बाद दूसरी डोज दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से इसका नया शिड्यूल जारी कर दिया गया है। लोगों को लगातार इसकी जानकारी दी जा रही है।

पत्रकारों ने एसडीएम से की वैक्सीनेशन कैम्प की मांग: पत्रकार एसोसिएशन ने पत्रकारों और उनके परिवार के लिए विशेष वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित करने की मांग की है। सोमवार को एसोसिएशन ने एसडीएम विकास सिंह से मोहनलालगंज ,नगराम व गोशाईगंज सीएचसी और निगोहां पीएचसी पर स्थानीय पत्रकारों के लिए आनलाइन रजिस्ट्रेशन कराकर विशेष वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित कराने का आग्रह किया। एसडीएम ने उच्च अधिकारियों से परामर्श कर पत्रकारों और उनके परिवार के लिए वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित कराने का भरोसा दिलाया।

अनियंत्रित ट्रेलर की चपेट में आकर तीन की मौत

संवाददाता। सरोजनीनगर

सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में सोमवार शाम पुलिस द्वारा की जा रही वाहन चेकिंग के दौरान एक बड़ी दुर्घटना घटने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के दौरान ट्रक ट्रेलर के नीचे दबे तीनों शवों को क्रेन के जरिए ट्रक ट्रेलर हटाकर बाहर निकाला गया। बाद में जानकारी पाकर पहुंचे एक मृतक के परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए काफी देर तक शव नहीं उठाने दिया और वहीं पर जमकर हंगामा करने लगे। मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा कर रहे लोगों का आरोप था कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलिस द्वारा अगर चेकिंग नहीं की जा रही होतीए तो शायद यह घटना नहीं होती। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सरोजनीनगर के कानपुर रोड स्थित स्कूटर इंडिया चौराहे पर सोमवार शाम करीब 5 बजे पुलिस द्वारा दोनों पटरी पर दोपहिया वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। तभी बंथरा की ओर से आ रहे एक बाइक सवार को पुलिस वालों ने चेकिंग के लिए अचानक रोक लिया। इसी बीच पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ट्रेलर का चालक उसे बचाने के चक्कर में अपने वाहन का नियंत्रण खो बैठा और ट्रक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सर्विस रोड को डिवाइडर फांदते हुए सार्वजनिक शौचालय में जा घुसा। इस हादसे में शौचालय में शौच करने पहुंचा पास के ही बिजनौर रोड पर दुकान चलाने वाला बंथरा के भटगांव निवासी सुफियान 25 ट्रक टेलर के नीचे दब गया। जबकि उधर से गुजर रहे दो अज्ञात बाइक सवार युवक भी ट्रक ट्रेलर के नीचे दब गये। बाद में दो क्रेनों की मदद से ट्रक ट्रेलर को हटाकर उसके नीचे दबे तीनों लोगों को बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक सुफियान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि गंभीर हालत में दोनों अन्य को सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। उधर घटना के बाद कानपुर रोड की कानपुर से लखनऊ आने वाली पटरी पर भीषण जाम लग गया। बाद में घटना की सूचना पाकर पहुंचे सुफियान के परिजनों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर वहीं पर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा कर रहे लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर पुलिस को काफी देर तक मृतक सुफियान का शव नहीं उठाने दिया।

परिजनों का आरोप था कि अगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलिस वाहन चेकिंग नहीं कर रही होती तो शायद यह घटना ना होती। हालांकि बाद में पुलिस ने हंगामा कर रहे लोगों को उचित सरकारी मुआवजा दिलाने का आश्वासन देकर उन्हें शांत किया फिलहाल पुलिस ने काफी देर बाद कड़ी मशक्कत कर तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाई युवती केस में कोर्ट के आदेश पर ही मुकदमा दर्ज करेगी पुलिस

लखनऊ। कमिश्नरेट पुलिस ने साफ कर दिया है कि थाईलैंड की युवती की रहस्यमय मृत्यु के मामले में वह कोर्ट के आदेश के बाद ही एफआईआर दर्ज करेगी। एक्टिविस्ट डॉ. नूतन ठाकुर द्वारा मुकदमे के लिए प्रेषित प्रार्थनापत्र पर थाना विभूतिखंड के दरोगा मनोज यादव ने जवाब दिया है कि इस मामले में थाना गौतमपल्ली में एक एफआईआर दर्ज की गयी है, साथ ही समाचार पत्रों से यह भी ज्ञात हुआ है कि इस मामले में आवेदिका ने मुकदमा दर्ज करने के लिए सीजेएम कोर्ट लखनऊ में प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया है। नूतन ने अपने प्रार्थनापत्र में कहा था कि उनके द्वारा प्रस्तुत प्रार्थनापत्र में धारा 5 अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 के साथ 120बी, 177, 201, 203, 465 व 466 आईपीसी का अपराध बन रहा है, जो संज्ञेय अपराध है। पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज नहीं करने पर उन्होंने लखनऊ पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिया है। जिसपर सुनवाई होनी है।

हर जिले में प्लाज्मा बैंक की तैयारी में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद

● कर्मचारी संगठन बना रहा प्लाजा डोनर डायरेक्ट्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष इं हरिकिशोर तिवारी ने प्रदेश के समस्त सम्बंध संगठनों एवं परिषद के जिलाध्यक्ष, मंत्रियों को एक पत्र जारी कर जनपद में कोरोना संक्रमण का शिकार होकर रिकवर हुए कार्मिकों की सम्पूर्ण जानकारी केन्द्रीय कार्यालय प्रेषित करने के निर्देश दिए है।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से विशेषज्ञ तीसरी लहर आने का दावा कर रहे है और दूसरी लहर के दौरान संक्रमित हुए कार्मिकों और शिक्षकों को संसाधनों के अभाव में भारी दिक्कतो के साथ हजार की संख्यामें कर्मचारी और शिक्षकों को जान गॅवानी पड़ी है ऐसी स्थिति से निपटने के लिए अगर वास्तव में तीसरी लहर आई तो उक्त संकलित जानकारी से बनी डायरेक्ट्री कर्मचारी शिक्षक और उनके परिजनों के लिए बहुत लाभदायक साबित होगी।

परिषद के अध्यक्ष ने समस्त पदाधिकारियों को लिखे पत्र में कहा है कि कोरोना महामारी के तहत हम कर्मचारियों के भी सगे संबंधी और परिवारिक जन् काफी संख्या में कोरोना ग्रस्त हो चुके हैं। 1000 से अधिक संख्या में मौतें भी हुई है। जो बचे हैं उनमें संभावना बाकी है उनकी भी ड्यूटी चुनाव के बाद अब कोरोना रोकथाम में लगाई गई है। विशेषज्ञों के अनुसार तीसरी लहर आने तक बहुत ही स्थितियां गंभीर होंगी। इसमें एक बात बार-बार मेडिकल साइंस की तरफ से बताई जा रही है कि जिन्हें करोना हो चुका है उनका प्लाज्मा देने से गंभीर रोगी को राहत मिल सकती है। ऐसी स्थिति में अगर हर जनपद में एक प्लाजा बैंक स्थापित होगा तो हजारों जाने बच सकती है। ऐसे उन सहयोगी सदस्यों, कार्मिकों और उनके पारिवारिक जनों का कोरोना पॉजिटिव कार्ड की फोटो कॉपी और उनके ब्लड ग्रुप की एक लिस्ट बनाकर रखने तथा उसकी एक कापी केन्द्रीय कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए है ताकि एक डिजीटल डारेक्ट्री बना ली जाए और सभी को सुलभ करा दी जाए।

तिवारी ने बताया कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने रक्त प्लाज्मा थैरेपी से कोविड-19 संक्रमित मरीजों के उपचार के ट्रायल की अनुमति दे चुकी है। यह भी बात गौर करने वाली है कि महामारी के केंद्र चीन में इस विधि से इलाज में सकात्मक नतीजे आए हैं। कोरोना से ठीक हो चुके एक व्यक्ति के खून से कोरोना पीड़ित चार लोगों का इलाज किया जा सकता है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

● चिनहट में निजी सुरक्षाकर्मी की हादसे में गई जान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी में रफ्तार कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है । ताजा मामला काकोरी थाना क्षेत्र के ग्राम बेहटा नारायणपुर रोड का है जहां एक सड़क हादसे के दौरान एक युवक की मौत हो गई, वहीं दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए घायल को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है, वहीं काफी हंगामे के बाद पुलिस ने परिजनों को समझा बुझाकर मृतक युवक के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार जुबेर पुत्र साबिर निवासी अमांवा बाइक से सवार होकर किसी निजी कार्य के लिए जा रहे थे। तभी बेहटा चौराहे से थोड़ा सा आगे नारायणपुर रोड़ पर अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। जिसमें जुबेर की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं साबिर गंभीर रूप से घायल हो गएए घायल को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है, वहीं घटना के बाद से नाराज ग्राम वासियों ने रोड़ जाम कर घंटो प्रदर्शन किया प्रदर्शन के दौरान एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाने बुझाने का प्रयास किया। कई घंटे समझाने के बाद परिजन शव को पोस्टमार्टम भेजने के लिए राजी हुए। मामला शांत होने के बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में काकोरी इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह गौर ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है, परिजनों द्वारा भी कोई तहरीर नहीं मिली है तहरीर मिलने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। वहीं चिनहट थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में निजी सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक चिनहट धनंजय कुमार पांडे ने बताया कि मूल रूप से दुल्लापुर कला थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी निवासी अंकित शुक्ला पुत्र अशोक कुमार शुक्ला 121 लोहरामऊ कृष्ण लोक नगर फैजुल्लागंज में निवास करते हैं। अंकित शुक्ला ने बताया कि उनके पिता अशोक कुमार शुक्ला वर्तमान समय में देवा रोड चिनहट स्थित एक सिक्योरिटी कंपनी में विगत 22 वर्षों से कार्य कर रहे थे। सोमवार को सुबह अपनी ड्यूटी खत्म करके मोटरसाइकिल से घर आ रहे थे। उसी समय टाटा मोटर्स कंपनी से कुछ दूर पर दयाल फार्म गेट के सामने एक गाड़ी ने तेजी से लापरवाही पूर्वक ठोकर मार दी जिससे उनके पिता बुरी तरह से घायल हो गए जिनको इलाज के लिए डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने उनके पिता अशोक कुमार शुक्ला को मृत घोषित कर दिया इस सूचना के बाद चिनहट पुलिस अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार में आदि शंकराचार्य का महान योगदान : डा. प्रवीण

● सनातन महासभा व सनातन ब्राह्मण महासभा की ओर से जगदगुरु आदि शकराचार्य व संत सूरदास की जयंती मनाई गई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सनातन महासभा व सनातन ब्राह्मण महासभा की ओर से सनातन धर्म के विस्तार करने वाले मार्गदर्शक पूज्य जगदगुरु आदि शकराचार्य व संत सूरदास की पावन जयंती जानकीपुरम कार्यालय पर सोमवार को कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आनलाइन मनाई गई। इस मौके पर अध्यक्ष डा. प्रवीण ने कहा कि शंकराचार्य हिन्दू धर्म में सर्वोच्च धर्म गुरु का पद है जो इस पद की परम्परा आदि गुरु शंकराचार्य ने आरम्भ की। उन्होंने सनातन धर्म की प्रतिष्ठा हेतु भारत के चार क्षेत्रों में चार मठ स्थापित किये तथा शंकराचार्य पद की स्थापना करके उन पर अपने चार प्रमुख शिष्यों को आसीन किया। तबसे इन चारों मठों में शंकराचार्य पद की परम्परा चली आ रही है। यह पद अत्यंत गौरवमयी माना जाता है। उनहोंने कहा कि हिंदू धर्म के प्रचार प्रसार में आदि शंकराचार्य का महान योगदान है। उन्होंने भारतीय सनातन परम्परा को पूरे देश रोशन किया। संस्था से जुड़े लोगों ने अपने अपने घरों में जगदगुरु की पावन जयंती के अवसर पर शंखनाद करके पांच पांच दीपक घरों के बाहर जलाये और गरीब लोगों को भोजन दान किया।

इस कार्यक्रम में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से आनंद नारायण जी महाराज, अरुण द्विवेदी, नवीन द्विवेदी, संजय चौबे, स्नेहलता मिश्रा, राजीव शुक्ला, अमरनाथ मिश्र, हेमलता त्रिपाठी, मनीष अवस्थी, राजा पाठक, गोपाल कृष्ण पाठक, कमल आदि उपस्थित हुए।

खेत तालाब योजना का ऑनलाइन पंजीयन आज से शुरू

प्रदेश सरकार कृषि व किसान को समृद्धशाली बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहीः एपी श्रीवास्तव

लखनऊ। कृषि निदेशक डॉ एपी श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश सरकार कृषि और किसान को समृद्धशाली बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। खेत तालाब योजना प्रदेश में संचालित की जा रही है । उक्त योजनान्तर्गत जनपदवार आबंटित लक्ष्यों के अनुरूप 18 मई 2021 से ऑनलाइन पंजीयन का कार्य शुरू कर दिया जाएगा, कृषक खेत तालाब का ऑनलाइन पंजीकरण का लाभ उठाएं। उन्होंने इस खरीफसीजन के लिए पांच महत्वपूर्ण संकल्प सूत्र दिए हैं। प्रदेश में 59 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में धान की फसल ली जाती है यदि किसान उन्नत तकनीकी अपनाकर धान का उत्पादकता स्तर थोड़ा बढ़ाएं और मात्र 1 प्रतिशत क्षेत्रफल कम कर लें तो चावल की उत्पादन वृद्धि के साथ- साथ अन्य फसलों की बुवाई को बढ़ावा दिया जा सकेगा । वर्तमान परिदृश्य में जब मानव स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता है तो ऐसी स्थिति में संतुलित पोषण देने वाली दलहन, मोटे अनाज न्यूट्री सीरियलस जैसे ज्वार , बाजरा कोदो सावा जैसी फसलों का रकबा बढ़ाना है । मृदा स्वास्थ्य पर ध्यान देते हुए अधिक से अधिक क्षेत्र में ट्रैचा बुआई तथा वैचा बीजोत्पादन कराना है। प्रदेश के 92 प्रतिशत लघु एवं सीमांत किसानों की अधिकांश समस्याओं का हल एफपीओ है। इन किसानों को एफपीओ के माध्यम से संगठित कर सामूहिक खेती को बढ़ावा देकर खेती की लागत कम करके इनकी छोटी छोटी जोतों को लाभकारी बनाया जा सकता है। अंतिम किंतु सबसे महत्वपूर्ण है प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन। इसके लिए वाटर हार्वेस्टिंग तकनीकी जैसे मेड़बंदी, समतलीकरण, खेत तालाब चेक डैम आदि का कृषकों की सहभागिता से अभियान चलाकर निर्माण कराने की रणनीति अपनाई जा रही है।

रेगुलेटरी सरचार्ज का प्रस्ताव आपदा में अवसर खोजने जैसाः अनुपम मिश्रा

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुपम मिश्रा ने बिजली कंपनियों द्वारा उपभोक्ताओं पर रेगुलेटरी सरचार्ज लगाए जाने का तीखा विरोध करते हुए इसे जले पर नमक छिड़कने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि जब पूरे प्रदेश में मौत का तांडव मचा हुआ है, लोग जीवन और मौत का संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे समय में बिजली कंपनियों द्वारा उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग में चुपचाप रेगुलेटरी सरचार्ज लगाए जाने का प्रस्ताव दाखिल करना और यह कहना कि उनका उनका 49827 करोड़ों रुपया उपभोक्ताओं पर बनता है इसलिए उपभोक्ताओं पर रेगुलेटरी सरचार्ज लगाया जाए। यह अपने आप में आपदा में अवसर खोजने जैसा है। सोमवार को एक बयान जारी कर राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि यदि यह प्रस्ताव आयोग में पारित होता है तो जनमानस पर सरचार्ज का अतिरिक्त भार तथा 12 फीसदी महंगी दर पर बिजली की आपूर्ति की जाएगी। अनुपम मिश्रा ने कहा कि यह समय राष्ट्रीय त्रासदी का है। जब लोग शारीरिक , मानसिक व आर्थिक रूप से बुरी तरह टूट चुके हैं और लोग धन के संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में इस तरह का प्रस्ताव उनकी संवेदनहीनता के साथ साथ उनका शातिर आना व्यवसायिक रवैया भी उजागर करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल ऐसे हर कदम का ना केवल पुरजोर विरोध करेगा बल्कि उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस मुश्किल समय में खड़ी रहेगा।

इण्टरनेशनल एबेकस कम्पटीशन में सीएमएस छात्र चैम्पियन

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम (प्रथम कैम्पस) के कक्षा-6 के छात्र पार्थ सारथी ने इण्टरनेशनल ऑनलाइन एबेकस कम्पटीशन में चैम्पियन का खिताब अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता शैक्षिक संस्था ब्रेनोब्रेन के तत्वावधान में आयोजित की गई। मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में कई देशों के प्रतिभाशाली छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी गणितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच राजाजीपुरम (प्रथम कैम्पस) के इस मेधावी छात्र ने एबेकस के माध्यम से विभिन्न ट्रिक्स अपनाकर गणित के सवालों के जवाब निकाले एवं अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चैम्पियन होने का गौरव प्राप्त किया। आयोजकों ने इस प्रतिभाशाली छात्र की बहुमुखी प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। श्री शर्मा ने बताया कि सीएमएस छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं क्योंकि सीएमएस अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें सामाजिक गतिविधियों एवं रचनात्मक कार्यों के लिए विशेष रूप से प्रेरित करता है।

वांछित गिरफ्तार, भेजा जेल

लखनऊ। गोसाईंगंज पुलिस ने सोमवार को वांछित चल रहे अपराधी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज अमरनाथ वर्मा के मुताबिक बीते पंद्रह मई को जौखंडी गांव निवासी दुर्गेश कुमार के खिलाफएक मामले में मुकदमा दर्ज कराया था। जो अभी तक वांछित चल रहा था। गोसाईंगंज पुलिस ने छापेमारी कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जानकीपुरम में युवक ने लगाई फांसी

लखनऊ। जानकीपुरम के सेक्टर 3 में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने पूरे घटना की जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर जानकीपुरम ब्रजेश सिंह ने बताया कि सेक्टर 3 जानकीपुरम निवासी पप्पू 30 अपनी पत्नी अनीता, बेटा सिद्धार्थ, आकाश व बेटी गुंजा के साथ रहता था। सोमवार शाम करीब 4 बजे पप्पू ने घर मे पंखे के कुंडे से चादर के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवारीजनों के अनुसार पप्पू शराब पीने का आदी था। पहले भी वह कई बार आत्महत्या करने का प्रयास कर चुका था।

मोबाइल लुटेरा 24 घंटे में गिरफ्तार

लखनऊ। वजीरगंज थाना क्षेत्र के तहत सिटी स्टेशन के पास रविवार की रात मोबाइल लूटकर भागे दो लुटेरों में से एक लुटेरे मसालची टोला खदरा के रहने वाले प्रदीप गोस्वामी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया है । पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए लुटेरे प्रदीप गोस्वामी का एक साथी संजय अभी फरार है जिसकी तलाश जारी है। बता दें कि रविवार की रात मोहन मेकिंग डालीगंज हसनगंज के रहने वाले धर्मेंद्र सिंह से उस समय प्रदीप गोस्वामी से अपने साथी संजय के साथ मिल कर मोबाइल लूटकर भाग गया था जब वो सिटी स्टेशन के पास मोबाइल पर बात करते हुए पैदल जा रहे थे। रात करीब 8 बजे हुई मोबाइल लूट की इस घटना का मुकदमा दर्ज कर वजीरगंज पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाले और घटना के महज़ 24 घंटों के अंदर ही शातिर लुटेरे प्रदीप गोस्वामी को सलाखों के पीछे पहुंचा कर धर्मेंद्र सिंह से लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया है। इंस्पेक्टर वज़ीरगंज घनश्याम मणि त्रिपाठी ने बताया कि यह पता लगाया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए लुटेरे प्रदीप गोस्वामी ने लूट की और कितनी वारदातों को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि लुटेरे प्रदीप के साथी संजय की सरगर्मी से तलाश जारी है।

तेज हवाओं ने ढहाया औषधीय वाटिका का प्रवेश द्वार

मोहनलालगंज। ब्लाक की औषधीय वाटिका का प्रवेश द्वार पहली आंधी के थपेड़े भी नहीं झेल सका। तेज हवाओं के झोंके से ही प्रवेश द्वार ढ़ह गया। तीन सप्ताह से अधिक वक्त बीत चुका है लेकिन ब्लाक अधिकारी अब तक प्रवेश द्वार का पुनर्निर्माण नहीं करा सके हैं। जिससे वाटिका की देखरेख प्रभावित हो रही है। मोहनलालगंज ब्लाक में पंचायत चुनाव से पूर्व औषधीय वाटिका का निर्माण कराकर ग्राम्य विकास मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह मोती सिंह के हाथों वाटिका का शुभारम्भ कराया गया था। लेकिन निर्माण में बरती गई लापरवाही से 22 अप्रैल की रात आई आंधी में वाटिका का प्रवेश द्वार तेज हवा के थपेड़ों से जमींदोज हो गया। तकरीबन 25 दिन गुजर चुके हैं लेकिन अब तक वाटिका के प्रवेश द्वार को दुरुस्त नहीं कराया जा सका है। इस बारे में बीडीओ अजीत कुमार सिंह का पक्ष लेने की कोशिश की गई लेकिन उनकी व्यस्तता की वजह से सम्पर्क नहीं हो सका।

अफसरों ने नहीं सुनी तो सफाई कर्मचारी संघ ने मुहैया कराए दो दर्जन पंजे

संवाददाता। मोहनलालगंज

संसाधनों के बगैर ही पंचायतो में सफाई अभियान चलाने के लिए भेजे जा रहे सफाईकर्मियों को उप्र पंचायतीराज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ ने जनसहयोग से दो दर्जन पंजे उपलब्ध कराएं हैं। हालांकि सफाई कर्मियों को संसाधन मुहैया कराने को लेकर अधिकारी सचिवों पर जिम्मेदारी छोड़कर पल्ला झाड़ने में जुटे हुए हैं।

मोहनलालगंज ब्लाक के अधिकतर ग्राम पंचायत सचिवों को फावड़ा ,पंजा ,हत्था ,ग्लब्स ,मास्क ,साबुन और रिक्शा-ट्राली उपलब्ध कराए बगैर ही ग्रामीणों के भरोसे सफाई अभियान चलाने के लिए पंचायतों में भेजा जा रहा है। सोमवार को पायनियर में प्रमुखता से खबर छपने के बाद उप्र पंचायतीजराज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ ने आपसी सहयोग जुटाकर 25 पंजे सफाई कर्मियों को मुहैया कराए हैं। जबकि अन्य जरुरी संसाधनों के लिए ब्लाक और जिले के अधिकारियों से मांग की गई है। उधर सचिव पंचायतनिधि का खाता संचालन ठप होने से धनाभाव बताकर संसाधन मुहैया कराने में दबी जुबां हाथ खड़े कर रहे हैं।

अफसरों से शिकायत पर भी नहीं हुई सफाई

मोहनलालगंज के दहियर गांव में व्यापक सफाई अभियान चलाने को लेकर बीडीओ और डीपीआरओ से शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। अधिकारियों ने मातहतों को टीम जुटाकर सफाई कराने का निर्देश भी दिया लेकिन अब तक गांव में अभियान चलाकर व्यापक सफाई नहीं हो सकी है। नाराज ग्रामीणों ने सीएम को ट्वीट कर शिकायत की है।

चारबाग पूर्वोत्तर रेलवे स्टेशन के बाहर अपने घर जाने के लिए साधन की तलाश में यात्रियों की भीड़

दिवंगत एम्बुलेंस कर्मियों के परिजनों को दी 25 लाख की सहायता राशि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 108, एएलएस व 102 एम्बुलेंस सेवाप्रदाता संस्था जीवीके ईएमआरआई ने अपने पांच दिवंगत कर्मचारियों के परिजनों को 25 लाख रुपये की सहायता राशि दी है। इन सभी कर्मचारियों की सेवाकाल के दौरान मृत्यु हो गई थी। इनमें अमिताभ मिश्र, प्रेम शंकर यादव, अंकुर कुमार, शिवराज सिंह एवं जयवीर के परिजनों को पांच पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि दी गई। इस संबंध में जीवीके ईएमआरआई यूपी के एचआर हेड लिंगराज दास ने बताया कि संस्था के वाइस प्रेसीडेंट टीवीएसके रेड्डी ने सोमवार को दिवंगत कर्मचारियों के परिजनों को सहायता राशि के चेक सौंपे हैं। उन्होंने दिवंगत कर्मचारियों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि एम्बुलेंस कर्मचारी दिन रात युद्धस्तर पर लोगों को सेवाएं दे रहे हैं। सेवाप्रदाता संस्था कर्मचारियों को हरसंभव सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

लिंगराज दास ने बताया कि प्रेमशंकर यादव महाराजगंज, शिवराज फर्रूखाबाद और जयवीर महोबा जनपद में पायलट के रूप में कार्यरत थे। जबकि अंकुर कुमार ईएमटी के रूप में जनपद जालौन और अमिताभ मिश्र इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर के रूप में लखनऊ में कार्यरत थे। ड्यूटी के दौरान विभिन्न कारणों से इनकी मृत्यु हो गई थी।

सभी चिकित्सा स्वास्थ्य कर्मियों को प्रोत्साहन राशि देने की मांग

● 25 मई को काला फीता बांधकर शासनादेश की प्रतियां जलाएंगे कर्मचारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश ने प्रदेश सरकार से सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि दिए जानेए उनके परिवारी जनों को प्राथमिकता के आधार पर वैक्सीनेशन कराए जाने और कोविड से मृत होने की दशा में उनके आश्रितों को 50 लाख की धनराशि के लिए समय सीमा तय कर तत्काल सहायता उपलब्ध कराये जाने की मांग सरकार से की है।

परिषद ने कहा है कि उनकी मांग पूरी न होने पर 25 मई को प्रदेश के सभी विशिष्ठ संस्थाओं एचिकित्सालय मेडिकल कॉलेजों प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्वास्थ्य केंद्रों एवं फील्ड के सभी स्वास्थ्य कर्मी काला फीता बांधकर कार्य करेंगे एवं अपन अपने चिकित्सालयों में कोविड-19 प्रोटोकाल का पालन करते हुए शासनादेश की प्रतियां जलाएंगे। वर्चुअल मोड पर परिषद की हुई बैठक के बाद महामंत्री अतुल मिश्रा ने बताया कि आज कर्मचारियों की मांगों के संबंध में महानिदेशक से मुलाकात की गई और उन्हें कर्मचारियों की मांगो से अवगत कराया गया। इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीपी मिश्रा ने कहा कि देशभर के कर्मचारियों को मृत्यु उपरांत उनके आश्रितों को 5000000 अनुग्रह राशि के रूप में दी जाने की व्यवस्था है परंतु स्थानीय अधिकारियों द्वारा उनके प्रपत्र समय से नहीं भेजे जा रहे हैं। जिससे सरकार की मंशा पूरी नहीं हो पा रही है। संगठन प्रमुख के के सचान ने कहा कि वास्तव में वर्तमान सरकार कर्मचारियों के लिए कुछ करना ही नहीं चाहती है यही कारण है कि शासन के समक्ष तमाम मांगे वर्षों से लंबित बनी हुई है।

घर वाले सोते रहे चोर खोल ले गए टुल्लू पंप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी में बेखौफ चोरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है आये दिन शातिर चोर किसी न किसी मकान दुकान या वाहन पर अपना हाथ साफ कर चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं ताजा मामला ठाकुरगंज का है जहां चोर मकान मालिक की मौजूदगी में मोबाइल फोन व टुल्लू की मोटर खोलकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार इंस्पेक्टर ठाकुर गंज ने बताया की गढ़ी पीरखां निवासी पवन कुमार श्रीवास्तव अपने परिवार के साथ घर के बरामदे में सो रहा था तभी घर में घुसे चोर ने मकान में रखे दो मोबाइल फोन व टुल्लू पंम्प का मोटर खोल लिया और फरार हो गए पुलिस ने वादी की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया और जाँच शुरू कर दी है।

अब कोरोना पर कड़ा प्रहार

● डीएम ने कहा आरआरटी टीम के साथ एसडीएम और बीडीओ भी करें भ्रमण, एक सप्ताह में 100 प्रतिशत हो कवरेज

अंबेडकरनगर। कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु सीएमओ कार्यालय में संचालित इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर में डीएम सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित किया गया। डीएम ने इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर से होम आइसोलेशन में भर्ती मरीजों को फोन करके उनका नियमित लिए जा रहे हाल-चाल का बना डिटेल रजिस्टर देखा। डीएम ने कहा कि आरआरटी टीम के साथ एसडीएम, खंड विकास अधिकारी तथा एमओआई सी भ्रमण करेंगे। एक सप्ताह में 100 कवरेज होना चाहिए। एकीकृत कोविड कमांड सेंटर से किए गए काल के दौरान यदि मरीज द्वारा कोई समस्या बताया जाता है तो तत्काल आरआरटी टीम को मरीज की समस्या के बारे में अवगत कराएं जिससे आरआरटी टीम तुरंत मरीज के पास पहुंचकर मरीज की सहायता कर सकें। मेडिसिन किट का वितरण करने के लिए चेतक टीम लगाया गया है। चेतक टीम केवल मेडिसिन किट का वितरण करेगी। आरआरटी टीम प्रतिदिन ऑक्सीजन का लेबल नहीं देखेगी। जब मरीज को सांस लेने में दिक्कत होती है तो ऑक्सीजन का लेवल चेक किया जाए। जनपद में रविवार को तजचबत-1037, एंटीजन -907 का सैंपल लिए गए। कुल पॉजिटिव रेट 0.96 रही जबकि होम आइसोलेशन में कुल 707 मरीज हैं। रविवार को कुल 26 मरीज को डिस्चार्ज किया गया। यह सभी मरीज ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। सीडीओ घनश्याम मीणा, एडीएम डॉ पंकज कुमार वर्मा, सीएमओ डॉ अशोक कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर ओम प्रकाश गौतम, एएसडीओ भरतलाल सरोज, राम नारायण वर्मा, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एस.के. वर्मा, डॉ आशुतोष सिंह तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में एक की मौत

मृतक के घर जुटी भीड़

अंबेडकरनगर। पुलिस चौकी लहटोरवा के निकट तेन्दुआ मोड़ हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। घटना रविवार की शाम 8रू00 बजे के करीब की उस समय की बताई जा रही है। जब ओमकार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय खाखनू उम्र लगभग 48 वर्ष निवासी तेंदुआ थाना बसखारी साइकिल से पुलिस चौकी की तरफ से तेंदुआ स्थित अपने घर आ रहा था।जैसे ही वह राष्ट्रीय राजमार्ग 233 तेंदुआ मोड़ पर पहुंचा ही था कि इसी बीच किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से डिवाइडर पर जा टकराया। जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आ गई। परिजनों के द्वारा एक निजी चिकित्सालय में इलाज के लिए ले जाया गया। जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तो परिजनों के द्वारा उसे गंभीर अवस्था में अतरौलिया स्थित चिकित्सालय ले जाया गया। इलाज के दौरान सोमवार को उसकी मौत हो गई। मौत की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मच गया। लहटोरवा पुलिस ने जरूरी कानूनी कार्रवाई करने के बाद शव का पंचनामा भरवाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के तीन बेटी व दो अबोध बेटों सहित कुल 5 बच्चे हैं। जिन के पालन पोषण की भी जिम्मेदारी मृतक पर ही थी। वहीं इस संदर्भ में थाना अध्यक्ष श्रीनिवास पांडे ने बताया कि मामला संज्ञान में है।जरूरी कानूनी कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज पंजीकृत कर अन्य जरूरी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

क्विक न्यूज

प्रदेश में हो रही अनगिनत मौतों के जिम्मेदार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस्तीफा दें: इनौस

अयोध्या। कोरोना महामारी के दौर में प्रदेश सरकार की नाकामियों को उजागर करते हुए संकट को हल करने के लिए इंकलाबी नौजवान सभा (इनौस) ने आज राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत अयोध्या समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों मे मांग दिवस के रूप में मनायाण् इस दौरान इंकलाबी नौजवान सभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अतीक अहमद ने कहा कि सरकार समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में विफल हो गयी है। प्रदेश में लोग बेमौत मरने को मजबूर हो गए हैण् सरकार खुद वाहवाही लूटने में मस्त है लेकिन जमीन पर जो हाल है वह बहुत ही दुःखद व भयावह है। लचर स्वास्थ्य व्यवस्था के चलते ही प्रदेश में अनगिनत मौतें हो रही हैं, जिसके लिए योगी सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है। जिला संयोजक अजय शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने सिर्फस्वास्थ्य व्यवस्था को ही लचर स्थिति में नहीं छोड़ा है बल्कि कानून व्यवस्था भी ध्वस्त है। जो भी लोकतांत्रिक तरीके से सरकार के खिलाफआवाज उठाएगा उस पर एफआईआर दर्ज कर दी जा रही हैण्जो लोकतंत्र में किसी भी तरह से जायज नहीं हैण् उन्होंने रिटायर्ड आईएएस सूर्य प्रताप सिंह के ऊपर लगाए गए मुकदमे तत्काल वापस लेने की मांग की। इंकलाबी नौजवान सभा उत्तर प्रदेश में हो रही अनगिनत मौत के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिम्मेदार मानता है और इस्तीफे की मांग करता हैण् इसके साथ.साथ प्रदेश में हो रही मौत को रोकने और लोगों के जीवन को बचाने के लिए निम्न मांगों को तत्काल लागू करने की मांग करता है।

चार माह से आधार कार्ड सीपीओ खराब

मिल्कीपुर अयोध्या। तहसील क्षेत्र के कुचेरा बाजार के उप डाकघर का आधार कार्ड मशीन सीपीओ करीब 4 माह से खराब पड़ा हुआ है तमाम ग्रामीण व बच्चे अपना आधार कार्ड बनवाने के लिए उप डाकघर के परिक्रमा का लगा रहे हैं। मालूम हो कि आधार कार्ड की आवश्यकता बैंक राशन कार्ड अस्पतालों में मरीजों के एडमिशन पेंशन अन्य सहित अन्य आवश्यक कार्यों के लिए सरकार ने आवश्यक कर दिया है फिर भी डाक विभाग के अधिकारी एकदम लापरवाह हो गए हैं। उप डाकघर उप डाकघर कुचेरा की बड़े बाबू ने बताया कि मशीन खराब की शिकायत प्रधान डाकघर अयोध्या के प्रधान डाकपाल व अधिकारियों से लिखित रूप से 4 माह पूर्व ही की गई थी लेकिन आज तक कोई भी इंजीनियर या मकैनिक आधार मशीन सीपीओ को देखना अथवा मरम्मत मुनासिब नहीं समझा बार.बार ग्रामीण वाह जरूरतमंद उपकेंद्र का चक्कर लगा रहे हैं जबकि उन्हें बता दिया गया की प्रधान डाकघर फैजाबाद पर इसकी सूचना दे दी गई है मकैनिक द्वारा आधार मशीन सीपीओ ठीक हो जाने के बाद आधार कार्ड बनना पुनः प्रारंभ हो जाएगा। कहा कि इस कोरोना काल में मुझे भी आप लोगों के चक्कर लगाने का कष्ट है।

नोडल अफसर ने कोविड वार्ड की देखीं व्यवस्थाएं

अयोध्या। अपर मुख्य सचिव सिंचाई एवं जनपद के नोडल अधिकारी टी वेंकटेश द्वारा आज अपने जनपद के भ्रमण के दूसरे दिन जिला महिला चिकित्सालय के कोविड वार्ड का निरीक्षण किया गया तथा आक्सीजन प्लांट की स्थापना की जानकारी ली गयी। इस बिन्दु पर जिलाधिकारी श्री अनुज कुमार झा के द्वारा एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 घनश्याम सिंह द्वारा सम्बंधित प्रगति की जानकारी दी गयी। नोडल अधिकारी अगले चरण में विकास खण्ड बीकापुर के ग्राम पंचायत परोमा में कोविड पाजिटिव पाये गये व्यक्ति से वार्ता की गयी तथा दवाओं को समय से लेने एवं ग्रामीणों से कोविड प्रोटोकाल के पालन करने की अपेक्षा की गयी। नोडल अधिकारी ने कहा कि सरकार एवं शासन का मुख्य उद्देश्य लोगों के अंदर जारूकता पैदा करनाए आम जनमानस को जीवन की आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध कराना एवं मास्क पहनना व दो गज की दूरी मेनटेन करना आवश्यक है। स्थानीय प्रशासन के अधिकारी एवं कोविड फ्रन्ट लाइन वर्कर व्यापक रूप से अपने अपने क्षेत्रों में सक्रियता से कार्य कर रहे है। इसके लिए जिलाधिकारी की पूरी टीम की सराहना की जाती है। भ्रमण के समय स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अलावा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शैलेश कुमार पांडेय एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डीएम ने बनाई टीम 9, कोरोना काल में करेगी पीड़ितों की मदद

अयोध्या। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में कलेक्टेऊट सभागार में कोविड काल में लोगों को रोजगार एवं आम सुविधा देने के उद्देश्य से शासन के तर्ज पर जिला स्तर पर टीम.9 का गठन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों को आम सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा स्वरोजगार देना है। जिससे कि उसके खाने पीने में आवश्यक समस्या न हों। जिलाधिकारी द्वारा उद्योग विभागए ग्राम्य विकास विभागए राजस्व विभाग आदि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अपने अपने विभाग से सम्बंधित रोजगार परक कार्यो को बढ़ावा दें तथा ऐसी कार्यवाही करें कि ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन न हो तथा जनपद में ही रहने वाले सभी व्यक्ति को खाने पीने की समुचित व्यवस्था हो कोई समस्या हो तो उप जिलाधिकारीगण, खण्ड विकास अधिकारीगण मौके पर समस्याओं का तत्काल समाधान करें। यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई जिसमें सम्बंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कानपुर पहुंची छठवीं ऑक्सीजन एक्सप्रेस

प्रयागराज। भारतीय रेल ने कोविड के विरुद्ध चल रही लड़ाई को तेज करने और कानपुर में ऑक्सीजन की त्वरित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निरंतर ऑक्सीजन एक्सप्रेस गाड़ियां चला रहा है। दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा टाटानगर से लोड किए गए दो क्रायोजेनिक कंटेनरों में 40 एमटी लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन एलएमओ वाली ट्रेन सोमवार को कानपुर यार्ड पहुंची। इसे तुरंत इनलैंड कंटेनर डिपो लाया गया। जहां सहायक वाणिज्य प्रबंधक संतोष कुमार त्रिपाठी सहित स्थानीय रेल एवं कोनकोर अधिकारियों पर्यवेक्षकों ने तत्काल ऑफलोडिंग सुनिश्चित की। डिकैंटिंग पूरा होने के बाद साइडिंग अधिकारियों द्वारा लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन को गुलाब चंद्र तहसीलदार घाटमपुर को सौंपा गया। इसके उपरांत सुबह समय नौ बजे ही यह गाड़ी वापस टाटानगर में अगली लोडिंग के लिए कानपुर से खाली कंटेनर लेकर ट्रेन रवाना कर दी गई। कानपुर शहर और आसपास के क्षेत्र के कोविड रोगियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल द्वारा कानपुर के लिए चलाई गई छठवीं ऑक्सीजन एक्सप्रेस थी। संचयी रूप से भारतीय रेल द्वारा अब तक कुल 280 एम टी लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन को कानपुर पहुंचाया जा चुका है। सीनियर पीआरओ डा अमित मालवीय ने बताया कि इसी क्रम में दुर्गापुर से कानपुर के लिए एक और ट्रेन सुबह 1100 बजे चलाई गई है और यह गाड़ी देर रात कानपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन से भी दो क्रायोजेनिक कंटेनरों में 40 एमटी लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन कानपुर पहुंचाई जा रही है।

कमरे में पाया गया पुजारी का शव

अंबेडकरनगर। पुजारी का संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में शव लटकता हुआ पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। आजमगढ़ जनपद के थाना अतरौलिया धर्मा पट्टी निवासी रामजी तिवारी पुत्र राम अवतार तिवारी कटका थाना के मुंडेहरा बाजार में स्थित शिव पार्वती मंदिर में पुजारी थे । सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में उनका शव लटकता हुआ पाया गया जिसकी सूचना उनके भतीजे उमाकांत तिवारी ने पुलिस को दी । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

कोरोना गाइडलाइन का हो अनुपालनः एलडीएम

अंबेडकरनगर। कोरना गाइडलाइन का बैंकों में सख्ती से पालन कराने के लिए आज अग्रणी जिला प्रबंधक द्वारा शहर में स्थित सभी बैंक शाखाओं का दौरा किया गया। जिसमें बैंक शाखाओं में कोविड-19 का अनुपालन करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया स्टेट बैंक सहजादपुर तथा इंडियन बैंक शहजाद पुर में भीड़ ज्यादा पाई गई।

सेंट्रल बैंक तथा इंडियन बैंक में अग्रणी जिला प्रबंधक द्वारा स्वयं बैठकर टोकन व्यवस्था चालू कराई गईं तथा कोविड-19 का अनुपालन कराने हेतु शक्ति से निर्देशित किया गया। साथ में ग्राहकों का सैनिटाइजेशन तथा तापमान चेक करने हेतु भी निर्देशित किया गया। आपको ज्ञात हो कि माननीय प्रधानमंत्री महोदय द्वारा किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि के तहत जनपद में 360000 से अधिक खातों में दो हजार की धनराशि आई है जिससे बैंक शाखाओं में पैसा निकालने वाले ग्राहकों की संख्या में वृद्धि हुई है। बैंकों द्वारा ग्राहकों से बैंक शाखा के अलावा अन्य माध्यम जैसे यूपीआई एटीएम ऑनलाइन बैंकिंग मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से भी पैसे निकालने हेतु अनुरोध किया जा रहा है जिससे बैंक शाखाओं में भीड़ कम हो तथा कोविड-19 का अनुपालन आसानी से किया जा सके।

यूपी बोर्ड परीक्षा का फर्जी टाइम टेबल हुआ वायरल

प्रयागराज। यूपी बोर्ड से जुड़ा टाइम टेबल सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। जिसमें 5 जून से परीक्षा के मैसेज छात्रों को भेजा जा रहा है। ऐसे में अगर आपके पास बोर्ड परीक्षा से जुड़ा कोई टाइम टेबल पहुंचा है तो सावधान हो जाएं। यह बिल्कुल फर्जी है। बोर्ड ने इसे फर्जी करार दिया है।माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्यकांत शुक्ला ने बताया कि अभी तय कर रहे हैं कि कौन सी परीक्षा ली जाए और कौन सी नहीं। ऐसे में किसी ने शरारत कर फर्जी टाइम टेबल वायरल कर दिया है। इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि यूपी बोर्ड भी सीबीएसई की तर्ज पर 10 वीं की परीक्षा रद्द कर सकता है। इसके बाद आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर छात्रों का रिजल्ट तैयार कर दिया जाएगा। अफसर इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। जल्द ही इसका ऐलान भी हो सकता है। वहीं 12 वीं में भी केवल जरूरी विषयों की परीक्षा कराने की तैयारी है। अभी इस पर भी पूरा फैसला नहीं हो पाया है।

ताड़ी पीने के दौरान मारपीट एक की मौत, कई घायल

थाने का घेराव किये ग्रामीण

अंबेडकरनगर। ताड़ी पीने के दौरान हुई मारपीट में जहां एक युवक की मौत हो गई वहीं कई अन्य घायल हो गए। मामला जलालपुर थाना क्षेत्र का है। सचिन पुत्र कम्मल 22 वर्ष निवासी फरीदपुर थाना जलालपुर के यहां बीते रविवार को शादी थी। बारात से लौटते वक्त जलालपुरपुर-मित्तूपुर रोड स्थित ताडी की दुकान पर अपने साथियों के साथ उतर गया ताड़ी पीने के दौरान पहले से वहां कुछ मौजूद लोगो से वाद विवाद हो गया तत्पश्चात मारपीट हो गई मारपीट में सचिन को गंभीर चोटें आई और मौके पर ही दम तोड़ दिया तथा इनके तीन अन्य साथी को भी चोटे आयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया और आरोपियों के खिलाफ जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। करीब 1.00 बजे मृतक के परिजनों द्वारा लगभग दर्जनों की संख्या में थाने पहुंचकर मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की जाने लगी। वहां मौजूद सिपाही इन लोगों को कार्रवाई करने का आश्वासन देते हुए कड़ी मशक्कत के बाद हटा पाने में सफल हुए। कोतवाली प्रभारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कोविड गाइडलाइन के उल्लंघन पर कई के विरूद्ध मुकदमा दर्ज

टाण्डा अंबेडकरनगर। कोतवाली टाण्डा पुलिस ने तीन दुकानदारों के विरुद्ध कोविड 19 की गाइडलाइंस का उल्लंघन करने पर अलग-अलग मोहल्लों में लॉक डाउन उल्लंघन का मामला है। उक्त कड़ी में कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक अजय कुमार सिंह ने सकरावल कश्मिरिया में कारपोरेशन बैंक के सामने किराने के दुकानदार सुगन्ध जायसवाल पुत्र दिनेश निवासी मोहल्ला अलीगंज व उपनिरीक्षक राम उग्रह कुशवाहा ने मोहल्ला मुबारकपुर में किराना दुकानदार रामनाथ पुत्र बाबूलाल के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया हैं। वही पर टाण्डा कोतवाली में तैनात कांस्टेबल मो. उवैश ने सुनील कुमार गुप्ता पुत्र अक्षय गुप्ता के विरुद्ध कोविड के बचाव हेतु जारी गाइड लाइन का उलंघन करने के आरोप में आई पी सी की धारा 188, 269, 270 व महामारी अधिनॉयम की धारा 3 के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया है।

नोडल अधिकारी ने किया एमसीएच विंग का निरीक्षण

अंबेडकरनगर। शासन द्वारा नामित वरिष्ठ नोडल अधिकारी (मंडलायुक्त अयोध्या) एम.पी.अग्रवाल एवं डीएम सैमुअल पॉल एन ने 200 बेड की क्षमता वाले एमसीएच विंग (मातृ शिशु चिकित्सालय) टांडा पहुंच कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वरिष्ठ नोडल अधिकारी ने निरीक्षण में मरीजों के इलाज से सम्बन्धित दवाइयो एवं सुविधाओं के बारे मे जानकारी प्राप्त की। उन्होनें एमसीएच में संचालित कोविड कंट्रोल रूम से फोन द्वारा मरीज विवेक निवासी शहजाद पुर के स्वास्थ्य के बारे में जाना। मरीज विवेक ने वरिष्ठ नोडल अधिकारी को अवगत कराया कि मेरा स्वास्थ्य ठीक है डॉक्टर देखने के लिए आते हैं दवा मिलती है खाना भी मिलता है सभी व्यवस्थाएं ठीक हैं। चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश देते हुए कहा कि साफ-सफाई का विशेष ध्यान दिया जाए। मरीजों को ले जाने के लिए एंबुलेंस की उपलब्धता हमेशा रहनी चाहिए। सीडीओ घनश्याम मीणा तथा एडीएम डॉ पंकज कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

गरीबी के कारण गंगा की रेती में शव दफनाने को मजबूर

● श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के लिए लिया जा रहा था मनमाना पैसा

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

कोरोना महामारी की वजह से अब तक हज़ारों जानें चली गयीं। सरकारी आँकड़ा कुछ भी हो लेकिन ज़मीनी हकीकत तो कुछ और ही है। सिर्फ प्रयागराज के फाफामऊ अरैल छतनाग झूँसी की बात करें तो अब तक इन घाटों यानी गंगा की रेत पर हज़ारों की संख्या में शवों को दफ्न किया जा चुका है। जिनमें वो लोग ज़्यादा हैं जिनके पास अंतिम संस्कार के लिए भी पैसे नही हैं। फाफामऊ घाट पर अप्रैल महीने से अब तक हर एक दिन में 150 से 200 शवों को दफ्नाया और जलाया गया।

फाफामऊ में गंगा पुल के नीचे जहां तक नज़र जाती है गंगा किनारे लाशों को दफ्न करने के निशान मिल रहे हैं। स्थिति यह है कि गंगा के दोनों छोरों पर लाशों को दफ्नाने के निशान हैं। घाट के लोग बताते हैं कि पहले भी कुछ लाशों को दफ्न किया जाता था लेकिन कोरोना के दौरान अब तक हज़ारों शवों को यहां रेत में दफ्न किया जा चुका है। कब्र के ऊपर पड़े सीतारामी गमछे इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसके अलावा इससे ज्यादा जलाए गए हैं और अभी भी यह सिलसिला जारी है। ऐसा ही नजारा नैनी के अरैल नैनी और झूँसी के छतनाग का भी है। कोरोना महामारी के दौरान मौतों की संख्या काफी बढ़ गई थी। जिसकी वजह से अंतिम संस्कार कराने वालों ने आपदा में अवसर ढूंढा और एक शव के अंतिम संस्कार का 22 हज़ार रुपये वसूला जाने लगा।

गंगा तट पर इस तरह दफन किया गया शव

जिनके पास पैसे थे वो तो अंतिम संस्कार करा लेते थे लेकिन गरीब तबका अपने परिजन को बालू में ही दफ्न करने को मजबूर हो गया। जिसकी वजह से शमशान घाट की रेत लाशों से पटी है। अब जब लाशों को दफ्नाने पर रोक लगी तो यह काम चोरी छिपे किया जाने लगा। हालांकि अब सरकार ने कोरोना से हुई मौत का अंतिम संस्कार निशुल्क करा दिया है और शमशान घाट पर पुलिस चौकी भी बना दी गयी। इसलिए लाश को कोई दफ्न न करे इसलिए पुलिस भी निगरानी कर रही है लेकिन गंगा का कछार इतना फैला हुआ है कि अब भी लाश को अलग अलग जगहों पर दफ्न किया जा रहा है।

मेडिकल किट में खामी पर भड़के डीएम

खासपुर गांव में निगरानी समिति का जायजा लेते डीएम

● निरीक्षण में भी मिली खामी

संवाददाता। अंबेडकरनगर

जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन द्वारा विकासखंड टांडा के ग्राम खासपुर पहुंचकर निगरानी समिति का जायजा लिया गया। मौके पर निगरानी समिति की टीम तथा ग्राम पंचायत अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी के पूछताछ के दौरान मेडिकल किट के वितरण में कमियां पाई गई। जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार को निर्देश देते हुए कहा कि मेडिसिन किट सभी निगरानी समितियों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होना चाहिए। खंड विकास अधिकारी, सहायक खंड विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी को निर्देशित किया गया की निगरानी समितियों के साथ सहयोग प्रदान करते हुए अधिक से अधिक जरूरतमंदों को मेडिसिन किट का वितरण करवाएं। इसमें किसी प्रकार की उदासीनता न बरतें।इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी घनश्याम मीणा, तहसीलदार टांडा उपस्थित रहे।

छात्रों को बताया, कैसे फेफड़ों पर असर कर रहा कोविड

● मेडिटेशन सेशन आयोजित कर छात्रों को बताए सांस लेने के गुर

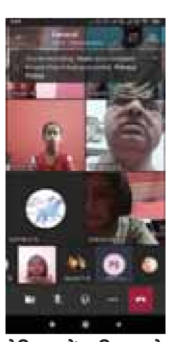

वेबिनार में शामिल बच्चे।

नैनी प्रयागराज। नैनी स्थित बेथनी कॉन्वेंट स्कूल में सोमवार को नोबेल कोरोना वायरस पर टॉक शो कार्यक्रम का ऑनलाइन आयोजन हुआ। टॉक शो की शुरुआत स्कूल की शिक्षिका हेमा के परिचय से हुआ। परिचय के बाद शिक्षक आनंद ने छोटी प्रार्थना और प्रार्थना गीत हीलिंग ह्यूमनिटी के साथ शो की शुरुआत की। टीचर प्रीति सिंह ने मेडिटेशन सेशन आयोजित कर छात्रों को कैसे सांस लेनी है इसके गुर सिखाए। शारीरिक शिक्षा के अध्यापक साबिर ने व्याख्यान देते हुए कोरोना वायरस क्या है किन तीन तरीकों से यह फैल रहा है। इसकी विस्तृत जानकारी छात्रों को प्रदान की। कोरोना वायरस को कोविड 19 के रूप में क्यों जाना जाता है इसके बारे में भी बच्चों को संक्षेप में बताया गया। अलग अलग डायग्नोस्टिक टेस्ट जो यह पता लगाने के लिए किया जाता है कि व्यक्ति इस वायरस से प्रभावित है या नहीं। इससे भी छात्रों को परिचित कराया गया। यह भी बताया गया कि कोविड कैसे हमारे फेफड़ों पर असर कर रहा है। पीपीटी प्रेजेंटेशन के जरिए खुद को बचाने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए बच्चों को यह भी बताया और समझाया गया। छींकते और खांसते समय सभी बच्चों को बचाव के उपाय बताए गए। अपने को स्वस्थ्य और मजबूत रखने के लिए अपनाए जाने वाले स्वस्थ्य आहार की आदतों के बारे में भी उन्हें बताया गया। छात्रों को आसन और सांस लेने के व्यायाम दिखाए गए कि शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कैसे बढ़ाया जाए। अध्यापिका नीलम ने धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ सत्र के समापन की घोषणा की।

विधवा ने लगा ली फांसी

जाना बाजार। गोठौरा गांव निवासी पचपन वर्षीय विधवा महिला घर के कमरे के अंदर से दरवाजा बंद कर कुंडे से रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। सुबह अंदर से दरवाजा न खुलने पर परिजन ग्रामीण सहित ग्रामीण प्रधान को इसकी सूचना देकर बुलाया । ग्राम प्रधान की सूचना पर पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना थाना क्षेत्र हैदरगंज के गोठौरा गांव का है । जहां सोमवार की सुबह रामसेवक पुत्र स्वर्गीय राम पियारे की बुजुर्ग मां सीतापति द्वारा देर तक घर के अंदर से दरवाजा नहीं खोलने पर आशंका वश दरवाजा खोलने का प्रयास किया। काफी प्रयास के बाद दरवाजा नहीं खुला। दरवाजा और खिड़की अंदर से बंद था। थकहार उसने ग्राम प्रधान देवी प्रसाद मौर्य सहित अन्य ग्रामीणों को बुलाकर खिड़की को तोड़कर देखा तो सन्न रह गया और बदहवास होकर जमीन पर गिर गया। कमरे के अंदर उसकी बुजुर्ग मां का शव छत के कुंडे से लटक रहा था। ग्राम प्रधान देवी प्रसाद मौर्या ने इसकी सूचना हैदरगंज थाने पर दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक हैदरगंज अश्विनी मिश्रा ने बताया कि सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंच कर शव को उतरवाकर पंचनामा करा पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया। ग्रामीणों सहित कई लोगों का कहना है कि मृतिका का संबंध पड़ोस की उषा सिंह पत्नी राजकुमार सिंह के साथ बहुत घनिष्ठ था । 3 दिनों पहले ही उषा की बीमारी के चलते मृत्यु हो गई। उसकी मृत्यु के सदमे को मृतका सीतापति बर्दाश्त नहीं कर सकी और स्वयं फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

इविवि की कुलपति ने कहा-शुक्रिया डॉक्टर्स

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

केंद्रीय विवि इलाहाबाद की कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव ने पत्र लिखकर सभी डॉक्टर्स नर्स और मेडिकल स्टाफ को शुक्रिया कहा है। शुक्रिया डॉक्टर्स शीर्षक से लिखे मार्मिक पत्र में कुलपति प्रो संगीता ने भावनाओं के साथ लिखा है कि जब दु:खद खबर आई कि अलीगढ़ मुस्लिम विवि में 40 शिक्षकों की असमय मृत्यु हुई और दिल्ली विश्वविद्यालय में 30 प्रोफेसरों को कोरोना के कारण असमय मृत्यु हुई तो बहुत दु:ख हुआ। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कोरोना का आतंक समय रहते रुक गया। यहाँ पर भी 7 साथियों को असमय हमने खोया। जिसमें तीन शिक्षक तथा चार गैर शैक्षणिक कर्मचारी थे।

चार मौत संघटक कॉलेजों में हुई। हमने जिन्हें खोया है उनकी कमी हमेशा खलेगी। यहां अधिकांश कोरोना संक्रमित स्वस्थ हो चुके हैं। कुछ ठीक भी हो रहे हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर और संघटक महाविद्यालयों के समय पर बंद होने से कोरोना संक्रमण की श्रृंखला टूट गई।

इस कारण अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में काफी हद तक स्थिति पर नियंत्रण प्राप्त कर सके।कुलपति ने कोरोना के क्रूर प्रभाव और अपने खो चुके साथियों को भी बेहद भावुक अंदाज में याद किया है। उन्होंने लिखा कोरोना के क्रूर प्रभाव के कारण इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर के आकस्मिक निधन के साथ दस्तक दी और नौ प्रशासनिक कर्मचारियों के बीमार होने की सूचना मिल गयी।

ऑनलाइन परीक्षा के बारे में सोचा लेकिन तभी इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कोरोना से दूसरी मौत की दु:खद सूचना आयी। ऐसे में विवि परिसर बंद करने की जरूरत महसूस हुई। स्थिति की गंभीरता के मद्देनजर 8 अप्रैल 2021 को विश्वविद्यालय के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आपात बैठक कर 30 अप्रैल 2021 तक इलाहाबाद विवि परिसर को सील करने के साथ साथ समस्त संघटक कॉलेजों को बंद करने का फैसला लिया। अध्यापकों कर्मचारियों को अपने स्तर पर सार्थक सुझाव दिया। कई हफ्तों तक विवि और संघटक कॉलेजों के 300 कर्मचारी होम आइसोलेशन में थे। अप्रैल के महीने में ही तीन गैर शैक्षणिक कर्मचारी भी सफर में छोड़ कर अनंत यात्रा के लिए परमात्मा में विलीन हो गए। बिछड़ चुके साथियों की स्मृति में 24 अप्रैल 2021 को आयोजित श्रद्धांजलि सभा की वीडियो कॉन्फ्रेंस में सभी के चेहरों पर बीमारी के शिकार होने का डर साफतौर पर दिखा। कुलपति प्रो संगीता ने लिखा कि मैंने डॉक्टर नर्सिंग स्टाफ और पैरामेडिकल स्टाफ को रात दिन काम करते हुए देखा। उम्मीद न होने के बावजूद डॉक्टर और उनकी टीम मेरे सहकर्मी को पूरी शिद्दत से आईसीयू में देख रहे थे। वे हर वक्त मरीज से संपर्क स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे और अपनी पूरी क्षमता से उनका बेहतर इलाज कर रहे थे। पत्र में कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव ने लिखा मैं अपने हृदय की गहराइयों से मानवता की सेवा में लगे सारे डॉक्टरों नर्सों और मेडिकल स्टाफ का शुक्रिया अदा करती हूँ। आप सभी लोग कोरोना के क्रूर राक्षस से दिन रात लड़ रहे हैं। बिना डरे बिना रुके बिना थके। जबकि आपके कई चिकित्सक साथी इस दौरान अपनी जान गँवा चुके हैं। आप मानवता को बचाने के लिए जिस जोश और जज़्बे के साथ आगे बढ़ रहे हैं वह हमेशा याद रखा जाएगा।

कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव।

स्वस्थ रहने का लक्ष्य
जारी है संघर्ष

समस्याओं के बावजूद देश को भविष्य का लक्ष्य याद रखना है कि हमें स्वयं को स्वस्थ रखना है। 19 अप्रैल को आल इंडिया मैनेजमेंट असोसियेशन द्वारा जारी एक वर्चुअल आयोजन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उद्योगपति सुनील मुंजाल के एक सवाल का जवाब दिया कि भारत ने बिना घरेलू मांग पूरी किए वैक्सीनों का निर्यात क्यों किया तथा उनको दान में क्यों दिया। मंत्री ने कहा, 'यह सवाल स्वयं से पूछें कि क्या में विदेशों में जाकर कह सकता हूं कि मुझ तक पहुंचने वाली सप्लाई लाइनें खुली रखें। मैं वैक्सीन के लिए कच्चा माल चाहता हूं, लेकिन मैं आपको कोई वैक्सीन नहीं दूंगा। यदि आप ऐसा तर्क दें तो मुझे बिल्कुल निर्यात नहीं करना चाहिए। लेकिन कोई दूसरा पूछेगा कि मैं भारत को निर्यात क्यों करूं। यह इतना संकुचित दृष्टिकोण है कि वास्तव में कोई गैर-जिम्मेदार और अगंभीर व्यक्ति ही ऐसा तर्क साकने रखेगा। हालांकि, हमारे आसपास कुछ लोग हैं जिन पर आपने गौर किया होगा।' लेकिन उन्होंने मुंजाल को यह नहीं बताया कि भारत द्वारा दान की गई वैक्सीनों मे कुछ देशों को दान में दी गई वैक्सीनें केवल 10.75 मिलियन थीं जो विदेश मंत्रालय की वेबसाइट में दिखाई गई 'मेड इन इंडिया वैक्सीन सप्लाई' की 66.37 मिलियन खूराकों में शामिल थीं। कुल खूराकों का बड़ा हिस्सा, यानी 35.79 मिलियन खूराकें वाणिज्यिक थीं और दो वैक्सीन निर्माता कंपनियों सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया व भारत बायोटेक की लाइसेंसिंग क्षमताओं पर आधारित थीं। वैक्सीन की 19.86 मिलियन खूराकें विदेशों में निर्माताओं द्वारा किए गए समझौतों के आधार पर भेजी गईं जिन पर वैक्सीन निर्माण हेतु कच्चा माल पाने के लिए हस्ताक्षर किए गए थे।

अंतिम दो प्रकार की सप्लाई को मुफ्त खूराकों के साथ जोड़ दिया जाता है। नई दिल्ली की वैक्सीन राजनय को 'वैक्सीन मैत्री' कहा जाता है जिसकी शुरुआत 21 जनवरी को हुई थी और यह 16 अप्रैल तक जारी रही। इस कालखंड में भारत ने विदेशों को वैक्सीन सप्लाई की और इसे स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ठहराया। 13 अप्रैल को रायसीना डायलाग के उद्घाटन में उन्होंने कहा था, 'इस साल अनेक सीमाओं के बावजूद हमने 80 से अधिक देशों को वैक्सीन सप्लाई की। हम जानते हैं कि यह सप्लाई बहुत अधिक नहीं थी। हम जानते थे कि मांग बहुत ज्यादा है। हम जानते थे कि पूरी मानवता का टीकाकरण करने में लंबा समय लगेगा। लेकिन इसके साथ ही हम यह भी जानते थे कि आशा का महत्व है।' इस कालखंड में दुनिया के 95 देशों को खूराकें भेजी गईं। अब इस बात पर चर्चा करें कि सरकार को 'मैत्री' के इस कालखंड में क्या नहीं करना चाहिए था। 11 मई को भारतीयों को कुल मिला कर 17.51 खूराकें दी गईं तथा कमियों की खबरें आने के बावजूद कोई आर्डर नही दिए गए। मई की शुरुआत में सरकार ने कहा कि उसे अभी पुराने आर्डर की 23 मिलियन खूराकें नहीं मिली हैं और उसने 160 मिलियन खूराकों के नए आर्डर दिए हैं। मई, जून और जुलाई के इन आर्डरों की पूर्ति जुलाई तक हो जाएगी। लेकिन समय पर आर्डर पूरे करने में निर्माताओं की अपनी मजबूरियां हैं और इस बीच टीकाकरण अभियान को टीकों की प्रतीक्षा है, फिर चाहे वह मुफ्त हो या भुगतान पर।

जैविक क्रांति को अपनाने का समय

यह एक अपरिहार्य एवं अपरिवर्तनीय तथ्य है, साथ ही यह अपने भीतर जैविक अनुसंधान की क्षमता और मानवता के लिए कई अनूठे अवसरों को छिपाए हुए है।

बीकेपी सिन्हा
लेखक एक स्तम्भकार हैं)

जैविक क्रांति के युग की शुरुआत करते समय, कोई यह संज्ञान लेने में विफल नहीं हो सकता है कि जीव विज्ञान में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि रोगाणु, जो पृथ्वी पर सबसे पुराने आत्म-प्रतिकृति वाले जीव हैं और जो खोजे जाने वाले अंतिम में थे, को काफी हद तक नजरअंदाज कर दिया गया है। यह कोरोनावायरस के वर्तमान संकट से स्पष्ट है, जिसने आधी दुनिया को तबाह कर दिया है और इसे लगभग आपदा के कगार पर ला दिया है, आंशिक रूप से रोगाणुओं की देर से खोज और जीनोम अनुक्रमण की तकनीकों के कारण।

सूक्ष्म जीवों पर ध्यान की कमी काफी हद तक हमारे अवलोकन संबंधी पूर्वाग्रह के कारण है। जो हम देख नहीं सकते उसे हम नज़रअंदाज़ कर देते हैं। इस प्रवृत्ति ने हमें इस ग्रह पर बैक्टीरिया और वायरस की भूमिका की सराहना करने से बहुत पहले, हमसे अरबों मील दूर दृश्यमान वस्तुओं को देखकर खगोल विज्ञान में बड़ी प्रगति करने की अनुमति दी।

पृथ्वी पर जीवन पौधों की तुलना में बहुत अधिक है। वायरस और सूक्ष्मजीवों के बारे में हमारे अंतर्निहित ज्ञान अंतराल ने हमें वर्तमान संकट में ला दिया है। इसलिए, जैविक क्रांति अपरिहार्य है। निम्नलिखित तथ्य हमें चल रहे क्रांतिकारी और अभूतपूर्व जैविक अनुसंधान और इसके अनूठे अवसरों के बारे में बताते हैं। सूक्ष्मजीव एक जटिल नैनोमशीन के रूप में विकसित हो गए हैं, यहां तक कि स्थलीय पौधों की तुलना में, अरबों साल आगे, सूर्य से ऊर्जा के माध्यम से पानी को विभाजित करने में सक्षम हैं। केवल एक मौजूदा प्रोकैरियोटिक प्रकार का बैक्टीरिया है जो सूर्य के बिना ऑक्सीजन का उत्पादन करने में सक्षम है - साइनो बैक्टीरिया। हमें अभी इसके तंत्र की खोज करनी है। यदि कोई पिछले दशक में महान पुरस्कार विजेताओं की सूची को देखता है तो कोई यह नोटिस करने में असफल नहीं हो सकता है कि भौतिकी और रसायन शास्त्र के लिए भी अधिकांश महान पुरस्कार जैविक पहेली को सुलझाने पर उनके अध्ययन के लिए गए हैं। जीव विज्ञान के रहस्य के कई पहलू अभी भी सुलझने बाकी हैं। न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के डॉ सिद्धार्थ मुखर्जी ने देखा कि हालांकि कैंसर अनुसंधान अंतरिक्ष यात्रा से पहले शुरू हो गया था, फिर भी कैंसर एक अजेय %विकारों का सम्राट है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के लिए जानी जाने वाली संस्था स्ध्रुञ्ज ने अपना ध्यान आणविक जीव विज्ञान पर बदल दिया है और इसके कुछ संकाय सदस्यों ने कोशिका जीव विज्ञान पर अपने शोध के लिए महान पुरस्कार भी जीते हैं।

विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय के डॉ ब्रूस एच लिप्टन और बाद में अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में, अपने अभूतपूर्व काम में, यह पता लगाया है कि कोशिका तंत्र महत्वपूर्ण कोशिका झिल्ली के माध्यम से कोशिका में सूचना कैसे प्राप्त करते हैं और संसाधित करते हैं। कोशिका झिल्ली अपने रिसेप्टर और इंटीग्रल प्रोटीन के माध्यम से जो एंटीना के रूप में कार्य करती है, बाहरी वातावरण से संकेत भेजती है। इस शोध के निहितार्थ जीवन की हमारी समझ को मौलिक रूप से बदल देंगे। यह दर्शाता है कि कोशिका झिल्ली के माध्यम से बाहर से संकेतों द्वारा जीन और डीएनए को नियंत्रित किया जाता है। कोशिका जीव विज्ञान और क्वांटम भौतिकी में इस शोध को एक सफलता के रूप में देखा जा रहा है, जो यह दर्शाता है कि व्यवहार को बदला जा सकता है क्योंकि हम अपनी सोच को प्रशिक्षित करते हैं। विचार और दिमाग की ऊर्जा सीधे प्रभावित करती है कि भौतिक मस्तिष्क शरीर के शरीर क्रिया विज्ञान को कैसे नियंत्रित करता है। मानसिक ऊर्जा प्रोटीन उत्पन्न करने के लिए कोशिकाओं के कार्य को सक्रिय या बाधित कर सकती है। जैव रसायनविद, जैवभौतिकीविदों के सहयोग से जीवविज्ञानी बढ़ती हुई आबादी की मांगों को पूरा करने के लिए ज्वलंत मुद्दों के अधिकांश क्षेत्रों पर अत्याधुनिक शोध के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जो संग्रहित ऊर्जा के अधिक से अधिक परिवहन योग्य रूपों का उपभोग करते हैं। वैज्ञानिक अक्षय ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों जैसे सौर, जल, पवन और ज्वार की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन हमारी ऊर्जा की जरूरतें अभी भी उनकी रुक-रुक कर आपूर्ति और उनके उत्पादन और मांग के बीच समय के अंतर के कारण पूरी नहीं हो पा रही हैं। वैकल्पिक अक्षय ऊर्जा हर समय सस्ती, बेहतर होती जा रही है। हालांकि, हमें अभी तक इन ऊर्जाओं को अप्रभावी, सस्ते, विश्वसनीय तरीके से स्टोर करने का कोई तरीका नहीं मिला है, बिना कचरे के अधिक निर्माण के। यदि जीवविज्ञानी ऐसी बैटरी तैयार कर सकते हैं जो सौर, पवन और अन्य नवीकरणीय स्रोतों में निहित आंतरायिक समस्याओं पर काबू पाने की अनुमति देती है, तो हम अपनी सभी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वच्छ और प्रचुर स्रोतों का उपयोग कर सकते हैं। बैटरी एक धातु से दूसरी धातु में इलेक्ट्रॉनों को स्थानांतरित करके रासायनिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करती है। इलेक्ट्रॉन छोटे ऋणात्मक आवेशित कण होते हैं। कॉपर-जिंक प्लेट्स धनात्मक और ऋणात्मक ध्रुव बनाती हैं। यह विद्युत प्रवाह का संचालन करता है। यह तब तक चल सकता है जब तक सभी इलेक्ट्रॉन स्थानांतरित हो जाते हैं। इस प्रकार, बैटरी एक ऊर्जा परिवहन उपकरण है। जब बैटरी डिस्चार्ज हो जाती है, तो हम चार्ज करने के लिए बिजली का उपयोग करते हैं।

एमआईटी में सामग्री वैज्ञानिक डॉ एंजेला बेल्चर वायरस को ऐसे रूपों में विकसित कर रहे हैं जो अर्धचालकों के लिए गैलियम आर्सेनाइड और सिलिकॉन जैसे गैर-जैविक सामग्री को व्यवस्थित कर सकते हैं। उसके प्रयोग ने उसे बैटरी बनाने के लिए नए उपकरण बनाने का विश्वास दिलाया। उसने पाया कि धातु और धातु के आक्साइड विशेष रूप से अच्छा काम करते हैं। वायरस में कोशिका भित्ति या कोई संरचनात्मक तत्व नहीं होते हैं। यह डीएनए/आरएनए के साथ एक प्रोटीन कैप्सूल है। उसने पाया कि वायरस बनाने वाले तत्वों का उपयोग इलेक्ट्रोड बनाने के लिए किया जा सकता है जो बैटरी बनाने के लिए स्वच्छ और कुशल, नया तरीका खोल सकता है। उसका अगला कदम एक वायरस-आधारित अत्याधुनिक बैटरी है, लेकिन क्या यह बैटरी डैशबोर्ड, सीट कवर, डोर पैनल का रूप ले सकती है? कोई नहीं जानता। कुछ समय पहले तक, यह निर्विवाद था कि कोशिका झिल्ली स्वयं कोशिकाओं और बाहर से पानी के आदान-प्रदान का एक माध्यम है। जॉन हॉपकिन्स इंस्टीट्यूट के आणविक जीवविज्ञानी डॉ पीटर एग्रे ने 1980 में लाल रक्त कोशिका झिल्ली से आरएच प्रोटीन को शुद्ध करने के लिए इसे पहचानने के लिए एक खोज की थी कि झिल्ली में आरएच प्रोटीन होता है जो एक गेट के रूप में काम करता है और एक विशेष पदार्थ वाहन को एक पास के साथ बदल देता है। सेल में प्रवेश। इन प्रोटीनों को एक्वापोरिन के रूप में जाना जाता है।

लाल रक्त कोशिकाओं की एक बड़ी मात्रा से शुरू करते हुए, उन्होंने कोशिका झिल्ली को उसकी बाकी सामग्री से अलग कर दिया। इसके बाद, उन्होंने अन्य उपस्थित प्रोटीनों से सावधानीपूर्वक आरएच प्रोटीन को अलग किया। हम सभी को जीवित रहने के लिए ताजे पानी की आवश्यकता होती है लेकिन यह पृथ्वी के कुल पानी की मात्रा का केवल पांच प्रतिशत है। इसका अधिकांश भाग बर्फ की चादरों और मिट्टी में होता है।

इसलिए, मानव अस्तित्व के लिए जल शोधन महत्वपूर्ण है। यह खोज पानी को शुद्ध करने के लिए कोशिका झिल्ली के सेल प्रोटीन का उपयोग करेगी। अब हम पृथ्वी पर लगभग सभी जीवों में पाए जाने वाले एक्वापोरिन के पूरे परिवार को जानते हैं। एक विशेष अमीनो एसिड स्थान और पैटर्न के एक विशेष पैटर्न पर कब्जा कर लेता है।

एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री, थॉमस रॉबर्ट माल्थस के सिद्धांत के विपरीत, दुनिया युद्ध, अकाल और महामारी से घिर जाएगी, लेकिन जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग का अभिसरण हमें बहुत उम्मीद दे रहा है कि हम निराशाजनक भविष्य से बच सकते हैं। मौलिक अनुसंधान में राष्ट्रीय निवेश को प्रोत्साहित करके बायोइंजीनियरिंग में सहयोगात्मक प्रयास के लिए विज्ञान के क्षेत्र के शोधकर्ताओं को एक साथ कैसे लाया जाए जो वैज्ञानिकों को अंत:विषय क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रेरित करता है।

यह सब होने के लिए हमारे पास जीव विज्ञान के क्षेत्र में अभिसरण-दिमाग वाली नीतियां और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग होना चाहिए, जहां वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद होलोसीन या एंथ्रोपोसीन के छठे सामूहिक विलुप्त होने को टालने के लिए एक मंच पर काम कर सकते हैं।

अफगानिस्तान में गंभीर होती स्थितियां

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

काबुल में 8 मई को एक सहशिक्षा स्कूल के सामने हुए तीन धमाकों में मारे गए अधिकांश लोगों की उपलब्ध नवीनतम संख्या बीबीसी के अनुसार कम से कम 60 व सीएनएन के अनुसार 85 से अधिक है। इनमें अधिकांशत: स्कूल जाने वाली लड़कियां हैं। यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। इसके पीछे स्पष्ट इरादा अधिकाधिक लोगों को मारना था क्योंकि पहले एक कार बम विस्फोट किया गया और इसके बाद जब लड़कियां घबरा कर स्कूल से भागने लगीं तो दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव धमाके और किए गए। इस घटना से दो सवाल उठते हैं। इस जघन्य अपराध के पीछे किसका हाथ है? तथा, इसके प्रभाव क्या होंगे?

जहां तक पहले सवाल का संबंध है, किसी ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। अफगान सरकार ने इसका आरोप तालिबान पर लगाया है, लेकिन उन्होंने अपनी संलिप्तता से इनकार करते हुए घटना की निन्दा की है। इससे संदेह इस्लामिक स्टेट पर जाता है जिसने काबुल तथा अफगानिस्तान में अन्य स्थानों पर आतंकी हमले किए हैं। पिछले महीनों में उसका अधिकांश क्षेत्र छिन जाने के बावजूद उसमें हमले करने की क्षमता बनी हुई है।

संभवत: इस विस्फोट के पीछे तालिबान का ही हाथ है। तालिबानों के बयान पर विश्वास करने का कोई कारण नहीं है। इसका कारण यह है कि 8 मई को हुए धमाके तथा आतंकी हमलों की संख्या में वृद्धि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की इस घोषणा के बाद हो रहे हैं कि 11 सितंबर तक अमेरिकी सैनिक अफगानिस्तान छोड़ देंगे। तालिबान जानते हैं कि वे चुनाव में नहीं जीतेंगे और न उनका लोकतंत्र में विश्वास है। वे ताकत से अफगानिस्तार पर नियंत्रण कर शरीया शासन की स्थापना करना चाहते हैं। क्या वे इसमें सफल होंगे?

यदि वे सफल होते हैं तो क्या होगा? पहले सवाल का जवाब अफगान राष्ट्रीय सुरक्षा व रक्षा बलों-एएनडीएसएफ की लड़ाकू क्षमता तथा अमेरिका और नाटो सहयोगियों से स्वयं को मिलने वाले समर्थन पर निर्भर होगा। रक्षा बल छोड़ कर भाग जाने तथा सैनिक सेवा में शामिल होने की अनिच्छा के बावजूद एएनडीएसएफकी थल सेना शाखा अफगान नेशनल आर्मी-एएनए तालिबान से मुकाबला करने वाली युद्धकौशल में निपुण सेना बन गई है। वह अन्य आतंकी संगठनों से भी मुकाबला कर रही है। इसके कमांडो व विशेष बल खासतौर से सफल रहे हैं।

लेकिन इसके साथ ही यह भी कटु सत्य है कि तालिबानों ने अफगानिस्तान के ग्रामीण क्षेत्रों के विशाल भूभाग तथा कुछ शहरों पर अपने नियंत्रण का विस्तार किया है। इसके अलावा वे अफगान सैनिकों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। कम से कम 2020 की शुरुआत से कुछ पराजयों का कारण ट्रंप प्रशासन की गलत नीतियां हैं। इनमें तालिबान के साथ चल रही शांति वार्ताओं के कारण सरकारी बलों को 2020 के आरम्भ में केवल रक्षात्मक भूमिका निभाने तथा वार्ता की पूर्व शर्त के रूप में तालिबानों द्वारा अफगान जेलों में बंद अपने 5000 लड़ाकुओं को रिहा कराने के लिए अफगान सरकार पर दबाव डालने के लिए मजबूर करना शामिल है। रिहा किए गए अनेक लड़ाकू फिर लड़ाई के मैदान में पहुंच गए, जबकि उन्होंने ऐसा न करने का वादा किया था। लेकिन ट्रंप प्रशासन की नीतियां तथा एएनडीएसएफ के आपरेशनों पर लगाम लगाने के पहले ही अपनी स्थिति मजबूत करने लगे थे। हालांकि, अफगान सैनिकों की क्षमता में काफी सुधार हुआ है, पर एक बड़ा सवाल भविष्य में उनको मिलने वाला प्रभावी हवाई समर्थन है। इसने एएनए के अनेक सफल आपरेशनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक अनुमान के अनुसार, अब इसे 80 से 90 प्रतिशत समर्थन कमजोर मानी जाने वाली अफगान वायुसेना-एएएफ से मिलता है।

लेकिन एएएफ को अमेरिका की व्यापक वायु शक्ति से समर्थन मिलता रहा है। इसके साथ ही अब उसके विमानों व हेलीकाप्टरों का ज्यादातर रखरखाव अंतरराष्ट्रीय ठेकेदार करते हैं जो अमेरिकन सैनिकों के साथ वापस चले जाएंगे। इससे अफगान वायुसेना की संगठनात्मक क्षमताओं पर भारी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे जारी रहने वाली अमेरिकन सहायता का महत्व रेखांकित होता है। 7 जुलाई, 2012 को तत्कालीन अमेरिकी विदेश सचिव हिलेरी क्लिंटन ने काबुल में यह घोषणा की थी कि राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अफगानिस्तान को अमेरिका के प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा दिया है। लेकिन सवाल है कि यह दर्जा कहां तक और किस प्रकार का है? सेना को हथियारों के साथ पैसे की भी जरूरत है। आतंकवाद तथा विद्रोह से मुकाबला करना बहुत खर्चीला काम है। अमेरिका ने 2002 से 2019 वित्त वर्ष तक अफगानिस्तान को 86 बिलियन डालर सुरक्षा सहायता दी है। 2014 के बाद से वह एएनडीएसएफ को प्रति वर्ष 5 से 6 बिलियन डालर देता रहा है। लेकिन अपने सैनिकों की वापसी के बाद वाशिंगटन अफगानिस्तान को कितनी और किस प्रकार की सहायता देता रहेगा। स्पष्ट रूप से अफगानिस्तान में सैनिक परिदृश्य अधर में है और यही स्थिति अफगानिस्तान के भविष्य को लेकर है। इस बात के सारे संकेत हैं कि तालिबानों का देश पर फिर से मध्ययुगीन, तानाशाही, धर्मतांत्रिक व्यवस्था थोपने का पक्का इरादा है जिसने अफगानिस्तान को धर्मगुरुओं द्वारा संचालित जेल में बदल दिया था। अहमद रशीद ने 'तालिबान: इस्लाम, आयल एंद द न्यू ग्रेट गेम इन सेंट्रल एशिया' में लिखा है कि तालिबानों द्वारा प्रोत्साहित मूल्यों तथा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण 'काबुल में लोगों की जीवनशैली बदल गई है। एक समय सहज भाव से जनता में रहने वाली अफगान महिलाओं को अब सार्वजनिक रूप से नजरों से दूर रहने पर मजबूर होना पड़ा है।' भारत को इस स्थिति पर नजर रखनी होगी। दिसंबर, 1999 में इंडियन एयरलाइन्स के अपहृत विमान आईसी-814 को जबरन कंधार ले जाने की घटना ने स्पष्ट कर दिया था कि तालिबान सक्रिय रूप से भारत के खिलाफ जैशे मुहम्मद और लश्करे तैयबा को प्रोत्साहित कर रहे थे। क्या इस चुनौती से निपटने के लिए हमारे पास सुसंगत नीति है?

आप की बात

कब बाज आएगा चीन?

देश पहले ही कोरोना संक्रमण महामारी के संकटकालीन दौर से गुजर रहा है। महामारी से जनजीवन बुरी तरह से त्रस्त है। वहीं दूसरी ओर चीन अपनी फितरतों से बाज आने का नाम नही ले रहा है। कोरोना को देश दुनिया मे फैलाकर विश्व पटल पर तो छवि धूमिल कर ही ली। परन्तु भारत चीन की सैनिकों को हटाने की समझौते नीति को भी अनदेखी कर भारत मे अशांति फैलाने का दिवा स्वप्न देखने की फितरत में लगा है। सूत्रों द्वारा ज्ञात है कि चीन ने फिर पैंगोंग के पास भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा, सैनिकों का जमावड़ा शुरू कर दिया है। सैनिक अड्डों के आधुनिकीकरण में जुटकर नए हेलीपोर्ट और बैरक बना रहा है। उधर चीन ने अक्साई चिन के इलाकों में बैरक बनाकर हथियारों को छिपाकर रखा है। यही नहीं सेटेलाइट तस्वीरों के अनुसार चीन ने रूटोंग में युद्धक वाहन, हथियारों का जखीरा, जवानों को गरम रखने के टेंट बनाकर रखे। समझ से परे लगता है चीन का बर्ताव आखिर इस तरह की फ़ितरतों से भारत को क्या जताना चाहता है? समझौता नीति को दरकिनार कर चीन समझौते के बाद भी देपसांग प्लेन, गलवान घाटी, पैंगोंग झील के पास बड़ी तादाद में सैनिकों का जमावड़ा कर अपनी ओछी मानसिकता का परिचय नहीं दे रहा?

- **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

छात्रों की उलझन

पिछले साल लॉक डाउन के बाद से, शिक्षा व्यवस्था अभी तक पटरी पर नहीं लौट सकी। ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा को ना से हां करने का सिलसिला जारी हैं। ऐसे में यह सोचना किसी अतिशयोक्ति से कम नहीं होगा कि जो बच्चे बारहवीं के बोर्ड विद्यार्थि हैं, और शिक्षा में उतने ओजस्वी भी नहीं, क्या वे परीक्षा में सफल हो पाएंगे? इतना ही नहीं, जब सामान्य तरीके से कक्षाएं चलती थी तो स्थितियां गडबड रहती थी, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है।महामारी के बढ़ते आकड़े और राज्यों के द्वारा लगाया जा रहा लॉक डाउन, परीक्षाओं को बाधित किया है। सीबीएसई, आईसीएसई समेत कई राज्य बोर्ड ने भी दसवीं के विद्यार्थियों को बिना परीक्षा के, आंतरिक एवं पिछले परिणाम के आधार पर, नियम बनाकर मूल्यांकन करने का निर्णय लिया है। जो कि प्रशंसा करने योग्य हैं। वहीं बारहवीं की परीक्षाओं को टाल दिया गया है। ऐसे में ये निर्णय लेना अत्यंत आवश्यक है कि आखिरकार परीक्षाएं होंगी भी या नहीं। चूंकि विद्यार्थियों को प्रवेश प्रतियोगी परीक्षाओं की भी तैयारी करनी पड़ती है। इस विषम परिस्थिति में, छात्र उलझन में है। क्या वे अभी भी बोर्ड की तैयारी में जुटे रहे या फिर आगामी भविष्य को लेकर पढ़ाई शुरू करें।

- **अमन जायसवाल**, दिल्ली विश्वविद्यालय

अमेरिकी दखलंदाज़ी

एक तरफ अमेरिका भारत से हमदर्दी जताता रहा है और संकट के समय मदद भी करता है मगर अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए उसे हमारे आंदोलन ही मामलों में दखलंदाजी का भी शौक है। भारत में अल्पसंख्यक मामलों पर चिंता और नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर उसे एतराज भी है। दिल्ली दंगों का भी उसे दर्द है। कुल मिलाकर वह भारत की उन समस्याओं को लेकर दिलचस्प है जो हमारे यहां विवादास्पद रही है। वैसे हमारे आंतरिक मामलों में दखल की यह कोई अमेरिका की कोई नई पहल नहीं है पर भारत सरकार के सुस्त रवैए के कारण वह समय पर अपना दुख जाहिर करता रहता है। अपनी एक रिपोर्ट में इन दर्दों को अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने जाहिर करते हुए दिल्ली दंगों, तबलीगी जमात, सीएए जैसे मुद्दों को हवा देने का काम किया है। प्रवक्ता ने जमकर भारत को कोसा और अमेरिकी सलाह मानने की बात कही। अब सवाल यह उठता है कि अमेरिका हमारे आंतरिक मामलों में दखल देने वाला होता कौन है?

- **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

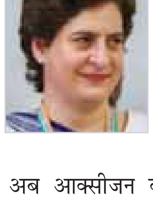

उत्तर प्रदेश में जो हो रहा है वह मानवता के विरुद्ध अपराध से कम नहीं है और मुख्य चुनाव अधिकारी भी साथ में शामिल हैं।

- **प्रियंका गांधी**
कांग्रेस नेता

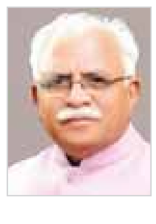

प्रदेश में अब आक्सीजन की कमी नहीं है। मैं किसान नेताओं से विरोध प्रदर्शन स्थगित करने की पुन: अपील करता हूं।

- **एमएल खट्टर**
हरियाणा के मुख्यमंत्री

हरियाणा में स्थिति पड़ोसी राज्य दिल्ली से भी बुरी है। स्वास्थ्य मंत्री को स्थिति संभालने में विफलता के चलते त्यागपत्र दे देना चाहिए।

- **अभय सिंह चौटाला**
इनेलोद नेता

आदि शंकराचार्य स्वामी की जयंती मनाई

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

बैसाख शुक्ल पक्ष पंचमी तद्नुसार 17 मई को श्री काशी सुमेरु पीठ में भगवान् आदिगुरू शंकराचार्य का प्राकट्योत्सव मनाया गया द्य कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रात: भगवान आदि गुरु शंकराचार्य के षोडशोपचार पूजन से किया गया। तत्पश्चात् श्री काशी सुमेरु पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती जी महाराज ने उपस्थित सन्यासियों एवम् श्रद्धालुओं को अपना मार्गदर्शन प्रदान किया।

पूज्य शंकराचार्य जी महाराज ने कहा कि यदि आदिगुरु शंकराचार्य भगवान उस विषम कालखण्ड में नहीं होतेए तो आज कोई सनातन धर्म का नाम लेने वाला नहीं होता द्य उनका जन्म केरल प्रान्त के कालाडी नामक गाँव में श्री शिवगुरु नम्बूदरीपाद एवम् माता आर्याम्बा नामक दम्पत्ति के यहाँ हुआ था द्य उन्होंने मात्र 5 वर्ष की अल्पायु में ही सन्यास ग्रहण कर लियाए और पूरे देश में फैल रहे अवैदिक मतों का अपने तर्कों से खण्डन किया और सनातन धर्म की विजय पताका फहराई। उन्होंने प्रकाण्ड विद्वान पं. मण्डन मिश्र, उनकी महान विदुषी पत्नी उभय भारती जी को शास्त्रार्थ में पराजित किया। इतना ही नहींए अपितु भगवान आदि गुरू शंकराचार्य जी का काशी के मणिकर्णिका घाट पर चाण्डाल वेषधारी भगवान शिव एवम् श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर में ब्यास रूपधारी भगवान श्री विष्णु जी से भी शास्त्रार्थ हुआ था। भगवान आदिगुरू शंकराचार्य जी ने सनातन धर्म के संरक्षण एवम् सम्वर्धन हेतु पूरे भारत में 7 पीठों की स्थापना की और उनके संचालन हेतु व्यवस्था दी, जिसके अनुसार भारत के पश्चिमी भाग में स्थित पश्चिमाम्नाय शारदा मठ के आचार्य हेतु तीर्थ एवम् आश्रम नामा सन्यासी , उत्तराम्नाय ज्योतिष पीठ के लिए आचार्य हेतु गिरि, पर्वत एवम् सागर नामा सन्यासी, पूर्वाम्नाय गोबर्धन पीठ के लिए आचार्य हेतु वन एवम् अरण्य नामा सन्यासी, दक्षिणाम्नाय श्रृंगेरी पीठ के लिए आचार्य हेतु सरस्वती, भारती एवम् पुरी नामधारी सन्यासी का नियम सुनिश्चित किया है। पाँचवीं पीठ ऊर्ध्वाम्नाय श्री काशी सुमेरु पीठ की स्थापना काशी में की और व्यवस्था दी कि यहाँ का आचार्य वेदांग का उद्भट विद्वान होगा, जो यह सुनिश्चित करेगा कि अन्य पीठ निरंकुश न होने पायें और नियम विरुद्ध कार्यों में न लिप्त होने पायें द्य इसी प्रकार छठवीं पीठ की स्थापना तमिलनाडु एवम् सातवीं पीठ की स्थापना कश्मीर में आदिगुरू शंकराचार्य भगवान ने की एवम् उनके लिए भी नियम निर्धारित किए हैं। पूज्य शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती जी महाराज ने कहा कि आज भी सनातन धर्म पर जिस तरह चतुर्दिक आक्रमण हो रहा है, उसमें भगवान आदि शंकर द्वारा निर्दिष्ट मार्ग पर चलकर ही सनातन धर्म को संरक्षित एवम् सम्बर्धित किया जा सकता है। इस अवसर पर स्वामी अखण्डानन्द तीर्थ, कोतवाल स्वामी रणछोड़ आश्रम, स्वामी श्यामदेव आश्रम, ब्रह्मचारी स्वामी बृजभूषणानन्द, स्वामी केदारानन्द तीर्थ, स्वामी जीतेन्द्रानन्द तीर्थ, स्वामी जगदेवानन्द तीर्थ, स्वामी राधेश्याम आश्रम, स्वामी बाबू आश्रम सहित अन्य सन्यासी एवम् श्रद्धालु उपस्थित थे द्य कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मचारी स्वामी बृजभूषणानन्द जी महाराज ने किया।

पत्रकारों और उनके परिजनों को लगी कोरोनारोधी वैक्सीन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

काशी पत्रकार संघ के तत्वावधान में सोमवार को पहले दिन पराड़कर स्मृति भवन में 45 वर्ष से अधिक उम्र के मीडियाकर्मियों और उनके परिजनों को कोविशील्ड वैक्सीन का पहला डोज लगाया गया। टीकाकरण का शुभारम्भ मुख्य चिकित्साधिकारी डा॰ वी॰ बी॰ सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच भी कोरोना आपदा पर विजय पाने में सहायक होती है। स्वागत संघ के अध्यक्ष सुभाषचन्द्र सिंह ने और संचालन महामंत्री डा॰ अत्रि भारद्वाज ने किया। उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम चतुर्वेदीए कार्यसमिति के सदस्य शैलेश चैरसिया ने वैक्सीनेशन में सहयोग किया। उपाध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी, उमेश गुप्ता, कार्यसमिति सदस्य आलोक श्रीवास्तव, आलोक मालवीय, सुनील शुक्ला, विनय शंकर सिंह, अश्वनी श्रीवास्तव, रोहित चतुर्वेदी, वाराणसी प्रेस क्लब के अध्यक्ष चंदन रुपानी, उपाध्यक्ष संदीप गुप्ता, कोषाध्यक्ष शंकर चतुर्वेदी, संयुक्त मंत्री देवकुमार केशरी, प्रबंध समिति सदस्य रौशन जायसवाल, हरिबाबू श्रीवास्तव, संघ के पूर्व अध्यक्ष बीबी यादव, पूर्व महामंत्री राजेन्द्र रंगप्पाए वरिष्ठ पत्रकार आशीष बागची आदि उपस्थित रहे। लगभग 80 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। डा. सुदर्शन जायसवालए संगीता दूबे (एएनएम) व ममता सिंह (एएनएम) ने टीकाकरण किया। प्रतिरक्षण अधिकारी जवाहर यादव भी उपस्थित रहे। वैक्सीनेशन शिविर कल भी पूर्वाह्न 10 से सायंकाल 4 बजे तक चलेगा।

लाखों रुपए का माल उड़ाया, साथ में दारु व सिगरेट भी पी गए चोर

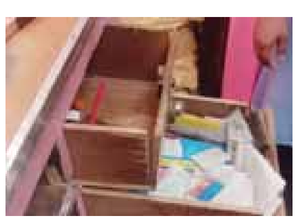

वाराणसी। कैंट थाना क्षेत्र के भोजूबीर सब्जी मंडी में सूरज इलेक्ट्रिक एंड टी सेंटर पर रात्रि में चोरों द्वारा छत के सहारे रोशनदान तोड़कर अंदर घुस कर लाख रुपया से उपर कैसए दो पंखाए एलइडी बल्ब और कई बंडल तार चुरा ले गए।

सुबह जानकारी होने पर दुकानदार द्वारा 112 नंबर पर फोन किया गया तथा अर्दली बाजार चौकी इंचार्ज को सूचित किया गया पीसीआर वैन व चौकी इंचार्ज बनारसी यादव के आने पर दुकान का मुआयना करने पर मालूम हुआ कि चोरों द्वारा अंदर आधे घंटे के अंतराल में अंग्रेजी दारू पिए सिगरेट पिए थोड़ा दारु छोड़ कर भी चले गए। यह इस तरह का भोजूबीर में पहली घटना है जहां चोरों द्वारा चोरी करने से पहले अय्याशी की गई हो सीसीटीवी फुटेज में यह जानकारी प्राप्त हुई कि चोर बाइक से आए थे और 1रू28 पर रुके और छत के सहारे दुकान के अंदर गए चौकी इंचार्ज ने कहा कि बहुत जल्द चोरों को पकड़ लिया जाएगा। दुकानदार द्वारा अर्दली बाजार चौकी इंचार्ज श्री बनारसी यादव को बताया कि शाम को रु.100000 की दुकानदारी हुई थी चाय का होलसेल का काम करने के कारण अक्सर पेमेंट शाम को ही आता था जो दुकान में ही पड़ा रहता था इसके साथ दो फैन एलईडी बल्ब और कई बंडल मल्टी स्टैंड तार चोरी हो गई। चोरी की सूचना मिलने मीरापुर बसही उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष मृत्युंजय सोनकर उपाध्यक्ष राजकुमार सोनकर संगठन मंत्री संग्राम सिंह पटेल कार्यसमिति सदस्य संतोष यादव गोविंद प्रजापति आदि लोग मौके पर पहुंचे और चौकी इंचार्ज को सूचित करते हुए मौके पर बुलाकर मुआयना कराया गया।

सभी सरकारी अस्पतालों में 18-44 वर्ष आयु के नागरिकों का टीकाकरण शुरू

- उर्जा राज्य मंत्री ने मण्डलीय चिकित्सालय में टीकाकरण का किया शुभारम्भ, आनलाइन रजिस्ट्रेशन से ही होगा टीकाकरण
- शत-प्रतिशत टीकाकरण का है लक्ष्य: मण्डलायुक्त टीकाकरण के महत्वा व जागरूकता पर दिया बल: जिलाधिकारी

संवाददाता। मीरजापुर

जनपद मीरजापुर में 18-44 वर्ष के नागरिको का टीकाकरण का शुभारम्भ मण्डलीय चिकित्सालय सहित सभी 17 सरकारी अस्पतालो मे प्रारम्भ हुआ। मण्डलीय चिकित्सालय मे टीकाकरण का शुभारम्भ मा0 उर्जा राज्य मंत्री श्री रमा शंकर सिंह पटेल, मण्डलायुक्त श्री योगेश्वर राम मिश्र, जिलाधिकारी श्री प्रवीण कुमार लक्षकार द्वारा किया गया। इसी तरह सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र विन्ध्याचल मे मा0 नगर विधायक श्री रत्नाकर मिश्र, सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र कछवा मे मा0 विधायक श्रीमती सुचिस्मिता मौर्या, सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र लालगंज मे मा0 छानबे विधायक श्री राहुल प्रकाश द्वारा प्रात: 10:00 बजे किया गया। मण्डलीय चिकित्सालय मे प्रिया उपाध्याय को टीकाकरण के पश्चात उनको कोविड-19 टीकाकरण रिपोर्ट कार्ड मा0 उर्जा राज्य मंत्री, मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी ने स्वयं दिया। लोगो मे जागरूकता एवं टीकाकरण के महत्वा का ही परिणाम था कि प्रथम दिन ही मण्डलीय चिकित्सालय मे आनलाइन रजिस्ट्रेशन कराये 500 नागरिको ने उत्साह के साथ टीकाकरण कराया। कोविड-19 टीकाकरण के शुभारम्भ पर मा0 मंत्री जी ने कहा कि 18-44 वर्ष आयु के नागरिको का टीकाकरण प्रारम्भ करने वाला मीरजापुर 18वॉ जनपद है। उत्तर प्रदेश टीकाकरण के मामले मे अन्य राज्यो की तुलना मे बेहतर एवं शीर्ष पर हैं। मा0 मुख्यमंत्री के प्रयासो से उत्तर प्रदेश मे संक्रमितों की संख्या कम हैं। उन्होने कहा कि इस महामारी से वैक्सीन ही हमे बचायेगी। इसलिये अधिक से अधिक लोग टीकाकरण कराये और दूसरे को भी प्रेरित और जागरूक करें। उन्होने कहा कि कोरोना किसी जाति, बिरादरी, पार्टी को नही देखता उसका प्रसार एवं प्रभाव सभी पर एक समान होता है। इस मौके पर मण्डलायुक्त श्री योगेश्वर राम मिश्र ने बताया कि 18-44 वर्ष के लोगो को सर्वप्रथम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना है। आज टीकाकरण का प्रथम दिन है और बड़ी प्रसन्नता की बात है कि लोगो ने बढ-्चढ़ कर टीकाकरण कराया। उन्होने उपस्थित पत्रकार एवं मीडिया के द्वारा मीरजापुर मण्डल की जनता दर्नादन से अपील किया कि इस महामारी से लड़ने मे वैक्सीन की महत्वपूर्ण भूमिका है सभी लोग वैक्सीन अवश्य लगवाये। मीरजापुर मण्डल मे वैक्सीन की पर्याप्त उपलब्धता है। कोविड-19 टीकाकरण कार्य तब तक चलता रहेगा जब तक शत प्रतिशत लोगो का टीकाकरण नही हो जाता हैं। उन्होने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया कि टीकाकरण सेंटर पर शान्ति व्यवस्था बनाये रखें। जिलाधिकारी श्री प्रवीण कुमार लक्षकार ने कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम के सुचारू एवं सफल संचालन के लिये टीकाकरण मे लगे सभी स्वास्थकर्मियो को निर्देश दिया कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये, टीकारण हेतु आये सभी लोगो को सुविधा एवं सावधानी के साथ टीकाकरण किया जायें। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि जिन लोगो का टीकाकरण हो जायेगा वे लोग ज्यादा सुरक्षित रहेगे तथा उन पर कोरोना संक्रमण का खतरा नही होगा या उन पर बहुत कम प्रभाव पड़ेगा। 11 लाख की आबादी वाले मीरजापुर मे अब तक 42 हजार लोगो ने रजिस्ट्रेशन कराया है। टीकाकरण के जागरूकता एवं उत्साह का ही परिणाम है कि अगले चार दिन तक टीकाकरण का स्लाट बुक हो चुका है।

क्विक न्यूज

शार्ट सर्किट से लगी आग, लाखों की क्षति

मुग़लसराय/चन्दौली। स्थानीय कोतवाली थाना अंतर्गत धर्मशाला क्षेत्र स्थित गांधी कॉन्प्लेक्स की दूसरी मंजिल पर स्थित कुणाल कंप्यूटर नामक दुकान शॉप में आग लग गई इस बाबत दुकान संचालक रमेश खरवार ने बताया कि हमें आसपास के लोगों ने सूचना दी थी कि दुकान में धुँआ निकल रहा है जिसकी सूचना पर हम पहुंचे तो देखा कि दुकान में आग लगी हुई थी वहीं आसपास के लोगों की मदद से थोड़ा अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया गया।वहीं दुकान संचालक की माने तो आग विद्युत शार्ट सर्किट के कारण लगी थी। जिससे लगभग ढाई लाख की क्षति हुई।

संदिग्ध हालात में किशोरी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मुग़लसराय/चन्दौली। मुगलसराय कोतवाली अंतर्गत लक्ष्मीपुर वार्ड नं 7 में दिन सोमवार को 13 वर्षीय किशोरी ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जिसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मौके पर पहुचे उपनिरीक्षक सुनील कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना के वक्त घर के सभी लोग दुकान पर चले गए थे और किशोरी घर में अकेली थी।किशोरी अपने ननिहाल में रहती थी।समाचार लिखे जाने तक घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया था।

दस नए कोरोना संक्रमित, अब तक कुल 7145 हुए स्वस्थ

मऊ। जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार काफी तेजी के साथ घटने लगा है। सोमवार को जांच के बाद मात्र 10 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। जबकि 1234 लोगों का एंटीजन टेस्ट कराया गया था। संक्रमितों की संख्या घटने व मौत पर ब्रेक लगने से जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग ने काफी राहत की सांस लिया है। वहीं दूसरी तरफ7145 लोग स्वस्थ भी हुए। इस प्रकार से स्वस्थ होने वालों की संख्या में भी काफी तेजी के साथ इजाफा हो रहा है। जबकि कोरोना से मरने वालों की कुल संख्या 60 पर ही स्थिर है। जिले में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल व मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् सतीश चंद्र सिंह दिन.रात एक करके लगे हुए हैं। जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग द्वारा कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि जिले में अब कोरोना संक्रमण की रफ्तार काफी मंद पड़ गया है। जिले में कुल एक्टिव कोरोना पाजिटिव केस 496 है। वहीं एक्टिव होम आईसोलेशन मरीजों की संख्या 393 है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् सतीश चंद्र सिंह ने बताया कि जांच के बाद आई रिपोर्ट में 10 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। जबकि 1234 लोगों का 1234 एंटीजन टेस्ट में महज छह लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए है। जबकि पूर्व में भेजे गए आरटीपीसीआर सेंपल से 4 लोगों की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव आया है। इस प्रकार से जिले में आज कुल 10 लोगों की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव आया है। जो काफी सुकून देने वाला है। सीएमओ ने बताया कि अब तक 187955 लोगों का नमूना लैब भेजा गया हैए इसमें 185022 लोगों की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। 181693 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव है और 2933 की रिपोर्ट प्रतीक्षारत है। जांच में अब तक 7701 संक्रमित मिले हैं और 7145 रिकवर हो चुके हैं। वहीं संक्रमण के कारण मौत की संख्या 60 पर ही स्थिर है। जबकि कुल एक्टिव कोरोना पाजिटिव केस 496 है। वहीं कुल एक्टिव होम आईसोलेशन मरीजों की संख्या 393 है।

जिले में 1346 लाभार्थियों का किया गया टीकाकरण

मऊ। वैश्विक महामारी कोरोना के खिलाफवैक्सीनेसन को लेकर लोग अब काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। अभियान के तहत सोमवार को जिले के 50 केन्द्रों पर टीकाकरण किया गया। इस दौरान पर कुल 1346 लाभार्थियों को कोरोना वैक्सीन लगाई गई। इसमें 186 लाभार्थियों को दूसरी डोज लगाया गया। सभी केन्द्रों पर टीकाकरण के लिए लोग काफी उत्साहित नजर आए। कोरोना संक्रमण की रफ्तार रोकने के लिए सरकार द्वारा वैक्सीनेसन की रफ्तार को तेज करने का निर्देश दिया गया है। इसके तहत अधिक से अधिक लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा लगातार जागरुक किया जा रहा है। सोमवार को वैक्सीनेसन की प्रक्रिया के तहत नगर समेत ग्रामीण अंचलों में टीकाकरण को लेकर लोग काफी उत्सुक दिखाई दिए। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् सतीश चंद्र सिंह व डीआईओ डॉण् वीके यादव की देखरेख में सघन अभियान चलाया गया। इस दौरान जिले के 50 केन्द्रों पर टीकाकरण किया गया। विशेष अभियान का टीकाकरण जनपद के 50 स्वास्थ्य केंद्रए इसमें नगर के दो प्रमुख अस्पताल समेत प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शामिल रहे। अभियान के दौरान कोविडशिल्ड वैक्सीजन की प्रथम डोज 834 लोगों को लगाया गया। जबकि इसी वैक्सीजन की दूसरी डोज 47 लोगों को लगाया गया। वहीं कोवैक्सीन की प्रथम डोज 326 लोगों को लगाया गयाए जबकि इसी वैक्सीन की दूसरी डोज 139 लोगों को लगाया गया।

गैंगरेप के तीन आरोपियों को भेजा गया जेल

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय थानाक्षेत्रान्तर्गत स्थित ग्राम सभा सिंदूर के टोला धरतीडॉड़ परिक्षेत्र मौजूद मोटकी पहाड़ी के हनुमान मंदिर के नीचे के जंगल में एक युवती के साथ हुए गैंगरेप के तीनों आरोपियों को बीजपुर पुलिस ने सोमवार को जनपद के संबंधित न्यायालय में पेश किया। जहाँ आरोपियों पर लगाए गए आरोप को देखते हुए उन्हें अग्रीम जमानत तक जनपद कारागार गुरमा भेजने हेतु निर्देशित किया गया। शनिवार को एक युवती अपने मंगेतर के साथ मोटकी पहाड़ी पर स्थित हनुमान मंदिर दर्शन करने गई थी। वह दर्शन करके पहाड़ी से नीचे उतरी उसी वक्त लकड़ी काट रहे जनपद सोनभद्र के थाना बभनी के झापर गांव निवासी श्यामलाल पुत्र रामकुंवर पनिका व मुनीलाल पनिका पुत्र रामभजन पनिका व थाना बीजपुर के धरतीडॉड़ निवासी अंगद केवट पुत्र रामनरेश केवट ने युवती के मंगेतर को डरा धमकाकर युवती को जंगल में ले जाकर उसके साथ दुराचार किया।

स्कार्पियों की ठोकर से टेम्पो सवार महिला की मौत

- पति की इलाज के लिये बेटे के साथ जा रही थी जिला अस्पताल

संवाददाता। सकलडीहा/चन्दौली

भोजापुर चंदौली मार्ग पर सोमवार की शाम तीन बजे स्कार्पियों की धक्के से टेम्पू सवार 55 वर्षीय एक महिला की मौत होगयी। वही पति एबेटा सहित चालक गंभीर रूप से घायल होगया। आक्रोशित ग्रामीणों ने स्क्रार्पियों चालक को दौड़ाकर जमकर पीटाई करते हुए पुलिस को सौप दिया। इस दौरान ग्रामीण और परिजनों ने शव को रखकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए डीएम एसपी को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे। सूचना पर पहुंचे ज्वाइंट मजिस्ट्रेट पीपी मीणा ने मृतक के परिजनों को हर संभव सहयोग दिलाने और मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई का आश्वासन देकर धरना प्रदर्शन समाप्त कराया। वही घायलों को जिला अस्पताल इलाज के लिये भेज दिया गया।

बलुआ थाना के कांधी गांव निवासी 60 वर्षीय सिरी राजभर कोलकता के रानीगंज में मिठाई और चाट की दुकान चलाते है। पिछले कई दिनों से तबीयत खराब होने पर रविवार को छोटे पुत्र लल्लू के साथ घर पहुंचे। कुछ देर बार कस्बा के एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया । हालत गंभीर होने पर डाक्टर ने जिला अस्पताल में इलाज के लिये रेफर कर दिया। टेम्पू से पत्नी उर्मिला देवी पुत्र लल्लू सकलडीहा स्टैंड से टेम्पू लेकर चंदौली जिला अस्पताल जा रहे थे। भोजापुर रेलवे क्रासिंग से थोड़ी दूर पहुंचे थे। इसी बीच सामने से आ रही स्कार्पियों की धक्के से टेम्पू पलट गया। स्कार्पियों में बैठी महिला उतर कर पैदल चल दी। वही चालक घटना के बाद भागने पर ग्रामीणों ने दौड़ाकर पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद शव रखकर हंगामा मचाने लगे। मौके पर पहुंचे एसडीएम पीपी मीणा ने परिवार को हर संभव सहयोग और कार्रवाई का आश्वासन देकर धरना समाप्त कराया। इस मौके पर सीओ शेषमणी पाठक, कोतवाल अवनीश राय, राजेश सिंह, अच्छेलाल यादव, रामनिवास, भूपेश चन्द्र कुशवाहा, माले नेता रमेश राय, मंत्री प्रतिनिधि गोपाल राजभर, मंगल राय सहित अन्य मौजूद रहे।

पीएम मोदी के गोद लिए जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन व राशन

वाराणसी। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन . अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग . अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा हैए उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर परए अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कीए जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाताए तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है।

ग्रामीण स्तर पर बनाए जाएंगे हॉस्पिटल, कोविड केयर व हेल्थ सेंटर

संवाददाता। सोनभद्र

देश में कोविड-19 प्रबन्धन के लिए अब ग्रामीण स्तर पर कोविड केयर सेंटर हैल्थ सेंटर और हॉस्पिटल बनाए जाएंगे जो पूर्णतया कोविड समर्पित होंगे। शुरुआत में कोविड के ज़्यादातर केस शहरों में देखने को मिल रहे थे लेकिन धीरे धीरे इसका ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में भी प्रसार देखा जा रहा है। शहरी ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में कोविड-19 मामलों के बड़े प्रसार के साथ यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि इन क्षेत्रों में कोविड आधारित सेवाएं और प्राथमिक स्तर की स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हो। इसीलिए अब ग्रामीण स्तर पर कोविड केयर सेंटर हैल्थ सेंटर और हॉस्पिटल बनाने की योजना बनाई जा रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नेम सिंह ने बताया कि वर्तमान में ग्रामीण स्तर पर फ्रंटलाइन वर्कर के द्वारा सर्दी जुकाम खांसी बुखार इत्यादि लक्षण मिलने वाले व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की जा रही है जहां उन्हें मेडिकल किट उपलब्ध कराई जा रही है। किट के साथ दिए जा रहे पर्चे में दवाइयों के सेवन का तरीका व दिन लिखा हुआ है ताकि लोगों को दवा के सेवन में कोई दिक्कत न हो। मेडिकल किट के साथ लक्षणयुक्त व्यक्ति को कोविड की जांच के लिए प्रेरित किया जा रहा है साथ ही नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच भी करायी जा रही है।

30 बेड का होगा कोविड केयर सेंटर

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नेम बताया कि ग्रामीण स्तर पर बनाई जाने वाले इन केन्द्रों की रूपरेखा तैयार कर ली गयी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुसार कोविड केयर सेंटर 30 बेड का होगा जहां पर बिना लक्षण और हल्के लक्षण वाले कोविड उपचाराधीन को रखा जाएगा। यह एक तरह का आइसोलेशन वार्ड होगा जिन गाँव के घरों में आइसोलाशन की व्यवस्था नहीं होगी उन मरीजों को यहाँ रखा जाएगा। यहाँ उपचाराधीन लोगों की सांस संबंधी समस्या और ऑक्सिजन स्तर की निरंतर मानिट्रिंग की जाएगी। यह केंद्र स्कूल कम्यूनिटी हाल विवाह गृह पंचायत भवन आदि उन जगह पर बनाया जायेगा जहां हवा के आवागमन स्वच्छता और स्वच्छ शौचालय आदि की व्यवस्था हो।

अब 24 घंटे होगी ऑक्सीजन की व्यवस्था

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि सेंटर पर ऑक्सिजन उपलब्धता के साथ ही एक बेसिक लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस भी होगी। जिससे कि आवश्यकता पड़ने पर गंभीर मरीजों को उचित उपचार के लिए किसी दूसरे उच्च स्वास्थ्य केंद्र पर रिफ़र के लिए प्रयोग में लाया जा सके। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एएनएम कार्यकर्ता आदि को कोविड केयर सेंटर का नोडल नियुक्त किया जाएगा। वही आशा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता इनका सहयोग करेंगी। ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम स्वास्थ्य पोषण और स्वच्छता समिति और शहरी क्षेत्र में महिला आरोग्य समिति के द्वारा इन केन्द्रों का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। यह केंद्र समीप के प्राथमिक या हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर की निगरानी में रहेंगे। ग्राम पंचायत आवश्यकता के आधार पर सफ़ाई कर्मचारी नियुक्त कर सकता है।

ग्राम पंचायत निभाएगी जागरूकता की ज़िम्मेदारी

ग्रामीण स्तर पर कोविड के प्रति जागरूकता के लिए ग्राम पंचायत अहम भूमिका निभाएंगी। ग्राम पंचायत के सहयोग से आईसीडीएस विभाग शिक्षा विभाग स्वयं सहायता समूह के द्वारा कोविड की इस लड़ाई में ग्रामीणों को जागरूक कर कोविड अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिन रोगियों को मामूली लक्षण हो उन्हे 10 दिन बाद आइसलैशन से बाहर आने की इजाजत दी जाएगी अगर तीन दिन तक उन्हे बुखार न आए। ग्राम स्तर पर स्वच्छता का खास ध्यान रखा जाएगा और लोगों को कोविड के बारे में जानकारी देने के लिए व्यापार प्रचार अभियान चलाया जाएगा।

मण्डलायुक्त ने कोविड कंट्रोल को लेकर की अहम बैठक आयुष काढ़ा का वितरण

मीरजापुर। मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने सोमवार को जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार के साथ एकीकृत कोविड-19 कंट्रोल रूम एवं कमाण्ड सेंटर मे बैठक किया। मण्डलायुक्त ने रविवार को आये हुये सभी दूरभाष शिकायतो/पूछताछ का अवलोकन कर निस्तारण किया। उन्होने बताया कि सोमवार को मीरजापुर में 16 टन गैस की आपूर्ति हुयी है। मण्डल के तीनो जनपदो मे गैस की पर्याप्त उपलब्धतता है। उन्होने कहा कि होम आइसोलेशन मे रह रहे मरीजो को भी कोरोना पाजिटव रिपोर्ट एवं आधार कार्ड पर आक्सीजन उपलब्ध कराया जा रहा है। मौके पर आक्सीजन हेतु आये दो तीमारदारो के प्रार्थना पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज को देखकर तत्काल उनको आक्सीजन उपलब्ध कराने हेतु सम्बन्धित अधिकारी को आदेश दिया। एपेक्स आर्युवेद इंस्टीट्यूट द्वारा तैयार आयुष काढ़ा का कलेक्ट्रेट परिसर मे निशुल्क वितरण किया गया।

आकस्मिक सेवा के तहत आने वाले सभी नागरिकों का किया जाय समुचित इलाज: मोहम्मद मुस्तफा

- ग्राम निगरानी समितियों को किया जाय सक्रिय

संवाददाता। सोनभद्र

सोनभद्र जिले के नोडल अधिकारी श्रमायुक्त मोहम्मद मुस्तफा ने सोनभर्द्र भ्रमण के दौरान कोविड-19 संक्रमण को रोकने के लिए की गयी तैयारियों की समीक्षा बैठक की और ग्रामीण क्षेत्रों में साफसफाई सेनिटाइजेशन ग्राम निगरानी समिति के कार्यों का क्षेत्रीय भ्रमण कर वास्तविक हकीकत को जाना। सोनभद्र जिले के नोडल अधिकारी श्रमायुक्त मोहम्मद मुस्तफा ने सोमवार को सर्किट हाउस में कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए की गयी तैयारियों की समीक्षा की और उन्होंने कहा कि ग्राम निगरानी समितियों को सक्रिय किया जाय। ग्राम निगरानी समितियों का रोजाना निरीक्षण किया जाय और जन जागरूकता के कार्यों में जो कमी हो उसमें सुधार लाया जाय। आशा आंगनबाड़ी सेक्रेटरी लेखपाल गांव के चौकीदार नेहरू युवा केन्द्र के पदाधिकारियों से भी सकारात्मक सहयोग लिया जाय। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के 60 वर्ष के ऊपर नागरिकों का एन्टीजन टेस्ट जो निगेटीव आया है उन नागरिकों का आरटीपीसीआर जॉच भी करायी जाय। शहरी क्षेत्रों में अधिशासी अधिकारी व ग्रामीण इलाकों में खण्ड विकास अधिकारी निगरानी समितियों के कार्य के साथ ही साफसफाई जन जागरूकता लक्षणयुक्त पाये जाने वाले नागरिकों की जॉच की व्यवस्था करायी जाय। ग्रामीण इलाकों के जिन नागरिकों की जॉच रिपोर्ट पाजिटीव हो और उनके पास स्वच्छ शौचालय के अलावा अलग से रहने की व्यवस्था न हो तो ग्राम स्तर पर सार्वजनिक भवन में क्वारंटाइन की भी व्यवस्था करायी जाय। उन्होंने कहा कि आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्री घर घर जाकर स्थिति की जानकारी करें और लक्षण पाये जाने पर ब्लड टेस्टिंग व अन्य आवश्यक सुविधाएं मुहैया करायी जाय। आकस्मिक सेवा के तहत जिला अस्पताल में आने वाले सभी नागरिकों का समुचित ईलाज किया जाय। समीक्षा बैठक में सोनभद्र जिले के नोडल अधिकारी श्रमायुक्त मोहम्मद मुस्तफा को जिलाधिकारी अभिषेक सिंह ने अवगत कराया कि टीम भावना के साथ इस महामारी से निपटने के लिए कोशिश लगातार जारी है।

पिनराई विजयन मंत्रिमंडल में होंगे 21 मंत्री

● 20 मई को होगा शपथ ग्रहण

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल में पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली दूसरी सरकार 20 मई को शपथ ग्रहण करेगी और मंत्रिमंडल में सदस्यों की संख्या 21 होगी। यह जानकारी एलडीएफ के संयोजक एवं माकपा के कार्यवाहक राज्य सचिव ए विजयराघवन ने सोमवार को यहां दी।विजयराघवन ने एलडीएफ की राज्य समिति की बैठक के बाद यहां कहा कि नई वाम सरकार का शपथ ग्रहण समारोह कोविड-19 स्थिति को देखते हुए सादगी से होगा जिसमें सीमित संख्या में लोग आमंत्रित होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रियों के विभागों का फैसला मुख्यमंत्री करेंगे।

विजयराघवन ने यहां संवाददाताओं से कहा, चूंकि एलडीएफ को विधानसभा चुनावों के दौरान लोगों के हर वर्ग से अपार समर्थन मिला है, अत: हम एक ऐसी सरकार बनाना चाहते हैं जिसमें सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो और जो सभी की उम्मीदों पर खरा उतर सके। माकपा नेता ने कहा, फिलहाल, 21 सदस्ईय सरकार बनाने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि एलडीएफ में सबसे बड़े गठबंधन सहयोगी माकपा के नए मंत्रिमंडल में 12 सदस्य होंगे जबकि दूसरी सबसे बड़ी पार्टी भाकपा के 4 सदस्य होंगे, वहीं केरल कांग्रेस (एम), जनता दल (एस) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से एक-एक प्रतिनिधि होंगे।

उन्होंने कहा कि चूंकि मंत्रिमंडल में 21 से अधिक सदस्य शामिल हो सकते हैं, एलडीएफ ने अपने चार सहयोगियों, जिनके पास एक विधायक हैं, को बारी बारी के आधार पर मंत्री पद साझा करने का फैसला किया है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि एंटनी राजू, (जनधिपति केरल कांग्रेस), के बी गणेश कुमार (केरल कांग्रेस-बी), अहमद देवरकोविल (इंडियन नेशनल लीग) और रामचंद्रन कडनपल्ली (कांग्रेस-एस) को दो चरणों में कैबिनेट में शामिल किया जाएगा। माकपा और भाकपा क्रमश: विधानसभाध्यक्ष और उप विधानसभाध्यक्ष पदों पर रहेंगे, वहीं

केरल में गुजर चुका है कोविड-19 की दूसरी लहर का चरमः विजयन

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने सोमवार को कहा कि राज्य में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर का चरम दौर गुजर चुका है। उन्होंने लोगों से किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतने की अपील भी की। विजयन ने यहां संवाददाताओं से कहा, विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर का चरम दौर गुजर चुका है, लेकिन इसके बावजूद हमें किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। सप्ताहांत कर्फ्यू के बाद लॉकडाउन से पहले लगाए गए प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप कोरोना संक्रमण के दैनिक नए मामलों में कमी आ रही है। जो कि एक अच्छा संकेत है।

केदारनाथ के कपाट खुले, प्रधानमंत्री मोदी की ओर से की गई पहली पूजा

देहरादून। कोरोना वायरस के कहर के बीच उत्तराखंड के उच्च हिमालई क्षेत्र में स्थित विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग केदारनाथ के कपाट छह माह के शीतकालीन अवकाश के बाद सोमवार को सुबह पांच बजे खुल गए जहां पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से की गई। हालांकि, पिछले वर्ष की तरह इस बार भी कोविड-19 के कारण बाबा भोले के धाम के कपाट खोले जाने के दौरान श्रद्धालु उपस्थित नहीं थे और सीमित लोगों की मौजूदगी में ही समारोह हुआ। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने केदारनाथ धाम के कपाट खुलने पर प्रसन्नता जताई और जनकल्याण तथा आरोग्यता की कामना की। मेष लग्न और पुनर्वसु नक्षत्र में पूरे विधि-विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रात: पांच बजे केदारनाथ धाम के कपाट खोल दिए गए। मंदिर के कपाट खुलने की प्रक्रिया तड़के तीन बजे से

शुरू हो गई थी। रावल भीमाशंकर एवं मुख्य पुजारी बागेश लिंग, देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीडी सिंह एवं रूद्रप्रयाग के जिलाधिकारी मनुज गोयल ने पूरब द्वार से मंदिर के मुख्य प्रांगण में प्रवेश किया तथा मुख्य द्वार पर पूजा-अर्चना के बाद भगवान शिव के द्वार भक्तों के लिए खोल दिए। मंदिर के कपाट खुलने के पश्चात मुख्य पुजारी बागेश लिंग ने स्वयंभू शिवलिंग को समाधि से जागृत किया तथा निर्वाण दर्शनों के पश्चात श्रृंगार तथा रूद्राभिषेक पूजाएं की गई।

कोरोना के मरीजों को अब नहीं दी जायेगी प्लाज्मा थेरेपी

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार ने सोमवार को कोविड-19 उपचार के लिए नैदानिक परामर्श में संशोधन किया और मरीजों के उपचार के लिए प्लाज्मा थेरेपी के उपयोग को नैदानिक प्रबंधन दिशा-निर्देश से हटा दिया। सरकार ने पाया कि कोविड-19 मरीजों के उपचार में प्लाज्मा थेरेपी गंभीर बीमारी को दूर करने और मौत के मामलों को कम करने में फायदेमंद साबित नहीं हुई। कोविड-19 के लिए गठित राष्ट्रीय कार्य बल-आईसीएमआर की पिछली सप्ताह हुई बैठक के दौरान सभी सदस्य प्लाज्मा थेरेपी को नैदानिक प्रबंधन दिशा-निर्देश से हटाने पर सहमत हुए थे, जिसके बाद सरकार का यह निर्णय सामने आया है। प्लाज्मा थेरेपी को कोविड-19 मरीजों के उपचार में प्रभावी नहीं पाया गया है। इसलिए कोविड-19 मरीजों के लिए उपचार संबंधी नैदानिक परामर्श में संशोधन करते हुए प्लाज्मा थेरेपी को हटा दिया गया।

इंदौर में रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी में तीन गिरफ्तार

भाषा। इंदौर (मध्य प्रदेश)

कोविड-19 के इलाज में इस्तेमाल होने वाले रेमडेसिविर इंजेक्शनों की कालाबाजारी के आरोप में यहां तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध निरोधक शाखा) गुरुप्रसाद पाराशर ने बताया कि कनाडिया रोड पर जाल बिछाकर पकड़े गए आरोपियों की पहचान अभिषेक कैथवास (21), गौरव पाटीदार (21) और रवि वैष्णव (24) के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि तलाशी पर कैथवास और पाटीदार के कब्जे से एक-एक रेमडेसिविर इंजेक्शन पाया गया, लेकिन पूछताछ में वे इस बारे में पुलिस को संतोषजनक जवाब नहीं दे सके कि उन्हें ए इंजेक्शन कैसे मिले। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा, "आरोपियों ने रेमडेसिविर इंजेक्शन अवैध रूप से हासिल किए थे और वे इन्हें जरूरतमंद मरीजों के परिजनों को ऊंचे दामों पर बेचने की फिराक में थे पाराशर ने बताया कि आरोपियों का एक स्कूटर और एक मोटरसाइकिल पुलिस ने जब्त कर ली है और उनके खिलाफ भारतीय दंड विधान के संबद्ध प्रावधानों के साथ ही महामारी रोग अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर विस्तृत जांच जारी है।

गौरतलब है कि इंदौर, मध्य प्रदेश में कोविड-19 से सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक करीब 35 लाख की आबादी वाले जिले में 24 मार्च 2020 से लेकर अब तक महामारी के कुल 1,39,185 मरीज मिले हैं। इनमें से 1,269 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है।

जम्मू कश्मीर को जर्मनी से मिले सात नए ऑक्सीजन संयंत्र

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर को सोमवार को जर्मनी से आयात किए गए सात ऑक्सीजन संयंत्र मिले जिनकी 7100 लीटर प्रति मिनट (एलपीएम) कुल उत्पादन क्षमता है। वायुसेना का एक विमान इन ऑक्सीजन संयंत्रों को जर्मनी के म्यूनिख से लेकर दोपहर को श्रीनगर हवाई अड्डा पहुंचा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ट्वीट किया, 1000-1000 एलपीएम के पांच, 1500 एलपीएम का एक और 600 एलपीएम क्षमता का एक नया ऑक्सीजन संयंत्र आने से ऑक्सीजन की वर्तमान उपलब्धता में 7100 एलपीएम की वृद्धि होगी। इससे इस केंद्रशासित प्रदेश में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचों में ऑक्सीजन की आपूर्ति काफी बढ़ेगी। उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश को सात ऑक्सीजन संयंत्र प्रदान करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री को हार्दिक आभार। उनके निर्देश पर ही ए ऑक्सीजन संयंत्र वायुसेना द्वारा जर्मनी के म्यूनिक से श्रीनगर हवाई अड्डे पर आज करीब पौने बारह बजे लाया गया।

सफल होने के लिए हमें भी भाजपा की तरह बड़ा सोचना होगाः सलमान खुर्शीद

भाषा। बेंगलुरू

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने उनकी पार्टी से, भाजपा की तरह बड़ा सोचने की पैरवी करते हुए सोमवार को कहा कि कांग्रेस को इस निराशावादी दृष्टिकोण को नहीं मानना चाहिए कि वह बहुत छोटी व कमजोर हो चुकी है तथा अपनी खोई जमीन वापस नहीं पा सकती। उन्होंने कहा, मैंने पश्चिम बंगाल और असम से एक चीज सीखी है: आपको यह कभी भी स्वीकार नहीं करना चाहिए कि आप आप बहुत छोटे हैं, कमजोर हैं और किसी क्षेत्र या राज्य में कुछ बड़ा नहीं कर सकते। खुर्शीद ने यह भी कहा, मेरा मानना है कि भाजपा ने उन जगहों पर भी ऐसा (बड़ा सोचने की रणनीति) किया है जहां उनका कोई अस्तित्व ही नहीं था। उन्होंने उन स्थानों पर भ्री ऐसा करने का प्रयास किया जहां आज भी उनका कोई अस्तित्व नहीं है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया, कांग्रेस को यह निराशावादी दृष्टिकोण नहीं स्वीकारना चाहिए कि वह अपनी जमीन बहुत ज्यादा खो चुकी है और इसे फिर से हासिल नहीं कर सकती। मुझे लगता है कि प्रतिबद्धता और विश्वास के साथ ही हम यह कर सकते हैं और हमें करना भी चाहिए। उन्होंने इस धारणा से सहमति जताई कि पश्चिम बंगाल में लोगों ने सोची-समझी रणनीति के साथ मतदान किया जिस वजह से कांग्रेस और वाम दलों का सफाया हो गया। उनसे सवाल किया गया था कि वह कांग्रेस के कुछ नेताओं की इस राय के बारे में क्या सोचते हैं कि पश्चिम बंगाल में इंडियन सेक्युलर फ्रंट और असम में एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन से कांग्रेस को नुकसान हुआ। सलमान खुर्शीद ने कहा, जब आप सफल नहीं होते हैं तो इस तरह के स्पष्टीकरण दिए जाते हैं। जब आप सफल होते हैं आपको अलग तरह का स्पष्टीकरण दिया जाता है। उनके मुताबिक, मुझे नहीं लगता है कि चुनाव बाद के स्पष्टीकरण का कोई मतलब है जब तक इससे आपको अपने निर्णय लेने की प्रक्रिया और निर्णय की खूबियों के बारे में विश्लेषण करने में मदद न मिले। मैं यही कह सकता हूं कि दोनों तरफ से बहुत सारी चीजें कही जा सकती हैं। खुर्शीद ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का घोषणापत्र लोगों के बीच की भावनाओं को प्रकट करेगा।

क्विक न्यूज

जम्मू-कश्मीर के दो कारागारों में 92 कैदी कोरोना से संक्रमित

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के दो कारागार में 92 कैदी कोरोना वायरस संक्रमित पाए गए है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि किसी भी कैदी मे कोरोना वायरस का कोई लक्षण नही था और सभी को अलग कोठरी मे पृथक रखा गया है। उधमपुर और कुपवाड़ा जिले के कारागार में की गई रैपिड एंटीजन जांच (आरएटी) के बाद अब यहां कुल 115 कैदी संक्रमित है। इन जेलों में 4,570 से अधिक कैदी बंद है। प्रमुख अलगाववादी नेता एवं तहरीक-ए-हुर्रियत के अध्यक्ष मोहम्मद अशरफ सेहराई की कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद पांच मई को सरकारी अस्पताल में मौत हो गई थी, जो उधमपुर जिला जेल में बंद थे। इसके करीब दो सप्ताह बाद ही दोनों जेलों में विशेष जांच अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जेल में सबसे अधिक 72 कैदी और सात जेल के कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित है। उन्होने बताया कि जेल परिसारों मे 479 कैदियों की आरएटी जांच की गई है। कुपवाड़ा जिला जेल के 279 कैदियों में से 20 संक्रमित पाए गए है। अधिकारियों ने बताया कि संक्रमित पाए गए किसी भी कैदी मे कोरोना वायरस का कोई लक्षण नही था और इन सभी को अलग कोठरी में रखा गया है। पिछले साल राजौरी जिला जेल और भद्रवाह उप जेल मे दो बुजुर्ग कैदियों की कोरोना वायरस से मौत हो गई थी। वही, अन्य 540 कैदी संक्रमण से उबर गए थे। इससे पहले, 10 मई को कठुआ जिला जेल में 21 कैदी संक्रमित पाए गए थे। जबकि कुछ दिन पहले जम्मू जिला जेल में एक और एक कैदी सेंट्रल जेल कोट भलवाल जम्मू मे संक्रमित मिला था।

खराब वेंटिलेटर राजनीति का विषय नहीं होना चाहिएः फड़णवीस

औरंगाबाद। भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र को बड़ी संख्या में वेंटिलेटर मिले है और उनमें जो खराब हैं, उन्हें बिना कोई राजनीति किए बदला जाना चाहिए। वह संभागीय आयक्त सुनील केंद्रेकर के साथ समीक्षा बैठक में हिस्सा लेने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, महाराष्ट्र को पीएमकेयर्स फंड से करीब 5000 वेंटिलेटर मिले हैं। उनमें से कई चार महीनों तक पैकिंग में रहे थे इसलिए जो खराब हैं, उन्हे शीघ्र ही बदल लिया जाना चाहिए। यह कोई राजनीति करने का विषय नही है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की 14 मई की पत्र सूचना कार्यालय की विज्ञप्ति में कहा गया था कि औरंगाबाद में कुछ मेड इन इंडिया वेंटिलेटरों के सही से काम नही करने की जो खबर मीडिया मे आई है, वह बेबुनियाद एवं असत्य है तथा उसमे पूरी जानकारी का अभाव है। क्षेत्र में कोविड-19 की स्थिति पर फड़णवीस ने कहा, लातूर और औरंगाबाद में मामले घटे है लेकिन संक्रमण दर अब भी 21 फीसदी है। बीड़ की स्थिति पर ध्यान देने की जरूरत है। बड़ी संख्या में ऑक्सीजन भंडारण टैंको की स्थापना एक अच्छा संकेत है और इससे भविष्य में मदद मिलेगी क्योंकि तीसरी लहर के लिए तैयारी करना अहम है।

न्यायालय ने देशद्रोह मामले में वाईएसआरसी के बागी सांसद के चिकित्सीय परीक्षण का आदेश दिया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निर्देश दिया कि राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार वाईएसआर कांग्रेस के बागी सांसद के रघु रामकृष्ण राजू को चिकित्सीय परीक्षण के लिए तेलंगाना में सिकंदराबाद स्थित सेना के अस्पताल ले जाया जाए। न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति बी आर गवई की पीठ ने निर्देश दिया कि राजू को अगले आदेश तक सिकंदराबाद मे सेना के अस्पताल में ही रखा जाए। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारी की मौजूदगी में ही उनका चिकित्सीय परीक्षण किया जाए। शीर्ष अदालत ने कहा कि राजू के चिकित्सीय परीक्षण की वीडियोग्राफी कराई जाए और सील बंद लिफाफे मे इसकी रिपोर्ट न्यायालय को भेजी जाए। पीठ ने कहा कि राजू की चिकित्सीय जांच तीन चिकित्सकों के बोर्ड द्वारा की जाएगी जिसकी अध्यक्षता सेना के अस्पताल के प्रमुख करेंगे। पीठ ने कहा कि उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाए जैसा की पूर्व में दिल्ली उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था। राजू ने अपनी सुरक्षा को लेकर पिछले साल दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी।

राजद्रोह मामलाः समाचार चैनल ने शीर्ष अदालत से प्राथमिकी को रद्द करने की गुहार लगाई

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश मे अपने खिलाफ राजद्रोह के एक मामले में दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने के लिए एक मीडिया संस्थान ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। संस्थान ने दावा किया कि यह राज्य में समाचार चैनलों को डराने की एक कोशिश है ताकि वे सरकार की आलोचना करने वाली किसी भी सामग्री का प्रसारण करने से डरे। टीवी5 समाचार चैनल के स्वामित्व वाले श्रेया ब्रॉडकास्टिंग प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि राज्य सरकार एक फर्जी प्राथमिकी दर्ज कर अपने आलोचकों और मीडिया को चुप कराना चाहती है और कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर रही है। चैनल के ब्यूरो हैदराबाद, विशाखापत्तनम तथा विजयवाड़ा में है।

शिमला में कोविड-19 वैक्सीन लगवाने के लिए एक वैक्सीनेशन सेंटर पर लगी लोगों की लाइन

मध्य प्रदेश में कोविड-19 की स्थिति अब नियंत्रण में हैः शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सोमवार को फोन पर चर्चा कर प्रदेश में कोरोना की वर्तमान स्थिति से उन्हें अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि प्रदेश में कोरोना वायरस की स्थिति अब नियंत्रण में है। यह जानकारी मप्र के एक जनसंपर्क अधिकारी ने दी है। चौहान ने मोदी से कहा, मध्य प्रदेश में कोविड-19 की स्थिति अब नियंत्रण में है। आज (सोमवार को) 5,921 संक्रमित मामले सामने आए और 11,513 मरीज संक्रमण मुक्त हुए। प्रदेश का रिकवरी रेट 87 प्रतिशत है और मध्य प्रदेश में संक्रमण दर नौ प्रतिशत है। उन्होंने प्रदेश में ऑक्सीजन और रेमडेसिविर इंजेक्शन की पर्याप्त आपूर्ति के लिए केंद्र सरकार के सहयोग के लिए प्रधानमंत्री का आभार माना और उन्हें धन्यवाद दिया है। मोदी को चौहान ने प्रदेश में चल रहे किल कोरोना अभियान और टीकाकरण की जानकारी दी।

लॉकडाउन बढ़ाने पर अभी तक कोई फैसला नहींः एदियुरप्पा

भाषा। बेंगलुरु

मुख्यमंत्री बी. एस. एदियुरप्पा ने सोमवार को कहा कि कर्नाटक में लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने पर विचार हो रहा है, लेकिन अभी तक कुछ फैसला नहीं हुआ है। लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने और पैकेज की घोषणा संबंधी सवालों के जवाब में एदियुरप्पा ने पत्रकारों से कहा, मैं इस पर विचार कर रहा हूं, हम आपको सूचित करेंगे... अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है... राज्य में फिलहाल 24 मई तक पूर्ण लॉकडाउन प्रभावी है, लेकिन कई नेता, मंत्री अवधि में विस्तार के पक्ष में हैं।

कर्नाटक सरकार ने 27 अप्रैल से 14 दिनों के शुरुआती लॉकडाउन की घोषणा की थी, लेकिन बाद में संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर 10 से 24 मई तक के लिए पूर्ण लॉकडाउन लगाया गया। लॉकडाउन अवधि में विस्तार की वकालत कर रहे

कर्नाटक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और राजस्व मंत्री आर. अशोक ने आज कहा कि लॉकडाउन उपयोगी है क्योंकि बेंगलुरु में रोजाना आ रहे संक्रमण के नए मामले 22 हजार से कम होकर 8 हजार रह गए हैं और अवधि में विस्तार अच्छा होगा। इस बात को रेखांकित करते हुए कि लॉकडाउन के कारण महाराष्ट्र और दिल्ली में संक्रमण के नए मामलों में कमी आई है, मंत्री ने कहा कि मौजूदा लॉकडाउन की अवधि समाप्त होने के तीन दिन पहले मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में वरिष्ठ मंत्रियों की बैठक होगी जिसमें फैसला लिया जाएगा।

विधायक ने पंजाब के सीएम के राजनीतिक सलाहकार को धमकाने के लगाए आरोप

भाषा। चंडीगढ़

कांग्रेस के विधायक परगट सिंह ने पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के राजनीति सलाहकार संदीप संधू पर सोमवार को धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि धार्मिक ग्रंथ की बेअदबी की घटना पर राज्य सरकार से सवाल करने के बाद उन्हें धमकी दी गई है। परगट ने कहा कि संधू ने पिछले सप्ताह उन्हें फोन किया था। कांग्रेस के विधायक ने कहा, संदीप संधू ने बृहस्पतिवार रात मुझे फोन किया और धमकी दी। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ दस्तावेज इकट्ठे कर लिए गए हैं और मुझे परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने को कहा।

जालंधर छावनी से विधायक ने कहा कि वह सच बोलने और बेअदबी तथा बिजली खरीद समझौते की समीक्षा जैसे मुद्दे उठाने के लिए कोई भी सजा भुगतने को तैयार हैं। संधू ने हालांकि इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। परगट को कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू का करीबी माना जाता है, जिन्होंने 2015 में धार्मिक ग्रंथ की बेअदबी और उसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस के गोलियां चलाने के मामले की जांच के संबंध में अपनी ही सरकार की मंशा पर पिछले महीने सवाल उठाए थे। उन्होंने अमरिंदर सिंह को राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर किए गए अपने कामों के संबंध में एक सर्वेक्षण कराने का भी सुझाव दिया था। दो मंत्रियों सहित कांग्रेस विधायकों के एक वर्ग ने 2015 में गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी और उसके बाद पुलिस की गोलीबारी की घटनाओं के आरोपियों के खिलाफ जल्द कार्वाई के लिए मुख्यमंत्री पर दबाव बनाने के लिए खुद को फिर से संगठित किया है। वर्ष 2015 में जब घटनाएं हुई थीं, उस समय पंजाब में भारतीय जनता पार्टी तथा शिअद की गठबंधन सरकार थी और प्रकाश सिंह बादल राज्य के मुख्यमंत्री थे।

केंद्र और राज्य के बीच रेमडेसिविर को लेकर समन्वय की कमीः गुजरात उच्च न्यायालय

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि रेमडेसिविर इंजेक्शन की आवश्यक मात्रा के आवंटन में केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय की कमी प्रतीत होती है। केंद्र सरकार ने पिछले एक महीने से राज्य को प्रतिदिन करीब 16,000 शीशियों की आपूर्ति जारी रखी है जबकि मांग प्रतिदिन लगभग 25,000 शीशियों की थी। न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी और न्यायमूर्ति भार्गव डी त्रिवेदी की एक खंडपीठ ने केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सहायक सॉलिसिटर जनरल देवांग व्यास से पूछा कि गुजरात की मांग क्यों नहीं पूरी की जा रही है।

अदालत से सवाल किया, उन रोगियों का क्या होगा जिन्हें इस (इंजेक्शन) की आवश्यकता है? क्या सरकार को रोगियों को रेमडेसिविर के अभाव में मरने देना चाहिए अदालत ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह राज्यों को कोविड-19 के गंभीर रोगियों के इलाज के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रेमेडिसविर के आवंटन के लिए नीति को रिकॉर्ड में रखे। अदालत ने कहा कि उत्पादन पहले के 30,00,000 शीशी प्रति माह से बढ़कर एक करोड़ शीशी होने के बावजूद, गुजरात के लिए केंद्र का आवंटन 21 अप्रैल से लगभग 16,000 प्रतिदिन बना हुआ है। अदालत कोविड-19 महामारी से संबंधित मुद्दों पर स्वत: संज्ञान लेकर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत को बताया कि 21 अप्रैल से 16 मई के बीच गुजरात को प्रतिदिन 16,115 शीशियों की दर से रेमेडिसविर की 4,19,000 शीशियां मिलीं, जबकि राज्य ने 25,000 से अधिक शीशियों की मांग की थी। राज्य सरकार की 25,000 शीशियों की मांग अधिकतम थी। फिलहाल आपका (राज्य का) जीएमएससीएल (गुजरात मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लि.) इसे (अस्पतालों को) गुजरात में आवश्यकताओं के अनुसार वितरित कर रहा है। फिर, उन परिस्थितियों में जब अस्पतालों से जीएमएससीएल को मांग आती है और आप (सरकार) इसे केंद्र को भेजते हैं। अदालत ने कहा, अब ऐसा लगता है कि केंद्र और राज्य के बीच पिछले एक महीने से शेष लगभग 10,000 रेमडेसिविर शीशियों की खरीद के लिए समन्वय की कमी है। अदालत ने कहा कि केंद्र को सोमवार से ही पर्याप्त कोटा देना चाहिए। व्यास ने अदालत को बताया कि रेमडेसिविर को 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मांग और शीशियों की उपलब्धता के अनुसार आवंटित किया जा रहा था और ऐसा नहीं है कि केंद्र के पास असीमित आपूर्ति थी और वह इसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को रोक रहा था।

अगरतला में कोविड-19 कन्टेन्मेंट जोन की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी

डॉक्टरों का ऋणी है पूरा देश: पीएम

● प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड-19 के खिलाफ जंग में योगदान दे रहे चिकित्सकों के साथ किया संवाद

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ अग्रिम मोर्चे पर तैनात चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को टीकाकरण अभियान में सर्वोच्च प्राथमिकता देने की रणनीति का फायदा दूसरी लहर में देश को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि देश के 90 फीसदी के करीब स्वास्थ्य पेशेवरों को टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है और टीकों ने अधिकांश चिकित्सकों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। प्रधानमंत्री ने यह बात कोविड-19 के खिलाफ जारी लड़ाई में योगदान दे रहे चिकित्सकों से संवाद के दौरान कही। उन्होंने इस महामारी से मिली सीख के बारे में चिकित्सकों के अनुभव सुने और उनसे सुझाव भी मांगा। बैठक के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने चिकित्सकों से आग्रह किया कि वे अपने नित्य कामकाज में ऑक्सीजन की आपूर्ति का हिसाब रखने को भी शामिल करें और साथ ही जो मरीज अपने घरों में पृथकवास में हैं उनके इलाज में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन सुनिश्चित करें। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में कोविड केयर केंद्रों में कार्यरत चिकित्सकों के समूह के अलावा नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य सचिव, पीएमओ, विभिन्न मंत्रालयों और केंद्र सरकार के विभागों के अधिकारी मौजूद थे। पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान उत्पन्न हुई असाधारण परिस्थितियों के

बीच कोरोना के खिलाफ लड़ाई में उत्कृष्ट भूमिका निभाने के लिए समूचे चिकित्सीय समुदाय की सराहना की और कहा कि पूरा देश उनका ऋणी है।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि चाहे जांच हो या दवाओं की आपूर्ति या फिर नए संसाधनों की स्थापना, ए सभी रिकार्ड समय में और तीव्र गति से हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन उत्पादन और आपूर्ति की विभिन्न चुनौतियों से निपटा गया है और मानव संसाधन को बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें एमबीबीएस छात्रों को कोविड उपचार में लगाना और आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोग शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि घरों में इलाजरत मरीजों के उपचार में टेलीमेडिसीन बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है और इसका दायरा अब ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ाया जाना चाहिए। गांवों में टीम बनाकर टेलीमेडिसीन की सेवा दे रहे चिकित्सकों की सराहना करते हुए उन्होंने देश भर के चिकित्सकों से अपील की कि वह भी ऐसी ही टीमें बनाकर एमबीबीएस छात्रों को प्रशिक्षित कर तहसील और जिलों में टेलीमेडिसीन सेवा दें। देश में कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच प्रधानमंत्री लगातार बैठकें कर रहे हैं और विशेषज्ञों से चर्चा कर रहे हैं। ज्ञात हो कि भारत में सोमवार को कोविड-19 के 2,81,386 नए मामले सामने आए। इसके बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2,49,65,463 हो गई। पिछले 27 दिन में एक दिन में सामने आए ए सबसे कम नए मामले हैं। संक्रमण से पिछले 24 घंटे में 4,106 लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही मृतक संख्या बढ़कर 2,74,390 हो गई। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार की सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी 35,16,997 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 14.09 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से कुल 2,11,74,076 लोग उबर चुके हैं और मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 84.81 प्रतिशत है।

महाराष्ट्र में चक्रवाती तूफान से छह की मौत

मुंबई में सोमवार को भीषण चक्रवाती तूफान तौकते से गिरे पेड़ों के बीच गुजरती महिला

भाषा। मुंबई

भीषण चक्रवाती तूफान सोमवार रात में गुजरात के सौराष्ट्र तट से आ टकराया और इस दौरान हवा 185 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल रही है। इससे पहले, चक्रवात के कारण मुंबई में भारी वर्षा हुई और गुजरात में दो लाख से अधिक लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा। वहीं, इसके चलते दो नौकाएं तट से दूर अरब सागर में चली गई हैं, जिन पर 410 लोग सवार हैं।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि चक्रवात के रात करीब 9:30 बजे टकराने के दौरान केंद्र शासित दीव में 133 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। विभाग ने कहा कि एक भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया ताउते वर्तमान समय में गुजरात तट के पास स्थित है। आईएमडी ने कहा कि इसके टकराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और यह अगले दो घंटे जारी रहेगी।

आईएमडी ने ट्वीट कर कहा कि चक्रवात का केंद्र अगले तीन घंटे में सौराष्ट्र तट को पार करते हुए पूर्वी दीव की तरफ बढ़ेगा। गुजरात मौसम केंद्र की सहायक निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि चक्रवात गुजरात तट से अगले दो घंटे के भीतर गुजर जाएगा। उन्होंने कहा कि चक्रवात ताउते गुजरात में पिछले 23 साल में टकराने वाला सबसे विनाशकारी चक्रवात है जोकि केंद्र शासित दीव और भावनगर जिले के महुवा शहर के बीच कहीं टकराएगा।

● गुजरात में दो लाख लोगों को हटाया गया

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने चक्रवात के टकराने की पुष्टि करते हुए गांधनगर में संवाददाताओं से कहा कि तटीय जिलों अमरेली, जूनागढ़, गिर-सोमनाथ और भावनगर में 150 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और ए जिले चक्रवात से सर्वाधिक प्रभावित होंगे। वहीं, महाराष्ट्र में अधिकारियों ने कहा कि महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में भीषण चक्रवाती तूफान से संबंधित अलग-अलग घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई और दो नौकाओं के समुद्र में डूब जाने से तीन नाविक लापता हैं। तीन लोगों की मौत रायगढ़ जिले में हुईं, एक नाविक की मौत सिंधुदुर्ग जिले में और ठाणे जिले के नवी मुंबई और उल्हासनगर में दो लोगों की मौत उन पर पेड़ गिरने से हुई। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सिंधुदुर्ग जिले के आनंदवाड़ी बंदरगाह में लंगर डाले दो नौकाएं डूब गई जिन पर सात नाविक सवार थे। जब चक्रवात महाराष्ट्र तट से आगे बढ़ा और सुबह मुंबई के करीब पहुंचा तो यहां स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक परिचालन स्थगित करने की घोषणा की और बाद में रात आठ बजे तक सभी परिचालन स्थगित रखने का फैसला किया। एक अधिकारी ने बताया कि गुजरात में निचले तटीय इलाकों से दो लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की 54 टीमें तैनात की गई हैं। इस बीच, गुजरात में अहमदाबाद और सूरत समेत सभी प्रमुख हवाई अड्डों में बतौर सावधानी संचालन रोक कर दिया गया।

रोज गोमूत्र का अर्क पीती हूं, कोरोना नहीं होगा: प्रज्ञा

● कांग्रेस ने बयान पर किया भाजपा पर वार

भाषा। भोपाल

भोपाल लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने सोमवार को दावा किया कि गोमूत्र अर्क का सेवन करने से कोविड-19 नहीं होगा, क्योंकि इससे फेफड़ों का संक्रमण दूर होता है। उन्होंने कहा, मैं प्रतिदिन गोमूत्र अर्क का सेवन करती हूं, इसलिए मैं कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं हुई और ना हाउंगी। सांसद के बयान पर मध्य प्रदेश कांग्रेस ने तंज कसते हुए कहा कि गोमूत्र से कोरोना के सफल प्रज्ञा के दावे को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को गंभीरता से लेना चाहिए और सरकार को गोमूत्र चिकित्सा पर मेडीकल कॉलेज में गोमूत्र पीठ स्थापित करनी चाहिए।

भोपाल के बैरागढ़ इलाके में

रविवार शाम ऑक्सीजन सांद्रक जनता को समर्पित करने के बाद एक कार्यक्रम में प्रज्ञा ठाकुर ने कहा, देसी गाय के गोमूत्र का अर्क हम अगर लेते हैं तो उससे हमारे फेफड़ों का संक्रमण दूर होता है। उन्होंने कहा, मैं बहुत तकलीफ में हूं, लेकिन प्रतिदिन गोमूत्र अर्क लेती हूं और इस कारण मुझे कोरोना के लिए कोई और औषधि नहीं लेनी पड़ रही है। ना ही मैं कोरोनाग्रस्त हूं, ना ही ईश्वर मुझे (संक्रमित) करेगा क्योंकि मैं उस औषधि (गोमूत्र अर्क) का उपयोग कर रही हूं। प्रज्ञा के इस बयान पर मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया उपाध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता ने तंज कसा, समय-समय पर भाजपा की वैज्ञानिक बुद्धि संपन्न नेत्रियां देश को वैकल्पिक तरीकों से कोरोना का इलाज सुझाती रहती हैं। इस संदर्भ में भोपाल से सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर का सुझाव सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए और प्रदेश के किसी मेडिकल कॉलेज में गोमूत्र पीठ की स्थापना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चूंकि प्रज्ञा भोपाल की सांसद हैं इसलिए भोपाल मेडिकल कॉलेज को यह दायित्व वहन करते हुए एक गोमूत्र वार्ड भी बनाना चाहिए जिसमें संघ और भाजपा के कोरोना वायरस संक्रमित कार्यकर्ता आगे बढ़कर इस चिकित्सा पद्धति से उपचार करवाने आ सकते हैं। उन्होंने कटाक्ष किया, वैज्ञानिक तरीके से इसके आंकड़े एकत्र कर उसे दुनिया की प्रतिष्ठित मेडिकल पत्रिकाओं में छपवाया जाए, ताकि दुनिया की चिकित्सा पद्धतियों को भी हमारे सांसदों का मार्गदर्शन प्राप्त हो।

गुप्ता ने कहा, भाजपा नेता रोज देश में भ्रम का वातावरण पैदा करने में लगे हुए हैं। कोई गोबर से, तो कोई गोमूत्र से, तो कोई यज्ञ से कोरोना को ठीक करने का दावा कर देश की जनता को केंद्र सरकार के गाइडलाइन से चल रही चिकित्सा से भ्रमित कर देता है। सरकार को ऐसी बयानबाजी पर रोक लगाने के लिए वैज्ञानिक शोध पीठ का गठन करने की सलाह देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, पीठ की स्थापना से ना केवल बयानबाजी पर रोक लगेगी बल्कि केंद्र और राज्य सरकारों को अपने दिशा-निर्देशों का पालन करवाने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। उन्होंने कहा, अगर यह चिकित्सा वैज्ञानिक रूप से सही पाई जाती है तो सरकार इसे भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) और विश्व स्वास्थ्य संगठन के माध्यम से आगे बढ़ाए। अन्यथा इस तरह के बयानों को अफवाहों की श्रेणी में रखकर उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करे।

विदेशी सहायता के तौर पर मिले 5.5 लाख रेमडेसिविर इंजेक्शन: केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने सोमवार को कहा कि विदेशी सहायता के तौर पर मिले 19 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र, 11,321 ऑक्सीजन सांद्रक, 15,801 ऑक्सीजन सिलेंडर और करीब साढ़े पांच लाख रेमडेसिविर इंजेक्शन 27 अप्रैल से 16 मई के बीच विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वितरित किए जा चुके हैं या वहां के लिए रवाना किए जा चुके हैं।

सरकार को 27 अप्रैल से विभिन्न देशों और संगठनों से कोविड-19 चिकित्सा राहत सामग्री और उपकरण के तौर पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्राप्त हो रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि एक सुव्यवस्थित व प्रणालीबद्ध रूप से विभिन्न मंत्रालय और विभाग समूची सरकार के तौर पर बिना किसी रुकावट के सामूहिक रूप से आने वाली वैश्विक सहायता को राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों तक पहुंचाने के काम में जुटे हैं।

निशंक ने राज्यों के साथ शिक्षा रणनीति पर चर्चा की

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने सोमवार को राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के शिक्षा सचिवों के साथ बैठक की जिसमें कोरोना महामारी के दौरान शिक्षा व्यवस्था के प्रबंधन और स्कूलों में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कक्षाओं से जुड़ी रणनीतियों के बारे में चर्चा की गई।

अधिकारियों के मुताबिक, 12 वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के मुद्दे पर भी चर्चा हुई और इस संदर्भ में राज्यों से सुझाव मांगे गए। सीबीएसई ने पहले ही घोषणा कर दी है कि एक जून या इसके बाद समीक्षा की जाएगी और फिर लंबित बोर्ड परीक्षाओं के बारे में फैसला किया जाएगा। कोरोना महामारी के चलते 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं पहले ही रद्द हो चुकी हैं और मूल्यांकन की नीति की घोषणा

कर दी गई है। अभिभावकों एवं छात्रों का एक वर्ग मांग कर रहा है कि 10 वीं कक्षा की परीक्षा की तरह 12 वीं की परीक्षा रद्द की जाए और मूल्यांकन की समान नीति लागू की जाए।

बैठक में शिक्षा मंत्री निशंक ने कहा कि महामारी के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारों तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) जैसी एजेंसियों ने शिक्षा व्यवस्था को ऑनलाइन जारी रखा और जेईई और नीट (स्नातक) जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाएं भी कराईं। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास और प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करना है कि हमारे विद्यालयों और महाविद्यालयों में पढ़ने वाले 24 करोड़ छात्र-छात्राओं की शिक्षा जारी रहे। हम अपने घरों को कक्षाओं के रूप में परिवर्तित करने में सफल रहे हैं। हमने यह सुनिश्चित करके भी एक उदाहरण प्रस्तुत किया है कि किसी भी छात्र को एक वर्ष का नुकसान नहीं हो। मंत्री ने महामारी के खिलाफ लड़ाई में सहयोग और एकजुटता का आह्वान करते हुए कहा कि देश कोरोना की दूसरी लहर का सामना कर रहा है जो पिछली लहर से भी बड़ी चुनौती है। शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे ने कहा कि पढ़ाने की ऑनलाइन और ऑफलाइन पद्धतियों को मिलाकर एक मिश्रित शिक्षा प्रदान करने के लिए उपायों पर विचार करने की जरूरत है।

चक्रवात ताउत

राजनाथ ने तीनों बलों से नागरिक प्रशासन की हर मदद करने को कहा

भाषा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को तीनों सशस्त्र सेनाओं को निर्देश दिए कि वे चक्रवात ताउते के कारण बनी परिस्थितियों से निपटने में तटीय राज्य महाराष्ट्र और गुजरात में नागरिक प्रशासन की हर संभव मदद करें। चक्रवात से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए सशस्त्र बलों की तैयारियों की समीक्षा के बाद सिंह ने ए निर्देश दिए। रक्षा मंत्रालय ने कहा, रक्षा मंत्री ने निर्देश दिया कि तीनों सेनाएं मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए नागरिक प्रशासन की हर संभव सहायता करें। सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक की जिसमें प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत, रक्षा सचिव अजय कुमार, नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया और सेना प्रमुख एम एम नरवणे समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। मंत्रालय ने कहा कि प्रभावित इलाकों में जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता व राहत सामग्री पहुंचाने के लिए नौसेना के तीन पोतों को तैयार रखने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि कुछ अन्य पोत भी पश्चिमी समुद्र तट पर खराब मौसम के कारण फंसी मछली पकड़ने वाली नौकाओंाछोटी नौकाओं की मदद के लिए तैयार हैं। नौसेना के समुद्री टोही विमान लगातार मछुआरों को चक्रवात की जानकारी और चेतावनी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री को बताया गया कि भारतीय नौसेना के 11 गोताखोर दलों को भी तैयार रहने को कहा गया है जबकि 12 समुद्री राहत दल और चिकित्सा दल नागरिक प्रशासन की मदद के लिए गठित किए गए हैं।

कोविन पोर्टल अगले सप्ताह से हिंदी समेत अन्य भाषाओं में उपलब्ध होगा: सरकार

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि कोविन पोर्टल अगले सप्ताह तक हिंदी और 14 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध रहेगा जबकि कोविड-19 स्वरूपों की निगरानी के लिए 17 और प्रयोशालाओं को जोड़ा जाएगा।

मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन की अध्यक्षता में सोमवार को कोविड-19 पर हुई उच्च स्तरीय मंत्रिमंडल समूह (जीओएम) की 26वीं बैठक के दौरान इन निर्णयों की घोषणा की गई। मंत्रालय ने कहा कि हर्षवर्धन ने मंत्रिमंडल सहयोगियों को बताया कि नमूनों की जांच को बढ़ाने के लिए आईएनएसएसीओजी नेटवर्क में 17 नई प्रयोगशालाओं को जोड़ा जाएगा। दी इंडियन सार्स-सीओवी2 कॉनसोर्टियम ऑन जीनोमिक्स (आईएनएसएसीओजी) देशभर में फैली दस राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं का समूह है जिसकी स्थापना स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बीते वर्ष 25 दिसंबर को की थी। इस समिति का काम कोरोना वायरस की जीनोम श्रृंखला तैयार करना और जीनोम के स्वरूपों तथा महामारी के बीच संबंध तलाशना है। हर्षवर्धन ने कहा, भारत में 26 दिन बाद पहली बार कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों की संख्या गिरकर तीन लाख से नीचे चली गई है। साथ ही, पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में।,01,461 की गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने देश की पहली कोविड-रोधी दवा 2-डीजी जारी करने के लिए रक्षा वैज्ञानिकों के प्रयासों और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की।

स्वास्थ्य मंत्री ने सदस्यों को सूचित किया कि यह दवा देश में महामारी से निपटने में बेहद अहम साबित हो सकती है क्योंकि इस दवा के उपयोग से कोविड-19 मरीजों के लिए ऑक्सीजन सहायता की निर्भरता कम हो सकती है। बयान के मुताबिक, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि महामारी से निपटने के लिए केंद्र राज्यों की लगातार सहायता कर रहा है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 4.22 करोड़ से अधिक एन-95 मास्क, 1.76 करोड. पीपीई किट, 52.64 लाख रेमडेसिविर टीके और 45,066 वेंटिलेटर वितरित किए जा चुके हैं।

इसके मुताबिक, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने जीओएम को सूचित किया कि कोविन पोर्टल अगले सप्ताह तक हिंदी और 14 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होगा।

पेज 1 का शेष

बंगाल में दो मंत्रियों...

दूसरी ओर सीबीआई की कार्रवाई के विरोध में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने राज्य में लगे लॉकडाउन को तोड़ते हुए विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शन किए। सीबीआई का दफ्तर निजाम पैलेस में स्थित है। यहां पर तृणमूल कांग्रेस के सैकड़ों समर्थक लॉकडाउन का उल्लंघन करते हुए जमा हो गए और उन्होंने मुख्य द्वार के सामने लगाए गए अवरोधकों को तोड़ दिया और केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार के खिलाफ नारे लगाए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने यहां पर बड़ी संख्या में तैनात सुरक्षाकर्मियों पर पथराव किया और प्लास्टिक की बोतलें भी फेंकीं। इसके अलावा हुगली, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जिलों समेत अन्य इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाए, सड़कों को अवरुद्ध किया।

किसी भी दशा में...

अंत्येष्टि क्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सरकार द्वारा आवश्यक वित्तीय सहायता भी दी जा रही है। यदि परम्परागत रूप से भी जलसमाधि हो रही हैए अथवा कोई लावारिस छोड़ रहा है तो भी उसकी सम्मानजनक तरीके से धार्मिक मान्यताओं के अनुसार उसका अंतिम संस्कार कराया जाए। किसी भी दशा में किसी को भी धार्मिक परंपराओं के नाते नदी में शव न आने दिया जाए। सीएम ने कहा कि ऑक्सीजन की मांग, आपूर्ति और खर्च में संतुलन बनाने के लिए कराए जा रहे ऑक्सीजन ऑडिट के अच्छे परिणाम मिले हैं। प्रदेश में अपनाई गई ऑनलाइन ऑक्सीजन ट्रैकिंग प्रणाली को नीति आयोग द्वारा सराहा गया है। यह हमारे लिए उत्साहवर्धक है। ज्यादातर रीफिलर और मेडिकल कॉलेजों में अब 48-72 घंटे तक का ऑक्सिजन बैकअप हो गया है। ऑक्सीजन वेस्टेज रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाये जाएं। ऑक्सीजन की आपूर्ति को बेहतर करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। सीएम ने कहा कि कोविड से स्वस्थ हुए लोगों में ब्लैक फंगस की समस्या देखने में आ रही है। कुछ जिलों में इसके केस मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग व चिकित्सा शिक्षा विभाग यह सुनिश्चित करे कि ब्लैक फंगस के हर मरीज को समुचित इलाज प्राप्त हो। ब्लैक फंगस रेयर बीमारी है। अत: इसके इलाज में उपयोगी दवाओं की उपलब्धता कराई जाए। योगी ने कहा कि प्रदेश का एक भी नागरिक कोविड टीका.कवर से वंचित न हो, इसके लिए विशेष प्रबंध किया जाना आवश्यक है। निरक्षर, दिव्यांग, निराश्रित अथवा अन्य जरूरतमंद लोगों का टीकाकरण कराने के लिए कॉमन सर्विस सेंटर पर टीकाकरण पंजीयन की सुविधा प्रदान की गई है। सीएचसी के माध्यम से पंजीयन के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं देना होगा।सीएम ने कहा कि कोविड.19 उपचार में दिशा में लगातार नए अनुसंधान हो रहे हैं। हमें इन पर नजर बनाए रखनी चाहिए। डीआरडीओ द्वारा विकसित एक नई दवा, जिसके आपातकालीन उपयोग की अनुमति मिली है को आज लांच किया जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर केन्द्र सरकार के स्तर से इसका वितरण भी होगा। इस संबंध में आवश्यक मांग पत्र तत्काल भेज कर इसकी आपूर्ति कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑक्सिजन प्लांट की स्थापना की कार्रवाई तेजी से की जाए। नये स्थापित कराए जा रहे प्लांट के संबंध में मुख्य सचिव अनुश्रवण करते रहें। पीएम केयर्स के अतर्गत लग रहे ऑक्सीजन प्लांट लखनऊ, जौनपुर, फिरोजाबाद, सिद्धार्थ नगर आदि में जल्द ही क्रियाशील हो जाएंगे। सहारनपुर में प्लांट चालू हो चुका है। सीएसआर की मदद और राज्य सरकार द्वारा स्थापित कराए जा रहे प्लांट्स की कार्यवाही तेज की जाए। कोविड के उपचार हेतु एयर सेपरेटर यूनिटए ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना आदि के संबंध में सांसद विधायक निधि से सहयोग लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में वेंटिलेटर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध कराए गए हैं। एसीएस स्वास्थ्य, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा प्रत्येक दशा में इन उपकरणों को क्रियाशील कराएं। संबंधित जिलों से संपर्क कर इस संबंध में उनकी समस्याओं का निराकरण कराएं। यदि वेंटिलेटर-ऑक्सीजन कंसंट्रेटर क्रियाशील न होने की सूचना प्राप्त हुई तो संबंधित डीएम-सीएमओ की जवाबदेही तय की जाएगी।

अर्थव्यवस्था बचाने...

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी के माडल को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सराहा है। अन्य राज्य भी यूपी का अनुसरण कर रहे हैं। आक्सीजन के मामले में प्रदेश आत्मनिर्भर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में 13 हजार युवाओं को वैक्सीन लग चुकी है। इस मौके पर सीएम ने जिले में 11 नए आक्सीजन प्लांट लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हर जनपद में गन्ना विभाग से आक्सीजन जनरेटर प्लांट लगाये जायेंगे।

सरकार ने...

डीआरडीओ की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा, हमें ना तो थकना है और ना ही आराम करना है। क्योंकि यह लहर दूसरी बार आई है और इसे लेकर कुछ निश्चित जानकारी नहीं है। हमें बहुत सावधानी से कदम आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि चाहे ऑक्सीजन की आपूर्ति का मामला हो या आईसीयू बिस्तरों या तरल ऑक्सीजन के परिवहन के लिए क्रायोजेनिक टैंकरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात हो, सरकार ने पूरी स्थिति को बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि सशस्त्र बलों से सेवानिवृत्त हो चुके चिकित्सकों को स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए मोर्चे पर लगाया गया है।

प्रदेश में दस...

अब तक लगभग 1,16,00,000 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज दी गई है और 32,61,000 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज लगाई गई है।

हैदराबाद के अपोलो हॉस्पिटल में स्पूतनिक वी वैक्सीन के साथ स्वास्थ्यकर्मी

त्रिपुरा में दो अनाथालय की 36 लड़कियां कोरोना वायरस से संक्रमित

अगरतला। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में दो अनाथालयों में रहने वाली 36 लड़कियां कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई हैं। इनकी उम्र पांच साल से 16 साल के बीच है। एक मंत्री ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन सभी की हालत स्थिर है और अनाथालय में ही ए पृथकवास में रह रही हैं। राज्य के शिक्षा मंत्री रतनलाल नाथ ने बताया कि नरसिंहगढ़ स्थित जवाहरलाल नेहरू गर्ल्स होम की 32 जबकि उजान अभॉयनगर चिल्ड्रन्स होम की चार लड़कियां संक्रमित पाई गई हैं। नाथ ने बताया, जवाहरलाल नेहरू गर्ल्स होम में एक लड़की के बीमार पड़ने के बाद जांच में संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। इसके बाद जांच करने पर 31 और लड़कियां संक्रमित पाई गईं। नाथ मंत्रिमंडल प्रवक्ता भी हैं। मंत्री ने बताया कि बाद में उजान अभॉयनगर चिल्ड्रन्स होम में भी लड़कियों की जांच की गई, जहां संक्रमण के चार मरीज़ मिले। नाथ ने बताया कि इन लड़कियों का उचित उपचार किया जा रहा है।

अभ्यास सत्रों का महत्व समझने लग गए : मोनिका

बेंगलुरू। भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर मोनिका ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम अब अपने अभ्यास सत्रों के उद्देश्य को समझने लग गई है जबकि पहले वह केवल कोच के निर्देशों का अनुसरण करती थी। रियो ओलंपिक 2016 में खेलने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही मोनिका ने कहा कि शनिवार को सुबह का सत्र सबसे कड़ा होता है। मोनिका ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति मे कहा, यह बेहद कड़ा सत्र होता है जिसमे मैच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर कड़ा अभ्यास किया जाता है।

दबाव से निबटने में मदद के लिए क्रिकेटर्स फाउंडेशन ने पहल की

मुंबई। शहर के क्रिकेटर्स फाउंडेशन ने मुंबई के युवा खिलाड़ियों के क्रिकेट जैसे प्रतिस्पर्धी खेलों मे दबाव और चिंता से निबटने मे मदद करने के लिए एक पहल शुरू की है। फाउंडेशन के चेयरमैन मकरंद वेंगांकर ने बताया कि यह पहल अप्रैल मे माइंडस्पोर्ट्स के साथ मिलकर शुरू की गई और इसमे मानसिक प्रशिक्षण सत्र भी शामिल है। शहर के 12 लड़को के पहले बैच ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े छह अभ्यास सत्र पूरे कर लिए है।

बेकर जैसा हेडर जमाना सीख रहे हैं गुरप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत सिंह ब्राजील के दिग्गज एलिसन बेकर जैसा हेडर लगाना सीखना चाहते है लेकिन जब तक वह इसमे पारंगत होते है तब तक वह इसकी जिम्मेदारी अपने कप्तान सुनील छेत्री पर छोड़ना चाहते है। लिवरपूल के ब्राजीली गोलकीपर एलिसन के दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में लगाए गए खूबसूरत हेडर से उनकी टीम ने ब्रोमविच को 2-1 से हराया। गोलकीपरों को मैच के अंतिम क्षणो में इस तरह से गोल करते हुए बहुत कम देखा जाता है।

इंग्लैंड से मैचों को अभ्यास के तौर पर नहीं लेंगे : वैगनर

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नील वैगनर ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला को भारत के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के अभ्यास के तौर पर नहीं लेगी। वैगनर ने रवाना होने से पहले ऑकलैंड हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, हम इंग्लैंड के खिलाफ इन दो टेस्ट मैचों को केवल (डब्ल्यूटीसी फाइनल के) अभ्यास के तौर पर नहीं लेंगे।

एस एस दास भारतीय महिला टीम के बल्लेबाजी कोच बने

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिव सुंदर दास को भारतीय महिला टीम का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। उन्हे यकीन है कि एनसीए के साथ कोचिंग के दौरान मिले अनुभव का उन्हें फायदा मिलेगा। भारत के लिए 2000 से 2002 के बीच मे 23 टेस्ट खेल चुके दास ने कहा , यह अच्छा अनुभव है और मुझे इसका बेताबी से इंतजार है। वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी मे राहुल द्रविड़ के मार्गदर्शन में बल्लेबाजी कोच रह चुके है।

फिक्स नहीं थे भारत के टेस्ट मैच : आईसीसी

● इंग्लैड (2016) और आस्ट्रेलिया (2017) के खिलाफ भारत से हुए थे मैच

●अल जजीरा के दावे को खारिज किया

भाषा। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने सोमवार को समाचार चैनल अल जजीरा के उस दावे को खारिज किया कि इंग्लैड (2016) और आस्ट्रेलिया (2017) के खिलाफ भारत के टेस्ट फिक्स थे। आईसीसी ने कहा कि खेल के जिस तरीके को फिक्स बताया गया , वह पूरी तरह से प्रत्याशित था लिहाजा इसे फिक्स कहना अकल्पनीय है। अल जजीरा ने 2018 में प्रदर्शित अपनी डाक्यूमेंट्री क्रिकेट्स मैच फिक्सर्स में दावा किया था कि 2016 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ और 2017 में रांची में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट फिक्स थे। आईसीसी ने चैनल द्वारा दिखाए गए पांच लोगों को भी क्लीन चिट देते हुए कहा कि उनका बर्ताव भले ही संदिग्ध हो लेकिन उनके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिला है।

कार्यक्रम में एक कथित सटोरिए अनील मुनव्वर को यह दावा करते दिखाया गया था कि उनका फिक्सिंग का इतिहास रहा है और फिक्स मैचों में विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम के भी दो मैच हैं। आईसीसी ने उन दावों की जांच की थी। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसने चार स्वतंत्र सट्टेबाजी और क्रिकेट विशेषज्ञों से जांच कराई थी। चारों ने कहा कि खेल के जिस हिस्से को कथित तौर पर फिक्स कहा गया , वह पूरी तरह से प्रत्याशित था और उसे फिक्स नही कहा जा सकता। आईसीसी ने उन व्यक्तियों के नाम का खुलासा नहीं किया जिन्हें क्लीन चिट दी गई लेकिन सूत्रों का कहना है कि उनमें पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर हसन रजा, श्रीलंका के थरंगा इंडिका और थारिंडु मेंडिस शामिल थे।

उन्होंने आईसीसी की जांच में भाग लिया। मुंबई के प्रथम श्रेणी क्रिकेटर रॉबिन मौरिस का भी इसमें जिक्र था लेकिन वह जांच से नहीं जुड़ा। आईसीसी ने कहा , आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के तहत इन पांचों के खिलाफ कोई आरोप नहीं बनता था। उनके खिलाफ ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं थे। आईसीसी महाप्रबंधक (इंटीग्रिटी) एलेक्स मार्शल ने कहा , कार्यक्रम में जो दावे किए गए , वे कमजोर थे। उनकी जांच करने पर पता चला कि वे विश्वसनीय भी नहीं है और चारों विशेषज्ञों का यही मानना था।

हम बीसीसीआई के आभारी हैं : सीईओ सीए

खिलाड़ियों पर वापसी पर हॉक्ले ने कहा

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले ने सोमवार को कहा कि वह इंडियन प्रीमियर लीग में खेल रहे आस्ट्रेलिया के दल की सुरक्षित और जल्द वापसी सुनिश्चित करने के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के आभारी हैं। आस्ट्रेलियाई दल मालदीव में कुछ दिन बिताने के बाद स्वदेश लौटा। पैट कमिंस, डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ जैसे आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल के जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड-19 संक्रमण के मामले आने पर इस टी20 लीग के निलंबित होने के लगभग दो हफ्ते बाद सिडनी पहुंचे। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने हॉकले के हवाले से कहा, हम बेहद खुश हैं। उनके सुरक्षित और जल्द स्वदेश भेजने का इंतजाम करने के लिए हम बीसीसीआई के आभारी हैं।

स्वदेश पहुंचे आईपीएल में खेलने वाले आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर

मेलबर्न। पैट कमिन्स और स्टीव स्मिथ सहित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने वाले आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मालदीव में कुछ दिन बिताने के बाद सोमवार को सिडनी पहुंच गए। भारत में कोविड महामारी की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए आस्ट्रेलिया ने वहां से उड़ानों पर रोक लगा रखी थी जिसके कारण आईपीएल स्थगित होने के लगभग दो सप्ताह बाद आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्वदेश लौट पाए। आस्ट्रेलियाई दल में खिलाड़ियों, अधिकारियों और कमेंटेटरों सहित कुल 38 सदस्य शामिल थे जो 10 दिन मालदीव में बिताने के बाद आज सुबह सिडनी हवाई अड्डे पर पहुंचे। आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को अब सिडनी में दो सप्ताह के अनिवार्य पृथकवास पर रहना होगा।

बार्सिलोना ने चेल्सी को 4-0 से हराकर पहली बार डब्ल्यूसीएल खिताब जीता

गोटेनबर्ग। बार्सिलोना ने मैच शुरू होने के 32वें सेकेंड में बढ़त हासिल करने के बाद आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा और चेल्सी को 4-0 से करारी शिकस्त देकर पहली बार महिला चैंपियन्स लीग (डब्ल्यूसीएल) का खिताब जीता। बार्सिलोना ने आत्मघाती गोल से खाता खोला और फिर 36 मिनट के अंदर स्कोर 4-0 कर दिया और इसे आखिर तक बरकरार रखा। बार्सिलोना स्पेन का पहला क्लब है जिसने डब्ल्यूसीएल खिताब जीता। अभी तक इस पर सात बार के चैंपियन लियोन का दबदबा रहा था। इससे पहले बार्सिलोना 2019 में फाइनल में पहुंचा था लेकिन तब लियोन ने उसे 4-1 से हरा दिया था। पहली बार फाइनल में खेल रही चेल्सी की टीम मिडफील्डर मेलेनी लियोपोल के आत्मघाती गोल से दबाव में आ गई। अलेक्सिया पुतेलास ने 14वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर बार्सिलोना को 2-0 से आगे कर दिया। इसके सात मिनट बाद आइताना बोनमाती को गोलमुख के करीब गेंद मिली जिसे उन्होंने जाली में डालने में गलती नहीं की। कारोलिन ग्राहम हेनसन ने 36वें मिनट लिएकी मर्टन्स के खूबसूरत पास पर चौथा गोल किया।

एटलेटिको खिताब से एक जीत दूर, बार्सिलोना बाहर

मैड्रिड। लुई सुआरेज के आखिरी क्षणों में किए गए गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड ने ओसासुना को 2-1 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में खिताब जीतने की उम्मीदें मजबूत कर दी। एटलेटिको की स्पेनिश खिताब जीतने की उम्मीदों पर एक समय पानी फिरता नजर आ रहा था था लेकिन सुआरेज ने 88वें मिनट में निर्णायक गोल दाग दिया। इससे पहले रीनन लोडी ने 82वें मिनट में बराबरी का गोल किया था। ओसासुना की तरफ से एंटे बुडमीर ने 75वें मिनट में गोल दागा था। इस जीत से एटलेटिको अंतिम दौर से पहले अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रीयाल मैड्रिड से दो अंक आगे हो गया है।

मिलान, नैपोली व युवेंटस का चैंपियन्स लीग का इंतजार बढ़ा

मिलान। एसी मिलान, नैपोली और युवेंटस में से कोई दो टीमें चैंपियन्स लीग में जगह बनाएंगी लेकिन इसके लिए उन्हें इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए के अंतिम दौर के मैचों तक इंतजार करना होगा। यूरोप के शीर्ष लीग में आठ साल बाद जगह बनाने की कवायद में लगे एसी मिलान ने कैगलियारी के खिलाफ गोलरहित ड्रा खेला जिससे उसके और नैपोली के समान 76 अंक हो गए हैं। नैपोली ने एक अन्य मैच में फ्लोरेंटिना को 2-0 से हराया। युवेंटस अभी पांचवें स्थान पर है लेकिन वह एसी मिलान और नैपोली से केवल एक अंक पीछे है।

पीएसजी जीता, लिली ने ड्रा खेला, फ्रांसीसी लीग में खिताब के लिए संघर्ष जारी

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने रीम्स को 4-0 से करारी शिकस्त देकर फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में खिताबी दौड़ को आखिरी दिन तक खींच दिया क्योंकि लिली ने सेंट एटिनी के साथ गोलरहित ड्रा खेलकर अंक बांटे। लिली के 37 मैचों में 80 अंक हैं जबकि पीएसजी के 79 अंक हो गए हैं। पीएसजी का सामना अब ब्रेस्ट से जबकि लिली का एंजर्स से होगा। रीम्स के डिफेंडर यूनिस अब्दुलहामिद को 11वें मिनट में बाहर भेजे जाने का पीएसजी से पूरा फायदा उठाया। उसे पेनल्टी मिली जिसे नेमार ने गोल में बदला। काइल एमबापे ने 24वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी जबकि मारक्विनहोस और मोइज कीन ने दूसरे हाफ में गोल किए।

डोर्टमंड और वोल्फ्सबर्ग ने चैंपियन्स लीग में जगह बनाई

बर्लिन। बोरुसिया डोर्टमंड और वोल्फ्सबर्ग ने जर्मन फुटबॉल लीग बुंदेसलीगा से यूरोप के शीर्ष क्लब टूर्नामेंट चैंपियन्स लीग में जगह बनाई। डोर्टमंड ने मेंज को 3-1 से हराकर जबकि वोल्फ्सबर्ग ने लीपजिग के खिलाफ 2-2 से ड्रा खेलकर बुंदेशलीगा में अपना शीर्ष चार में स्थान सुनिश्चित किया। इन दोनों टीमों के समान 61-61 अंक हैं जो पांचवें स्थान की टीम से चार अंक अधिक हैं। लीपजिग दूसरे स्थान पर है और उसने लीग के चैंपियन बायर्न म्यूनिख के साथ चैंपियन्स लीग में पहले ही अपनी जगह सुरक्षित कर ली थी। प्रत्एक लीग से शीर्ष चार पर रहने वाली टीमें अगले सत्र में चैंपियन्स लीग में खेलेंगी।

पहली बार तटस्थ स्थल पर टेस्ट खेलेगा भारत

● 89 वर्ष के टेस्ट इतिहास में पहला अवसर

भाषा। नई दिल्ली

भारत अगले महीने जब न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल खेलने के लिए रोज बाउल में उतरेगा तो यह उसके लगभग 89 वर्ष के टेस्ट इतिहास में पहला अवसर होगा जबकि वह तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेलेगा। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से टेस्ट दर्जा हासिल करने वाले 12 देशों में से केवल दो देश ही ऐसे हैं जिन्होंने अब तक तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच नहीं खेला है। इनमें भारत के अलावा बांग्लादेश शामिल है। भारत अब जल्द ही इस सूची में शामिल हो जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 जून से इंग्लैंड के साउथम्पटन में डब्ल्यूटीसी का फाइनल खेला जाएगा जो दोनों देशों के लिए तटस्थ स्थल है। पाकिस्तान में सुरक्षा खतरे को देखते हुए एक दशक से भी अधिक समय तक विदेशी टीमों ने वहां का दौरा नहीं किया। पाकिस्तान ने इस बीच अपने घरेलू मैचों का आयोजन यूएई और श्रीलंका में किया। इस तरह से इस बीच अधिकतर देशों को तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेलने का मौका मिल गया। इनमें न्यूजीलैंड भी शामिल है जिसने 2014 से लेकर 2018 तक तटस्थ स्थलों पर छह मैच खेले हैं जिनमें से उसे तीन में जीत और दो में हार मिली।

सेरेना ने तीन महीने में पहली जीत दर्ज की

पार्मा (इटली)। सेरेना विलियम्स ने तीन महीने में पहली जीत दर्ज करते हुए 17 वर्ष की क्वालीफायर लिसा पिगातो को 6-3, 6-2 से हराकर एमिलिया रोमागना ओपन टेनिस के पहले दौर में जीत दर्ज की जो तीन महीने में उनकी पहली जीत है। यहां वाइल्ड कार्ड के जरिए खेल रही सेरेना पिछले सप्ताह इटालियन ओपन के पहले ही दौर में हार गई थी। आस्ट्रेलियाई ओपन क्वार्टर फाइनल में सिमोना हालेप को हराने के बाद से सेरेना ने जीत दर्ज नहीं की है। उन्हें सेमीफाइनल में नाओमी ओसाका ने हराया था। उसका सामना सिनियाकोवा से होगा जिसने डेनमार्क की टाउन को 6-1, 6-3 से मात दी।

सीए की नैतिक इकाई ने बेनक्राफ्ट के खुलासे के बाद उनसे संपर्क किया

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) की नैतिक इकाई ने कैमरन बेनक्राफ्ट से संपर्क किया है जिससे कि यह पता चल सके कि इस क्रिकेटर के पास 2018 में विश्व क्रिकेट को झकझोरने वाले गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के संदर्भ में कोई नई सूचना है या नहीं। बेनक्राफ्ट ने आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में यह कहकर नया तूफान ला दिया है कि उस घटना के बारे में और अधिक गेंदबाजों को जानकारी थी। इस घटना के बाद तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और उप कप्तान डेविड वार्नर पर एक-एक साल का प्रतिबंध लगाया गया था। बेनक्राफ्ट के पास रेगमाल मिला था और केपटाउन टेस्ट में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण में भूमिका के लिए उन्हें नौ महीने के लिए निलंबित किया गया था। क्रिकेट आस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीमों के प्रमुख बेन ओलिवर रे ने कहा कि रेबेका मरे की अगुआई वाली नैतिक इकाई ने बेनक्राफ्ट से संपर्क किया है कि क्या वह अपने पूर्व के बयान में कुछ और जोड़ना चाहते हैं।

खुलासे में कुछ भी चौंकाने वाला नहीं : क्लार्क

मेलबर्न। पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा कि उन्हें यह जानकर हैरानी नहीं होगी कि 2018 में गेंद से छेड़छाड़ की साजिश के बारे में गेंदबाजों को पता था। इस विवाद के कारण आस्ट्रेलिया की हर हाल में जीत दर्ज करने की संस्कृति की समीक्षा की गई थी।

इंग्लैंड से श्रृंखला और डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए लंदन पहुंचे कीवी खिलाड़ी

आर्चर न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से बाहर

लंदन। आईपीएल से बाहर होने के बाद हाल में वापसी करने वाले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर कोहनी की चोट फिर से उबरने के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला मे नही खेल पाएंगे। ईसीबी ने बयान में कहा, इंग्लैंड और ससेक्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गए है। इसमे कहा गया है, गेंदबाजी करते समय उनकी दाहिनी कोहनी मे दर्द हो रहा था और वह मैच के आखिरी दो दिन गेंदबाजी नही कर पाए। आर्चर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो जून से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए स्वयं को फिट घोषित किया था लेकिन कोहनी की चोट उबरने के कारण उनकी और ईसीबी की योजना खटाई मे पड़ गई। क्रिकेट बोर्ड अब इस पर विचार कर रहा है कि आर्चर को अपनी दाहिनी कोहनी के उपचार के लिए आपरेशन की जरूरत है या नही। उन्होने कोहनी की चोट के कारण ही आईपीएल से हटने का फैसला किया था।

भाषा। लंदन

न्यूजीलैंड के अधिकतर खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला और भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल खेलने के लिए यहां पहुंच गए हैं। खिलाड़ी आकलैंड से सिंगापुर होते हुए रविवार की शाम को यहां पहुंचे और इसके बाद साउथम्पटन के एजिस बाउल चले गए। इस दौरे के पहले दो सप्ताह वे साउथम्पटन में ही रहेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला का पहला मैच दो जून को लंदन में शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 10 जून से बर्मिंघम में खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 18 जून से साउथम्पटन में शुरू होगा। न्यूजीलैंड की टीम कड़े स्वास्थ्य दिशानिर्देशों का पालन कर रही है जिसमें रवानगी से पहले टीकाकरण और कोविड परीक्षण के अलावा मास्क और सेनेटाइजर से युक्त चिकित्सा किट शामिल है। खिलाड़ी पहले तीन दिन होटल में पृथकवास पर रहेंगे जिसके बाद वे चौथे से छठे दिन के बीच छह खिलाड़ियों के समूह में अभ्यास कर सकते हैं लेकिन इसके लिए उनका कोविड परीक्षण नेगेटिव आना चाहिए। टीम के बीच आपस में ही 26 मई से 28 मई के बीच तीन दिवसीय मैच खेला जाएगा जिसमें छह स्थानीय गेंदबाज उनकी मदद करेंगे। छह गेंदबाज पहले ही पृथकवास पर रहेंगे। टिम साउदी, बी जे वाटलिंग, रोस टेलर और नील वैगनर सोमवार को आकलैंड से रवाना होकर साउथम्पटन में टीम से जुड़ेंगे। आईपीएल के निलंबित होने के बाद मालदीव में रह रहे कप्तान विलियमसन, जेमीसन, सेंटनर, टीम फिजियो सिमसेक और ट्रेनर डोनाल्डसन सोमवार को पहुंचेंगे।

अपोलो हॉस्पिटल, डॉ रेड्डीज ने स्पुतनिक-वी के साथ कोविड-19 टीकाकरण की घोषणा की

नई दिल्ली। अपोलो हॉस्पिटल और डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज ने सोमवार को कहा कि उन्होंने स्पुतनिक- वी के साथ कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करने के लिए आपस में गठजोड़ किया है। एक बयान के मुताबिक टीकाकरण कार्यक्रम के पहले चरण की शुरुआत अपोलो के केंद्रों में सोमवार को हैदराबाद में और इसके बाद मंगलवार (18 मई) को विशाखापत्तनम में होगी। इसके बाद टीकाकरण कार्यक्रम का विस्तार दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, चेन्नई, कोलकाता और पुणे में किया जाएगा। अपोलो हॉस्पिटल की संयुक्त प्रबंध निदेशक संगीता रेड्डी ने कहा कि अपोलो को एक महीने की अवधि में कोविड-19 वैक्सीन की 10 लाख खुराकें मिलेंगी।

25 लाख परिवारों को नि:शुल्क कोविड केयर दवाई बंटेगी

मुंबई। धनी एप ने 25 लाख परिवारों के लिए 90 करोड़ रुपए की कीमत के कोविड केयर स्वास्थ्य किटस का नि:शुल्क वितरण शुरू किया है। ये 50 लाख लोगों के को काम आएगा। प्रत्येक कोविड केयर स्वास्थ्य किट के अंदर 2 व्यक्तियों के लिए रोग निरोधक दवाइयाँ होगी। हर किट में पूरे एक महीने की दवाइयाँ विटामिन सी, विटामिन डी 3, जिंक और पेरासिटामोल बुखार या शरीर, दर्द हो तो की गोलियां हैं जो व्यत्ति की रोग प्रतिकारक शत्ति को बढ़ाएगी। लाभ लेने के लिए धनी एप या फार्मेसी डॉट धनी डॉटकॉम पर लाग ऑन कर नि:शुल्क आर्डर का पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अलावा वे धनी डॉक्टरों व विशेषज्ञ के साथ कभा भी नि:शुल्क वीडियो कॉल कर सकते हैं, और 15 सेकंड के अंदर डॉक्टर के साथ वीडियो कॉल पर सम्पर्क साध सकते हैं । धनी हेल्थ केयर के अध्यक्ष निखिल चारी ने जानकारी दी।

ग्रीनको ने 1000 बड़े ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर्स मंगवाये

हैदराबाद। हैदराबाद की नवीकरणीय ऊर्जा समूह ग्रीनको ने पहली 200 बड़े मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर्स का प्लेन हैदराबाद लैंड करवाई। ये कॉन्सेंट्रेटर्स प्रति मिनट 10 लीटर की क्षमता वाले हैं और इनके आ जाने से कोरोना संक्रमण की भयानक दूसरी लहर का मुकाबला करने में भारत की शक्ति बढ़ेगी। ग्रीनको समूह के प्रबंध निदेशक ने कहा कि अगले 5 दिनों के भीतर चार और विमान हैदराबाद, बेंगलुरु और नई दिल्ली में 1,000 बड़े मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन कॉन्ट्रेटर्स के साथ उतरेंगे। यह आईसीयू से पहले और आईसीयू के बाद मरीजों के स्थिरीकरण के लिए टियर 2 और टियर 3 शहरों में मेडिकल टीमों की सहायता करेगा व दूसरी लहर से निपटने में मदद करेगा।

ईरान में फरजाद- बी गैस क्षेत्र परियोजना भारत के हाथ से निकली

नई दिल्ली। ईरान सरकार के एक स्थानीय कंपनी के पक्ष में निर्णय करने से भारत फारस की खाड़ी में फरजाद- बी गैस क्षेत्र परियोजना से बाहार हो गया है। इस गैस-फील्ड की खोज भारतीय कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने की थी। ईरान ने इस गैस क्षेत्र को विकसित करने का काम सोमवार को एक स्थानीय कंपनी को दे दिया। ईरान के पेट्रोलियम मंत्रालय की आधिकारिक समाचार सेवा शाना ने एक रिपोर्ट में कहा, दि नेशनल ईरानियन आयल कंपनी ने फारस की खाड़ी की फरजाद-बी गैस फील्ड के विकास के लिए पेट्रोपार्स ग्रुप के साथ 1.78 अरब डालर का करार किया।

कोरोना महामारी से अर्थव्यवस्था पर असर : आरबीआई

●पर पिछले साल की तरह गंभीर नही

भाषा। मुंबई

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही की आधी अवधि में आर्थिक गतिविधियां प्रभावित जरूर हुई हैं लेकिन कमजोर नहीं पड़ी हैं। हालांकि संक्रमितों की संख्या पूर्व के मुकाबले कहीं अधिक हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के एक लेख में यह कहा गया है। इसमें कहा गया है कि कोरोना वायरस महामारी की रफ्तार ने भारत और दुनिया को अचंभित किया है। इस तेजी पर अंकुश लगाने के लिए युद्ध स्तर पर अभियान चलाए गए हैं। अर्थव्यवस्था की स्थिति पर आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम डी पात्रा और अन्य अधिकायों ने अपने

लेख में लिखा है, दूसरी लहर का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पहली लहर के मुकाबले सीमित जान पड़ता है। स्थानीय स्तर पर जरूरत के अनुसार लॉकडाउन , लोगों को घर से काम करने की व्यवस्था के लिए स्वयं को बेहतर तरीके से तैयार करना, ऑनलाइन डिलिवरी मॉडल, ई-वाणिज्य और डिजिटल भुगतान का अच्छे तरीके से काम करना इसके उदाहरण हैं। आरबीआई ने साफ किया है कि लेख में अभिव्यक्त विचार लेखकों के हैं और कोई जरूरी नहीं है कि वे आरबीआई के विचारों से मेल खाते हों। लेख के अनुसार संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि पर रोक लगाने के लिए कई राज्यों में लगाई गई पाबंदियो से अप्रैल और मई में वास्तविक अर्थव्यवस्था के कई संकेतक हल्के पड़े। पहली लहर की तुलना में दूसरी लहर महानगरों, शहरों में तेज रही। यह राज्यों, क्षेत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से फैला है। लेख के अनुसार, दूसरी लहर से 2020-21 की पहली तिमाही की आधी अवधि में आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित जरूर किया लेकिन उसे कमजोर नहीं किया...सकल मांग की स्थिति पर असर पड़ा है लेकिन वह प्रभाव पहली लहर जैसा गंभीर नहीं है।

शेयर बाजार में जोरदार तेजी, सेंसेक्स 848 अंक उछला, बैंक शेयर चमके

मुंबई। शेयर बाजार मे सोमवार को लगभग सात सप्ताह की सबसे जोरदार तेजी दिखी। कोविड-19 संक्रमण के दैनिक मामले कम होने के साथ निवेशको का भरोसा बढ़ने से बीएसई सेंसेक्स में 848 अंक से अधिक का उछाल आया। तीस शेयरो वाला बीएसई सेंसेक्स 848.18 अंक यानी 1.74 प्रतिशत उछलकर 49,580.73 बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 245.35 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ 14,923.15 अंक पर पहुंच गया। इन सूचकांको मे 30 मार्च के बाद यह किसी दिन की सबसे बड़ी तेजी है। सेंसेक्स के शेयरो में 7 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ इंडसइंड बैंक शीर्ष पर रहा। भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी लि. और बजाज फिनसर्व मे भी अच्छी तेजी रही। दूसरी तरफ एल एंड टी, भारती एयरटेल, नेस्ले इंडिया, सन फार्मा, पावरग्रिड, मारुति सुजुकी और एचयूएल मे गिरावट रही। सेंसेक्स के शेयरो मे 23 लाभ मे जबकि 7 नुकसान मे रहे। क्षेत्रवार बीएसई बैंकिंग, वित्त, धातु और वाहन सूचकांको मे तेजी रही जबकि दूरसंचार और स्वास्थ्य कंपनियो के वर्ग मे गिरावट रही।

निवेशकों की संपत्ति 3 लाख करोड़ से अधिक बढ़ी

नई दिल्ली। शेयर बाजार मे सोमवार को आए उछाल के साथ निवेशको की संपत्ति 3,03,725.89 करोड़ रुपए बढ़ गई। तीस शेयरो पर आधारित मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 848.18 अंक यानी 1.74 प्रतिशत उछलकर 49,580.73 बंद हुआ। इस तेजी से बीएसई मे सूचीबद्ध कंपनियो का बाजार पूंजीकरण 3,03,725.89 करोड़ रुपए उछलकर 2,13,64,459.08 करोड़ रुपए पहुंच गया। सेंसेक्स के शेयरो मे 7.27 प्रतिशत की तेजी के साथ इंडसइंड बैंक शीर्ष पर रहा।

रुपए में दूसरे दिन भी तेजी, डॉलर के मुकाबले सात पैसे मजबूत

मुंबई। रुपए में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी देखी गई। डॉलर के कमजोर होने तथा घरेलू शेयर बाजार में तेजी के बीच विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपए की विनिमय दर सोमवार को प्रति डालर सात पैसे मजबूत होकर 73.22 पर बंद हुई। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में डालर सुबह 73.24 पर खुला। दिन के कारोबार में रुपए ने 73.16 के उच्च स्तर और 73.26 के निम्न स्तर को छूने के बाद अंत में रुपए की विनिमय दर पिछले बंद के मुकाबले सात पैसे की मजबूती के साथ 73.22 प्रति डालर पर बंद हुई।

अप्रैल में थोक मुद्रास्फीति 10.49 प्रतिशत की रिकाई ऊंचाई पर

● कच्चे तेल की कीमतों में उबाल

भाषा। नई दिल्ली

खाने -पीने का सामान, कच्चा तेल और विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से अप्रैल में थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति 10.49 प्रतिशत के अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई। विशेषज्ञों का मानना है कि थोक मुद्रास्फीति के मामले में यह रुख आगे भी बना रह सकता है। थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में यह लगातार चौथा महीना है जब बढ़त दर्ज की गई हे। इससे पिछले महीने मार्च में यह 7.39 प्रतिशत रही थी। अप्रैल,2020 में थोक मुद्रास्फीति शून्य से 1.57 प्रतिशत नीचे थी। अप्रैल 2020 में देश में संपूर्ण लॉकडाउन लगा था, जिससे मुद्रास्फीति में गिरावट आ गई थी। तुलनात्मक आधार के प्राभाव की वजस से इस समय थोक महंगाई की दर कुछ इधक ऊंची दिख रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा, मुख्य रूप से कच्चे तेल, पेट्रोल और डीजल जैसे खनिज तेलों और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी के चलते अप्रैल 2021 में मुद्रास्फीति की वार्षिक दर पिछले साल के इसी महीने की तुलना में अधिक रही है।

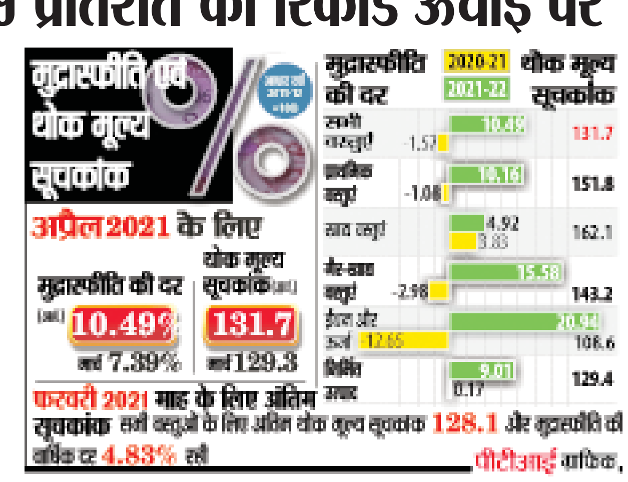

आवासीय बिक्री अप्रैल-जून में सुस्ती : नई दिल्ली। डेटा विश्लेषण फर्म प्रॉपइक्विटी के मुताबिक जनवरी-मार्च 2021 के दौरान सात प्रमुख शहरो मे आवासीय बिक्री मे 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि नई आपूर्ति मे सालाना आधार पर 40 प्रतिशत की गिरावट आई।

तकनीकी कारणों से रविवार को 14 घंटे के लिए बंद रहेगी एनईएफटी सेवा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को बताया कि धन के ऑनलाइन हस्तांतरण के लिए लोकप्रिय राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) प्रणाली तकनीक को और उन्नत किए जाने के काम से आगामी शनिवार आधी रात के ठीक बाद से रविवार दोपहर बाद दो बजे तक 14 घंटे के लिए बंद रहेगी। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) एक राष्ट्रव्यापी केंद्रीकृत भुगतान प्रणाली है, जिसका स्वामित्व और संचालन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास है। यह सेवा साल के सभी दिनो मे चौबीसो घंटे उपलब्ध रहती है।

बैंकिंग प्वाईंट्स से निकाल सकते हैं पीएम किसान योजना का पैसा

मुंबई। देश में फिनो पेमेंट्स बैंक के मर्चें प्वाईंट सरकार की डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर स्कीम, पीएम किसान योजना के लाभार्थियों को कैश उपलब्ध कराकर महामारी के बीच भारत के कृषि समुदाय की मदद करने के लिए तैयार हैं। डीबीटी योजना के लाभार्थी किसी भी बैंक के खाताधारक होने पर नजदीकी फिनो प्वाईंट पर जाकर पैसा निकाल सकते हैं या कोई अन्य बैंकिंग लेन-देन कर सकते हैं। फिनो पेमेंट्स बैंक के सीएसओए शैलेष पांडे ने कहा कि सदैव उपलब्ध बैंकिंग सेवाएं आज के समय की जरूरत हैं। इस मुश्किल समय में फिनो के हमेशा उपलब्ध पड़ोसी आउटलेट लंबे समय तक खुले रहते हैं, और लोगों को सुविधा देते है ।

उद्योगपति सिद्धार्थ का निधन

नई दिल्ली। उद्योगपति और उषा इंटरनेशनल के पूर्व चेयरमैन सिद्धार्थ श्रीराम का सोमवार को कोरोना संक्रमण के कारण निधन हो गया। परिवार से जुड़े लोगो ने यह जानकारी दी। वह 76 साल के थे। कार्यकारी भूमिका से हटने के बाद उषा इंटरनेशनल के निदेशक मंडल में सलहकार थे।

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 18 मई 2021

भारी हवाई हमले में गाजा की सुरंगों को ध्वस्त किया : इजराइल

एपी। गाजा सिटी (गाजा पट्टी)

● संयुक्त राष्ट्र ने पहले ही चेतावनी जारी की है कि क्षेत्र के एकमात्र बिजली घर में ईंधन समाप्त होने का खतरा है और सराज ने बताया कि गाजा के पास मरम्मत के लिए कल-पुर्जों की भी कमी है

गाजा पट्टी पर सोमवार तड़के भारी हवाई हमले के बाद इजराइल की सेना ने कहा कि उसने चरमपंथियों द्वारा बनाई गई सुरंगों के 15 किलोमीटर लंबे हिस्से और हमास के नौ कमांडरों के मकानों को ध्वस्त कर दिया है। सप्ताह भर पहले शुरू हुई लड़ाई के दौरान कल रात हुआ हवाई हमला एक दिन पहले गाजा सिटी पर हुए हमले से भी भीषण था जिसमें 42 लोग मारे गए थे और तीन इमारतें ध्वस्त हो गई थीं। इजराइल और गाजा के हमास शासकों के बीच ताजा संघर्ष के दौरान यह सबसे भीषण हमला था। ताजा हमले में लोगों के हताहत होने के संबंध में फिलहाल कोई सूचना नहीं है। गाजा सिटी में तीन मंजिला इमारत बुरी तरह बर्बाद हो गई है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि सेना ने हमले से 10 मिनट पहले चेतावनी जारी की थी जिस कारण सभी लोग वहां से हट गए। उन्होंने बताया कि कई बम आसपास के इलाके में गिरे। गाजा के मेयर यह्या सराज ने अल-जजीरा टीवी को बताया कि हमलों से सड़कों और अन्य आधारभूत संरचनाओं को बहुत नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, अगर संघर्ष जारी रहा तो, हमें हालात और बिगड़ने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र ने पहले ही चेतावनी जारी की है कि क्षेत्र के एक एकमात्र बिजली घर में ईंधन समाप्त होने का खतरा है और सराज ने बताया कि गाजा के पास मरम्मत के लिए कल-पुर्जों की भी कमी है। गाजा में पहले से ही 8 से 12 घंटों की बिजली कटौती हो रही है और वहां नल से आने वाला पानी पीने लायक नहीं है।

क्षेत्र की बिजली वितरण कंपनी के प्रवक्ता मोहम्मद ताबेत ने बताया कि संयंत्र के पास गाजा को दो-तीन दिनों तक बिजली आपूर्ति करने लायक ईंधन है। उन्होंने बताया कि हवाई हमले से आपूर्ति लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है और कंपनी के कर्मचारी उन क्षेत्रों में नहीं जा पा रहे हैं जो लगातार इजराइली हमले की जद में हैं। यरूशलम में फलस्तीनी प्रदर्शनकारियों और इजराइली पुलिस के बीच झड़प के कुछ सप्ताह बाद पिछले सोमवार को चरमपंथी समूह हमास ने यरुशलम पर रॉकेट दागे थे, जिसके बाद युद्ध शुरू हुआ। युद्ध शुरू होने से लेकर अभी तक इजराइली सेना ने सैकड़ों की संख्या में हवाई हमले किए हैं। उसका कहना है कि वह हमास चरमपंथियों की आधारभूत संरचनाओं को निशाना बना रही है। वहीं फलस्तीनी चरमपंथियों ने इजराइल पर 3,100 से ज्यादा रॉकेट दागे हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हवाई हमलों में कम से कम 198 फलस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें 58 बच्चे और 35 महिलाएं शामिल हैं, जबकि ।,300 लोग घायल हुए हैं। गाजा से इजराइल में दागे गए रॉकेटों की चपेट में आकर पांच साल के एक बच्चे और एक सैनिक सहित कुल आठ लोगों की मौत हुई है। गाजा में आपात बचाव अधिकारी समीर अल-खातिब ने बताया, मैंने अपने 14 साल के करियर में ऐसी तबाही नहीं देखी है। उन्होंने कहा, 2014 के युद्ध के दौरान भी नहीं।

चीन ने अमेरिका से गाजा मुद्दे पर कूटनीति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की अपील की

एपी। बीजिंग

● इजराइल व फलस्तीन के मुद्दे पर अमेरिका द्वारा प्रभावी कदम उठाने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन नीत अमेरिकी प्रशासन से कई तरह की माँगे उठी हैं

चीन ने सोमवार को अमेरिका के सामने फिर से यह मांग रखी है कि वह गाजा में संघर्ष समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करे और यहां रक्तपात को समाप्त करने संबंधी प्रयासों को संयुक्त राष्ट्र में अवरूद्ध करना बंद करे।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने सुरक्षा परिषद के बारी बारी से बनने वाले प्रमुख (रोटेटिंग हेड) के तौर पर संघर्ष विराम की अपील की तथा मानवीय सहायता समेत अन्य प्रस्ताव रखे। उन्होंने कहा कि एक देश के बाधा डालने की वजह से परिषद एक आवाज में अपनी बात नहीं रख पा रहा है। झाओ ने दैनिक सम्मेलन के दौरान कहा कि वह अमेरिका से उचित जिम्मेदारी उठाने और इस मुद्दे पर निष्पक्ष रुख रखने, स्थिति को शांत कराने तथा राजनीतिक समाधान हासिल होने की विश्वास बहाली में परिषद का समर्थन करे और निष्पक्ष रुख रखे। झाओ ने कहा कि चीन नागरिकों के खिलाफ हिंसा की कड़ी निंदा करता है और हवाई हमले, जमीनी हमले, रॉकेट दागने या स्थिति को और भी बुरे हालात में पहुंचाने जैसे कदमों को रोकने की माँग करता है। झाओ ने कहा कि इजराइल को संयम से काम लेते हुए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों का प्रभावी तरीक़े से पालन करना चाहिए और फलस्तीन के लोगों के घरों को ध्वस्त करना और उन्हें उनके घर से निकालना तथा अपनी बस्तियों के विस्तार देने के कार्यक्रमों को रोकना चाहिए तथा मुसलमानों के खिलाफ हिंसा और उकसावे को रोककर वह यरुशलम के एक धार्मिक स्थल के ऐतिहासिक महत्व का सम्मान करे। इजराइल और फलस्तीन के मुद्दे पर अमेरिका द्वारा प्रभावी कदम उठाने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन नीत अमेरिकी प्रशासन से कई तरह की माँगे उठी हैं। अब तक इजराइल के करीबी सहयोगी अमेरिका दरअसल चीन, नॉर्वे और ट्यूनिशिया द्वारा इस मुद्दे पर सुरक्षा परिषद द्वारा बयान जारी करवाने की कोशिश की राह में बाधा डाले हुए है। इस माँग में संघर्ष की समाप्ति की भी माँग शामिल है।

ब्लिंकन ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री कुरैशी से फोन पर बात की

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अफगान शांति प्रक्रिया तथा अन्य द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों के बारे में अपने पाकिस्तानी समकक्ष शाह महमूद कुरैशी से बात की। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बताया कि फोन पर बातचीत के दौरान ब्लिंकन ने अफगान शांति प्रक्रिया में निरंतर सहयोग तथा आतकंवाद के खिलाफ पाकिस्तान के कदमों के महत्व को रेखांकित किया। प्राइस ने बताया कि इस दौरान अमेरिका और पाकिस्तान के बीच कारोबार एवं व्यावसायिक संबंधों में विस्तार की संभावनाओं तथा दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय संपर्क बेहतर करने के बारे में भी चर्चा हुई।

अमेरिका से इजराइल पर दबाव बढ़ाने का अनुरोध

एपी। यरुशलम

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के राजनयिक और मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों ने इज़राइल और हमास के बीच पिछले एक सप्ताह से जारी संघर्ष को रोकने के लिए एक आपात बैठक की। दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष में कई लोगों की मौत हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कुछ डेमोक्रेट्स के बार-बार आह्वान करने के बाद भी इज़राइल पर सार्वजनिक रूप से दबाव बढ़ाने के कोई संकेत नहीं दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने सुरक्षा परिषद की उच्च स्तरीय आपात बैठक में बताया कि अमेरिका यह लड़ाई रोकने के लिए राजनयिक माध्यमों के जरिए लगातार काम कर रहा है। इज़राइल और गाजा विद्रोहियों के बीच संघर्ष 2014 के बाद से सबसे खराब स्तर पर है और बाइडन प्रशासन ने इस लड़ाई में इज़राइल की कार्वाई की आलोचना करने या इलाके में शीर्ष स्तर के दूत को भेजने से इनकार कर दिया है। दूसरे देशों के अनुरोधों पर भी उसने कोई गौर नहीं किया। थॉमस-ग्रीनफील्ड ने आगाह किया कि सशस्त्र संघर्ष से इज़राइल और फलस्तीन के बीच बातचीत का विकल्प एकदम समाप्त हो जाएगा।अमेरिका का करीबी सहयोगी इज़राइल मामले पर सुरक्षा परिषद से बयान जारी कराने के चीन, नॉर्वे और ट्यूनीशिया के सभी प्रयास विफल कर चुका है। इजराइल ने गाजा की तरफ सैकड़ों हवाई हमले किए हैं जहां करीब 20 लाख फलस्तीनी रहते हैं। इसने गाजा सिटी की सबसे ऊंची इमारत को गिरा दिया और कहा कि इसमें हमास की सेना से जुड़े दफ्तर थे।

गाजा-इजराइल के बीच संघर्ष विराम के लिए प्रयास तेज

एपी। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के राजनयिकों और मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों ने इजराइल और फलस्तीन के बीच हिंसा को रोकने के प्रयासों के तहत सप्ताहांत में आपात बैठक बुलाई। हमास के हमलों के बाद पिछले एक सप्ताह के सबसे भीषण हमलों में इजराइल ने गाजा शहर में कई रॉकेट दागे हैं। अमेरिका में कुछ डेमोक्रेट नेताओं ने बाइडन के प्रशासन के इस मामले में भूमिका निभाने की वकालत की है लेकिन राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल पर तत्काल संघर्ष-विराम के लिए सहमत होने के लिहाज से दबाव बढ़ाने का कोई संकेत नहीं दिया है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने सुरक्षा परिषद की आपात उच्चस्तरीय बैठक में कहा कि अमेरिका संघर्ष को रोकने के लिहाज से राजनयिक माध्यमों से अथक प्रयास कर रहा है। इजराइल और गाजा के हमास आतंकवादी शासकों के बीच संघर्ष 2014 के बाद से सबसे भीषण स्तर पर है और अंतरराष्ट्रीय आक्रोश भी पैदा हो रहा है लेकिन अमेरिका की विदेश नीति में पश्चिम एशिया और अफगानिस्तान से ध्यान हटाने को संकल्पित बाइडन प्रशासन ने संघर्ष में इजराइल की भूमिका की निंदा करने या क्षेत्र में एक उच्चस्तरीय राजनयिक को तैनात करने से अभी तक इनकार ही किया है। अन्य देशों की अपील का भी कोई असर नहीं दिखाई दे रहा। थॉमस-ग्रीनफील्ड ने चेतावनी दी है कि सशस्त्र संघर्ष से दशकों पुराने इजराइल-फलस्तीन संघर्ष के लिए दोनों के बीच बातचीत से समाधान के प्रयास निष्प्रभावी हो जाएंगे। हालांकि इजराइल के करीबी सहयोगी अमेरिका ने सुरक्षा परिषद से एक बयान जारी कराने के चीन, नॉर्वे और ट्यूनिशिया के प्रयासों को अभी तक रोक रखा है। इजराइल में अमेरिकी अधिकारी हैडी अम्र ने इजराजल के रक्षा मंत्री बेनी गैंज से मुलाकात की जिन्होंने अमेरिका के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने संकट को कम करने के लिए हैडी को इजराइल भेजा।

एपी की इमारत पर हमले के सबूत नहीं देखें : ब्लिंकन

एपी। कोपेनहेगन

अमेरिकी विदेशमंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि उन्होंने कोई ऐसे इजराइली सबूत नहीं देखें है जिससे साबित हो कि हमास गाजा के उस कार्यालय इमारत से कार्रवाई कर रहा था जिसे सप्ताहांत हवाई हमले में ध्वस्त कर दिया गया। ब्लिंकन ने कहा कि उन्होंने इजाराइल से हमले पर सफाई मांगी है। डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में संवाददाता सम्मेलन में ब्लिंकन ने यह बात कही। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन पर इजराल-फलस्तीन के बीच संघर्ष विराम कराने का दबाव बढ़ रहा है। गौरतलब है कि इजराइल ने उस इमारत को ध्वस्त कर दिया था जिसमें एसोसिएटेड प्रेस और अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यालय थे। इजराइल का दावा था कि उक्त इमारत का इस्तेमाल हमास अपने सैन्य खुफिया कार्यालय के तौर पर कर रहा था। ब्लिंकन ने कहा, हमले के तुरंत बाद हमने इसे न्यायोचित ठहराने वाली अतिरिक्त जानकारी मांगी। हालांकि, उन्होंने उक्त खुफिया जानकारी पर चर्चा करने से इनकार कर दिया।

क्विक न्यूज

अफगान नेतृत्व की आलोचनात्मक टिप्पणी पर पाक ने अफगान राजदूत को आपत्तिपत्र जारी किया

इस्लामाबाद। अफ्गान नेतृत्व द्वारा लगाए गए आरोपों पर विरोध दर्ज कराते हुए पाकिस्तान ने सोमवार को अफ्गानिस्तान के राजदूत नजीबुल्लाह अलीखेल को आपत्ति पत्र जारी किया। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय (एफ्ओ) ने हालांकि उस बयान का स्पष्ट उल्लेख नही किया जिसकी वजह से नाराजगी है। अफ्गानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने हाल में एक साक्षात्कार के दौरान आरोप लगाया था कि पाकिस्तान द्वारा अफ्गान तालिबान की मदद के लिए संगठित तंत्र संचालित किया जा रहा है। अफ्गान नेता ने कहा है, तालिबान की निर्णय लेने वाली विभिन्न इकाइयों क्वेटा शूरा, मीरमशाह शूरा और पेशावर शूरा- के नाम पाकिस्तानी शहरों के नाम पर है जहां वे स्थित हैं। देश के साथ उनके गहरे संबंध हैं। अफ्गान नेतृत्व द्वारा लगाए गए आरोपों के संदर्भ में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए एफ्ओ ने कहा कि बयानों को लेकर पाकिस्तान गंभीरता से चिंतित है। विदेश कार्यालय के बयान में मुताबिक, पाकिस्तान ने हाल ही में गैर जिम्मेदाराना बयानों और अफ्गान नेतृत्व द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों पर इस्लामाबाद में अफ्गानिस्तान के राजदूत से कड़ी आपत्ति दर्ज करा अफ्गान पक्ष को अपनी गंभीर चिंताओं से अवगत कराया है। इसमें कहा गया कि पाकिस्तान ने जोर देता रहा है कि बेबुनियाद आरोपों से दो भातृ देशों के बीच विश्वास खत्म होता है और माहौल खराब होता है। इसमें कहा गया कि यह पाकिस्तान द्वारा अफ्गान शांति प्रक्रिया में निभाई जा रही सकारात्मक भूमिका का भी अपमान है। इसमें कहा गया कि अफ्गान पक्ष से अनुरोध किया गया है कि सभी द्विपक्षीय मुद्दों के लिए शांति व एकजुटता के लिए अफ्गान-पाकिस्तान कार्य योजना जैसे उपलब्ध मंचों का प्रभावी इस्तेमाल करे।

सनोफी-जीएसके ने शुरुआती असफलता के बाद कोविड टीके के सफल होने की बात कही

पेरिस। सनोफी और ग्लैक्सोस्मिथक्लिन के कोविड-19 टीके के प्रारंभिक परीक्षणों में सभी वयस्क आयुवर्गों में प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत होने के संकेत मिले है और इसके साल के अंत में बाजार में आने की उम्मीद है। हालांकि शुरुआत में इसके परीक्षण में सफलता नही मिली थी। टीके के दूसरे चरण के परीक्षण के सोमवार को जारी परिणामों के अनुसार इस संभावित टीके की दो खुराकें लगाए जाने के बाद प्रतिभागियों में उसी तरह एंटीबॉडी बनने का पता चला जिस तरह कोरोना वायरस संक्रमण से स्वस्थ हुए लोगों में बनते है। दवा निर्माता कंपनियों ने कहा है कि उनकी योजना है कि अंतिम स्तर के परीक्षण और उत्पादन आगामी सप्ताहों में शुरू कर दिया जाए तथा उन्हें उम्मीद है कि 2021 के अंत तक उनके टीके को नियामक मंजूरी मिल जाएगी। नियामकों ने अनेक कोविड-19 टीकों को पहले ही मंजूरी दे दी है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि महामारी से निपटने के लिए अभी और टीकों की जरूरत है क्योंकि दुनियाभर के देशों में स्वास्थ्य महकमे के लोग अपने नागरिकों को तेजी से टीका लगाने के लिए प्रयासरत हैं। सनोफी-जीएसके का टीका यूरोपीय संघ की टीकाकरण रणनीति का अहम हिस्सा रहा है और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों की सरकार ने उसका समर्थन किया था। लेकिन अनुसंधानकर्ताओं को शुरुआती परीक्षण में अपेक्षित परिणाम नही मिलने पर इसे नए सिरे से तैयार करना पड़ा था।

लॉस एंजिलिस में जंगल में लगी आग को बुझाने जा रही फायरब्रिगेड की टीम

शिकागो में रहने वाले लोगों ने फिलीस्तीन के समर्थन में रैली निकालकर वहां हो रही हिंसा को रोकने की मांग रखी

लॉस एंजिलिस के जंगल में लगी आग और फैली, दो लोगों से पूछताछ

एपी। लॉस एंजिलिस

● टोपांग स्टेट पार्क के पास लगी आग के कारण संदेहास्पद हैं और उनकी जांच जारी है

लॉस एंजिलिस में जंगल में लगी आग के रविवार को उग्र रूप ले लेने के बाद हजारों स्थानीय निवासियों को वहां से निकालने का आदेश दिया गया और अन्य को वहां से कभी भी निकलने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

लॉस एंजिलिस के अग्निशमन विभाग ने बताया कि टोपांग स्टेट पार्क के पास लगी आग के कारण संदेहास्पद हैं और उनकी जांच जारी है। अग्निशमन विभाग की प्रवक्ता मार्गरेट स्टेवार्ट ने एक बयान में बताया कि जांचकर्ताओं ने अग्निशमन विभाग तथा लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के साथ मिलकर एक व्यक्ति को मामले में हिरासत में लिया था, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया। जांचकर्ताओं ने रविवार शाम एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लेकर उससे भी पूछताछ की।अग्निशमन विभाग ने बताया कि दिन की शुरुआत में ठंडे, नम मौसम से दमकलकर्मियों को राहत मिली थी, लेकिन दोपहर में आग फिर तेजी से फैलने लगी। उसके अनुसार, सांटा मोनिका माउंटेन्स में शुक्रवार देर रात लगी आग में जानमान का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

शनिवार को आग फैलने से पहले काफी समय तक सुलगती रही थी।आग के फैलने के बाद टोपंगा घाटी क्षेत्र के हजारों लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया गया। रविवार शाम तक, आग ने 5.4 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैली झाड़ियों और पेड़ों को अपनी चपेट में ले लिया था।

एपी की शीर्ष संपादक ने इमारत पर इजराइली हमले की जांच का आह्वान किया

एपी। वाशिंगटन

● बज्बी ने कहा, हम संघर्ष में फंसे हुए हैं। हमे संघर्ष मे किसी की तरफदारी नही करनी है। हमने इजराइल के कई लोगों को यह कहते हुए सुना है कि उनके पास सबूत हैं

एसोसिएटेड प्रेस की शीर्ष संपादक ने गाजा सिटी में इजराइली हमले में मीडिया संस्थानों के दफ्तरों वाली इमारत को निशाना बनाए जाने और उसे ध्वस्त किए जाने की घटना की स्वतंत्र जांच का आह्वान करते हुए कहा है कि लोग हकीकत जानना चाहते हैं।

गाजा सिटी की इस बहुमंजिला इमारत में एपी, अल-जजीरा और अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यालय थे। मीडिया पर नजर रखने वाली संस्था रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय को समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के कार्यालय वाली इमारत पर इजराइल की बमबारी की जांच का अनुरोध किया है। एपी की कार्यकारी संपादक सैली बज्बी ने रविवार को कहा कि इजराइल की सरकार ने 12 मंजिला इमारत अल-जला टावर पर हमले को लेकर स्पष्ट सबूत मुहैया नहीं कराए हैं।इजराइल की सेना ने एपी के पत्रकारों और इमारत में रहने वालों को एक घंटे में उसे खाली कर देने को कहा था। सेना का दावा था कि हमास का सैन्य खुफिया कार्यालय और आयुध से संबंधित कार्यालय भी इस इमारत में थे। इजराइली सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल जोनाथन कोनरिकस ने कहा कि इजराइल अमेरिका के लिए सबूत जुटा रहा है लेकिन दो दिनों के भीतर इसे सौंपने से मना कर दिया। उन्होंने कहा, अभी लड़ाई चल रही है। मैं आश्वस्त हूं कि उन्हें सूचना मुहैया कराई जाएगी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल हमास की मौजूदगी को लेकर सबूत खुफिया माध्यम से साझा करेगा। बज्बी ने कहा कि अल-जला टावर में 15 साल से एपी का कार्यालय था और कभी ऐसा संकेत नहीं मिला कि वहां पर हमास के भी कार्यालय थे। उन्होंने कहा कि तथ्य सामने आने चाहिए। बज्बी ने कहा, हम संघर्ष में फंसे हुए हैं। हमें संघर्ष में किसी की तरफदारी नहीं करनी है। हमने इजराइल के कई लोगों को यह कहते हुए सुना है कि उनके पास सबूत हैं। अगर ऐसा है तो उन्हें सबूत साझा करना चाहिए। उन्होंने कहा, उचित होगा कि कल जो भी हुआ उसकी स्वतंत्र जांच कराई जाए। पेरिस स्थित रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने न्यायालय के मुख्य अभियोजक को एक पत्र में कहा है कि पिछले छह दिनों में 23 अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय मीडिया संगठनों के कार्यालय ध्वस्त कर दिए गए।

मैक्सिको की एंड्रिया मेजा बनी 69वीं मिस यूनिवर्स

हॉलीवुड। मैक्सिको की एंड्रिया मेजा ने मिस यूनिवर्स का 69वां खिताब अपने नाम किया है। मेजा ने रविवार की रात को मिस ब्राजील को शिकस्त देकर यह ताज जीता है। गत विजेता जोजिबिनी तुंज़ी ने मेज़ा के सिर पर मिस यूनिवर्स का ताज सजाया। मेज़ा के पास सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की डिग्री है। तुंज़ी एक जनसंपर्क पेशेवर हैं। दक्षिण अफ्रीकी की रहने वाली तुंज़ी मिस यूनिवर्स का खिताब जीतने वाली पहली अश्वेत महिला हैं और उनके पास यह ताज दिसंबर 2019 से था, क्योंकि पिछले साल महामारी के कारण इस प्रतियोगिता को रद्द कर दिया गया था। समारोह की मेज़बानी एक्सेस हॉलीवुड्स की मारियो लोपेज और अभिनेत्री, मॉडल तथा 2012 में मिस यूनिवर्स रह चुकी ओलिवियो कुल्पो ने की।

पाक सरकार ने शहबाज शरीफ का नाम उड़ान प्रतिबंध सूची में शामिल किया

भाषा। इस्लामाबाद

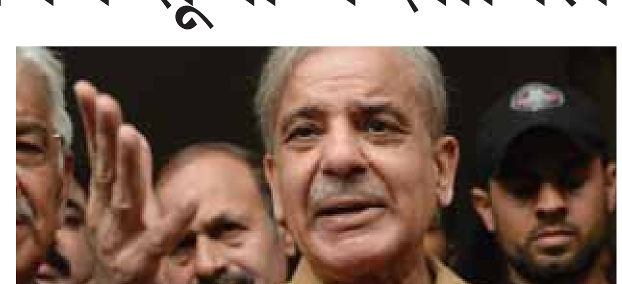

प्रधानमंत्री इमरान खान की अगुवाई वाली पाकिस्तान सरकार ने विपक्ष के नेता शहबाज़ शरीफ का नाम उड़ान प्रतिबंध सूची में शामिल कर लिया है। इस वजह से वह उपचार के लिए देश से बाहर नहीं जा सकेंगे। वह भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। इस महीने के शुरू में लाहौर उच्च न्यायालय ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ के छोटे भाई शहबाज़ को इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति दे दी थी। जमानत मिलने के बाद, 69 वर्षी शहबाज़ को आठ मई को लंदन जाना था किंतु संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की टीम ने उन्हें हवाई अड्डे पर रोक लिया और बताया कि उनका नाम अस्थाई राष्ट्रीय पहचान सूची (पीएनआईएल) में हैं जो देश छोड़ने पर अस्थाई रोक लगाती है।शहबाज़ को आठ मई को दोहा जाने वाली उड़ान से उतरना पड़ा। सोमवार को यहां एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने कहा कि शहबाज़ का नाम संघीय कैबिनेट की मंजूरी के बाद निकास नियंत्रण सूची (ईसीएल) में है।

गृह मंत्रालय की एक विशेष समिति ने 12 मई को कैबिनेट को प्रस्ताव दिया था कि भ्रष्टाचार के मामलों के कारण शहबाज़ को देश छोड़ने से रोका जाना चाहिए। पिछले महीने जेल से छूटने के बाद शहबाज़ मेडिकल जांच के लिए लंदन जाना चाहते थे। गृह मंत्री ने कहा कि शहबाज़ ने विदेश यात्रा के लिए कोई मेडिकल दस्तावेज जमा नहीं कराए हैं और न ही अपनी बीमारी के इलाज के बारे में बताया था। पिछले हफ्ते शहबाज़ ने यात्रा काली सूची में अपना नाम शामिल किए जाने को चुनौती दी थी और एक बार इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगी थी। शीर्ष पीएमएल-एन नेता ने कहा,"मैं कैंसर रोगी हूं और मैंने न्यूयॉर्क और लंदन में इलाज कराया है। मैं सात महीने से अधिक समय तक उपचार नहीं करवा सका क्योंकि मैं जेल में था। उन्होंने कहा कि जेल में की गई जांच रिपोर्ट के आधार तत्काल उपचार की जरूरत है। अहमद ने कहा कि शहबाज़ ने अपने भाई नवाज़ की जमानत दी थी। लेकिन उन्हें वापस लाने के बजाय, वह स्वयं भागने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, यदि नवाज़ शरीफ नहीं लौटे तो शहबाज़ वापस क्यों आएंगे? यह सामान्य ज्ञान की बात है"शरीफ नवंबर 2019 से "मेडिकल आधारे पर लंदन में हैं। सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने यह भी कहा कि कैबिनेट से मंजूरी और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शहबाज़ का नाम उड़ान प्रतिबंध (नो फ्लाई) सूची में शामिल किया गया है। इस बीच, सरकार के इस कदम की आलोचना करते हुए पीएमएल-एन के नेता आज़म नजीर तरार ने कहा कि पार्टी अदालत की अवमानना का मामला दायर करेगी, क्योंकि सरकार अदालती आदेश के बाद भी शहबाज़ को देश से बाहर नहीं जाने दे रही है।

सुनिधि की 'ये रंजिशें'

गायिका सुनिधि चौहान ने लगभग दो दशकों बाद एक गीत जारी किया है। इस संबंध में उन्होंने पायनियर के साथ कुछ अनछुए पहलुओं को साझा किया:

हर गाने के पीछे हमेशा एक अनकही कहानी होती है। हालांकि उनमें से कुछ कहानियां किसी न किसी तरह से सामने आती हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर सुर्खियों से दूर, पर्दे के पीछे एक रहस्य बनी रहती हैं। गायिका सुनिधि चौहान, जिन्होंने हाल ही में लगभग दो दशकों के बाद अपना नवीनतम एकल ये रंजीशीं रिलीज़ किया, अपने पांच पसंदीदा गीतों के बारे में कुछ अज्ञात जानकारी साझा करती हैं।

हुई हुई मैं मस्त (1999)

यह बहुत से लोग नहीं जानते हैं लेकिन रिकॉर्डिंग के दिन स्टूडियो में इस गाने को गाने के लिए मेरे पास कोई आवाज नहीं थी। निर्धारित रिकॉर्डिंग से ठीक तीन दिन पहले, मैंने अपनी आवाज खो दी थी और मेरे डॉक्टर ने मुझसे कहा था कि अगर मैं वास्तव में इस अवसर का उपयोग करना चाहती हूं, तो मुझे अपना मुंह ठीक उसी क्षण तक बंद रखना होगा जब जब स्टूडियो में मेरे सामने माइक्रोफोन होगा। उन्होंने कहा ''यदि आप अगले तीन दिनों के दौरान बिल्कुल भी बोलते हैं, तो आप अपनी आवाज खो देंगे। यदि आप वास्तव में इसे इतना बुरा चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप चुप रहें। रिकॉर्डिंग के दिन सीधे माइक पर गाएं।'' मैं यह सुनकर परेशान हो गई थी, खासकर क्योंकि मैं ऐसी हूं जो अभ्यास और अभ्यास में लगभग थकावट के बिंदु पर विश्वास करती है। हालांकि, एक बदलाव के लिए, मैंने अपने डॉक्टर के निर्देशों का पालन किया और उनकी हिम्मत के अनुरूप काम किया। मैं वास्तव में डर गई थी, कल्पना नहीं कर सकती थी कि एक खराब गले के साथ क्या कर पाऊंगी। आखिरकार यह सब अच्छा रहा। मेरे डॉक्टर की सोच सही थी और मेरी आवाज वापस सामान्य हो गई थी और हमने सफलतापूर्वक गाना रिकॉर्ड किया था।

आज सोचा तो आंसू भर आए : हंसते ज़ख्म (1973)

मेरा दूसरा सर्वकालिक पसंदीदा गीत लता मंगेशकर द्वारा गया, 'आज सोचा तो आंसू भर आए', और यह मदन मोहन जी द्वारा रचित है। हर बार जब मैं वह गाना सुनती हूं, तो मैं कहीं और पहुंच जाती हूं। मैं लता जी की आवाज़ और उस गीत में उनके द्वारा लाई गई भावनाओं में खो जाने के अलावा कुछ नहीं कर सकती। जबकि मैं एक दुखी व्यक्ति नहीं हूं, मेरे पास लंबे समय से दुखी होने के लिए कुछ भी नहीं है, मैं मदद नहीं कर सकती लेकिन इस गीत से इतना संबंधित हूं। इस गाने में लता जी की आवाज सुनते ही मेरी आंखें छलकने लगती हैं।

दिल में जागी धड़कन ऐसी : सुर (2002)

ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे मैं इस गीत को कभी भूल न सकूं; जाहिर है इसकी रचना के कारण। एमएम कीरवानी सर को बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मुझे यह खूबसूरत गाना दिया। इस गाने के पीछे एक छोटी सी कहानी यह है कि मुखड़े को एक सांस में गाया जाना था और मैं मदद नहीं कर सकता था लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या ऐसा करना मेरे लिए शारीरिक रूप से संभव होगा क्योंकि इसमें बहुत सारी लाइनें थीं। लेकिन कीरवानी सर चाहते थे कि यह एक सांस में हो और उन्होंने कहा कि उन्हें पता था कि मैं यह कर सकती हूं। उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें मुझ पर विश्वास है और मुझे जितना हो सके अभ्यास करने के लिए अपना समय निकालना चाहिए। मुझे लगभग 45 मिनट से एक घंटे तक का समय लगा, शायद अधिक। मैंने समय का ट्रैक खो दिया लेकिन जब मैं माइक पर आई, तो किसी तरह उसे पकड़ लिया। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मैं एक सांस में वह मुखड़ा गाने में कामयाब हो गई हूं। यह एक स्मृति है जो बाहर खड़ी है, यह वास्तव में एक पागलपन भरा समय था।

रहना तू : दिल्ली-6 (2009)

'रहना तू' एआर रहमान सर और प्रसून जोशी द्वारा मेरी सर्वकालिक पसंदीदा है। उन्होंने एक उत्कृष्ट कृति बनाई है। माधुर्य और गीत, यह मुझे एक ऐसी जगह ले जाता है जहां से मैं वापस नहीं आना चाहती। और मैंने इसे हजारों बार पहले ही सुना होगा लेकिन यह एहसास कभी कम नहीं होता...

ले चले : माई ब्रदर निखिल (2005)

मुझे यहां ले चले का जिक्र करना है। जब इस गाने की रचना करने वाले विवेक फिलिप और (ओनिर) अनिर्बान, जो फिल्म के निर्देशक हैं, ने मुझे इस गाने को गाने के लिए संपर्क किया, तो मुझे यह बेहद पसंद आ गया। मैं माधुर्य के लिए ऊंची एड़ी के जूते पर था। मैं इस गाने के पीछे की एक कहानी साझा करना चाहता हूं, जो बहुत से लोग नहीं जानते, वास्तव में कोई नहीं जानता। स्टूडियो में यह गाना गाते समय मेरा दम घुट रहा था। मैंने इसे बहुत स्पष्ट नहीं करने की कोशिश की क्योंकि मुझे पता था कि अगर मैंने गाना बंद कर दिया तो मैं रोना शुरू कर दूंगी। इसे गाते समय अपनी भावनाओं को काबू में रखना वाकई मुश्किल था। और ध्यान रहे, इससे पहले कि मुझे फिल्म में इस गीत के संदर्भ के बारे में पता चला। यह विशुद्ध रूप से जादुई था, वह राग मेरे साथ क्या कर रहा था। वे नोट मुझे पागल कर रहे थे और मैं खुद को बार-बार घुटता हुआ महसूस कर सकती थी। यह कोई नहीं जानता, अनिर्बान या विवेक भी नहीं... मुझे लगता है कि अब उन्हें यह पता चल जाएगा।

कठिन मगर खूबसूरत यात्रा

अभिनेता अभिषेक बनर्जी ने पाताल लोक में अपने चरित्र के लिए आधे-अधूरे मन से ऑडिशन दिया योंकि उन्हें अस्वीकृति का डर था और इसलिए भी कि वह शृंखला के कास्टिंग डायरे टर थे।

लगभग एक साल हो गया है जब दुनिया ने अभिनेता अभिषेक बनर्जी को क्राइम-थ्रिलर श्रृंखला पाताल लोक में शानदार प्रदर्शन करते देखा था। प्रोजेक्ट से पहले कॉमिक भूमिकाओं में अभिनय करने के बाद, अभिषेक ने प्रशंसकों को दिखाया कि दूसरी शैली में भूमिकाएं निभाते समय वह कितने बहुमुखी हो सकते हैं। उन्होंने अब उस समय से अपना अनुभव साझा किया है जब वह इसी नाम की श्रृंखला की शूटिंग कर रहे थे।

''सुदीप (शर्मा) सर एक दिन थिएटर में स्त्री देखने गए और उन्होंने अगले दिन मुझे यह कहते हुए फोन किया कि वह चाहते हैं कि मैं विशाल त्यागी (हथोदा त्यागी) के किरदार के लिए कोशिश करूं।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने मेरी आंखों में एक पागल देखा।'' यह चौंकाने वाला था क्योंकि मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी। मैं खुद को आईने में देख रहा था अपने अंदर पागल को ढूंढ रहा था। शुरुआत में, मुझे भूमिका रोमांचक नहीं लगी, त्यागी के पास ज्यादा संवाद नहीं थे, यहां तक कि अन्य पात्रों की तुलना में स्क्रीन टाइम भी कम था! मैं ऑडिशन देने के बारे में आधे-अधूरे मन से था और साथ ही मैं कास्टिंग डायरेक्टर भी था, इसलिए मैं ऐसी शर्मनाक स्थिति में नहीं रहना चाहता था, जहां मुझे टीम से खुद की अस्वीकृति की खबर सुनने को मिले।

''हालांकि, कर्णेश (शर्मा) सर और सुदीप सर दोनों आश्वस्त थे कि मैं इसके साथ अच्छा काम कर सकता हूं। हाथोदा की भूमिका के लिए मैंने उन्हें जो अन्य विकल्प प्रस्तुत किए, वे उन्हें पसंद नहीं आ रहे थे! अंत में एक लंबे आंतरिक द्वंद्व के बाद, मैंने हिम्मत जुटाई और ऑडिशन दिया। मैंने इसे अपना सब कुछ दे दिया लेकिन फिर भी जब मैंने उन्हें परीक्षा भेजी तो मैं घबरा गया। अगली सुबह कर्णेश सर ने फोन किया, मैंने उसे उत्सुकता से उठाया। मुझे बताया गया कि वे वास्तव में मेरे ऑडिशन को पसंद करते हैं और मैं इसमें शामिल हूं। ओह! यह एक ऐसी राहत थी। लेकिन यह एक कठिन लेकिन खूबसूरत यात्रा की शुरुआत मात्र थी।''

कड़ी आलोचनात्मक प्रशंसा के लिए खुलने के साथ ही श्रृंखला को बहुत प्रशंसा मिली। हाथोदा त्यागी के किरदार के लिए अभिषेक को भी काफी सराहना मिली थी। श्रृंखला में उनकी भूमिका ने वास्तव में उन्हें परदे पर कॉमेडी व्यक्तित्व से मुक्त होने में मदद की।

उनकी हाल ही में रिलीज़ हुई एंथोलॉजी फिल्म, अजीब दास्तान, फिर से एक सफल आउटिंग थी। हर नए प्रोजेक्ट के साथ वह अपनी काबिलियत साबित करते रहते हैं। उनके पास अब पांच परियोजनाएं हैं जो विकासशील चरणों में काफी कुछ और हैं। अभिषेक अगली बार रश्मि रॉकेट, भेदिया, आंख मिचोली, दोस्ताना 2 और हेलमेट में दिखाई देंगे।

'बड़ा मज़ा आता है बच्चों के साथ काम करने में!'

लविना टंडन, दंगल टीवी पर एक फंतासी शो, निक्की और जादुई बबल में झंझरिका की भूमिका निभा रही हैं। शालिनी ससेना के साथ अपने चरित्र के बारे में बात करते हुए उन्होंने आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया।

निक्की और जादुई बबल किस बारे में है?

यह एक बच्चों का फंतासी शो है जहां असली दुनिया है और जादुई जो एक साथ विलीन हो जाती है। कभी हमारे किरदार असली में होते हैं तो कभी जादुई। यह एक लड़की के बारे में है, निक्की; यह उसकी कहानी है। उसके पिता एक महान जादूगर हैं और अपनी प्रतिभा और दुनिया को अपने पिता को इस बात का एहसास कराए बिना देते हैं।

आपका किरदार इसमें क्या है?

मैं यहां ग्रे शेड बजाती हूं-झांझरिका। मैं जादू की दुनिया में महिलाओं के बीच एक जादूगर और शक्तिशाली भी हूं। वह हमेशा दुष्ट नहीं थी लेकिन फिर एक प्रतियोगिता हुई और वह हार गई। वह प्रतिष्ठित बुलबुला चाहती थी जिसमें अपार शक्ति हो और बुलबुला निक्की के पिता के पास गया, जिसे हिमांशु मल्होत्रा द्वारा निभाया गया था। यहीं से मेरा चरित्र नकारात्मक हो जाता है और मैं दुष्ट चुड़ैल बन जाती हूं और मेरा काम सभी को परेशान करना है।

आप प्रोजेक्ट में कैसे आईं?

मैं असिस्टेंट इंटर्न के रूप में एक और प्रोजेक्ट की शूटिंग कर रही थी। लेकिन मुझे स्क्रिप्ट मिलती रहती है क्योंकि मैंने दूसरे शो किए हैं। मैंने पहले भी धीरज कुमार के लिए काम किया है और मेरा अनुभव अच्छा था और ना कहने का कोई कारण नहीं देखा। मैंने जाकर ऑडिशन दिया। तीन सप्ताह के बाद मुझे एक पुष्टिकरण कॉल आया। लेकिन मैं गोवा में एक वेब सीरीज की शूटिंग कर रही थी और टीम से कहा कि एक बार काम पूरा हो जाने के बाद मैं इसमें शामिल हो जाऊंगी।

यह एक बच्चों का फंतासी शो है, क्या आप बहुत मज़ा कर रहे हैं?

हमने खूब मजे किए। मेरे साथ दृश्यों में कोई वयस्क नहीं है। वयस्क हैं लेकिन हम कभी भी एक ही फ्रेम में नहीं होते हैं। अच्छी बात यह है कि गपशप होती है, माहौल तनावमुक्त होता है। एक नकारात्मकता है जैसे अन्य वयस्क शो में हो सकती है - उसे यह पोशाक मिली, मुझे नहीं; उसे यह आभूषण मिला, मुझे नहीं मिला। यहां ऐसी कोई बात नहीं है। बच्चे स्वाभाविक होते हैं, उनमें कोई दिखावा नहीं होता। वे आते हैं, शूटिंग करते हैं और अपनी पढ़ाई पर वापस चले जाते हैं। हमने एक साथ काफी समय बिताया और बातें कीं और आम तौर पर मस्ती की। मैंने भी उनसे बहुत कुछ सीखा। वे बहुत ऊर्जा से भरे हुए हैं।

बच्चों के साथ काम करना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

बच्चों के साथ काम करने में कोई चुनौती नहीं थी जैसे मैंने कहा कि शो में बच्चे बेहद बुद्धिमान हैं। मैंने खुद को यह कहते हुए स्तब्ध कर दिया कि यह बच्चों का शो है इसलिए मुझे उनके साथ काम करने के लिए धैर्य रखने की जरूरत है। लेकिन वे जल्दी सीखने वाले होते हैं। चुनौती लुक में आने के रूप में आई। मेरे पास दो हैं - एक सामान्य और दूसरी दुष्ट चुड़ैल। पोशाक बदलने और बदलने में समय लगता था।

आप अभिनय में कैसे आईं?

अभिनय में आने की मेरी कभी योजना नहीं थी। अभिनय ने मुझे चुना। मैं 12 साल की थी जब मेरी मां की दोस्त ज़ी टीवी पर एक शो - तुम बिन जाऊं कहां - के लिए समन्वय कर रही थी - जिसमें घुंघराले बालों वाली लड़की की आवश्यकता थी। यह अरुणा ईरानी प्रोडक्शन हाउस का एक शो था। मैं ऑडिशन के लिए गई और चयनित हो गई। जैसे ही मैं कैमरे के सामने खड़ी हुई, उन्होंने मुझे चुना क्योंकि मैंने उनके किरदार को एक टी में फिट किया। मैंने 70-80 एपिसोड शूट किए। लेकिन फिर मेरी सातवीं कक्षा का फाइनल आ गया और मुझे शो छोड़ना पड़ा। लेकिन मुझे कभी-कभी बैक-टू-बैक काम मिलता रहा।

हीरो भक्ति ही शक्ति है एक ऐसी भूमिका थी जिसे आपने किया और सबका ध्यान खींचा। क्या शो ने लोकप्रिय बनाया?

यह कुछ सुपरहीरो शो में से एक था। उस समय केवल शक्तिमान थे। हीरो भक्ति... लोकप्रिय हो गई क्योंकि कहानी दिलचस्प थी और बच्चों को आकर्षित करती थी। साथ ही, हर हफ्ते एक नया किरदार होता था जो दिलचस्पी बनाए रखता था। बच्चे तब टीवी देखते थे। आज वे अपने मोबाइल, वीडियो गेम और सोशल मीडिया से चिपके हुए हैं।

क्या कोई ऐसी भूमिका है जिसे करने से आपको नफरत थी?

नहीं वास्तव में नहीं। मैंने खुद को कभी भी ऐसी स्थिति में नहीं रखा जहां मुझे कुछ करने से नफरत हो गई। अभिनय मेरा पेशा है। अगर मैं इससे प्यार नहीं करती तो मैं अपने द्वारा किए गए किरदारों के साथ न्याय नहीं कर सकती।

आगे क्या?

इस समय, मैं महामारी के कारण किसी भी चीज़ पर काम करने को तैयार नहीं हूं। मैं किराने का सामान खरीदने के लिए बाहर जाने से भी डरती थी, शूटिंग के लिए बाहर जाने की बात तो दूर। लेकिन मैं निक्की और के लिए प्रतिबद्ध हूं... इसलिए मैं इसकी शूटिंग करूंगी, लेकिन फिलहाल कोई नया प्रोजेक्ट नहीं है।

बदलाव की बयार

फिल्म उद्योग की महिलाएं इस प्रमुख धारणा को बदल रही हैं कि बॉक्स ऑफिस पर सफलता के लिए एक पुरुष कलाकार का होना जरूरी है।

पिछले दो दशकों में, हमने भारतीय सिनेमा में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा है। जबकि एक बार व्यापक रूप से यह माना जाता था कि केवल एक पुरुष सितारा ही किसी फिल्म को ब्लॉकबस्टर में बदल सकता है, आज यह सूत्र अप्रचलित हो गया है। अभिनेत्रियां अब सबसे आगे हैं, और परिवर्तन की अंतिम आवाज़ बनने के लिए प्रमुख, मादक भूमिकाएं निभा रही हैं। बॉलीवुड की महिलाओं का जश्न मनाते हुए, आज हमने पांच अभिनेताओं को सूचीबद्ध किया है जिन्होंने वर्षों में अपने नॉकआउट प्रदर्शन से शो को चुरा लिया।

प्रियंका चोपड़ा

दुनिया भर में एक जाना-पहचाना नाम, प्रियंका चोपड़ा जोनास सबसे लंबे समय से कांच की छतें तोड़ रही हैं और निश्चित रूप से उन्हें किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। उनका वैश्विक सुपरस्टारडम और विशाल फैनबेस इस बात का सबूत है कि वह अजेय हैं। अपने दो दशक लंबे बॉलीवुड करियर में, चोपड़ा ने ऐतराज़ (2004), फैशन (2008), कमीने (2009), 7 खून माफ़ (2011), अग्निपथ (2012), बर्फी! (2012), मैरी कॉम (2014), दिल धड़कने दो (2015), बाजीराव मस्तानी (2015), द स्काई इज़ पिंक (2019) और नवीनतम वैश्विक रिलीज़ द व्हाइट टाइगर (2021) सहित कई अन्य। राष्ट्रीय और फिल्मफेयर पुरस्कार विजेता अभिनेत्री को अगली बार मैट्रिक्स 4 में कीनू रीव्स के साथ देखा जाएगा।

यामी गौतम

2012 में विक्की डोनर के साथ अपने सपनों के बॉलीवुड डेब्यू के बाद से, यामी गौतम दर्शकों के साथ सही तालमेल बिठाने में कामयाब रही हैं। आठ साल से अधिक के अपने करियर में, यामी ने आज खुद को उद्योग में सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक के रूप में सफलतापूर्वक स्थापित किया है। उन्हें बदलापुर (2015), काबिल (2017), उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक (2019), बाला (2019) और नेटफ्लिक्स पर उनकी हालिया रिलीज़, गिन्नी वेड्स सनी (2020) जैसी फिल्मों में विभिन्न शक्तिशाली प्रदर्शनों का श्रेय दिया जाता है। इस बीच, वह इस साल कई रिलीज़ के साथ बॉक्स-ऑफिस पर तूफान मचाने के लिए तैयार है। अपने हालिया प्रदर्शनों पर ध्यान देते हुए, यामी रुकने के मूड में नहीं है और अपने प्रदर्शन के साथ आश्चर्यजनक सिनेप्रेमियों को जारी रखना निश्चित है। यामी की नवीनतम परियोजना, भूत पुलिस नामक एक डरावनी साहसिक कॉमेडी है, जो 10 सितंबर को रिलीज होने वाली है ।

तापसी पन्नू

तापसी पन्नू के बारे में सोचें और आप जानते हैं कि हम एक शानदार, बहुमुखी कलाकार के बारे में बात कर रहे हैं। फिल्मफेयर पुरस्कार विजेता अभिनेत्री ने अपनी 2020 की रिलीज थप्पड़ के साथ बहुत शोर मचाया, जो निस्संदेह उनका अब तक का सबसे शक्तिशाली प्रदर्शन है। तापसी को सांड की आंख (2019), मनमर्जियां (2018), मुल्क (2018) और पिंक (2016) जैसी फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए भी जाना जाता है। प्रयोगात्मक अभिनेत्री के पास लूप लापेटा (1998 की जर्मन थ्रिलर रन लोला रन की आधिकारिक रीमेक), रश्मि रॉकेट, दोबारा, हसीन दिलरुबा और राहुल ढोलकिया की मिताली राज पर निर्देशित बायोपिक शाबाश मिठू सहित कुछ दिलचस्प परियोजनाएं हैं।

आलिया भट्ट

आज उद्योग में सबसे अधिक बैंक योग्य नए जमाने की अभिनेत्री के रूप में सम्मानित, आलिया भट्ट को एक निर्देशकों की पसंदीदा के रूप में जाना जाता है। इन वर्षों में, आलिया ने अपने करियर में इम्तियाज अली की हाईवे (2014) और उड़ता पंजाब (2016) से लेकर गौरी शिंदे की डियर ज़िंदगी (2016), मेघना गुलज़ार की राज़ी (2018) और जोया अख्तर की गली बॉय (2019) तक कुछ असाधारण प्रदर्शन किए हैं। . इन वर्षों में, उन्होंने अपने प्रदर्शन से आलोचकों और दर्शकों को समान रूप से आश्चर्यचकित किया है। 2012 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर के साथ अपनी शुरुआत करने के बाद, वह सिर्फ आठ साल की अवधि में एक घरेलू नाम बन गई। उनकी आगामी रिलीज़ में संजय लीला भंसाली की गंगूबाई काठियावाड़ी, ब्रह्मास्त्र, एसएस राजामौली की आरआरआर और करण जौहर की महत्वाकांक्षी 'तख्त' शामिल हैं।

अनुष्का शर्मा

दर्शकों को हमेशा कुछ नया देने के लिए जानी जाने वाली, अनुष्का ने शाहरुख खान के साथ रब ने बना दी जोड़ी (2008) में अपनी शुरुआत से ही लेखक-समर्थित भूमिकाओं के साथ बार-बार दिल जीता है। अभिनेत्री जो एनएच 10 (2015) के साथ निर्माता बनीं। उन्होंने सुल्तान (2016), सुई धागा (2018) और ज़ीरो (2018) सहित कई फिल्मों में प्रभावशाली प्रदर्शन किए हैं। खबरों के मुताबिक, अनुष्का अगली बार भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान झूलन गोस्वामी की बायोपिक में दिखाई देंगी ।

2 न्यूज-व्यूज
जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नए सिरे से समीक्षा

6 अभिमत
जैविक क्रांति को अपनाने का समय

11 स्पोर्ट्स
पहली बार तटस्थ स्थल पर टेस्ट खेलेगा भारत

11 विदेश
मैक्सिको की मेज़ा बनी मिस यूनिवर्स

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 205
लखनऊ, मंगलवार, 18 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

सुनिधि चौहान की 'ये रंजिशें' विविध-12

ममता के दो मंत्रियों, एक विधायक की गिरफ्तारी के बाद हाई वोल्टेज ड्रामा

नारद स्टिंग मामला

- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने सीबीआई कार्यालय में छह घंटे तक दिया धरना, समर्थकों ने किया प्रदर्शन
- बाद में सीबीआई कोर्ट ने गिरफ्तार नेताओं को जमानत दे दी

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता, नई दिल्ली

नारद स्टिंग मामले में सीबीआई ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के दो मंत्रियों, टीएमसी के एक विधायक और एक पूर्व मंत्री को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं सीबीआई मुख्यालय पहुंच गयीं और खुद को गिरफ्तार करने की मांग करने लगीं। वहीं तृणमूल कांग्रेस ने कोरोना कर्फ्यू तोड़ते हुए राज्य में जगह-जगह प्रदर्शन किए। बाद में सीबीआई अदालत के न्यायाधीश अनुपम मुखर्जी ने वरिष्ठ मंत्री सुब्रत मुखर्जी और फरहाद हकीम, तृणमूल कांग्रेस विधायक मदन मित्रा और पूर्व मंत्री सोवन चटर्जी के वकीलों और एजेंसी के वकील का पक्ष सुनने के बाद चारों नेताओं को जमानत दे दी। उन्हें डिजिटल तरीके से अदालत के समक्ष पेश किया गया था।

सोमवार की सुबह कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में स्थित इन नेताओं के घरों से उनकी गिरफ्तारी के बाद उन्हें निजाम पैलेस स्थित सीबीआई के दफ्तर में रखा गया था। एजेंसी ने अदालत से आरोपियों की न्यायिक हिरासत की मांग की थी। सीबीआई ने दावा किया था कि नारद टीवी न्यूज चैनल के मैथ्यू सैमुअल ने 2014 में कथित स्टिंग ऑपरेशन किया था जिसमें तृणमूल कांग्रेस के मंत्री, सांसद और विधायक लाभ के बदले में कंपनी के प्रतिनिधियों से कथित तौर पर धन लेते नजर आए। घटना के वक्त चारों आरोपी मंत्री थे। आरोपियों की 14 दिन की न्यायिक हिरासत की मांग करते हुए सीबीआई के वकील ने अदालत से कहा कि चारों प्रभावशाली व्यक्ति हैं और इस चरण में अगर उन्हें जमानत दी जाती है तो जांच प्रक्रिया बाधित होगी। जांच एजेंसी इन नेताओं और एक अन्य आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करेगी। आईपीएस अधिकारी एसएमएच मिर्जा मामले में पांचवे आरोपी हैं और फिलहाल वह जमानत पर हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरों द्वारा गिरफ्तार किए जाने के तुरंत बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता में निजाम पैलेस स्थित सीबीआई के दफ्तर पहुंचीं और तृणमूल नेताओं को रिहा करने की मांग की, जो 2019 में तत्कालीन कोलकाता पुलिस के तत्कालीन आयुक्त राजीव कुमार से पूछताछ करने के सीबीआई के कदम के खिलाफ उनके विरोध की याद ताजा करती है। ममता बनर्जी करीब छह घंटे बाद परिसर से गईं। दिन में जब सीबीआई अधिकारियों ने ममता बनर्जी को चले जाने का अनुरोध किया था, तब उन्होंने उनसे उन्हें भी गिरफ्तार कर लेने को कहा था। तृणमूल की कद्दावर नेता ने सीबीआई कार्यालय में पंद्रहवें तल पर एक कमरे के बाहर इंतजार किया। बताया जाता है कि तृणमूल नेताओं को गिरफ्तार करके यहीं लाया गया था। उन्होंने सीबीआई कार्यालय परिसर में मौजूद संवाददाताओं के किसी भी प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। दूसरी ओर सीबीआई की कार्रवाई के विरोध में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने राज्य में लगे लॉकडाउन को तोड़ते हुए विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शन किए।

कोलकाता में सीबीआई कार्यालय से बाहर निकलतीं ममता बनर्जी। वहीं प्रदर्शन करते तृणमूल कांग्रेस के समर्थक

किसी भी दशा में नदियों में शव प्रवाहित न किए जाएं: मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गंगा-यमुना सहित अनेक नदियों और उनके किनारे लगातार शवों के मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्नाथ ने निर्देश दिये हैं कि धर्मगुरुओं की मदद से इसे रोका जाये। इसके साथ ही सीएम ने एसडीआरएफ तथा पीएसी की जल पुलिस को प्रदेश की सभी नदियों में लगातार पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिये है ताकि किसी भी दशा में शव का जल प्रवाह न हो। मुख्यमंत्री ने कोरोना संक्रमण की समीक्षा करते हुये सोमवार को यह निर्देश टीम-9 के अधिकारियों को दिये। उन्होने कहा कि मृतक की अंत्येष्टि के लिए जल प्रवाह अथवा नदी के किनारे दफ्नाने की प्रक्रिया पर्यावरण के अनुकूल नहीं है। इससे पर्यावरण को खतरा पैदा होता है। ऐसे में इस सम्बधित जिलों के अधिकारी धर्मगुरुओं से संवाद स्थापित करके, लोगों को जागरूक करे ताकि नदियों में शवों के प्रवाह और दफ्नाने का सिलसिला रोका जा सके। इसके साथ ही सीएम ने एसडीआरएफ तथा पीएसी की जल पुलिस को गंगा यमुना घाघरा गोमती सहित सभी नदियों में लगातार पेट्रोलिंग करके किसी भी दशा में शव का जल प्रवाह रोकने के निर्देश दिये हैं। योगी ने कहा है कि मृतकों के परिजनों के प्रति सरकार की संवेदनाएं हैं। अंत्येष्टि की क्रिया मृतक की धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप ससम्मान की जानी चाहिए।

मुजफ्फरनगर में कोविड कमांड नियंत्रण केंद्र का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अर्थव्यवस्था बचाने के लिए नहीं लगाया संपूर्ण लॉकडाउन: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अर्थव्यवस्था को देखते हुए हमनें कोरोना कर्फ्यू लगाया है, यह सम्पूर्ण लाकडाउन नहीं है। आवश्यक सेवाएं चालू हैं। मजदूरों को समस्या न आए, उनके समक्ष रोजी-रोटी की समस्या ने आये, इसके लिए उद्योग धंधे और कारोबार चालू हैं। नोएडा, मेरठ, गाजियाबाद और मुजफ्फरनगर के मैराथन दौरे के बाद सहारनपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज मीडिया से बातचीत करते हुये कहा कि हमारा मकसद है परेशानी भी न हो, भीड़ भी न हो, साथ ही भुखमरी की समस्या भी न आये। इसके लिए कम्युनिटी किचन की व्यवस्था की गयी है। सरकारी अस्पतालों में उपचार के साथ भोजन मिल रहा है। निशुल्क खाद्यान्न वितरण शुरू किया जा रहा है।

बाजार

संसेक्स	49,580	↑ 848	
निफ्टी	14,923	↑ 245	
सोना	47,547	↑ 348	/10g
चांदी	71,310	↑ 936	/kg

क्विक न्यूज

चक्रवाती तूफान से भारी बारिश, छह की मौत

मुंबई। भीषण चक्रवाती तूफान सोमवार रात में गुजरात तट से आ टकराया और इस दौरान हवा 185 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल रही है। इससे पहले चक्रवात के परिणामस्वरूप मुंबई में भारी वर्षा हुई और गुजरात में 1.5 लाख से अधिक लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा। वही इसके चलते दो नौकाएं तट से दूर अरब सागर में चली गई है जिन पर 410 लोग सवार है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने कहा कि एक भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया ताउते वर्तमान समय में गुजरात तट के पास स्थित है। महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में भीषण चक्रवाती तूफान से संबंधित अलग-अलग घटनाओ में छह की मौत हो गई और दो नौकाओं के समुद्र में डूबने से तीन नाविक लापता है। तीन लोगों की मौत रायगढ़ जिले में हुईं, एक नाविक की मौत सिंधुदुर्ग जिले में और ठाणे जिले के नवी मुंबई और उल्हासनगर में दो लोगों की मौत उन पर पेड़ गिरने से हुई।

सरकार ने कोरोनारोधी दवा 2-डीजी जारी की

नई दिल्ली में कोरोनारोधी दवा जारी करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 की दूसरी लहर से देश में जारी संघर्ष के बीच रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित की गई कोविड-19 रोधी दवा 2-डीजी की पहली खेप सोमवार को जारी की गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन के साथ इसे जारी करते हुए कहा कि 2-डीजी दवा आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर है। कोविड-19 के मध्यम लक्षण वाले तथा गंभीर लक्षण वाले मरीजों पर 2-डीऑक्सी-डी-ग्लूकोज (2-डीजी) दवा के आपातकालीन इस्तेमाल को भारत के औषधि महानियंत्रक (डीजीसीआई) की ओर से मंजूरी मिल चुकी है। इस अवसर पर अपने संक्षिप्त संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि यह दवा कोविड-19 मरीजों के उपचार के लिए उम्मीद की किरण ले कर आई है। उन्होंने कहा, यह देश के वैज्ञानिक कौशल का अनुपम उदाहरण है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह समय थकने और आराम करने का नहीं है क्योंकि इस महामारी के स्वरूप को लेकर कुछ भी निश्चित जानकारी नहीं है।

प्रदेश में दस हजार से नीचे आया कोरोना का आंकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस की दूसरी लहर से निपटने में सरकार कामयाब दिख रही है। सरकारी स्तर पर कोरोना से निपटने के इंतजामों के चलते सोमवार को कोरोना का आंकड़ा दस हजार के नीचे पहुंच गया है। प्रदेश में 9391 कोरोना के नए केस के बीच 285 मरीजों की बीते 24 घण्टे के अंदर मौत हुई है। राजधानी लखनऊ में कोरोना के 517 नए मामलों के बीच 22 मरीजों के मौत के मामले सामने आए हैं। प्रदेश में 149032 वे लखनऊ में 9849 एक्टिव हैं। बीते 24 घण्टे के अंदर लखनऊ में 1663 और प्रदेश भर में 23045 लोगों को स्वस्थ घोषित किया गया है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में बीते 24 घंटे में 255110 सैंपलों की जांच की गई है। उन्होंने कहा कि यह बात गलत फैलाई जा रही है कि टेस्ट कम हो रहे हैं। हमारा लक्ष्य प्रतिदिन ढाई लाख कोरोना टेस्ट हैए इसके विपरीत हम रोज इससे अधिक टेस्ट कर रहे हैं। सरकार के ट्रैक, टेस्ट और ट्रीट का ही परिणाम है कि रिकवरी दर बढकर 89.80 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि आज से पांच और जनपदों में 18-44 आयु वर्ग का वैक्सीनेशन कार्य शुरू किया गया है।

राम मंदिर के गर्भगृह स्थल पर पूजित शिलाएं स्थापित

- संघ के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी व ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा श्री राम लला मंदिर के गर्भगृह स्थल पर शिलाएं स्थापित, कार्य में तेजी के संकेत

संवाददाता। अयोध्या

श्रीरामलला के नव निर्माणाधीन मंदिर के कार्य को गति प्रदान करते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा गर्भ गृह पर संघ के पूर्व सरकार्यवाह भैयाजी जोशी द्वारा पूजन शास्त्रोक्त विधि से सम्पन्न हुआ। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि परिसर में श्री रामलला मंदिर के गर्भगृह स्थल पर नवग्रह के पूजन के साथ 9 शिलाओं को स्थापित किया गया और 5 अगस्त को पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा पूजित शिलाएं, चांदी का कलश व अन्य धातु को नींव में डाला गया। पूजन में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पतराय, ट्रस्ट के सदस्य व निर्मोही अखाड़ा के महंत दिनेंद्र दास, सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा व डीएम भी उपस्थित रहे। मंदिर निर्माण के लिए 40 फुट गहरी खुदाई की गई नींव की ग्राउंड के इम्प्रूवमेंट का कार्य किया जा रहा है। जिसके लिए 400 फुट लंबे, 300 फुट चौड़े स्थल को लगभग 44 लेयर में भरा जाएगा। वर्तमान में 300 एमएम की दो लेयर बिछाई जा चुकी हैं। श्रीराम मंदिर के निर्माण कार्य में प्रगति लाई जा सके इसके लिए आज शुभ मुहूर्त में सुबह 7 बजे वैदिक मंत्रों के द्वारा पूजन प्रारम्भ किया गया और 9.15 मिनट पर सभी 9 शिलाएं नंदा अजिता अपराजिता भद्रा रिक्ता जया शुक्ला पूर्णा सौभाग्यनी को स्थापित किया गया। जिसके बाद अन्य धातुएं चांदी से बना कछुआ नाग नागिन पंच धातु से बना नवरत्न जड़ित कमल का फूल, बकुल वृक्ष की जड़ से निर्मित संकुल व चांदी की कलश को भी स्थापित किया गया। पूजन के दौरान विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह पंकज भी मौजूद रहे।

अयोध्या में रामजन्मभूमि परिसर में गर्भगृह स्थल पर पूजन करते भैयाजी जोशी और चंपत राय

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत

उत्तर प्रदेश के पात्र 15 करोड़ कार्डधारकों को

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 में आच्छादित
अंत्योदय तथा पात्र गृहस्थी राशनकार्ड से सम्बद्ध यूनिट पर

माह मई व जून 2021 में 05 किग्रा. प्रति यूनिट
राशन (3 किग्रा. गेहूँ व 2 किग्रा. चावल) का
नि:शुल्क वितरण

माह मई हेतु नि:शुल्क राशन वितरण 20 मई से प्रारंभ होकर 31 मई 2021 तक किया जायेगा।

अंत्योदय अन्न योजना के अन्तर्गत कुल यूनिट 1,30,07,969

पात्र गृहस्थी योजना के अन्तर्गत कुल यूनिट 13,41,77,983

- नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण ई-पॉस मशीन द्वारा किया जायेगा।
- पोर्टबिलिटी के अन्तर्गत राशन प्राप्त करने की सुविधा 29 से 31 मई 2021 के मध्य ही अनुमन्य।
- सोशल डिस्टेन्सिंग का अनुपालन करते हुए टोकन सिस्टम लागू कर खाद्यान्न वितरण किया जायेगा।
- ई-पॉस मशीन का उपयोग करने से पहले दुकान पर उपलब्ध सेनिटाइजर / साबुन / पानी से हाथ साफ करना अनिवार्य है।
- एक दुकान पर एक समय में अधिकतम 05 उपभोक्ता तथा दो उपभोक्ताओं के मध्य 2 गज की दूरी बनायी रखी जायेगी।

वन नेशन-वन कार्ड योजना के अन्तर्गत पात्र लाभार्थियों व प्रवासी मजदूरों को पोर्टबिलिटी के माध्यम से प्रदेश के किसी भी उचित मूल्य दुकान से अपना खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा है।

घबराने की नहीं है बात
सरकार खड़ी है साथ

हेल्पलाइन नं. 1800-180-5145 1800-180-5146

कोविड-19 का टीका लगवाने के लिए www.cowin.gov.in या आरोग्य सेतु एप पर रजिस्टर करें।

#Unite2FightCorona

खाद्य एवं रसद विभाग उत्तर प्रदेश

मिशन ऑक्सीजन में 75 जिलों में 79 अस्पतालों का चयन

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश के बाद रंग ला रही आबकारी तथा चीनी विभाग की मेहनत, लगभग तीन हजार बेड्स पर उपलब्ध होगी सीएसआर के जरिए ऑक्सीजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आबकारी तथा चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग कोरोना मरीजों को बचाने के लिए ऑक्सीजन जेनरेटर्स लगा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इसके लिए 75 जिलाधिकारियों द्वारा 79 अस्पतालों का चयन कर लिया गया है। जिसमें ज्यादातर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से लगे हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इनमें से 15 स्थलों पर ऑक्सीजन पाइपलाइन एवं जनरेटर की व्यवस्था लगभग उपलब्ध है और 16 स्थलों पर आंशिक व्यवस्था उपलब्ध है।

विभाग की तरफ से अब तक 54 ऑक्सीजन जेनरेटर निर्माताओं को क्रय आदेश निर्गत किये गये है। आबकारी तथा चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से लगभग 30 आबकारी विभाग की इकाइयों के माध्यम से और 45 चीनी मिलों के माध्यम से प्रदेश भर में एक एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या जिला अस्पताल चयनित किए गए हैं। सरकार की तरफसे इन ऑक्सजीन जेनरेटर्स को एयरलिफ्ट कराने की भी तैयारी जोरों पर है। इसके लिए साई नॉन कन्वेंशनल एनर्जी, गैसटेक इंजी. प्राइवेट लिमिटेड और मेडवांते इंडिया एलएलपी द्वारा मशीनों को एयरलिफ्ट कराने का अनुरोध किया गया है। जिसके लिए ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट के सप्लायर्स से लिफ्टिंग शेड्यूल मांगा गया है। विदित हो कि स्थापित किये जा रहे ऑक्सीजन जेनरेटर्स को उपयोग में लाये जाने के लिए चयनित अस्पतालों में डब्लूएचओ द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप ऑक्सीजन पाइपलाइन और न्यूनतम लगभग 42 किलोवाट क्षमता के जनरेटर एवं विद्युत स्वीकृत लोड की आवश्यकता होगी। जिसके लिए संबंधित जिलाधिकारियों को जानकारी विभाग की तरफ से उपलब्ध करा दी गई है। बरेली, गोरखपुर और सीतापुर, शामली, कुशीनगर, अमरोहा में दो-दो अस्पतालों का चयन किया गया है। जहां ऑक्सीजन जेनरेटर्स की स्थापना की जा रही है। सहारनपुर जिले में सीएचसी ननौता 50 बेड, बरेली में सीएचसीए मीरगंज 30 बेड और सीएचसी बहेड़ी में 30 बेड, बांदा में सीएचसीए नारायनी 50 बेड, श्रावस्ती में सीएचसी लक्ष्मणपुर 50 बेड, उन्नाव में सीएचसी औरास 50 बेड, प्रयागराज में पीएचसी उरुवा 50 बेड, फतेहपुर में सीएचसी बिंदकी 50 बेड, प्रतापगढ़ में ट्रामा सेंटर रानीगंज 50 बेड, कौशाम्बी सीएचसी मंझनपुर 50 बेड, चित्रकूट में सीएचसी मानिकपुर 50 बेड, अलीगढ़ में सीएचसी अतरौली 150 बेड, एटा में सीएचसी बगवाला 70 बेड, हाथरस में सीएचसी मुरसान 30 बेड, कासगंज में सीएचसी गंजडुण्डवाडा 30 बेड, बदायूं में सीएचसी घाटपुरी 50 बेड, महोबा में जिला अस्पताल 50 बेड, बलिया में सीएचसी सिआर 30 बेड शामिल हैं। ऐसे ही सीतापुर में सीएचसी खैराबाद 50 बेड और सीएचसी महमूदाबाद 30 बेड, बाराबंकी में जिला अस्पताल सिरौली गौसपुर 35 बेड, कानपुर देहात में सीएचसी पुखरायां 30 बेड, भदोही में ट्रामा सेंटर औराई 35 बेड, बहराइच में सीएचसी कैसरगंज 40 बेड, बागपत में सीएचसी सरुरपुर 50 बेड, जौनपुर में सीएचसी सथरिया 50 बेड, मथुरा में सीएचसी सोनाई 50 बेड, शामली में जिला अस्पताल शामली 100 और थाना भवन 30 बेड, अयोध्या में सीएचसी मसौधा 50 बेड, ऐसे ही अमेठी में सीएचसी फुर्सतगंज 25 बेड, पीलीभीत में सीएचसी भदौरा टांडा 100 बेड, मिर्जापुर में सीएचसी विंध्याचल 30 बेड, सोनभद्र में सीएचसी मधुपुर 30 बेड, कानपुर नगर में सीएचसी बिल्हौर 30 बेड, वाराणसी में सीएचसी चिरईगांव, नरपतपुर 30 बेड, लखनऊ सीएचसी गोसाईगंज 30 बेड, गोरखपुर में सीएचसी चौरी चौरा 50 बेड और सीएचसी हरनई 50 बेड, बस्ती में सीएचसी फिमेल अस्पताल हरैया 100 बेड आदि शामिल हैं।

जहरीली शराब कांड पर जांच के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आजमगढ़ सहित कई जिलों में हुई जहरीली शराब की घटनाओं पर मुख्यंमत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिये हैं। इसके लिये सीएम ने एडीजी स्तर के एक अधिकारी को नामित करके जांच करने को कहा है। विदित हो कि कोरोना संकट के दौरान आजमगढ़ तथा राज्य के कुछ अन्य जिलों में जहरीली शराब की घटनाएं हुईं। जिसमे कई लोगों की जानें गई। टीम-9 के अधिकारियोंके साथ कोरोना संक्रमण पर चर्चा के दौरान सीएम ने जहरीली शराब की घटनाओं के बारे में अधिकारियों से पूछा। कोई संतोषजनक जवाब न मिलने पर सीएम ने तत्काल इन मामलों की गहन जांच के लिए एडीजी स्तर के अधिकारी को नामित कर जांच करने तथा दोषियों के खिलाफ एनएसए जैसी धाराएं लगाकर कठोरतम दंड दिये जाने के निर्देश दिये।

नदियों के किनारे यूपी पुलिस का कड़ा पहरा

विशेषकर गंगा नदी के किनारे बसे जिलों में पुलिस पीएसी व एसडीआरएफने शुरू की 24 घंटे पेट्रोलिंग

● अंतिम संस्कार के लिए शवों को नदी में प्रवाहित करने पर सख्ती के साथ रोक लगाने के पुलिस कप्तानों को निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की नदियों में शवों को प्रवाहित होने से रोकने के लिए यूपी पुलिस ने नदियों के किनारे कड़ा पहरा बैठा दिया है। उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय की ओर से सभी जिलों के पुलिस कप्तानों को नदियों में शवों के अंतिम संस्कार के लिए प्रवाहित करने पर सख्ती के साथ रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। विशेष तौर से गंगा नदी के किनारे बसे जिलों में नदियों के किनारे तथा नदी में पुलिस, पीएसी व एसडीआरएफ के जरिए 24 घंटे पेट्रोलिंग करते हुए घाटों पर भी पुलिस पिकेट के जरिए निगरानी रखने को कहा गया है।

एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि इसके साथ ही गांवों में एवं घाटों के आसपास ध्वनि प्रसार यंत्रों, पीए सिस्टम के द्वारा तथा पुलिस तथा प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से निवासियों के साथ मीटिंग कर उन्हें शवों को नदी में प्रवाहित न करने तथा आर्थिक कमजोर परिवारों को शासन द्वारा शव के अन्तिम संस्कार के लिए 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की योजना का प्रचार प्रसार करने को कहा गया है । यदि कोई शव कोविड 19 से प्रभावित है तो उसका अन्तिम संस्कार प्रत्येक स्थिति में निर्धारित कोविड प्रोटोकॉल के अन्तर्गत ही किया जाए। एडीजी ने कहा कि जिलों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार अब तक वाराणसी में 7 शव , गाजीपुर में 15-16 शव, चन्दौली में 8 शव व बलिया में 8 शव नदियों में उतराते मिले थे। जिनका उचित रीति से अन्तिम संस्कार कराया गया है। उन्नाव में बक्सर घाट पर पुलिस पिकेट लगाने के साथ गंगा नदी में पुलिस पेट्रोलिंग की जा रही है। घाट से 100 मीटर की दूरी पर पुलिस चौकी बक्सर एवं थाना बारासगवर का कण्ट्रोल रूम स्थापित है, जहां से प्रकरण पर दृष्टि रखी जा रही है। बलिया का थानाक्षेत्र नरही जनपद गाजीपुर व बिहार के बक्सर का सीमावर्ती क्षेत्र है। शव विसर्जन की घटनाएं न हों इसके लिए पुलिस द्वारा नदी के किनारों एवं नदी में गस्त की जा रही है। नदी में मृत शरीर को फेंके जाने की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए पुलिस, लेखपाल व राजस्व अधिकारियों द्वारा ग्राम प्रधानों के साथ बैठकें कर निर्देशित करने के साथ ही अन्तिम संस्कार के सम्बन्ध में सरकारी योजनाओं के सम्बन्ध में भी जानकारी दी जा रही है तथा इसका प्रचार-प्रसार मीडिया के द्वारा भी करवाया जा रहा है। गाजीपुर में 18 श्मशानघाटों पर पुलिस एवं राजस्व की स्टैटिक टीम की ड्यूटी शिफ्टवार लगायी गयी है। जिनके द्वारा शवों को प्रवाहित न किए जाने के लिए सतर्क दृष्टि रखी जा रही है । जनपद के थाना सैदपुर से थाना गहमर तक गंगा नदी के तटीय क्षेत्र में कुल 34 टीमें शिफ्टवार लगातार पैट्रोलिंग ड्यूटी कर रही हैं। उत्तर प्रदेश व बिहार के अन्तर्राज्यीय बार्डर पर थाना गहमर के बारा व देवल, थाना दिलदारनगर के ताजपुर कुर्रा एवं थाना जमनियां के कर्महरी व देवगढ़ी बार्डर पर चेकिंग के लिए पुलिस बल की शिफ्टवार ड्यूटी लगायी गयी है। गाजीपुर जिला प्रशासन द्वारा समस्त घाटों पर पर्याप्त लकड़ी की व्यवस्था करवाते हुए धनाभाव के कारण मृत सदस्य के अन्तिम संस्कार करने में असमर्थ परिवार के लिए सम्बन्धित ग्राम पंचायत अथवा नगर निकाय के माध्यम से 5 हजार रुपए की धनराशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है।

चित्रकूट घटना के बाद जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हुई नए सिरे से समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● डीजी जेल आनंद कुमार ने एक दर्जन बिंदुओं पर कार्रवाई के लिए जेल अधीक्षकों को दिए निर्देश

चित्रकूट जेल में हुई गैंगवार के बाद प्रदेश की जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कारागार मुख्यालय ने नए सिरे से समीक्षा शुरू कर दी है। सभी जेलों को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने को लेकर मंथन चल रहा है। चित्रकूट घटना के बाद उजागर हुई कमियों के आधार पर डीजी जेल आनंद कुमार ने सभी जेल अधीक्षकों को एक दर्जन बिंदुओं पर कार्रवाई करने के दिशा निर्देश जारी किए हैं।

अब तक की हुई विभागीय जांच के बाद चित्रकूट जेल की घटना में जो प्रमुख कमियां उजागर हुई हैं उनसे यह साफ है कि कैदियों की सुरक्षा के नियमों की जेल अधिकारियों द्वारा लगातार अनदेखी की जा रही है। जेलों में कैदी बेखटके एक स्थान से दूसरे स्थान पर और अपनी बैरक से दूसरे किसी कैदी की बैरक में आते जाते रहते हैं। इस तरह से उनके घूमने गिरने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। जेलों में मूवमेंट रजिस्टर नहीं बनाए गए हैं जहां कहीं पर हैं अभी तो उन्हें मेंटेन नहीं किया जाता। संवेदनशील स्थानों पर जवाब दें जेल कर्मियों की तैनाती नहीं है। 24 घंटे जेलों में किसी न किसी एक अधिकारी को मौजूद रहना चाहिए जबकि ऐसा नहीं हो रहा है पूरा प्रबंधन मातहतों के भरोसे छोड़ कर अधिकारी लापरवाही बरत रहे हैं। संवेदनशील कैदियों तथा उनके कक्ष, बैरकों, अहातों की नियमित रूप से प्रभावी तलाशी भी नहीं की जा रही है। बंदियों के सामानों की नियमानुसार सघन तलाशी की भी अनदेखी हो रही है। इसके लिए उपलब्ध उपकरणों का प्रयोग तक नहीं हो रहा है। डीजी जेल आनंद कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए निर्देश दिए हैं कि हाई सिक्योरिटी बैरक के बंदियों को एक साथ कतई न खोला जाए। सुरक्षा के लिए जारी आदेशों का कड़ाई से अनुपालन हो। मुलाकात व्यवस्था बंद है, जिसे सख्ती से सुनिश्चित किया जाए। तलाशी व सर्विलांस के सभी उपकरण 24 घंटे क्रियाशील रहें। जेल गेट पर सभी आगन्तुकों समेत स्टाफ की भी तलाशी हो। सीसीटीवी कैमरे सभी संवेदनशील स्थानों पर अनिवार्य रूप से लगाया जाएं। कैमरों को बड़े अपराधियों पर फोकस किया जाए। कारागार में हर समय एक अधिकारी मौजूद रहे। हाई सिक्योरिटी बैरक के बंदियों का मूवमेंट कारण समेत एक रजिस्टर में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए।

राजधानी की आलमबाग सब्जी मंडी में उड़ीं सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां

सोशल मीडिया पर वायरल परीक्षा कार्यक्रम को यूपी बोर्ड ने बताया फर्जी

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के चलते यूपी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाओं पर असमंजस की स्थिति के बीच सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुये नए परीक्षा कार्यक्रम का बोर्ड ने खंडन किया है। बोर्ड ने कहा कि फर्जी परीक्षा कार्यक्रम वायरल करने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। यूपी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव दिव्यकान्त शुक्ल ने वायरल परीक्षा कार्यक्रम पर कहा है कि 5 जून से 25 जून के बीच परीक्षा कार्यक्रम को लेकर वायरल समय सारिणी फर्जी है। इसका संज्ञान न लिए जाय। वायरल करने वाले के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। उधर सचिव दिव्यकान्त शुक्ल ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को निर्देश जारी कर कहा है कि हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाओं के छमाही व वार्षिक परीक्षा में प्री बोर्ड परीक्षा के प्राप्तांक व पूर्णांक 18 मई तक परिषद के वेबसाइट पर अपलोड कर दिए जाय।

ग्रामीण सड़कों के रखरखाव व चौड़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए: केशव

● भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, शहरों व कस्बों में बाईपास निर्माण की कार्य योजना बनाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्रामीण सड़कों के रखरखाव, नवीनीकरण व चौड़ीकरण आदि पर विशेष रूप से फोकस किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है । उन्होंने यह भी कहा कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, शहरों, कस्बों आदि में बाईपास बनाने की कार्य योजना बनाई जाए। केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को राज्य सड़क प्रबंधन समिति की वर्चुअल बैठक में अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। बैठक में प्रबंधन समिति के सदस्यों से भी सड़क निर्माण कार्यों के बारे में सुझाव लिए गए। राज्य सड़क निधि के अंतर्गत वर्ष 2021-22 की कार्य योजना में प्राविधानित 3000 करोड़ रुपए की धनराशि में से 2200 सौ करोड़ रुपए की धनराशि चालू कार्यों पर व 800 करोड़ रुपए की धनराशि नवीन कार्यों पर व्यय किए जाने हेतु समिति द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया। समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि राज्य सड़क निधि 3054-मद में प्रावधानित 1500 करोड़ में से चालू कार्य हेतु 1200 सौ करोड़ एवं नए कार्यों हेतु 300 करोड़ रुपए की धनराशि की जाएगी तथा राज्य सड़क निधि मद-5054 में प्राविधानित 1500 करोड़ के सापेक्ष चालू कार्यों हेतु 1000 करोड़ एवं नए कार्यो हेतु 500 करोड़ रुपए की धनराशि व्यय की जाएगी।

बिजली कंपनियों को नियामक आयोग की फटकार

● रेग्यूलेटरी सरचार्ज बढ़ाने पर आयोग में हुई सुनवाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं पर रेग्यूलेटरी सरचार्ज का भार डालने को लेकर उप्र विद्युत नियामक आयोग में वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए हुई सुनवाई में हंगामा रहा और उपभोक्ताओं के हित के सवाल पर आयोग और पावर कारपोरेशन कोई जवाब नहीं दे पाया।

प्रदेश की बिजली क पनियों की तरफ से दाखिल एआरआर वर्ष 2021-22 व स्लैब परिवर्तन सहित रेग्यूलेटरी सरचार्ज बढ़ाने के लिये दाखिल प्रस्ताव पर सोमवार को आयोग के चेयरमैन आरपी सिंह व अन्य सदस्य के साथ वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पश्चिमाँचल, दक्षिणाँचल व केस्को की सुनवाई प्रात: 11 बजे से शुरू होकर 2 बजे तक चली। तीनों क पनियों के प्रबन्ध निदेशकों, निदेशकों की तरफसे अपने प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण किया गया। पावर कारपोरेशन के रेग्यूलेटरी इकाई ने भी सभी बिजली कंपनियों के आँकड़ों का संकलित प्रस्तुतीकरण किया गया। नियामक आयोग के चेयरमैन द्वारा बिजली कंपनियों पर तल्ख टिप्पणी से सभी के होश उड़ गए।

चेयरमैन नियामक आयोग ने कहा कि चूँकि उपभोक्ता परिषद 19537 करोड़ के एवज में बिजली दर कम करने की बात कर रहा है। इसलिए उसको रोकने के लिये आप नियम विरूद्ध रेग्यूलेटरी सरचार्ज का प्रस्ताव ले कर आ गये। केन्द्र सरकार की उदय की गाइडलाइन तो पढ़ लेते। अब आगे 19 मई को भी मध्याँचल, पूर्वांचल की सुनवाई होगी इसके बाद आयोग बिजली दर पर निर्णय लेगा। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बिजली क पनियों पर अनेकों विधिक सवाल जब दागना शुरू किया तो सभी के होश उड़ गये। उपभोक्ता परिषद ने कहा रेग्यूलेटरी सरचार्ज का नियम विरूद्ध प्रस्ताव लाने के लिये बिजली क पनियों के प्रबन्ध निदेशकों के खिलाफ विधिक कार्रवाई होनी चाहिए। 9 वर्षो में किसानों ग्रामीणों व शहरी के बिजली दरों में 84 प्रतिशत से 500 प्रतिशत तक वृद्धि की गयी है आज प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत उत्तर प्रदेश में केवल 629 यूनिट है। उसका मु य कारण बिजली दर मंहगी होने के कारण उपभोक्ता चाह कर भी उसका उपभोग नहीं कर पाता। उपभोक्ता परिषद ने कहा जो स्लैब परिवर्तन खारिज हो चुका है उसको कैसे दुबारा बिजली क पनियाँ लेकर आ गई। प्रदेश के उपभोक्ताओं का बिजली क पनियों पर जो 19537 करोड़ निकल रहा है उसके एवज में बिजली दरों में एकमुश्त 25 प्रतिशत अथवा 3 वर्षों तक 8.8 प्रतिशत की कमी हो। जिससे करोना संकट में उपभोक्ताओं को राहत मिले। उपभोक्ता परिषद ने कहा जब नियामक आयोग ने 11.08 वितरण हानियाँ बिजनेस प्लान में अनुमोदित की तो बिजली क पनियाँ कैसे 16.64 प्रतिशत लेकर आ गयीं। यह जाँच का मामला है।

जलशक्ति मंत्री आज बाराबंकी में बाढ़ कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जल शक्ति मंत्री डा महेन्द्र सिंह मंगलवार को जनपद बाराबंकी के एक दिवसीय भ्रमण पर जा रहे है। इस भ्रमण के दौरान डा महेन्द्र सिंह जनपद में बाढ़ से बचाव के लिए संचालित विभिन्न निमार्ण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार जलशक्ति मंत्री पूर्वान्ह 11 बजे लखनऊ से चलकर 12:30 बजे ग्राम हाता में संचालित बाढ़ कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। इसके पश्चात तेलवारी, गोबरहा तथा अन्त में कहारनपुरवा में संचालित निर्माण कार्यों का मौकें पर मुआयना करेंगे। इसके उपरान्त सायं तक लखनऊ वापस लौटेंगे।

इलाज की अव्यवस्थाएं बरकरार मरीजों की कहीं सुनवाई नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना और ब्लैक फंगस की बीमारी से लोगों की रोज ही जानें जाने लगी है, इलाज की अव्यवस्थाएं बरकरार हैं, मरीजों की कहीं सुनवाई नहीं है तब ऐसी अनियंत्रित अवस्था में मुख्यमंत्री की जनपदीय यात्राओं से कौन सा परिणाम आएगा। मुख्यमंत्री जहां जाते हैं अस्पतालों में मरीजों को उनके हाल पर छोड़कर डाक्टर-अधिकारी उनकी आवभगत में लग जाते हैं। आदेश-निर्देश से क्या हासिल होना है। नदी किनारे शवों का अंबार, मंडराते गिद्धों-चीलों के दृश्य राज्य सरकार को यह सब क्यों नहीं दिखता है। अखिलेश ने कहा कि क्या यह सच्चाई नहीं है कि उत्तर प्रदेश में जो भी स्वास्थ्य ढांचा है वह समाजवादी सरकार में ही निर्मित हुआ है। भाजपा सरकार ने चार वर्ष में किसी अस्पताल की नींव तक नहीं रखी। अवध शिल्पग्राम और हज हाउस आज कोविड इलाज में काम आ रहे हैं, इनका निर्माण भी समाजवादी सरकार के समय ही हुआ था। वैसे भी मुख्यमंत्री अपने दौरों की निरर्थक कसरत से क्या संदेश देना चाहते हैं। उनके पास ऐसा कौन सा नुस्खा है जो डाक्टरों को पता नहीं है। बेहतर सुविधाएं सरकार उपलब्ध कराती तो तमाम पीड़ितों को राहत मिलती। गांवों में दिन पर दिन हालत बिगड़ते जा रहे हैं। राज्य के एक लाख गांवो में 70 प्रतिशत आबादी है। यहां कोरोना या ब्लैक फंगस संक्रमण रोकने की कोई व्यवस्था नहीं है।

भेदभाव रहित मदद करे सरकार

● चुनाव ड्यूटी में मृत शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों के आश्रितों को भी दिया जाए अनुदान व सरकारी नौकरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने राज्य की भाजपा सरकार पर पंचायत चुनाव ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले शिक्षकों के समान शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों को एक समान अनुदान देने की मांग करते हुए कहा कि कोरोना की सरकार जनित त्रासदी में यह जान गंवाने वाले सभी लोगों के साथ समान नीति के अंतर्गत न्याय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समान अनुदान के साथ मृतक शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों के आश्रितों को सरकारी नौकरी भी दी जाए। लल्लू ने कहा कि शिक्षकों व अन्य कर्मियों के अतिरिक्त 200 शिक्षामित्रों, 99 अनुदेशकों सहित लगभग 100 रसोइयों को पंचायत चुनाव ड्यूटी करते समय कोरोना संक्रमण हुआ और उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी है। शिक्षकों व अन्य राज्य कर्मियों के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रत्येक के आश्रितों को 30 लाख रुपया प्रति कर्मी अनुदान घोषित किया है लेकिन उसमें शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों के लिये कोई राहत की घोषणा नहीं की, जिससे मृतको के आश्रितों के समक्ष रोजी रोटी का संकट है जिसके लिये राज्य सरकार पूरी तरह दोषी है। लल्लू ने कहा कि पंचायत चुनाव के दौरान जान गंवाने वाले शिक्षामित्रों अनुदेशकों व रसोइयों के लिए राहत ही घोषणा न किया जाना समता के मूल सिद्धांत व मानवीय आधार पर अन्याय है।

झूठ बोलकर अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश कर रही सरकार: सभाजीत

लखनऊ। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि कोरोना महामारी से प्रदेश कराह रहा है, लेकिन योगी सरकार सब ठीक बता रही है। सरकार की कोशिश झूठ बोलकर अपनी नाकामी छिपाने की है, मगर नदियों के किनारे भयावह मंजर पूरी पोल खोल रहे हैं। गंगा किनारे दो हजार से ज्यादा शव दफन हैं। इलाज का हाल तो जगजाहिर है, अब योगी राज में लोगों को सम्मानजनक ढंग से अंत्येष्टि भी नहीं हो पा रही है। आप के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि सरकार महामारी की सच्चाई छिपाने में जुटी हुई है। सही आंकड़े जनता के सामने न आ पाएं, इसीलिए योगी सरकार ने कोरोना जांच आधे से भी कम करा दी है। सभाजीत सिंह ने कहा कि योगी सरकार महामारी पर अंकुश लगाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। सीएम योगी की चुनावी जिद से कोरोना गांव तक फैल चुका है। सभाजीत सिंह ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट में लगातार यह बात सामने आ रही है कि मरीजों की संख्या कम दिखाने के लिए जांचें भी घटा दी गई हैं।

मेडिकल सामग्री उत्पादन इकाई लगाने पर 25 प्रतिशत की छूट का शासनादेश जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में कोविड की महामारी के बीच सरकार ने एक सार्थक पहल की है जिससे उप्र की मेडिकल सामग्री के उत्पादन में निर्भरता दूसरे राज्यों पर नहीं रहेगी। सरकार द्वारा बीती कैबिनेट की बैठक में निर्णय लेने के बाद सोमवार को एमएसएमई विभाग ने शासनादेश जारी कर दिया। शासन ने उप्र कोविड इमरजेंसी वित्त पोषण योजना को लागू कर दिया है। योजना की अवधि पूरे एक साल होगी। इस बीच कोविड के इलाज से जुड़ी इकाइयों के विस्तार तथा नई इकाइयों की स्थापना पर सरकार द्वारा उद्यमियों को इकाई की स्थापना लागत का 25 फीसदी अथवा अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक सब्सिडी देगी।

योजना के लागू होने से राज्य में कोविड के इलाज में आक्सीजन तथा अन्य मेडिकल उपकरणों की कमी को पूरी करने में मदद मिलेगी। नई इकाइयों की स्थापना होने पर राज्य कोविड के इलाज में उपयोग में लाए जा रहे चिकित्सीय उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर बन सकेगा। कोविड महामारी की व्यापकता को देखते हुए तात्कालिक आवश्यक्ताओं की पूर्ति में इस योजना से बड़ी उ मीदें हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए प्लांट, मशीनरी, उपकरण में पूंजी निवेश की न्यूनतम सीमा 20 लाख रुपये रखी गई है।

पात्र इकाइयों को वित्तीय सहायता देने के लिए सरकार रिवाल्विंग फंड बनाएगी। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक इकाई को किसी भी शिड्यूल कामर्शियल बैंक अथवा सिडबी में आवेदन करना होगा। अपर मु य सचिव एमएसएमई तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग की अध्यक्षता में शासन स्तर पर गठित कमेटी द्वारा आवेदनों पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग योजना के क्रियान्वयन के लिए नोडल विभाग होगा।

आदि शंकराचार्य स्वामी की जयंती मनाई

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

बैसाख शुक्ल पक्ष पंचमी तदनुसार 17 मई को श्री काशी सुमेरु पीठ में भगवान् आदिगुरू शंकराचार्य का प्राकट्योत्सव मनाया गया द्य कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रातः भगवान आदि गुरु शंकराचार्य के षोडशोपनचार पूजन से किया गया। तत्पश्चात् श्री काशी सुमेरु पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती जी महाराज ने उपस्थित सन्यासियों एवम् श्रद्धालुओं को अपना मार्गदर्शन प्रदान किया।

पूज्य शंकराचार्य जी महाराज ने कहा कि यदि आदिगुरु शंकराचार्य भगवान उस विषम कालखण्ड में नहीं होतेए तो आज कोई सनातन धर्म का नाम लेने वाला नहीं होता द्य उनका जन्म केरल प्रान्त के कालाडी नामक गाँव मेँ श्री शिवगुरू नम्बूदरीपाद एवम् माता आर्याम्बा नामक दम्पत्ति के यहाँ हुआ था द्य उन्होंने मात्र 5 वर्ष की अल्पायु में ही सन्यास ग्रहण कर लियाए और पूरे देश में फैल रहे अवैदिक मतों का अपने तर्कों से खण्डन किया और सनातन धर्म की विजय पताका फहराई। उन्होंने प्रकाण्ड विद्वान पं. मण्डन मिश्र, उनकी महान विदुषी पत्नी उभय भारती जी को शास्त्रार्थ में पराजित किया। इतना ही नहींए अपितु भगवान आदि गुरू शंकराचार्य जी का काशी के मणिकर्णिका घाट पर चाण्डाल वेषधारी भगवान शिव एवम् श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर में ब्यास रूपधारी भगवान श्री विष्णु जी से भी शास्त्रार्थ हुआ था। भगवान आदिगुरू शंकराचार्य जी ने सनातन धर्म के संरक्षण एवम् सम्बर्धन हेतु पूरे भारत में 7 पीठों की स्थापना की और उनके संचालन हेतु ब्यवस्था दी, जिसके अनुसार भारत के पश्चिमी भाग में स्थित पश्चिमाम्नाय शारदा मठ के आचार्य हेतु तीर्थ एवम् आश्रम नामा सन्यासी , उत्तराम्नाय ज्योंतिष पीठ के लिए आचार्य हेतु गिरि, पर्वत एवम् सागर नामा सन्यासी, पूर्वाम्नाय गोबर्धन पीठ के लिए आचार्य हेतु वन एवम् अरण्य नामा सन्यासी, दक्षिणाम्नाय श्रृंगेरी पीठ के लिए आचार्य हेतु सरस्वती, भारती एवम् पुरी नामधारी सन्यासी का नियम सुनिश्चित किया है। पाँचवीं पीठ ऊर्ध्वाम्नाय श्री काशी सुमेरु पीठ की स्थापना काशी में की और ब्यवस्था दी कि यहाँ का आचार्य वेदांग का उद्भट् विद्वान होगा, जो यह सुनिश्चत करेगा कि अन्य पीठ निरंकुश न होने पायें और नियम विरुद्ध कार्यों में न लिप्त होने पायें द्य इसी प्रकार छठवीं पीठ की स्थापना तमिलनाडु एवम् सातवीं पीठ की स्थापना कश्मीर में आदिगुरू शंकराचार्य भगवान ने की एवम् उनके लिए भी नियम निर्धारित किए हैं। पूज्य शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती जी महाराज ने कहा कि आज भी सनातन धर्म पर जिस तरह चतुर्दिक आक्रमण हो रहा है, उसमें भगवान आदि शंकर द्वारा निर्दिष्ट मार्ग पर चलकर ही सनातन धर्म को संरक्षित एवम् सम्बर्धित किया जा सकता है। इस अवसर पर स्वामी अखण्डानन्द तीर्थ, कोतवाल स्वामी रणछोड़ आश्रम, स्वामी श्यामदेव आश्रम, ब्रह्मचारी स्वामी बृजभूषणानन्द, स्वामी केदारानन्द तीर्थ, स्वामी जीतेन्द्रानन्द तीर्थ, स्वामी जगदेवानन्द तीर्थ, स्वामी राधेश्याम आश्रम, स्वामी बाबू आश्रम सहित अन्य सन्यासी एवम् श्रद्धालु उपस्तिथ थे द्य कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मचारी स्वामी बृजभूषणानन्द जी महाराज ने किया।

पत्रकारों और उनके परिजनों को लगी कोरोनारोधी वैक्सीन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

काशी पत्रकार संघ के तत्वावधान में सोमवार को पहले दिन पराड़कर स्मृति भवन में 45 वर्ष से अधिक उम्र के मीडियाकर्मियों और उनके परिजनों को कोविशील्ड वैक्सीन का पहला डोज लगाया गया। टीकाकरण का शुभारम्भ मुख्य चिकित्साधिकारी डा? वी? बी? सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच भी कोरोना आपदा पर विजय पाने में सहायक होती है। स्वागत संघ के अध्यक्ष सुभाषचन्द्र सिंह ने और संचालन महामंत्री डा? अत्रि भारद्वाज ने किया। उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम चतुर्वेदीए कार्यसमिति के सदस्य शैलेश चैरसिया ने वैक्सीनेशन में सहयोग किया। उपाध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी, उमेश गुप्ता, कार्यसमिति सदस्य आलोक श्रीवास्तव, आलोक मालवीय, सुनील शुक्ला, विनय शंकर सिंह, अश्वनी श्रीवास्तव, रोहित चतुर्वेदी, वाराणसी प्रेस क्लब के अध्यक्ष चंदन रूपानी, उपाध्यक्ष संदीप गुप्ता, कोषाध्यक्ष शंकर चतुर्वेदी, संयुक्त मंत्री देवकुमार केशरी, प्रबंध समिति सदस्य रौशन जायसवाल, हरिबाबू श्रीवास्तव, संघ के पूर्व अध्यक्ष बीबी यादव, पूर्व महामंत्री राजेन्द्र रंगप्पाए वरिष्ठ पत्रकार आशीष बागची आदि उपस्थित रहे। लगभग 80 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। डा. सुदर्शन जायसवालए संगीता दूबे (एएनएम) व ममता सिंह (एएनएम) ने टीकाकरण किया। प्रतिरक्षण अधिकारी जवाहर यादव भी उपस्थित रहे। वैक्सीनेशन शिविर कल भी पूर्वाह्न 10 से सायंकाल 4 बजे तक चलेगा।

लाखों रुपए का माल उड़ाया, साथ में दारु व सिगरेट भी पी गए चोर

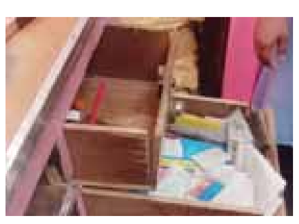

वाराणसी। कैंट थाना क्षेत्र के भोजूबीर सब्जी मंडी में सूरज इलेक्ट्रिक एंड टी सेंटर पर रात्रि में चोरों द्वारा छत के सहारे रोशनदान तोड़कर अंदर घुस कर लाख रुपया से उपर कैसए दो पंखाए एलइडी बल्ब और कई बंडल तार चुरा ले गए।

सुबह जानकारी होने पर दुकानदार द्वारा 112 नंबर पर फोन किया गया तथा अर्दली बाजार चौकी इंचार्ज को सूचित किया गया पीसीआर वैन व चौकी इंचार्ज बनारसी यादव के आने पर दुकान का मुआयना करने पर मालूम हुआ कि चोरों द्वारा अंदर आधे घंटे के अंतराल में अंग्रेजी दारू पिए सिगरेट पिए थोड़ा दारु छोड़ कर भी चले गए। यह इस तरह का भोजूबीर में पहली घटना है जहां चोरों द्वारा चोरी करने से पहले अय्याशी की गई हो सीसीटीवी फुटेज में यह जानकारी प्राप्त हुई कि चोर बाइक से आए थे और 1रू28 पर रुके और छत के सहारे दुकान के अंदर गए चौकी इंचार्ज ने कहा कि बहुत जल्द चोरों को पकड़ लिया जाएगा। दुकानदार द्वारा अर्दली बाजार चौकी इंचार्ज श्री बनारसी यादव को बताया कि शाम को रु.100000 की दुकानदारी हुई थी चाय का होलसेल का काम करने के कारण अक्सर पेमेंट शाम को ही आता था जो दुकान में ही पड़ा रहता था इसके साथ दो फैन एलईडी बल्ब और कई बंडल मल्टी स्टैंड तार चोरी हो गई। चोरी की सूचना मिलने मीरापुर बसही उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष मृत्युंजय सोनकर उपाध्यक्ष राजकुमार सोनकर संगठन मंत्री संग्राम सिंह पटेल कार्यसमिति सदस्य संतोष यादव गोविंद प्रजापति आदि लोग मौके पर पहुंचे और चौकी इंचार्ज को सूचित करते हुए मौके पर बुलाकर मुआयना कराया गया।

सभी सरकारी अस्पतालों में 18-44 वर्ष आयु के नागरिकों का टीकाकरण शुरू

- उर्जा राज्य मंत्री ने मण्डलीय चिकित्सालय में टीकाकरण का किया शुभारम्भ, आनलाइन रजिस्ट्रेशन से ही होगा टीकाकरण
- शत-प्रतिशत टीकाकरण का है लक्ष्यः मण्डलायुक्त टीकाकरण के महत्वा व जागरूकता पर दिया बलः जिलाधिकारी

संवाददाता। मीरजापुर

जनपद मीरजापुर में 18-44 वर्ष के नागरिको का टीकाकरण का शुभारम्भ मण्डलीय चिकित्सालय सहित सभी 17 सरकारी अस्पतालो मे प्रारम्भ हुआ। मण्डलीय चिकित्सालय मे टीकाकरण का शुभारम्भ मा0 उर्जा राज्य मंत्री श्री रमा शंकर सिंह पटेल, मण्डलायुक्त श्री योगेश्वर राम मिश्र, जिलाधिकारी श्री प्रवीण कुमार लक्षकार द्वारा किया गया। इसी तरह सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र विन्ध्याचल मे मा0 नगर विधायक श्री रत्नाकर मिश्र, सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र कछवा मे मा0 विधायक श्रीमती सुचिस्मिता मौर्या, सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र लालगंज मे मा0 छानबे विधायक श्री राहुल प्रकाश द्वारा प्रातः 10:00 बजे किया गया। मण्डलीय चिकित्सालय मे प्रिया उपाध्याय को टीकाकरण के पश्चात उनको कोविड-19 टीकाकरण रिपोर्ट कार्ड मा0 उर्जा राज्य मंत्री, मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी ने स्वयं दिया। लोगो मे जागरूकता एवं टीकाकरण के महत्वा का ही परिणाम था कि प्रथम दिन ही मण्डलीय चिकित्सालय मे आनलाइन रजिस्ट्रेशन कराये 500 नागरिको ने उत्साह के साथ टीकाकरण कराया। कोविड-19 टीकाकरण के शुभारम्भ पर मा0 मंत्री जी ने कहा कि 18-44 वर्ष आयु के नागरिको का टीकाकरण प्रारम्भ करने वाला मीरजापुर 18वॉ जनपद है। उत्तर प्रदेश टीकाकरण के मामले मे अन्य राज्यो की तुलना मे बेहतर एवं शीर्ष पर हैं। मा0 मुख्यमंत्री के प्रयासो से उत्तर प्रदेश मे संक्रमितों की संख्या कम हैं। उन्होने कहा कि इस महामारी से वैक्सीन ही हमे बचायेगी। इसलिये अधिक से अधिक लोग टीकाकरण कराये और दूसरे को भी प्रेरित और जागरूक करें। उन्होने कहा कि कोरोना किसी जाति, बिरादरी, पार्टी को नही देखता उसका प्रसार एवं प्रभाव सभी पर एक समान होता है। इस मौके पर मण्डलायुक्त श्री योगेश्वर राम मिश्र ने बताया कि 18-44 वर्ष के लोगो को सर्वप्रथम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना है। आज टीकाकरण का प्रथम दिन है और बड़ी प्रसन्नता की बात है कि लोगो ने बढ-़चढ़ कर टीकाकरण कराया। उन्होने उपस्थित पत्रकार एवं मीडिया के द्वारा मीरजापुर मण्डल की जनता दर्नादन से अपील किया कि इस महामारी से लड़ने मे वैक्सीन की महत्वपूर्ण भूमिका है सभी लोग वैक्सीन अवश्य लगवाये। मीरजापुर मण्डल मे वैक्सीन की पर्याप्त उपलब्धता है। कोविड-19 टीकाकरण कार्य तब तक चलता रहेगा जब तक शत प्रतिशत लोगो का टीकाकरण नही हो जाता हैं। उन्होने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया कि टीकाकरण सेंटर पर शान्ति व्यवस्था बनाये रखें। जिलाधिकारी श्री प्रवीण कुमार लक्षकार ने कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम के सुचारू एवं सफल संचालन के लिये टीकाकरण मे लगे सभी स्वास्थकर्मियो को निर्देश दिया कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये, टीकारण हेतु आये सभी लोगो को सुविधा एवं सावधानी के साथ टीकाकरण किया जायें। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि जिन लोगो का टीकाकरण हो जायेगा वे लोग ज्यादा सुरक्षित रहेगे तथा उन पर कोरोना संक्रमण का खतरा नही होगा या उन पर बहुत कम प्रभाव पड़ेगा। 11 लाख की आबादी वाले मीरजापुर मे अब तक 42 हजार लोगो ने रजिस्ट्रेशन कराया है। टीकाकरण के जागरूकता एवं उत्साह का ही परिणाम है कि अगले चार दिन तक टीकाकरण का स्लाट बुक हो चुका है।

क्विक न्यूज

शार्ट सर्किट से लगी आग, लाखों की क्षति

मुग़लसराय/चन्दौली। स्थानीय कोतवाली थाना अंतर्गत धर्मशाला क्षेत्र स्थित गांधी कॉन्प्लेक्स की दूसरी मंजिल पर स्थित कुणाल कंप्यूटर नामक दुकान शॉप में आग लग गई इस बाबत दुकान संचालक रमेश खरवार ने बताया कि हमें आसपास के लोगों ने सूचना दी थी कि दुकान में धुँआ निकल रहा है जिसकी सूचना पर हम पहुंचे तो देखा कि दुकान में आग लगी हुई थी वहीं आसपास के लोगों की मदद से थोड़ा अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया गया।वहीं दुकान संचालक की माने तो आग विद्युत शार्ट सर्किट के कारण लगी थी। जिससे लगभग ढाई लाख की क्षति हुई।

संदिग्ध हालात में किशोरी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मुग़लसराय/चन्दौली। मुगलसराय कोतवाली अंतर्गत लक्ष्मीपुर वार्ड नं 7 में दिन सोमवार को 13 वर्षीय किशोरी ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जिसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मौके पर पहुचे उपनिरीक्षक सुनील कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना के वक्त घर के सभी लोग दुकान पर चले गए थे और किशोरी घर में अकेली थी।किशोरी अपने ननिहाल में रहती थी।समाचार लिखे जाने तक घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया था।

दस नए कोरोना संक्रमित, अब तक कुल 7145 हुए स्वस्थ

मऊ। जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार काफी तेजी के साथ घटने लगा है। सोमवार को जांच के बाद मात्र 10 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। जबकि 1234 लोगों का एंटीजन टेस्ट कराया गया था। संक्रमितों की संख्या घटने व मौत पर ब्रेक लगने से जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग ने काफी राहत की सांस लिया है। वहीं दूसरी तरफ7145 लोग स्वस्थ भी हुए। इस प्रकार से स्वस्थ होने वालों की संख्या में भी काफी तेजी के साथ इजाफा हो रहा है। जबकि कोरोना से मरने वालों की कुल संख्या 60 पर ही स्थिर है। जिले में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल व मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् सतीश चंद्र सिंह दिन.रात एक करके लगे हुए हैं। जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग द्वारा कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि जिले में अब कोरोना संक्रमण की रफ्तार काफी मंद पड़ गया है। जिले में कुल एक्टिव कोरोना पाजिटिव केस 496 है। वहीं एक्टिव होम आईसोलेशन मरीजों की संख्या 393 है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् सतीश चंद्र सिंह ने बताया कि जांच के बाद आई रिपोर्ट में 10 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। जबकि 1234 लोगों का 1234 एंटीजन टेस्ट में महज छह लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए है। जबकि पूर्व में भेजे गए आरटीपीसीआर सेंपल से 4 लोगों की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव आया है। इस प्रकार से जिले में आज कुल 10 लोगों की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव आया है। जो काफी सुकून देने वाला है। सीएमओ ने बताया कि अब तक 187955 लोगों का नमूना लैब भेजा गया हैए इसमें 185022 लोगों की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। 181693 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव है और 2933 की रिपोर्ट प्रतीक्षारत है। जांच में अब तक 7701 संक्रमित मिले हैं और 7145 रिकवर हो चुके हैं। वहीं संक्रमण के कारण मौत की संख्या 60 पर ही स्थिर है। जबकि कुल एक्टिव कोरोना पाजिटिव केस 496 है। वहीं कुल एक्टिव होम आईसोलेशन मरीजों की संख्या 393 है।

जिले में 1346 लाभार्थियों का किया गया टीकाकरण

मऊ। वैश्विक महामारी कोरोना के खिलाफवैक्सीनेसन को लेकर लोग अब काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। अभियान के तहत सोमवार को जिले के 50 केन्द्रों पर टीकाकरण किया गया। इस दौरान पर कुल 1346 लाभार्थियों को कोरोना वैक्सीन लगाई गई। इसमें 186 लाभार्थियों को दूसरी डोज लगाया गया। सभी केन्द्रों पर टीकाकरण के लिए लोग काफी उत्साहित नजर आए। कोरोना संक्रमण की रफ्तार रोकने के लिए सरकार द्वारा वैक्सीनेसन की रफ्तार को तेज करने का निर्देश दिया गया है। इसके तहत अधिक से अधिक लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा लगातार जागरुक किया जा रहा है। सोमवार को वैक्सीनेसन की प्रक्रिया के तहत नगर समेत ग्रामीण अंचलों में टीकाकरण को लेकर लोग काफी उत्सुक दिखाई दिए। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् सतीश चंद्र सिंह व डीआईओ डॉण् वीके यादव की देखरेख में सघन अभियान चलाया गया। इस दौरान जिले के 50 केन्द्रों पर टीकाकरण किया गया। विशेष अभियान का टीकाकरण जनपद के 50 स्वास्थ्य केंद्रए इसमें नगर के दो प्रमुख अस्पताल समेत प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शामिल रहे। अभियान के दौरान कोविडशिल्ड वैक्सीजन की प्रथम डोज 834 लोगों को लगाया गया। जबकि इसी वैक्सीजन की दूसरी डोज 47 लोगों को लगाया गया। वहीं कोवैक्सीन की प्रथम डोज 326 लोगों को लगाया गयाए जबकि इसी वैक्सीन की दूसरी डोज 139 लोगों को लगाया गया।

गैंगरेप के तीन आरोपियों को भेजा गया जेल

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय थानाक्षेत्रान्तर्गत स्थित ग्राम सभा सिंदूर के टोला धरतीडॉड़ परिक्षेत्र मौजूद मोटकी पहाड़ी के हनुमान मंदिर के नीचे के जंगल में एक युवती के साथ हुए गैंगरेप के तीनों आरोपियों को बीजपुर पुलिस ने सोमवार को जनपद के संबंधित न्यायालय में पेश किया। जहाँ आरोपियों पर लगाए गए आरोप को देखते हुए उन्हें अग्रीम जमानत तक जनपद कारागार गुरमा भेजने हेतु निर्देशित किया गया। शनिवार को एक युवती अपने मंगेतर के साथ मोटकी पहाड़ी पर स्थित हनुमान मंदिर दर्शन करने गई थी। वह दर्शन करके पहाड़ी से नीचे उतरी उसी वक्त लकड़ी काट रहे जनपद सोनभद्र के थाना बभनी के झापर गांव निवासी श्यामलाल पुत्र रामकुंवर पनिका व मुनीलाल पनिका पुत्र रामभजन पनिका व थाना बीजपुर के धरतीडॉड़ निवासी अंगद केवट पुत्र रामनरेश केवट ने युवती के मंगेतर को डरा धमकाकर युवती को जंगल में ले जाकर उसके साथ दुराचार किया।

स्कार्पियों की ठोकर से टेम्पो सवार महिला की मौत

- पति की इलाज के लिये बेटे के साथ जा रही थी जिला अस्पताल

संवाददाता। सकलडीहा/चन्दौली

भोजापुर चंदौली मार्ग पर सोमवार की शाम तीन बजे स्कार्पियों की धक्के से टेम्पू सवार 55 वर्षीय एक महिला की मौत होगयी। वही पति एबेटा सहित चालक गंभीर रूप से घायल होगया। आक्रोशित ग्रामीणों ने स्कार्पियों चालक को दौड़ाकर जमकर पीटाई करते हुए पुलिस को सौप दिया। इस दौरान ग्रामीण और परिजनों ने शव को रखकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए डीएम एसपी को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे। सूचना पर पहुंचे ज्वाइंट मजिस्ट्रेट पीपी मीणा ने मृतक के परिजनों को हर संभव सहयोग दिलाने और मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई का आश्वासन देकर धरना प्रदर्शन समाप्त कराया। वही घायलों को जिला अस्पताल इलाज के लिये भेज दिया गया।

बलुआ थाना के कांधी गांव निवासी 60 वर्षीय सिरी राजभर कोलकता के रानीगंज में मिठाई और चाट की दुकान चलाते है। पिछले कई दिनों से तबीयत खराब होने पर रविवार को छोटे पुत्र लल्लू के साथ घर पहुंचे। कुछ देर बार कस्बा के एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया । हालत गंभीर होने पर डाक्टर ने जिला अस्पताल में इलाज के लिये रेफर कर दिया। टेम्पू से पत्नी उर्मिला देवी पुत्र लल्लू सकलडीहा स्टैंड से टेम्पू लेकर चंदौली जिला अस्पताल जा रहे थे। भोजापुर रेलवे क्रासिंग से थोड़ी दूर पहुंचे थे। इसी बीच सामने से आ रही स्कार्पियों की धक्के से टेम्पू पलट गया। स्कार्पियों में बैठी महिला उतर कर पैदल चल दी। वही चालक घटना के बाद भागने पर ग्रामीणों ने दौड़ाकर पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद शव रखकर हंगामा मचाने लगे। मौके पर पहुंचे एसडीएम पीपी मीणा ने परिवार को हर संभव सहयोग और कार्रवाई का आश्वासन देकर धरना समाप्त कराया। इस मौके पर सीओ शेषमणी पाठक, कोतवाल अवनीश राय, राजेश सिंह, अच्छेलाल यादव, रामनिवास, भूपेश चन्द्र कुशवाहा, माले नेता रमेश राय, मंत्री प्रतिनिधि गोपाल राजभर, मंगल राय सहित अन्य मौजूद रहे।

पीएम मोदी के गोद लिए जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन व राशन

वाराणसी। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन . अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग . अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा हैए उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर परए अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कीए जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाताए तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है।

ग्रामीण स्तर पर बनाए जाएंगे हॉस्पिटल, कोविड केयर व हेल्थ सेंटर

संवाददाता। सोनभद्र

देश में कोविड-19 प्रबन्धन के लिए अब ग्रामीण स्तर पर कोविड केयर सेंटर हैल्थ सेंटर और हॉस्पिटल बनाए जाएंगे जो पूर्णतया कोविड समर्पित होंगे। शुरुआत में कोविड के ज़्यादातर केस शहरों में देखने को मिल रहे थे लेकिन धीरे धीरे इसका ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में भी प्रसार देखा जा रहा है। शहरी ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में कोविड-19 मामलों के बड़े प्रसार के साथ यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि इन क्षेत्रों में कोविड आधारित सेवाएं और प्राथमिक स्तर की स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हो। इसीलिए अब ग्रामीण स्तर पर कोविड केयर सेंटर हैल्थ सेंटर और हॉस्पिटल बनाने की योजना बनाई जा रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नेम सिंह ने बताया कि वर्तमान में ग्रामीण स्तर पर फ्रंटलाइन वर्कर के द्वारा सर्दी जुकाम खांसी बुखार इत्यादि लक्षण मिलने वाले व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की जा रही है जहां उन्हें मेडिकल किट उपलब्ध कराई जा रही है। किट के साथ दिए जा रहे पर्चे में दवाइयों के सेवन का तरीका व दिन लिखा हुआ है ताकि लोगों को दवा के सेवन में कोई दिक्कत न हो। मेडिकल किट के साथ लक्षणयुक्त व्यक्ति को कोविड की जांच के लिए प्रेरित किया जा रहा है साथ ही नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच भी करायी जा रही है।

30 बेड का होगा कोविड केयर सेंटर

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नेम बताया कि ग्रामीण स्तर पर बनाई जाने वाले इन केन्द्रों की रूपरेखा तैयार कर ली गयी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुसार कोविड केयर सेंटर 30 बेड का होगा जहां पर बिना लक्षण और हल्के लक्षण वाले कोविड उपचाराधीन को रखा जाएगा। यह एक तरह का आइसोलेशन वार्ड होगा जिन गाँव के घरों में आइसोलाशन की व्यवस्था नहीं होगी उन मरीजों को यहाँ रखा जाएगा। यहाँ उपचाराधीन लोगों की सांस संबंधी समस्या और ऑक्सिजन स्तर की निरंतर मानिट्रिंग की जाएगी। यह केंद्र स्कूल कम्यूनिटी हाल विवाह गृह पंचायत भवन आदि उन जगह पर बनाया जायेगा जहां हवा के आवागमन स्वच्छता और स्वच्छ शौचालय आदि की व्यवस्था हो।

अब 24 घंटे होगी ऑक्सीजन की व्यवस्था

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि सेंटर पर ऑक्सिजन उपलब्धता के साथ ही एक बेसिक लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस भी होगी। जिससे कि आवश्यकता पड़ने पर गंभीर मरीजों को उचित उपचार के लिए किसी दूसरे उच्च स्वास्थ्य केंद्र पर रिफ़र के लिए प्रयोग में लाया जा सके। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एएनएम कार्यकर्ता आदि को कोविड केयर सेंटर का नोडल नियुक्त किया जाएगा। वही आशा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता इनका सहयोग करेंगी। ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम स्वास्थ्य पोषण और स्वच्छता समिति और शहरी क्षेत्र में महिला आरोग्य समिति के द्वारा इन केन्द्रों का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। यह केंद्र समीप के प्राथमिक या हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर की निगरानी में रहेंगे। ग्राम पंचायत आवश्यकता के आधार पर सफाई कर्मचारी नियुक्त कर सकता है।

ग्राम पंचायत निभाएगी जागरूकता की ज़िम्मेदारी

ग्रामीण स्तर पर कोविड के प्रति जागरूकता के लिए ग्राम पंचायत अहम भूमिका निभाएंगी। ग्राम पंचायत के सहयोग से आईसीडीएस विभाग शिक्षा विभाग स्वयं सहायता समूह के द्वारा कोविड की इस लड़ाई में ग्रामीणों को जागरूक कर कोविड अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिन रोगियों को मामूली लक्षण हो उन्हे 10 दिन बाद आइसलैशन से बाहर आने की इजाजत दी जाएगी अगर तीन दिन तक उन्हे बुखार न आए। ग्राम स्तर पर स्वच्छता का खास ध्यान रखा जाएगा और लोगों को कोविड के बारे में जानकारी देने के लिए व्यापार प्रचार अभियान चलाया जाएगा।

मण्डलायुक्त ने कोविड कंट्रोल को लेकर की अहम बैठक

आयुष काढ़ा का वितरण

मीरजापुर। मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने सोमवार को जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार के साथ एकीकृत कोविड-19 कंट्रोल रूम एवं कमाण्ड सेंटर मे बैठक किया। मण्डलायुक्त ने रविवार को आये हुये सभी दूरभाष शिकायतो/पूछताछ का अवलोकन कर निस्तारण किया। उन्होने बताया कि सोमवार को मीरजापुर में 16 टन गैस की आपूर्ति हुयी है। मण्डल के तीनो जनपदो मे गैस की पर्याप्त उपलब्धतता है। उन्होने कहा कि होम आइसोलेशन मे रह रहे मरीजो को भी कोरोना पाजिटव रिपोर्ट एवं आधार कार्ड पर आक्सीजन उपलब्ध कराया जा रहा है। मौके पर आक्सीजन हेतु आये दो तीमारदारो के प्रार्थना पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज को देखकर तत्काल उनको आक्सीजन उपलब्ध कराने हेतु सम्बन्धित अधिकारी को आदेश दिया। एपेक्स आर्युवेद इंस्टीट्यूट द्वारा तैयार आयुष काढ़ा का कलेक्ट्रेट परिसर मे निशुल्क वितरण किया गया।

आकस्मिक सेवा के तहत आने वाले सभी नागरिकों का किया जाय समुचित इलाजः मोहम्मद मुस्तफा

- ग्राम निगरानी समितियों को किया जाय सक्रिय

संवाददाता। सोनभद्र

सोनभद्र जिले के नोडल अधिकारी श्रमायुक्त मोहम्मद मुस्तफा ने सोनभर्द्र भ्रमण के दौरान कोविड-19 संक्रमण को रोकने के लिए की गयी तैयारियों की समीक्षा बैठक की और ग्रामीण क्षेत्रों में साफसफाई सेनिटाइजेशन ग्राम निगरानी समिति के कार्यों का क्षेत्रीय भ्रमण कर वास्तविक हकीकत को जाना। सोनभद्र जिले के नोडल अधिकारी श्रमायुक्त मोहम्मद मुस्तफा ने सोमवार को सर्किट हाउस में कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए की गयी तैयारियों की समीक्षा की और उन्होंने कहा कि ग्राम निगरानी समितियों को सक्रिय किया जाय। ग्राम निगरानी समितियों का रोजाना निरीक्षण किया जाय और जन जागरूकता के कार्यों में जो कमी हो उसमें सुधार लाया जाय। आशा आंगनबाड़ी सेक्रेटरी लेखपाल गांव के चौकीदार नेहरू युवा केन्द्र के पदाधिकारियों से भी सकारात्मक सहयोग लिया जाय। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के 60 वर्ष के ऊपर नागरिकों का एन्टीजन टेस्ट जो निगेटीव आया है उन नागरिकों का आरटीपीसीआर जॉच भी करायी जाय। शहरी क्षेत्रों में अधिशासी अधिकारी व ग्रामीण इलाकों में खण्ड विकास अधिकारी निगरानी समितियों के कार्य के साथ ही साफसफाई जन जागरूकता लक्षणयुक्त पाये जाने वाले नागरिकों की जॉच की व्यवस्था करायी जाय। ग्रामीण इलाकों के जिन नागरिकों की जॉच रिपोर्ट पाजिटीव हो और उनके पास स्वच्छ शौचालय के अलावा अलग से रहने की व्यवस्था न हो तो ग्राम स्तर पर सार्वजनिक भवन में क्वारंटाइन की भी व्यवस्था करायी जाय। उन्होंने कहा कि आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्री घर घर जाकर स्थिति की जानकारी करें और लक्षण पाये जाने पर ब्लड टेस्टिंग व अन्य आवश्यक सुविधाएं मुहैया करायी जाय। आकस्मिक सेवा के तहत जिला अस्पताल में आने वाले सभी नागरिकों का समुचित ईलाज किया जाय। समीक्षा बैठक में सोनभद्र जिले के नोडल अधिकारी श्रमायुक्त मोहम्मद मुस्तफा को जिलाधिकारी अभिषेक सिंह ने अवगत कराया कि टीम भावना के साथ इस महामारी से निपटने के लिए कोशिश लगातार जारी है।

राहत भरी खबर

फूड प्रोसेसिंग प्रबंधन ने एसपी को सौंपे ऑक्सीजन कंसंट्रेटर

संवाददाता। उन्नाव

कोरोना महामारी के दौर में जब ऑक्सीजन की किल्लत दिखाई दे रही है। तब राहत देने वाली खबर है कि उन्नाव इण्डस्ट्रियल एरिया में स्थित फूड प्रोसेसिंग यूनिट का प्रबंधन आगे आया है। फूड प्रोसेसिंग करने वाले ग्रुप के द्वारा पुलिस विभाग को तीन ऑक्सीजन कंसंट्रेटर सौंपे गये है। खास बात यह रही कि इससे पहले भी इन लोगों ने जिला प्रशासन को ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर के साथ ही ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराए थे। जिनसे मरीजों को स्वास्थ्य लाभ मिला है। सरानीह पहल करते हुवे फूड प्रोसेसिंग यूनिट प्रबंधन के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर पुलिस अधीक्षक को सौंपे हैं। इस दौरान एलाना समूह इंडाग्रो फूड्स के नीरज त्रिवेदी, रुस्तम फूड्स से तनवीर, मैश एग्रो से रंजीत मिश्रा, एवोवी से मोह मद खालिद मिर्जा, स्टैण्डर्ड फूड्स से अमित मौर्या उपस्थिति रहे।

विशिष्ट चिकित्सालय मौरावां में बनाया गया कोविड अस्पताल

नोडल अधिकारी, डीएम और स्थानीय विधायक ने किया उद्घाटन

संवाददाता। उन्नाव

लंबे समय से निर्मित होने के बाद से ही क्षेत्र के लोगों को अस्पताल के चालू होने का इंतजार था। जिसे जिले के नोडल अधिकारी दीपक कुमार ने पूरा कर दिया। उन्होंने 100 बेड के विशिष्ट चिकित्सालय मौरावां में बनाये गये कोविड अस्पताल का उद्घाटन कर उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में पूरी मेडिकल टीम सहित 18 बेडों पर ऑक्सीजन सिलेण्डर, ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर सहित समस्त उपकरण उपलब्ध पाये गये। उन्होंने स बन्धित चिकित्सकों को निर्देशित करते हुये कहा कि अस्पताल में जो भी कोविड मरीज आयें उन्हें समस्त सुविधायें उपलब्ध कराते हुये उनका उपचार पूरी तन्मयता के साथ किया जाये। उन्होंने निरीक्षण के दौरान डॉक्टर ड्यूटी रूम, स्टोर रूम, शौचालय, कोविड वार्डों, ऑक्सीजन सिलेन्डर, ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर को बारीकी से देखा। इस दौरान स्थानीय विधायक पुरवा अनिल सिंह, जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार, मु य विकास अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, नगर मजिस्ट्रेट चन्दन पटेल, मु य चिकित्साधिकारी डा0 आशुतोष कुमार, प्रभारी चिकित्साधिकारी डा0 राकेश यादव, स्वास्थ्य विभाग के सूचना अधिकारी लाल बहादुर यादव सहित समस्त स बन्धित उपस्थित रहे।

नगर पंचायत अंतिम संस्कार के लिए देगी पांच हजारः ईओ

● शवों को नदियों में प्रवाहित करने से रोके जाने के लिये निःशुल्क व्यवस्था

संवाददाता। रूरा, कानपुर देहात

शासन के निर्देश पर नदियों में बीते दिनों पाये गये बहुतायत में शवों के मामले को सॅज्ञान में लेते हुये नगर पॅचायत परिसर में ईओ पवन किशोर मौर्य के नेतृत्व में निगरानी समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कोरोना महामारी के संक्रमण से हुयी मौतों पर ॲतिम संस्कार के लिये अधिकतम 5 हजार रूपये देने की व्यवस्था की जानकारी दी गयी।

सोमवार को नगर पॅचायत सभागार में अधिशाषी अधिकारी पवन किशोर मौर्य के नेतृत्व में कोरोना बीमारी के संक्रमण से ग्रसित लोगों व कोविड-19 बीमारी से हुयी पर अमानवीय व असॅवेदनशील व्यवहार कर शवों को नदी में बहाये जाने पर गहरा दु:ख व्यक्त किया गया। शासन के निर्देशानुसार कोविड-19 संक्रमण के चलते हुयी मौत पर प्रोटोकाल का पालन करते हुये नि:शुल्क ॲतिम संस्कार करवाया जायेगा। ईओ पवन किशोर मौर्य ने बताया कि नगर पॅचायत अपने स्वयॅ के स्त्रोंतों से अर्जित आय व शासन द्वारा जारी राहत राशि से अधिकतम 5 हजार रूपये तक कोविड-19 के संक्रमण से हुयी मौतों पर व्यय करेगा। ईओ ने बैठक में बताया कि नगर पॅचायत में निगरानी समिति का गठन कर दिया गया है जिसकी निगरानी वह स्वयॅ करेंगे। बैठक में प्रमुख रूप से निगरानी समिति के संयोजक/ सचिव पवन किशोर मौर्य, वीएन सिंह, याद कुमार यादव, राजेश कुमार रावत, सैनूर अहमद, सभासदों में राकेश शुक्ला, निशान्त सिंह गौर(मनोनीत सभासद), गुलाब देवी, नवनीत शुक्ला, अनुराग यादव सॅजय सिंह, हिमॉशू गुप्ता के साथ ऑगनवाडी कार्यकत्रियों में नीलम पाल, हेमा त्रिवेदी, हॅसागुप्ता शालिनी द्विवेदी, शालिनी द्विवेदी, सरिता, व नगर पॅचायत के नागेन्द्र सिंह सेंगर, आकाश कुशवाहा, रामशरण गुप्ता राजा, राजकिशोर वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

युवक की हत्या का मामला

आरोपित छह में से चार को पुलिस ने न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जेल

● बिहार थाना क्षेत्र के मधुकरपुर गांव में रविवार को हुई थी युवक की हत्या, शेष आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का दावा ठोक रही पुलिस

संवाददाता। पाटन

बिहार थाना क्षेत्र के मधुकरपुर गांव में रविवार को हुई युवक की हत्या के मामले में आरोपित छह में से चार अभियुक्तों को गिर तार कर पुलिस ने आज न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। पुलिस वांछित दो अभियुक्तों को भी शीघ्र गिर तार कर लिए जाने का दावा किया है।

थाना क्षेत्र के मधुकरपुर गांव निवासी राहुल सिंह की रविवार को पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही कुछ लोगों ने हमला बोलकर मौत के घाट उतार दिया था। मामले में पिता वीरेंद्र की तहरीर पर पुलिस ने नामजद छह लोगों के विरूद्ध अपहरण, हत्या समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।घटना के संबंध में मृतक के पिता का कहना है कि 26 अप्रैल को पंचायत चुनाव के दिन हुए विवाद में उसके बेटे के विरुद्ध शांति भंग की कार्रवाई थाना पुलिस द्वारा की गई थी। इसी मामले में एसएचओ बिहार के बुलाने पर राहुल रविवार को गांव आया था। पंचायत चुनाव के दिन रामनरेश के बेटे दिवाकर सिंह उर्फ सुधीर सिंह व वीरेंद्र के बेटे राहुल सिंह से मतदान बूथ पर ही आपसी कहासुनी व विवाद हुआ था। जिसके बाद पुरानी रंजिश के मामले ने फिर तूल पकड लिया। इधर, आरोपित पक्ष का कहना है कि दिवाकर सिंह उर्फ सुधीर रविवार को मनिकापुर की बाजार से घर वापस लौट रहा था तभी गांव के किनारे घात लगाकर अपने साथियों के साथ बैठे राहुल सिंह ने उसके ऊपर जानलेवा हमला किया था। इसकी सूचना समय से मिल जाने के कारण उन्होंने मौके पर आकर दोनों को घायलों को थाने पहुंचाया था। आरोपी पक्ष का कहना है कि राहुल व सुधीर के घायल हो जाने और ग्रामीणों को मौके पर आता देख राहुल के साथी फरार हो गए थे। आरोपी पक्ष ने भी घटना की तहरीर थाने में देने की बात कही है।जबकि राहुल के पिता के अनुसार राहुल के गांव जाते समय रामनरेश सिंह व उनके बेटे प्रभाकर सिंह, दिवाकर उर्फ सुधीर सिंह, सुधाकर सिंह, रत्नाकर सिंह व एक रिश्तेदार अंकित सिंह ने घेरकर पहले मारा पीटा और अपनी ही स्कार्पियो गाडी यूपी 35 बी ए 0415 में अपहरण कर ले जाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर नामजद रामनरेश सिंह, प्रभाकर सिंह, दिवाकर सिंह उर्फ सुधीर सिंह, सुधाकर सिंह, रत्नाकर सिंह, अंकित सिंह निवासी मधुकरपुर के विरूद्ध अपहरण, हत्या समेत कई धाराओं में केस दर्ज चार अभियुक्तों को सोमवार को न्मा्या अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

अस्पताल से डिस्चार्ज मिलते ही आरोपित युवक को लिया हिरासत में

पाटन। घटना के दौरान हत्यारोपितों में से घायल हो गए सुधीर सिंह की हालत सामान्य होने के बाद सोमवार को कानपुर हैलट से डिस्चार्ज कर दिया गया। जिसके बाद पुलिस सुधीर को मेडिकल परीक्षण कराने के बाद हैलट से थाने ले आयी है।

आरोपितों में दो पुलिस व सेना के सेवानिवृत्त कर्मी

पाटन। नामजद अभियुक्तों में से रामनरेश सिंह पुलिस से सेवानिवृत्त हैं। जबकि दिवाकर उर्फ सुधीर बीएस एफ से सेवानिवृत्त है। सुधाकर सरसौल में एडीओ पंचायत के पद पर तैनात है। बताते हैं कि आरोपितों का गांव में दबदबा है।

सेतु निगम ने नगर पंचायत के नल पर सबमर्सिबल लाइन लगायी

संवाददाता। रूरा, कानपुर देहात

ओवर ब्रिज की निर्माणदायी सॅस्था की लापरवाही व तानाशाही से कस्बाई लोगों का जीवन दूभर हो गया है। पिलरों की खुदाई के चलते उडती धूल से पहले से ही लोगों का सॉस लेना मुसीबत हो गया है। जीवन की मूलभूत आवश्यकता पानी पर भी डाका डालते हुये बिना अनुमति के इण्डियन मार्का नल पर सबमर्सिबल डाल लोगों को गन्दे पानी के उपयोग के लिये मजबूर किया जा रहा है। कस्बे के मुख्य तिराहा पर केबिन रोड की ओर जाने वाले मार्ग पर हनुमान मॅदिर के ठीक बगल में इण्डियन मार्का नल लगा है जिससे कस्बाई व आवागमन करने वाले लोग अपनी प्यास बुझा रहे थे। परन्तु निर्माण दायी कार्यसंस्था उ0प्र0 राज्य सेतु निगम के लापरवाह ठेकेदार व उनके कर्मचारियों ने कस्बाई व अन्य लोगों की हालत बद से बदतर कर दी है। इस इण्डियन मॉर्का नल का दुरूपयोग करते हुये उसमें सबमर्सिबल लाइन डाल निर्माणदायी कार्यसॅस्था अपने निर्माण के लिये इस पानी का उपयोग कर रही है। जब लोग पानी के लिये इण्डियन मार्का नल को चलाते है तो इसमें गन्दा बालूनुमा बदबूदार पानी निकलता है जो कि पीने के योग्य नहीं है। निर्माणदायी सॅस्था के जिम्मेदार रात्रि में ओवरलोड वाहनों को निकालने व निर्माण के दौरान असमतल हुये मार्ग पर फॅसे वाहनों को निकालने के लिये 5 हजार रूपये की उगाही कर रहे है। पिलर निर्माण के पहले सर्विस रोड न बनाकर कार्यदायी सॅस्था पहले से ही निर्धारित मानकों का उल्लॅघन कर केवल आर्थिक लाभ अर्जित कर मासूम जनता को बेवकूफ बनाने पर लगी है। हनुमान मॅदिर के मुख्य कर्ता धर्ता मिथिलेश शर्मा ने बताया कि शीघ्र ही सीएम सहित सम्बन्धित अधिकारियों को मामले की सूचना दे कार्यवाही की मॉग की जायेगी। ईओ पवन किशोर मौर्य ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है जॉच कराकर दोषियों को नोटिस जारी कर उचित कार्यवाही की जायेगी।

चुनावी रंजिश में ताबड़तोड़ फायरिंग व पथराव से दहशत

फर्रुखाबाद। चुनावी रंजिश में ताबड़तोड़ फायरिंग और पथराव हो गया। जिससे गाँव में दहशत फैल गयी। पुलिस जाँच कर रही है।मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम दाउदपुर में प्रधानी के चुनाव की रंजिश को लेकर गाँव के ही जोगिंदर,भारत तथा धर्मेंद्र की रामू पुत्र मुनेंद्र से 16 मई शाम को विवाद हो गया था। इसी खुन्नस में बीती रात कुछ लोगों नें रामू के घर पर हथियारों से लैस होकर धावा बोल दिया। दबंगों नें जमकर पथराव कर जमकर फायरिंग की। जिससे गाँव में दहशत फैल गयी लोग घरों में दुबक गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों से 6 लोगों को हिरासत में ले लिया। प्रभारी निरीक्षक दिवाकर सिंह ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है, तहरीर के आधार पर जाँच कार्यवाही की जाएगी।

मारपीट और फायरिंग के मामले में सात पर मुकदमा

संवाददाता। फर्रुखाबाद

जनवासे की लाइट काट देने का विरोध करने के दौरान दबंगों द्वारा घर में घुसकर मारपीट व फायरिंग करने के मामले में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीन भाईयों सहित 7 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरु कर दी।

कोतवाली फतेहगढ़ के ग्राम कुटरा नगला मड़ैया निवासी अखिलेश पुत्र मिठ्ठूलाल ने पुलिस से शिकायत कर बताया कि वह दिव्यांग है। 14 मई को मेरी बहन की बारात आयी थी। समय करीब 2: 15 पर गांव के कंचन पुत्र राकेश चन्द्र, कुलदीप पुत्र मुकेश, चंदन पुत्र आशाराम ने जनवासे की लाइट काट दी। जब मेरे भतीजे ने इन लोगों को लाइट काटने का विरोध किया तो उपरोक्त लोगों ने मेरे भतीजे प्रिंश को गाली.गलौज कर मारपीट शुरु कर दी। हम लोगों ने बीच.बचाव कर दिया। उसके बाद उपरोक्त लोग अपने साथ परिवार के अन्य सदस्यों के साथ लोहे की राडए लाठी.डंडे व हथियारों से लैस होकर पंकज, चेतन पुत्रगण मुकेश व मुकेश, अजय राजपूत पुत्र राकेश चन्द्र ने एक रायहोकर फिर से हमला बोल दिया। भतीजे व रिश्तेदार अमन कश्यप पुत्र राजू निवासी मकरंदनगर जनपद कन्नौजए अरुण पुत्र राकेश निवासी निजामपुर थाना पाली जिला हरदोई, अतुल कुमार पुत्र राकेश, सुरजीत पुत्र राकेश निवासी उदयपुर भूड़ा थाना मिर्जापुर जनपद शाहजहांपुर को भी लाठी.डंडों से मारपीट कर बुरी तरह से घायल कर दिया। जान बचाने के लिए जब घरों की ओर भागे तो पीछे से हमलावार भी घुस आये और जान से मारने की नियत से नाजायज असलहे से फायर कर दिया। इस दौरान पत्नी सहित कई लोग घायल हो गये।

शिक्षकों की समस्याओं का पांच जून तक निस्तारण न हुआ तो आंदोलनः राघवेंद्र सिंह

● नवनियुक्त शिक्षकों को वेतन न मिलने का मामला

संवाददाता। उन्नाव

जूनियर शिक्षक पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जनपदीय पदाधिकारियों ने कहाकि अन्तर्जनपदयीय ट्रांसफर में आने वाले व नवनियुक्त शिक्षको को महीनों से वेतन न देकर विभागीय स्तर पर परेसान किया जा रहा है। जिससे शिक्षको में मानसिक पीड़ाये बढ़ने के साथ आक्रोश उतपन्न हो रहा है। संगठन के द्वारा सभी शिक्षकों को 5 जून तक वेतन व अवशेष वेतन का भुगतान किए जाने की मांग की गई है, साथ ही चेतावनी भी जारी की गई है। शिक्षक समस्याओं को लगातार विभागीय अधिकारियों के संज्ञान में लाने के बावजूद उनके निस्तारण में रुचि न लिये जाने के कारण शिक्षको में असुरक्षा की भावना बनी है। जिसके स बन्ध में जल्दी ही आंदोलन की रूपरेखा घोषित की जाएगी।

संगठन पदाधिकारियो में सौरभ सिंह, कृष्ण शंकर मिश्रा, अनामिका भारती, आदि ने कहाकि लॉकडावन के बाद ब्लाको में कोई कार्य नही बचा है। नवनियुक्त टीचरो व अन्तर्जनपदयीय ट्रांसफर में आने वाले शिक्षक साथियो के वेतन के अवशेष देयकों व पूरक बिलो का निर्माण कराने के साथ ही नियमित वेतन का भुगतान 5 जून तक खातो में भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। आधा दर्जन से अधिक ब्लाक ऐसे है जहाँ बिल बनाने वाले बाबू मनमानी कर रहे है। संगठन के जिला अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह ने कहाकि वर्तमान में नए व ट्रांसफर में आने वाले शिक्षको के स बन्ध में स्पस्ट आदेश जारी न होने व बरती जा रही खामोश लापरवाही के कारण हजारों शिक्षक आज भी बिना वेतन के जीवन यापन करने को विवश है। उन्होंने कहाकि शिक्षक लगातार संगठन के संपर्क में है जो वेतन को लेकर चल रही परेशानियों से अवगत करा रहे है। लेकिन महामारी में चुनाव से लेकर हर कार्य को जोखिम उठाने वाले समाज को जिस प्रकार से जनपद में वेतन को लेकर उत्पीड़ित किया जा रहा है वह विभाग के इतिहास में इसके पूर्व देखने को नही मिला है। उन्होंने कहाकि समस्यावो का निस्तारण जल्द न होने पर वर्चुअल मीटिंग के जरिये संगठन आंदोलन को लेकर जल्दी ही बड़ा ऐलान करने वाला है।

शौच क्रिया के लिए गये युवक का तालाब से शव बरामद

फतेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के कौंडर मजरे दलीपुर गांव में शौचक्रिया के लिए निकले युवक का शव सुबह तालाब से बरामद हुआ। जिससे परिजनों के बीच कोहराम मच गया। कौंडर मजरे दलीपुर गांव निवासी रामभवन पाल पुत्र शिवबोधन पाल 45 वर्ष सुबह घर से शौचक्रिया के लिए जंगल गया था लेकिन वह काफी देर तक लौटकर नहीं आया तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। तभी ग्रामीणों नेयुवक का शव तालाब में तैरता हुआ देखा तो इसकी खबर पूरे गांव में फैल गयी। सूचना मिलते ही परिजन तालाब के समीप पहुंचे। ग्रामीणों ने किसी तरह शव को बाहर निकाला। जिसकी शिनाख्त परिजनों ने रामभवन पाल के रूप में की। परिजनों के अनुसार युवक को दौरा पड़ने की बीमारी थी। जिससे वह शौचक्रिया करते समय तालाब में गिर गया और उसकी मौत हो गयी।

क्विक न्यूज

चार दिनों से लापता युवती का शव मिला

पाटन। बारासगवर थाना क्षेत्र में चार दिन पूर्व घर से गायब हुई युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कुंए से बरामद हुआ। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को निकलवाकर पीएम के लिए भेजा। युवती ने खुदकुशी की या फिर उसकी हत्या की गई इस बात की पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। पुलिस ने मौत की गुत्थी सुलझाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। थाना क्षेत्र के नानमऊ गांव निवासी अशोक शर्मा की 21 वर्षीय पुत्री शिवानी देवी गत 13 मई की शाम घर से बिना बताये कहीं चली गई थी। उसके वापस न लौटने पर परिजनों ने खोजबीन के बाद पुलिस को तहरीर देकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके पूर्व पुलिस उसका पता लगाने में सफल होती सोमवार की सुबह उसका शव बिहार बक्सर मार्ग किनारे स्थित जगतपुर गांव के पास एक मंदिर परिसर में बने कुएं में युवती उतराता मिला।मंदिर के पुंजारी की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला। परिजनों द्वारा शिनात किए जाने के बाद पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम के लिए भेज दिया।घटना के संबंध में क्षेत्राधिकारी कृपा शंकर कनौजिया ने बताया युवती की मौत की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है।घटना की छानबीन की जा रही है।

कार पलटी-चालक की मौत, चार लोग घायल

बांगरमऊ उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर के निकट लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे पर तेज र तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार चालक की मौत हो गई तथा कार सवार नव द पति समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर किया गया। बिहार प्रांत के जनपद गोपालगंज के कस्बा व थाना महमदपुर निवासी आनंद पुत्र उपेंद्र दिल्ली के ए स में लैब टेक्नीशियन है। वह दिल्ली के सरिता विहार में रहकर नौकरी करता है। बीते 2 मई को आनंद की शादी थी। वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न होने के बाद आज तड़के आनंद अपनी नवविवाहिता पत्नी सलोनी, मां इंदिरावती, बहन नेहा चारो कार से दिल्ली के सरिता विहार मदनपुर खास के लिए निकले थे। कार चालक जयप्रकाश चला रहा था। रास्ते में बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर के निकट चालक को झपकी आने के कारण कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चालक जयप्रकाश 45 की मौत हो गई। जबकि आनंद शर्मा व उसकी पत्नी सलोनी, मां इंदिरावती, बहन नेहा गंभीर रूप से घायल हो गए। बेहटा पुलिस ने चालक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सहकारिता रत्न सम्मान से सम्मानित होंगे वीर प्रताप सिंह

उन्नाव। देश में राष्ट्रीय स्तर पर सहकारिता क्षेत्र के सबसे प्रतिष्ठित स मान सहकारिता रत्न के लिए इस वर्ष जिले के सहकारी नेता वीर प्रताप सिंह का चयन किया गया है।विश्व की सबसे बड़ी सहकारी संस्था इफको द्वारा पिछले कई दशकों से सहकारिता क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपना अमूल्य योगदान देने वाले सहकारी नेताओं को यह स मान प्रदान किया जाता है। इस वर्ष इस स मान के लिए इफको निदेशक मंडल ने एक मत से वीर प्रताप सिंह के द्वारा गांव स्तर से लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक सहकारिता को मजबूती प्रदान करने के प्रति दिए गए अतुलनीय योगदान के लिए यह स मान प्रदान किए जाने का निर्णय लिया है।यह स मान श्री सिंह को देश की राजधानी दिल्ली में आगामी 31 मई को प्रदान किया जाएगा। जिसमे देश के कोने कोने से सहकारी बंधु वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग करेंगे।पूर्व सांसद अन्नू टण्डन ने बधाई देते हुए कहा कि वीर प्रताप सिंह जी को मिले स मान से उन्नाव का मस्तक ऊंचा हो गया।

ट्रक से वृद्धा कुचली, मौके पर ही मौत

घाटमपुर। कस्बे से एक किमी दूर कानपुर-कबरई नेशनल हाइवे पर स्थित पिसनाहरी मंदिर के पास घाटमपुर से हमीरपुर की ओर जाने वाले एक खाली ट्रक ने मंद्ब बुद्धि महिला को कुचला दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। बताया जाता है कि उक्त मंद्ब बुद्ब महिला काफी समय से पिसनाहरी मंदिर में रहती चली आ रही थी आज दोपहर बाद वो मंदिर के सामने सड़क किनारे बैठी थी कि तभी घाटमपुर से हमीरपुर की ओर जाने वाला ट्रक महिला को कुचले हुए भाग निकला, सूचना पर पंहुची कोतवाली पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिये भेजा है। उधर शांम को हमीरपुर हाइवे पर ही कस्बा सजेती में कार की टक्कर से दो लोग घायल हो गये जिन्हे इलाज के लिये सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

पतारा व भीतरगांव में दूसरे दिन भी सभी निगेटिव

घाटमपुर। क्षेत्र की पतारा व भीतरगांव सीएचसी में रबिवारकी तरह आज भी 298 की एटीजन से जॉच हुई जिसमें सभी निगेटिव पाये गये। चिकित्साधीक्षक पतारा डा0 नीरज सचान ने बताया कि सीएचसी में 151 की आरटीपीसीआर से भी जॉच की जिसकी जॉच तीन-चार दिन में आयेगी।

लोडर ने मारी टक्कर, पुत्र की मौत

फतेहपुर। चांदपुर थाना क्षेत्र के जोनिहा-जहानाबाद मार्ग पर सोमवार को बाइक सवार पिता-पुत्र को अज्ञात लोडर टक्कर मार कर भाग निकला। हादसे में पुत्र की मौके पर मौत हो गई। घायल पिता को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। थानाध्यक्ष डीडी सिंह ने बताया कि दिन के करीब साढ़े बारह बजे जोनिहा की ओर बाइक से राजाराम (50) निवासी बहुआ थाना ललौली अपने पुत्र चितन (19) के साथ अमौली आ रहे थे। विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात लोडर ने बाइक में टक्कर मार भाग निकला। बताया कि हादसे में चितन की मौके पर मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल पिता को अमौली सरकारी अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रिफर किया गया। जहां हालत गम्भीर देखते हुए चिकित्सक ने कानपुर भेज दिया है।

पूर्व जिपं सदस्य के भाई व पुत्र सहित चार गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। बीते दिन मारपीट व फायरिंग करनें के मामले में पुलिस नें जबाबी मुकदमा दर्ज किया। जिसमे दोनों पक्षों के चार लोगों को पुलिस नें गिरफ्तार कर लिया। बीते दिन राजेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चाचूपुर निवासी पूर्व प्रधान बालक राम के पुत्र ऋषिपाल नें पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमेश राजपूत पुत्र बटेश्वर, राकेश व पंचम पुत्र बटोज कुमार, वकील पुत्र दीनदयाल, सचिन, शिवम, राहुल, अंकित व अभिषेक पुत्र रमेश, आलोक पुत्र राकेश व कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। वही दूसरे पक्ष से पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमेश राजपूत नें ब्रह्म प्रकाश, ऋषि पाल, नेत्रपाल पुत्र बालक राम,आकाश पुत्र नेत्रपाल, विकास पुत्र बालक, ब्रह्मपाल व आकाश, तोता पुत्र हंसराम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

महिला ने लगाई फांसी, मौत

फर्रुखाबाद। गृहकलह के चलते महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जानकारी के अनुसार थाना राजेपुर क्षेत्र के ग्राम गोटिया निवासी पंकज सिंह चौहान का विवाह बीते वर्ष 1994 में सुमन के साथ हुआ था। सुमन मायके जाना चाह रही थी। लेकिन उसे जाने नहीं दिया जा रहा था।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं देवेन्द्र सिंह पुत्र रामपाल सिंह निवासी ग्राम–नौहानीगाँव परगना /तहसील रसूलाबाद जिला कानपुर देहात मेरे दो पुत्र हैं रागेन्द्र सिंह एवं अखिलेन्द्र सिंह जिनमें कि अखिलेन्द्र सिंह का चारित्रक आचरण ठीक न होने के कारण मैं अखिलेन्द्र सिंह से समस्त सम्बन्ध विच्छेद करते हुए अपनी चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

अब कोरोना पर कड़ा प्रहार

● डीएम ने कहा आरआरटी टीम के साथ एसडीएम और बीडीओ भी करें भ्रमण, एक सप्ताह में 100 प्रतिशत हो कवरेज

अंबेडकरनगर। कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु सीएमओ कार्यालय में संचालित इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर में डीएम सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित किया गया। डीएम ने इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर से होम आइसोलेशन में भर्ती मरीजों को फोन करके उनका नियमित लिए जा रहे हाल-चाल का बना डिटेल रजिस्टर देखा। डीएम ने कहा कि आरआरटी टीम के साथ एसडीएम, खंड विकास अधिकारी तथा एमओआई सी भ्रमण करेंगे। एक सप्ताह में 100 कवरेज होना चाहिए। एकीकृत कोविड कमांड सेंटर से किए गए काल के दौरान यदि मरीज द्वारा कोई समस्या बताया जाता है तो तत्काल आरआरटी टीम को मरीज की समस्या के बारे में अवगत कराएं जिससे आरआरटी टीम तुरंत मरीज के पास पहुंचकर मरीज की सहायता कर सकें। मेडिसिन किट का वितरण करने के लिए चेतक टीम लगाया गया है। चेतक टीम केवल मेडिसिन किट का वितरण करेगी। आरआरटी टीम प्रतिदिन ऑक्सीजन का लेबल नहीं देखेगी। जब मरीज को सांस लेने में दिक्कत होती है तो ऑक्सीजन का लेवल चेक किया जाए। जनपद में रविवार को तजचबत-1037, एंटीजन -907 का सैंपल लिए गए। कुल पॉजिटिव रेट 0.96 रही जबकि होम आइसोलेशन में कुल 707 मरीज हैं। रविवार को कुल 26 मरीज को डिस्चार्ज किया गया। यह सभी मरीज ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। सीडीओ घनश्याम मीणा, एडीएम डॉ पंकज कुमार वर्मा, सीएमओ डॉ अशोक कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर ओम प्रकाश गौतम, एएसडीओ भरतलाल सरोज, राम नारायण वर्मा, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एस.के. वर्मा, डॉ आशुतोष सिंह तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में एक की मौत

मृतक के घर जुटी भीड़

अंबेडकरनगर। पुलिस चौकी लहटोरवा के निकट तेन्दुआ मोड़ हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। घटना रविवार की शाम 8रू00 बजे के करीब की उस समय की बताई जा रही है। जब ओमकार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय खाखनू उम्र लगभग 48 वर्ष निवासी तेंदुआ थाना बसखारी साइकिल से पुलिस चौकी की तरफ से तेंदुआ स्थित अपने घर आ रहा था।जैसे ही वह राष्ट्रीय राजमार्ग 233 तेंदुआ मोड़ पर पहुंचा ही था कि इसी बीच किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से डिवाइडर पर जा टकराया। जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आ गई। परिजनों के द्वारा एक निजी चिकित्सालय में इलाज के लिए ले जाया गया। जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तो परिजनों के द्वारा उसे गंभीर अवस्था में अतरौलिया स्थित चिकित्सालय ले जाया गया। इलाज के दौरान सोमवार को उसकी मौत हो गई। मौत की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मच गया। लहटोरवा पुलिस ने जरूरी कानूनी कार्रवाई करने के बाद शव का पंचनामा भरवाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के तीन बेटी व दो अबोध बेटों सहित कुल 5 बच्चे हैं। जिन के पालन पोषण की भी जिम्मेदारी मृतक पर ही थी। वहीं इस संदर्भ में थाना अध्यक्ष श्रीनिवास पांडे ने बताया कि मामला संज्ञान में है।जरूरी कानूनी कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज पंजीकृत कर अन्य जरूरी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

क्विक न्यूज

प्रदेश में हो रही अनगिनत मौतों के जिम्मेदार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस्तीफा दें: इनौस

अयोध्या। कोरोना महामारी के दौर में प्रदेश सरकार की नाकामियों को उजागर करते हुए संकट को हल करने के लिए इंकलाबी नौजवान सभा (इनौस) ने आज राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत अयोध्या समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों मे मांग दिवस के रूप में मनायाण् इस दौरान इंकलाबी नौजवान सभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अतीक अहमद ने कहा कि सरकार समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में विफल हो गयी है। प्रदेश में लोग बेमौत मरने को मजबूर हो गए हैण् सरकार खुद वाहवाही लूटने में मस्त है लेकिन जमीन पर जो हाल है वह बहुत ही दु:खद व भयावह है। लचर स्वास्थ्य व्यवस्था के चलते ही प्रदेश में अनगिनत मौतें हो रही हैं, जिसके लिए योगी सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है। जिला संयोजक अजय शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने सिर्फस्वास्थ्य व्यवस्था को ही लचर स्थिति में नहीं छोड़ा है बल्कि कानून व्यवस्था भी ध्वस्त है। जो भी लोकतांत्रिक तरीके से सरकार के खिलाफआवाज उठाएगा उस पर एफआईआर दर्ज कर दी जा रही हैण्जो लोकतंत्र में किसी भी तरह से जायज नहीं हैण् उन्होंने रिटायर्ड आईएएस सूर्य प्रताप सिंह के ऊपर लगाए गए मुकदमे तत्काल वापस लेने की मांग की। इंकलाबी नौजवान सभा उत्तर प्रदेश में हो रही अनगिनत मौत के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिम्मेदार मानता है और इस्तीफे की मांग करता हैण् इसके साथ.साथ प्रदेश में हो रही मौत को रोकने और लोगों के जीवन को बचाने के लिए निम्न मांगों को तत्काल लागू करने की मांग करता है।

चार माह से आधार कार्ड सीपीओ खराब

मिल्कीपुर अयोध्या। तहसील क्षेत्र के कुचेरा बाजार के उप डाकघर का आधार कार्ड मशीन सीपीओ करीब 4 माह से खराब पड़ा हुआ है तमाम ग्रामीण व बच्चे अपना आधार कार्ड बनवाने के लिए उप डाकघर के परिक्रमा का लगा रहे हैं। मालूम हो कि आधार कार्ड की आवश्यकता बैंक राशन कार्ड अस्पतालों में मरीजों के एडमिशन पेंशन अन्य सहित अन्य आवश्यक कार्यों के लिए सरकार ने आवश्यक कर दिया है फिर भी डाक विभाग के अधिकारी एकदम लापरवाह हो गए हैं। उप डाकघर उप डाकघर कुचेरा की बड़े बाबू ने बताया कि मशीन खराब की शिकायत प्रधान डाकघर अयोध्या के प्रधान डाकपाल व अधिकारियों से लिखित रूप से 4 माह पूर्व ही की गई थी लेकिन आज तक कोई भी इंजीनियर या मकैनिक आधार मशीन सीपीओ को देखना अथवा मरम्मत मुनासिब नहीं समझा बार.बार ग्रामीण वाह जरूरतमंद उपकेंद्र का चक्कर लगा रहे हैं जबकि उन्हें बता दिया गया की प्रधान डाकघर फैजाबाद पर इसकी सूचना दे दी गई है मकैनिक द्वारा आधार मशीन सीपीओ ठीक हो जाने के बाद आधार कार्ड बनना पुनः प्रारंभ हो जाएगा। कहा कि इस कोरोना काल में मुझे भी आप लोगों के चक्कर लगाने का कष्ट है।

नोडल अफसर ने कोविड वार्ड की देखीं व्यवस्थाएं

अयोध्या। अपर मुख्य सचिव सिंचाई एवं जनपद के नोडल अधिकारी टी वेंकटेश द्वारा आज अपने जनपद के भ्रमण के दूसरे दिन जिला महिला चिकित्सालय के कोविड वार्ड का निरीक्षण किया गया तथा आक्सीजन प्लांट की स्थापना की जानकारी ली गयी। इस बिन्दु पर जिलाधिकारी श्री अनुज कुमार झा के द्वारा एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 घनश्याम सिंह द्वारा सम्बंधित प्रगति की जानकारी दी गयी। नोडल अधिकारी अगले चरण में विकास खण्ड बीकापुर के ग्राम पंचायत परोमा में कोविड पाजिटिव पाये गये व्यक्ति से वार्ता की गयी तथा दवाओं को समय से लेने एवं ग्रामीणों से कोविड प्रोटोकाल के पालन करने की अपेक्षा की गयी। नोडल अधिकारी ने कहा कि सरकार एवं शासन का मुख्य उद्देश्य लोगों के अंदर जारूकता पैदा करनाए आम जनमानस को जीवन की आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध कराना एवं मास्क पहनना व दो गज की दूरी मेनटेन करना आवश्यक है। स्थानीय प्रशासन के अधिकारी एवं कोविड फ्रन्ट लाइन वर्कर व्यापक रूप से अपने अपने क्षेत्रों में सक्रियता से कार्य कर रहे है। इसके लिए जिलाधिकारी की पूरी टीम की सराहना की जाती है। भ्रमण के समय स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अलावा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शैलेश कुमार पांडेय एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डीएम ने बनाई टीम 9, कोरोना काल में करेगी पीड़ितों की मदद

अयोध्या। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में कलेक्टेऊट सभागार में कोविड काल में लोगों को रोजगार एवं आम सुविधा देने के उद्देश्य से शासन के तर्ज पर जिला स्तर पर टीम.9 का गठन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों को आम सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा स्वरोजगार देना है। जिससे कि उसके खाने पीने में आवश्यक समस्या न हों। जिलाधिकारी द्वारा उद्योग विभागए ग्राम्य विकास विभागए राजस्व विभाग आदि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अपने अपने विभाग से सम्बंधित रोजगार परक कार्यो को बढ़ावा दें तथा ऐसी कार्यवाही करें कि ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन न हो तथा जनपद में ही रहने वाले सभी व्यक्ति को खाने पीने की समुचित व्यवस्था हो कोई समस्या हो तो उप जिलाधिकारीगण, खण्ड विकास अधिकारीगण मौके पर समस्याओं का तत्काल समाधान करें। यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई जिसमें सम्बंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कानपुर पहुंची छठवीं ऑक्सीजन एक्सप्रेस

प्रयागराज। भारतीय रेल ने कोविड के विरुद्ध चल रही लड़ाई को तेज करने और कानपुर में ऑक्सीजन की त्वरित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निरंतर ऑक्सीजन एक्सप्रेस गाड़ियां चला रहा है। दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा टाटानगर से लोड किए गए दो क्रायोजेनिक कंटेनरों में 40 एमटी लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन एलएमओ वाली ट्रेन सोमवार को कानपुर यार्ड पहुंची। इसे तुरंत इनलैंड कंटेनर डिपो लाया गया। जहां सहायक वाणिज्य प्रबंधक संतोष कुमार त्रिपाठी सहित स्थानीय रेल एवं कोनकोर अधिकारियों पर्यवेक्षकों ने तत्काल ऑफलोडिंग सुनिश्चित की। डिकैंटिंग पूरा होने के बाद साइडिंग अधिकारियों द्वारा लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन को गुलाब चंद्र तहसीलदार घाटमपुर को सौंपा गया। इसके उपरांत सुबह समय नौ बजे ही यह गाड़ी वापस टाटानगर में अगली लोडिंग के लिए कानपुर से खाली कंटेनर लेकर ट्रेन रवाना कर दी गई। कानपुर शहर और आसपास के क्षेत्र के कोविड रोगियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल द्वारा कानपुर के लिए चलाई गई छठवीं ऑक्सीजन एक्सप्रेस थी। संचयी रूप से भारतीय रेल द्वारा अब तक कुल 280 एम टी लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन को कानपुर पहुंचाया जा चुका है। सीनियर पीआरओ डा अमित मालवीय ने बताया कि इसी क्रम में दुर्गापुर से कानपुर के लिए एक और ट्रेन सुबह 1100 बजे चलाई गई है और यह गाड़ी देर रात कानपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन से भी दो क्रायोजेनिक कंटेनरों में 40 एमटी लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन कानपुर पहुंचाई जा रही है।

कमरे में पाया गया पुजारी का शव

अंबेडकरनगर। पुजारी का संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में शव लटकता हुआ पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। आजमगढ़ जनपद के थाना अतरौलिया धर्मा पट्टी निवासी रामजी तिवारी पुत्र राम अवतार तिवारी कटका थाना के मुंडेहरा बाजार में स्थित शिव पार्वती मंदिर में पुजारी थे । सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में उनका शव लटकता हुआ पाया गया जिसकी सूचना उनके भतीजे उमाकांत तिवारी ने पुलिस को दी । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

कोरोना गाइडलाइन का हो अनुपालनः एलडीएम

अंबेडकरनगर। कोरोना गाइडलाइन का बैंकों में सख्ती से पालन कराने के लिए आज अग्रणी जिला प्रबंधक द्वारा शहर में स्थित सभी बैंक शाखाओं का दौरा किया गया। जिसमें बैंक शाखाओं में कोविड-19 का अनुपालन करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया स्टेट बैंक सहजादपुर तथा इंडियन बैंक शहजाद पुर में भीड़ ज्यादा पाई गई।

सेंट्रल बैंक तथा इंडियन बैंक में अग्रणी जिला प्रबंधक द्वारा स्वयं बैठकर टोकन व्यवस्था चालू कराई गई तथा कोविड-19 का अनुपालन कराने हेतु शक्ति से निर्देशित किया गया। साथ में ग्राहकों का सैनिटाइजेशन तथा तापमान चेक करने हेतु भी निर्देशित किया गया। आपको ज्ञात हो कि माननीय प्रधानमंत्री महोदय द्वारा किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि के तहत जनपद में 360000 से अधिक खातों में दो हजार की धनराशि आई है जिससे बैंक शाखाओं में पैसा निकालने वाले ग्राहकों की संख्या में वृद्धि हुई है। बैंकों द्वारा ग्राहकों से बैंक शाखा के अलावा अन्य माध्यम जैसे यूपीआई एटीएम ऑनलाइन बैंकिंग मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से भी पैसे निकालने हेतु अनुरोध किया जा रहा है जिससे बैंक शाखाओं में भीड़ कम हो तथा कोविड-19 का अनुपालन आसानी से किया जा सके।

यूपी बोर्ड परीक्षा का फर्जी टाइम टेबल हुआ वायरल

प्रयागराज। यूपी बोर्ड से जुड़ा टाइम टेबल सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। जिसमें 5 जून से परीक्षा के मैसेज छात्रों को भेजा जा रहा है। ऐसे में अगर आपके पास बोर्ड परीक्षा से जुड़ा कोई टाइम टेबल पहुंचा है तो सावधान हो जाएं। यह बिल्कुल फर्जी है। बोर्ड ने इसे फर्जी करार दिया है।माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्यकांत शुक्ला ने बताया कि अभी तय कर रहे हैं कि कौन सी परीक्षा ली जाए और कौन सी नहीं। ऐसे में किसी ने शरारत कर फर्जी टाइम टेबल वायरल कर दिया है। इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि यूपी बोर्ड भी सीबीएसई की तर्ज पर 10 वीं की परीक्षा रद्द कर सकता है। इसके बाद आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर छात्रों का रिजल्ट तैयार कर दिया जाएगा। अफसर इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। जल्द ही इसका ऐलान भी हो सकता है। वहीं 12 वीं में भी केवल जरूरी विषयों की परीक्षा कराने की तैयारी है। अभी इस पर भी पूरा फैसला नहीं हो पाया है।

ताड़ी पीने के दौरान मारपीट एक की मौत, कई घायल

थाने का घेराव किये ग्रामीण

अंबेडकरनगर। ताड़ी पीने के दौरान हुई मारपीट में जहां एक युवक की मौत हो गई वहीं कई अन्य घायल हो गए। मामला जलालपुर थाना क्षेत्र का है। सचिन पुत्र कम्मल 22 वर्ष निवासी फरीदपुर थाना जलालपुर के यहां बीते रविवार को शादी थी। बारात से लौटते वक्त जलालपुरपुर-मित्तूपुर रोड स्थित ताडी की दुकान पर अपने साथियों के साथ उतर गया ताड़ी पीने के दौरान पहले से वहां कुछ मौजूद लोगो से वाद विवाद हो गया तत्पश्चात मारपीट हो गई मारपीट में सचिन को गंभीर चोटें आई और मौके पर ही दम तोड़ दिया तथा इनके तीन अन्य साथी को भी चोटे आयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया और आरोपियों के खिलाफ जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। करीब 1.00 बजे मृतक के परिजनों द्वारा लगभग दर्जनों की संख्या में थाने पहुंचकर मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की जाने लगी। वहां मौजूद सिपाही इन लोगों को कार्रवाई करने का आश्वासन देते हुए कड़ी मशक्कत के बाद हटा पाने में सफल हुए। कोतवाली प्रभारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कोविड गाइडलाइन के उल्लंघन पर कई के विरूद्ध मुकदमा दर्ज

टाण्डा अंबेडकरनगर। कोतवाली टाण्डा पुलिस ने तीन दुकानदारों के विरुद्ध कोविड 19 की गाइडलाइंस का उल्लंघन करने पर अलग-अलग मोहल्लों में लॉक डाउन उल्लंघन का मामला है। उक्त कड़ी में कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक अजय कुमार सिंह ने सकरावल कश्मिरिया में कारपोरेशन बैंक के सामने किराने के दुकानदार सुगन्ध जायसवाल पुत्र दिनेश निवासी मोहल्ला अलीगंज व उपनिरीक्षक राम उग्रह कुशवाहा ने मोहल्ला मुबारकपुर में किराना दुकानदार रामनाथ पुत्र बाबूलाल के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया हैं। वही पर टाण्डा कोतवाली में तैनात कांस्टेबल मो. उवैश ने सुनील कुमार गुप्ता पुत्र अक्षय गुप्ता के विरुद्ध कोविड के बचाव हेतु जारी गाइड लाइन का उलंघन करने के आरोप में आई पी सी की धारा 188, 269, 270 व महामारी अधिनॉयम की धारा 3 के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया है।

नोडल अधिकारी ने किया एमसीएच विंग का निरीक्षण

अंबेडकरनगर। शासन द्वारा नामित वरिष्ठ नोडल अधिकारी (मंडलायुक्त अयोध्या) एम.पी.अग्रवाल एवं डीएम सैमुअल पॉल एन ने 200 बेड की क्षमता वाले एमसीएच विंग (मातृ शिशु चिकित्सालय) टांडा पहुंच कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वरिष्ठ नोडल अधिकारी ने निरीक्षण में मरीजों के इलाज से सम्बन्धित दवाइयो एवं सुविधाओं के बारे मे जानकारी प्राप्त की। उन्होनें एमसीएच में संचालित कोविड कंट्रोल रूम से फोन द्वारा मरीज विवेक निवासी शहजाद पुर के स्वास्थ्य के बारे में जाना। मरीज विवेक ने वरिष्ठ नोडल अधिकारी को अवगत कराया कि मेरा स्वास्थ्य ठीक है डॉक्टर देखने के लिए आते हैं दवा मिलती है खाना भी मिलता है सभी व्यवस्थाएं ठीक हैं। चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश देते हुए कहा कि साफ-सफाई का विशेष ध्यान दिया जाए। मरीजों को ले जाने के लिए एंबुलेंस की उपलब्धता हमेशा रहनी चाहिए। सीडीओ घनश्याम मीणा तथा एडीएम डॉ पंकज कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

गरीबी के कारण गंगा की रेती में शव दफनाने को मजबूर

● श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के लिए लिया जा रहा था मनमाना पैसा

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

गंगा तट पर इस तरह दफन किया गया शव

कोरोना महामारी की वजह से अब तक हज़ारों जानें चली गयीं। सरकारी आँकड़ा कुछ भी हो लेकिन ज़मीनी हकीकत तो कुछ और ही है। सिर्फ प्रयागराज के फाफामऊ अरैल छतनाग झूँसी की बात करें तो अब तक इन घाटों यानी गंगा की रेत पर हज़ारों की संख्या में शवों को दफ्न किया जा चुका है। जिनमें वो लोग ज़्यादा हैं जिनके पास अंतिम संस्कार के लिए भी पैसे नही हैं। फाफामऊ घाट पर अप्रैल महीने से अब तक हर एक दिन में 150 से 200 शवों को दफ्नाया और जलाया गया।

फाफामऊ में गंगा पुल के नीचे जहां तक नज़र जाती है गंगा किनारे लाशों को दफ्न करने के निशान मिल रहे हैं। स्थिति यह है कि गंगा के दोनों छोरों पर लाशों को दफ्नाने के निशान हैं। घाट के लोग बताते हैं कि पहले भी कुछ लाशों को दफ्न किया जाता था लेकिन कोरोना के दौरान अब तक हज़ारों शवों को यहां रेत में दफ्न किया जा चुका है। कब्र के ऊपर पड़े सीतारामी गमछे इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसके अलावा इससे ज्यादा जलाए गए हैं और अभी भी यह सिलसिला जारी है। ऐसा ही नजारा नैनी के अरैल नैनी और झूँसी के छतनाग का भी है। कोरोना महामारी के दौरान मौतों की संख्या काफी बढ़ गई थी। जिसकी वजह से अंतिम संस्कार कराने वालों ने आपदा में अवसर ढूंढा और एक शव के अंतिम संस्कार का 22 हज़ार रुपये वसूला जाने लगा।

जिनके पास पैसे थे वो तो अंतिम संस्कार करा लेते थे लेकिन गरीब तबका अपने परिजन को बालू में ही दफ्न करने को मजबूर हो गया। जिसकी वजह से शमशान घाट की रेत लाशों से पटी है। अब जब लाशों को दफ्नाने पर रोक लगी तो यह काम चोरी छिपे किया जाने लगा। हालांकि अब सरकार ने कोरोना से हुई मौत का अंतिम संस्कार निशुल्क करा दिया है और शमशान घाट पर पुलिस चौकी भी बना दी गयी। इसलिए लाश को कोई दफ्न न करे इसलिए पुलिस भी निगरानी कर रही है लेकिन गंगा का कछार इतना फैला हुआ है कि अब भी लाश को अलग अलग जगहों पर दफ्न किया जा रहा है।

मेडिकल किट में खामी पर भड़के डीएम

खासपुर गांव में निगरानी समिति का जायजा लेते डीएम

● निरीक्षण में भी मिली खामी

संवाददाता। अंबेडकरनगर

जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन द्वारा विकासखंड टांडा के ग्राम खासपुर पहुंचकर निगरानी समिति का जायजा लिया गया। मौके पर निगरानी समिति की टीम तथा ग्राम पंचायत अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी के पूछताछ के दौरान मेडिकल किट के वितरण में कमियां पाई गई। जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार को निर्देश देते हुए कहा कि मेडिसिन किट सभी निगरानी समितियों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होना चाहिए। खंड विकास अधिकारी, सहायक खंड विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी को निर्देशित किया गया की निगरानी समितियों के साथ सहयोग प्रदान करते हुए अधिक से अधिक जरूरतमंदों को मेडिसिन किट का वितरण करवाएं। इसमें किसी प्रकार की उदासीनता न बरतें।इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी घनश्याम मीणा, तहसीलदार टांडा उपस्थित रहे।

छात्रों को बताया, कैसे फेफड़ों पर असर कर रहा कोविड

● मेडिटेशन सेशन आयोजित कर छात्रों को बताए सांस लेने के गुर

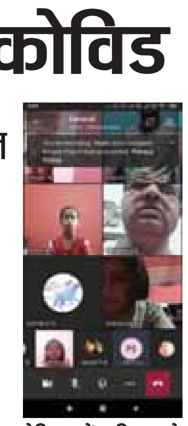
वेबिनार में शामिल बच्चे।

नैनी प्रयागराज। नैनी स्थित बेथनी कॉन्वेंट स्कूल में सोमवार को नोबेल कोरोना वायरस पर टॉक शो कार्यक्रम का ऑनलाइन आयोजन हुआ। टॉक शो की शुरुआत स्कूल की शिक्षिका हेमा के परिचय से हुआ। परिचय के बाद शिक्षक आनंद ने छोटी प्रार्थना और प्रार्थना गीत हीलिंग ह्यूमनिटी के साथ शो की शुरुआत की। टीचर प्रीति सिंह ने मेडिटेशन सेशन आयोजित कर छात्रों को कैसे सांस लेनी है इसके गुर सिखाए। शारीरिक शिक्षा के अध्यापक साबिर ने व्याख्यान देते हुए कोरोना वायरस क्या है किन तीन तरीकों से यह फैल रहा है। इसकी विस्तृत जानकारी छात्रों को प्रदान की। कोरोना वायरस को कोविड 19 के रूप में क्यों जाना जाता है इसके बारे में भी बच्चों को संक्षेप में बताया गया। अलग अलग डायग्नोस्टिक टेस्ट जो यह पता लगाने के लिए किया जाता है कि व्यक्ति इस वायरस से प्रभावित है या नहीं। इससे भी छात्रों को परिचित कराया गया। यह भी बताया गया कि कोविड कैसे हमारे फेफड़ों पर असर कर रहा है। पीपीटी प्रेजेंटेशन के जरिए खुद को बचाने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए बच्चों को यह भी बताया और समझाया गया। छींकते और खांसते समय सभी बच्चों को बचाव के उपाय बताए गए। अपने को स्वस्थ्य और मजबूत रखने के लिए अपनाए जाने वाले स्वस्थ्य आहार की आदतों के बारे में भी उन्हें बताया गया। छात्रों को आसन और सांस लेने के व्यायाम दिखाए गए कि शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कैसे बढ़ाया जाए। अध्यापिका नीलम ने धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ सत्र के समापन की घोषणा की।

विधवा ने लगा ली फांसी

जाना बाजार। गोठौरा गांव निवासी पचपन वर्षीय विधवा महिला घर के कमरे के अंदर से दरवाजा बंद कर कुंडे से रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। सुबह अंदर से दरवाजा न खुलने पर परिजन ग्रामीण सहित ग्रामीण प्रधान को इसकी सूचना देकर बुलाया । ग्राम प्रधान की सूचना पर पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना थाना क्षेत्र हैदरगंज के गोठौरा गांव का है । जहां सोमवार की सुबह रामसेवक पुत्र स्वर्गीय राम पियारे की बुजुर्ग मां सीतापति द्वारा देर तक घर के अंदर से दरवाजा नहीं खोलने पर आशंका वश दरवाजा खोलने का प्रयास किया। काफी प्रयास के बाद दरवाजा नहीं खुला। दरवाजा और खिड़की अंदर से बंद था। थकहार उसने ग्राम प्रधान देवी प्रसाद मौर्य सहित अन्य ग्रामीणों को बुलाकर खिड़की को तोड़कर देखा तो सन्न रह गया और बदहवास होकर जमीन पर गिर गया। कमरे के अंदर उसकी बुजुर्ग मां का शव छत के कुंडे से लटक रहा था। ग्राम प्रधान देवी प्रसाद मौर्या ने इसकी सूचना हैदरगंज थाने पर दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक हैदरगंज अश्विनी मिश्रा ने बताया कि सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंच कर शव को उतरवाकर पंचनामा करा पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया। ग्रामीणों सहित कई लोगों का कहना है कि मृतिका का संबंध पड़ोस की उषा सिंह पत्नी राजकुमार सिंह के साथ बहुत घनिष्ठ था । 3 दिनों पहले ही उषा की बीमारी के चलते मृत्यु हो गई। उसकी मृत्यु के सदमे को मृतका सीतापति बर्दाश्त नहीं कर सकी और स्वयं फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

इविवि की कुलपति ने कहा-शुक्रिया डॉक्टर्स

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

केंद्रीय विवि इलाहाबाद की कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव ने पत्र लिखकर सभी डॉक्टर्स नर्स और मेडिकल स्टाफ को शुक्रिया कहा है। शुक्रिया डॉक्टर्स शीर्षक से लिखे मार्मिक पत्र में कुलपति प्रो संगीता ने भावनाओं के साथ लिखा है कि जब दु:खद खबर आई कि अलीगढ़ मुस्लिम विवि में 40 शिक्षकों की असमय मृत्यु हुई और दिल्ली विश्वविद्यालय में 30 प्रोफेसरों को कोरोना के कारण असमय मृत्यु हुई तो बहुत दु:ख हुआ। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कोरोना का आतंक समय रहते रुक गया। यहाँ पर भी 7 साथियों को असमय हमने खोया। जिसमें तीन शिक्षक तथा चार गैर शैक्षणिक कर्मचारी थे।

चार मौत संघटक कॉलेजों में हुईं। हमने जिन्हें खोया है उनकी कमी हमेशा खलेगी। यहां अधिकांश कोरोना संक्रमित स्वस्थ हो चुके हैं। कुछ ठीक भी हो रहे हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर और संघटक महाविद्यालयों के समय पर बंद होने से कोरोना संक्रमण की श्रृंखला टूट गई।

इस कारण अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में काफी हद तक स्थिति पर नियंत्रण प्राप्त कर सके।कुलपति ने कोरोना के क्रूर प्रभाव और अपने खो चुके साथियों को भी बेहद भावुक अंदाज में याद किया है। उन्होंने लिखा कोरोना के क्रूर प्रभाव के कारण इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर के आकस्मिक निधन के साथ दस्तक दी और नौ प्रशासनिक कर्मचारियों के बीमार होने की सूचना मिल गयी।

ऑनलाइन परीक्षा के बारे में सोचा लेकिन तभी इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कोरोना से दूसरी मौत की दु:खद सूचना आयी। ऐसे में विवि परिसर बंद करने की जरूरत महसूस हुई। स्थिति की गंभीरता के मद्देनजर 8 अप्रैल 2021 को विश्वविद्यालय के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आपात बैठक कर 30 अप्रैल 2021 तक इलाहाबाद विवि परिसर को सील करने के साथ साथ समस्त संघटक कॉलेजों को बंद करने का फैसला लिया। अध्यापकों कर्मचारियों को अपने स्तर पर सार्थक सुझाव दिया। कई हफ्तों तक विवि और संघटक कॉलेजों के 300 कर्मचारी होम आइसोलेशन में थे। अप्रैल के महीने में ही तीन गैर शैक्षणिक कर्मचारी भी सफर में छोड़ कर अनंत यात्रा के लिए परमात्मा में विलीन हो गए। बिछड़ चुके साथियों की स्मृति में 24 अप्रैल 2021 को आयोजित श्रद्धांजलि सभा की वीडियो कॉन्फ्रेंस में सभी के चेहरों पर बीमारी के शिकार होने का डर साफतौर पर दिखा। कुलपति प्रो संगीता ने लिखा कि मैंने डॉक्टर नर्सिंग स्टाफ और पैरामेडिकल स्टाफ को रात दिन काम करते हुए देखा। उम्मीद न होने के बावजूद डॉक्टर और उनकी टीम मेरे सहकर्मी को पूरी शिद्दत से आईसीयू में देख रहे थे। वे हर वक्त मरीज से संपर्क स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे और अपनी पूरी क्षमता से उनका बेहतर इलाज कर रहे थे। पत्र में कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव ने लिखा मैं अपने हृदय की गहराइयों से मानवता की सेवा में लगे सारे डॉक्टरों नर्सों और मेडिकल स्टाफ का शुक्रिया अदा करती हूँ। आप सभी लोग कोरोना के क्रूर राक्षस से दिन रात लड़ रहे हैं। बिना डरे बिना रुके बिना थके। जबकि आपके कई चिकित्सक साथी इस दौरान अपनी जान गँवा चुके हैं। आप मानवता को बचाने के लिए जिस जोश और जज़्बे के साथ आगे बढ़ रहे हैं वह हमेशा याद रखा जाएगा।

कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव।

स्वस्थ रहने का लक्ष्य

जारी है संघर्ष

समस्याओं के बावजूद देश को भविष्य का लक्ष्य याद रखना है कि हमें स्वयं को स्वस्थ रखना है। 19 अप्रैल को आल इंडिया मैनेजमेंट असोसियेशन द्वारा जारी एक वर्चुअल आयोजन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उद्योगपति सुनील मुंजाल के एक सवाल का जवाब दिया कि भारत ने बिना घरेलू मांग पूरी किए वैक्सीनों का निर्यात क्यों किया तथा उनको दान में क्यों दिया। मंत्री ने कहा, 'यह सवाल स्वयं से पूछें कि क्या में विदेशों में जाकर कह सकता हूं कि मुझ तक पहुंचने वाली सप्लाई लाइनें खुली रखें। मैं वैक्सीन के लिए कच्चा माल चाहता हूं, लेकिन मैं आपको कोई वैक्सीन नहीं दूंगा। यदि आप ऐसा तर्क दें तो मुझे बिल्कुल निर्यात नहीं करना चाहिए। लेकिन कोई दूसरा पूछेगा कि मैं भारत को निर्यात क्यों करूं। यह इतना संकुचित दृष्टिकोण है कि वास्तव में कोई गैर-जिम्मेदार और अगंभीर व्यक्ति ही ऐसा तर्क साकने रखेगा। हालांकि, हमारे आसपास कुछ लोग हैं जिन पर आपने गौर किया होगा।' लेकिन उन्होंने मुंजाल को यह नहीं बताया कि भारत द्वारा दान की गई वैक्सीनों मे कुछ देशों को दान में दी गई वैक्सीनें केवल 10.75 मिलियन थीं जो विदेश मंत्रालय की

वेबसाइट में दिखाई गई 'मेड इन इंडिया वैक्सीन सप्लाई' की 66.37 मिलियन खूराकों में शामिल थीं। कुल खूराकों का बड़ा हिस्सा, यानी 35.79 मिलियन खूराकें वाणिज्यिक थीं और दो वैक्सीन निर्माता कंपनियों सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया व भारत बायोटेक की लाइसेंसिंग क्षमताओं पर आधारित थीं। वैक्सीन की 19.86 मिलियन खूराकें विदेशों में निर्माताओं द्वारा किए गए समझौतों के आधार पर भेजी गईं जिन पर वैक्सीन निर्माण हेतु कच्चा माल पाने के लिए हस्ताक्षर किए गए थे।

अंतिम दो प्रकार की सप्लाई को मुफ्त खूराकों के साथ जोड़ दिया जाता है। नई दिल्ली की वैक्सीन राजनय को 'वैक्सीन मैत्री' कहा जाता है जिसकी शुरुआत 21 जनवरी को हुई थी और यह 16 अप्रैल तक जारी रही। इस कालखंड में भारत ने विदेशों को वैक्सीन सप्लाई की और इसे स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ठहराया। 13 अप्रैल को रायसीना डायलाग के उद्घाटन में उन्होंने कहा था, 'इस साल अनेक सीमाओं के बावजूद हमने 80 से अधिक देशों को वैक्सीन सप्लाई की। हम जानते हैं कि यह सप्लाई बहुत अधिक नहीं थी। हम जानते थे कि मांग बहुत ज्यादा है। हम जानते थे कि पूरी मानवता का टीकाकरण करने में लंबा समय लगेगा। लेकिन इसके साथ ही हम यह भी जानते थे कि आशा का महत्व है।' इस कालखंड में दुनिया के 95 देशों को खूराकें भेजी गईं। अब इस बात पर चर्चा करें कि सरकार को 'मैत्री' के इस कालखंड में क्या नहीं करना चाहिए था। 11 मई को भारतीयों को कुल मिला कर 17.51 खूराकें दी गईं तथा कमियों की खबरें आने के बावजूद कोई आर्डर नही दिए गए। मई की शुरुआत में सरकार ने कहा कि उसे अभी पुराने आर्डर की 23 मिलियन खूराकें नहीं मिली हैं और उसने 160 मिलियन खूराकों के नए आर्डर दिए हैं। मई, जून और जुलाई के इन आर्डरों की पूर्ति जुलाई तक हो जाएगी। लेकिन समय पर आर्डर पूरे करने में निर्माताओं की अपनी मजबूरियां हैं और इस बीच टीकाकरण अभियान को टीकों की प्रतीक्षा है, फिर चाहे वह मुफ्त हो या भुगतान पर।

जैविक क्रांति को अपनाने का समय

यह एक अपरिहार्य एवं अपरिवर्तनीय तथ्य है, साथ ही यह अपने भीतर जैविक अनुसंधान की क्षमता और मानवता के लिए कई अनूठे अवसरों को छिपाए हुए है।

बीकेपी सिन्हा
लेखक एक स्तम्भकार हैं)

जैविक क्रांति के युग की शुरुआत करते समय, कोई यह संज्ञान लेने में विफल नहीं हो सकता है कि जीव विज्ञान में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि रोगाणु, जो पृथ्वी पर सबसे पुराने आत्म-प्रतिकृति वाले जीव हैं और जो खोजे जाने वाले अंतिम में थे, को काफी हद तक नजरअंदाज कर दिया गया है। यह कोरोनावायरस के वर्तमान संकट से स्पष्ट है, जिसने आधी दुनिया को तबाह कर दिया है और इसे लगभग आपदा के कगार पर ला दिया है, आंशिक रूप से रोगाणुओं की देर से खोज और जीनोम अनुक्रमण की तकनीकों के कारण।

सूक्ष्म जीवों पर ध्यान की कमी काफी हद तक हमारे अवलोकन संबंधी पूर्वाग्रह के कारण है। जो हम देख नहीं सकते उसे हम नज़रअंदाज़ कर देते हैं। इस प्रवृत्ति ने हमें इस ग्रह पर बैक्टीरिया और वायरस की भूमिका की सराहना करने से बहुत पहले, हमसे अरबों मील दूर दृश्यमान वस्तुओं को देखकर खगोल विज्ञान में बड़ी प्रगति करने की अनुमति दी।

पृथ्वी पर जीवन पौधों की तुलना में बहुत अधिक है। वायरस और सूक्ष्मजीवों के बारे में हमारे अंतर्निहित ज्ञान अंतराल ने हमें वर्तमान संकट में ला दिया है। इसलिए, जैविक क्रांति अपरिहार्य है। निम्नलिखित तथ्य हमें चल रहे क्रांतिकारी और अभूतपूर्व जैविक अनुसंधान और इसके अनूठे अवसरों के बारे में बताते हैं। सूक्ष्मजीव एक जटिल नैनोमशीन के रूप में विकसित हो गए हैं, यहां तक कि स्थलीय पौधों की तुलना में, अरबों साल आगे, सूर्य से ऊर्जा के माध्यम से पानी को विभाजित करने में सक्षम हैं। केवल एक मौजूदा प्रोकैरियोटिक प्रकार का बैक्टीरिया है जो सूर्य के बिना ऑक्सीजन का उत्पादन करने में सक्षम है - साइनो बैक्टीरिया। हमें अभी इसके तंत्र की खोज करनी है। यदि कोई पिछले दशक में महान पुरस्कार विजेताओं की सूची को देखता है तो कोई यह नोटिस करने में असफल नहीं हो सकता है कि भौतिकी और रसायन शास्त्र के लिए भी अधिकांश महान पुरस्कार जैविक पहेली को सुलझाने पर उनके अध्ययन के लिए गए हैं। जीव विज्ञान के रहस्य के कई पहलू अभी भी सुलझने बाकी हैं। न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के डॉ सिद्धार्थ मुखर्जी ने देखा कि हालांकि कैंसर अनुसंधान अंतरिक्ष यात्रा से पहले शुरू हो गया था, फिर भी कैंसर एक अजेय %विकारों का सम्राट है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के लिए जानी जाने वाली संस्था स्ध्ङ्ख ने अपना ध्यान आणविक जीव विज्ञान पर बदल दिया है और इसके कुछ संकाय सदस्यों ने कोशिका जीव विज्ञान पर अपने शोध के लिए महान पुरस्कार भी जीते हैं।

विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय के डॉ ब्रूस एच लिप्टन और बाद में अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में, अपने अभूतपूर्व काम में, यह पता लगाया है कि कोशिका तंत्र महत्वपूर्ण कोशिका झिल्ली के माध्यम से कोशिका में सूचना कैसे प्राप्त करते हैं और संसाधित करते हैं। कोशिका झिल्ली अपने रिसेप्टर और इंटीग्रल प्रोटीन के माध्यम से जो एंटीना के रूप में कार्य करती है, बाहरी वातावरण से संकेत भेजती है। इस शोध के निहितार्थ जीवन की हमारी समझ को मौलिक रूप से बदल देंगे। यह दर्शाता है कि कोशिका झिल्ली के माध्यम से बाहर से संकेतों द्वारा जीन और डीएनए को नियंत्रित किया जाता है। कोशिका जीव विज्ञान और क्वांटम भौतिकी में इस शोध को एक सफलता के रूप में देखा जा रहा है, जो यह दर्शाता है कि व्यवहार को बदला जा सकता है क्योंकि हम अपनी सोच को प्रशिक्षित करते हैं। विचार और दिमाग की ऊर्जा सीधे प्रभावित करती है कि भौतिक मस्तिष्क शरीर के शरीर क्रिया विज्ञान को कैसे नियंत्रित करता है। मानसिक ऊर्जा प्रोटीन उत्पन्न करने के लिए कोशिकाओं के कार्य को सक्रिय या बाधित कर सकती है। जैव रसायनविद, जैवभौतिकीविदों के सहयोग से जीवविज्ञानी बढ़ती हुई आबादी की मांगों को पूरा करने के लिए ज्वलंत मुद्दों के अधिकांश क्षेत्रों पर अत्याधुनिक शोध के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जो संग्रहित ऊर्जा के अधिक से अधिक परिवहन योग्य रूपों का उपभोग करते हैं। वैज्ञानिक अक्षय ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों जैसे सौर, जल, पवन और ज्वार की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन हमारी ऊर्जा की जरूरतें अभी भी उनकी रुक-रुक कर आपूर्ति और उनके उत्पादन और मांग के बीच समय के अंतर के कारण पूरी नहीं हो पा रही हैं। वैकल्पिक अक्षय ऊर्जा हर समय सस्ती, बेहतर होती जा रही है। हालांकि, हमें अभी तक इन ऊर्जाओं को अप्रभावी, सस्ते, विश्वसनीय तरीके से स्टोर करने का कोई तरीका नहीं मिला है, बिना कचरे के अधिक निर्माण के। यदि जीवविज्ञानी ऐसी बैटरी तैयार कर सकते हैं जो सौर, पवन और अन्य नवीकरणीय स्त्रोतों में निहित आंतरायिक समस्याओं पर काबू पाने की अनुमति देती है, तो हम अपनी सभी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वच्छ और प्रचुर स्त्रोतों का उपयोग कर सकते हैं। बैटरी एक धातु से दूसरी धातु में इलेक्ट्रॉनों को स्थानांतरित करके रासायनिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करती है। इलेक्ट्रॉन छोटे ऋणात्मक आवेशित कण होते हैं। कॉपर-जिंक प्लेट्स धनात्मक और ऋणात्मक ध्रुव बनाती हैं। यह विद्युत प्रवाह का संचालन करता है। यह तब तक चल सकता है जब तक सभी इलेक्ट्रॉन स्थानांतरित हो जाते हैं। इस प्रकार, बैटरी एक ऊर्जा परिवहन उपकरण है। जब बैटरी डिस्चार्ज हो जाती है, तो हम चार्ज करने के लिए बिजली का उपयोग करते हैं।

एमआईटी में सामग्री वैज्ञानिक डॉ एंजेला बेल्चर वायरस को ऐसे रूपों में विकसित कर रहे हैं जो अर्धचालकों के लिए गैलियम आर्सेनाइड और सिलिकॉन जैसे गैर-जैविक सामग्री को व्यवस्थित कर सकते हैं। उसके प्रयोग ने उसे बैटरी बनाने के लिए नए उपकरण बनाने का विश्वास दिलाया। उसने पाया कि धातु और धातु के आक्साइड विशेष रूप से अच्छा काम करते हैं। वायरस में कोशिका भित्ति या कोई संरचनात्मक तत्व नहीं होते हैं। यह डीएनए/आरएनए के साथ एक प्रोटीन कैप्सूल है। उसने पाया कि वायरस बनाने वाले तत्वों का उपयोग इलेक्ट्रोड बनाने के लिए किया जा सकता है जो बैटरी बनाने के लिए स्वच्छ और कुशल, नया तरीका खोल सकता है। उसका अगला कदम एक वायरस-आधारित अत्याधुनिक बैटरी है, लेकिन क्या यह बैटरी डैशबोर्ड, सीट कवर, डोर पैनल का रूप ले सकती है? कोई नहीं जानता। कुछ समय पहले तक, यह निर्विवाद था कि कोशिका झिल्ली स्वयं कोशिकाओं और बाहर से पानी के आदान-प्रदान का एक माध्यम है। जॉन हॉपकिन्स इंस्टीट्यूट के आणविक जीवविज्ञानी डॉ पीटर एग्रे ने 1980 में लाल रक्त कोशिका झिल्ली से आरएच प्रोटीन को शुद्ध करने के लिए इसे पहचानने के लिए एक खोज की थी कि झिल्ली में आरएच प्रोटीन होता है जो एक गेट के रूप में काम करता है और एक विशेष पदार्थ वाहन को एक पास के साथ बदल देता है। सेल में प्रवेश। इन प्रोटीनों को एक्वापोरिन के रूप में जाना जाता है।

लाल रक्त कोशिकाओं की एक बड़ी मात्रा से शुरू करते हुए, उन्होंने कोशिका झिल्ली को उसकी बाकी सामग्री से अलग कर दिया। इसके बाद, उन्होंने अन्य उपस्थित प्रोटीनों से सावधानीपूर्वक आरएच प्रोटीन को अलग किया। हम सभी को जीवित रहने के लिए ताजे पानी की आवश्यकता होती है लेकिन यह पृथ्वी के कुल पानी की मात्रा का केवल पांच प्रतिशत है। इसका अधिकांश भाग बर्फ की चादरों और मिट्टी में होता है।

इसलिए, मानव अस्तित्व के लिए जल शोधन महत्वपूर्ण है। यह खोज पानी को शुद्ध करने के लिए कोशिका झिल्ली के सेल प्रोटीन का उपयोग करेगी। अब हम पृथ्वी पर लगभग सभी जीवों में पाए जाने वाले एक्वापोरिन के पूरे परिवार को जानते हैं। एक विशेष अमीनो एसिड स्थान और पैटर्न के एक विशेष पैटर्न पर कब्जा कर लेता है।

एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री, थॉमस रॉबर्ट माल्थस के सिद्धांत के विपरीत, दुनिया युद्ध, अकाल और महामारी से घिर जाएगी, लेकिन जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग का अभिसरण हमें बहुत उम्मीद दे रहा है कि हम निराशाजनक भविष्य से बच सकते हैं। मौलिक अनुसंधान में राष्ट्रीय निवेश को प्रोत्साहित करके बायोइंजीनियरिंग में सहयोगात्मक प्रयास के लिए विज्ञान के क्षेत्र के शोधकर्ताओं को एक साथ कैसे लाया जाए जो वैज्ञानिकों को अंत:विषय क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रेरित करता है।

यह सब होने के लिए हमारे पास जीव विज्ञान के क्षेत्र में अभिसरण-दिमाग वाली नीतियां और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग होना चाहिए, जहां वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद होलोसीन या एंथ्रोपोसीन के छठे सामूहिक विलुप्त होने को टालने के लिए एक मंच पर काम कर सकते हैं।

अफगानिस्तान में गंभीर होती स्थितियां

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

काबुल में 8 मई को एक सहशिक्षा स्कूल के सामने हुए तीन धमाकों में मारे गए अधिकांश लोगों की उपलब्ध नवीनतम संख्या बीबीसी के अनुसार कम से कम 60 व सीएनएन के अनुसार 85 से अधिक है। इनमें अधिकांशत: स्कूल जाने वाली लड़कियां हैं। यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। इसके पीछे स्पष्ट इरादा अधिकाधिक लोगों को मारना था क्योंकि पहले एक कार बम विस्फोट किया गया और इसके बाद जब लड़कियां घबरा कर स्कूल से भागने लगीं तो दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव धमाके और किए गए। इस घटना से दो सवाल उठते हैं। इस जघन्य अपराध के पीछे किसका हाथ है? तथा, इसके प्रभाव क्या होंगे?

जहां तक पहले सवाल का संबंध है, किसी ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। अफगान सरकार ने इसका आरोप तालिबान पर लगाया है, लेकिन उन्होंने अपनी संलिप्तता से इनकार करते हुए घटना की निन्दा की है। इससे संदेह इस्लामिक स्टेट पर जाता है जिसने काबुल तथा अफगानिस्तान में अन्य स्थानों पर आतंकी हमले किए हैं। पिछले महीनों में उसका अधिकांश क्षेत्र छिन जाने के बावजूद उसमें हमले करने की क्षमता बनी हुई है।

संभवत: इस विस्फोट के पीछे तालिबान का ही हाथ है। तालिबानों के बयान पर विश्वास करने का कोई कारण नहीं है। इसका कारण यह है कि 8 मई को हुए धमाके तथा आतंकी हमलों की संख्या में वृद्धि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की इस घोषणा के बाद हो रहे हैं कि 11 सितंबर तक अमेरिकी सैनिक अफगानिस्तान छोड़ देंगे। तालिबान जानते हैं कि वे चुनाव में नहीं जीतेंगे और न उनका लोकतंत्र में विश्वास है। वे ताकत से अफगानिस्तार पर नियंत्रण कर शरीया शासन की स्थापना करना चाहते हैं। क्या वे इसमें सफल होंगे?

यदि वे सफल होते हैं तो क्या होगा? पहले सवाल का जवाब अफगान राष्ट्रीय सुरक्षा व रक्षा बलों-एएनडीएसएफ की लड़ाकू क्षमता तथा अमेरिका और नाटो सहयोगियों से स्वयं को मिलने वाले समर्थन पर निर्भर होगा। रक्षा बल छोड़ कर भाग जाने तथा सैनिक सेवा में शामिल होने की अनिच्छा के बावजूद एएनडीएसएफ की थल सेना शाखा अफगान नेशनल आर्मी-एएनए तालिबान से मुकाबला करने वाली युद्धकौशल में निपुण सेना बन गई है। वह अन्य आतंकी संगठनों से भी मुकाबला कर रही है। इसके कमांडो व विशेष बल खासतौर से सफल रहे हैं।

लेकिन इसके साथ ही यह भी कटु सत्य है कि तालिबानों ने अफगानिस्तान के ग्रामीण क्षेत्रों के विशाल भूभाग तथा कुछ शहरों पर अपने नियंत्रण का विस्तार किया है। इसके अलावा वे अफगान सैनिकों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। कम से कम 2020 की शुरुआत से कुछ पराजयों का कारण ट्रंप प्रशासन की गलत नीतियां हैं। इनमें तालिबान के साथ चल रही शांति वार्ताओं के कारण सरकारी बलों को 2020 के आरम्भ में केवल रक्षात्मक भूमिका निभाने तथा वार्ता की पूर्व शर्त के रूप में तालिबानों द्वारा अफगान जेलों में बंद अपने 5000 लड़ाकुओं को रिहा कराने के लिए अफगान सरकार पर दबाव डालने के लिए मजबूर करना शामिल है। रिहा किए गए अनेक लड़ाकू फिर लड़ाई के मैदान में पहुंच गए, जबकि उन्होंने ऐसा न करने का वादा किया था। लेकिन ट्रंप प्रशासन की नीतियां तथा एएनडीएसएफ के आपरेशनों पर लगाम लगाने के पहले ही अपनी स्थिति मजबूत करने लगे थे। हालांकि, अफगान सैनिकों की क्षमता में काफी सुधार हुआ है, पर एक बड़ा सवाल भविष्य में उनको मिलने वाला प्रभावी हवाई समर्थन है। इसने एएनए के अनेक सफल आपरेशनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक अनुमान के अनुसार, अब इसे 80 से 90 प्रतिशत समर्थन कमजोर मानी जाने वाली अफगान वायुसेना-एएएफ से मिलता है।

लेकिन एएएफ को अमेरिका की व्यापक वायु शक्ति से समर्थन मिलता रहा है। इसके साथ ही अब उसके विमानों व हेलीकाप्टरों का ज्यादातर रखरखाव अंतरराष्ट्रीय ठेकेदार करते हैं जो अमेरिकन सैनिकों के साथ वापस चले जाएंगे। इससे अफगान वायुसेना की संगठनात्मक क्षमताओं पर भारी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे जारी रहने वाली अमेरिकन सहायता का महत्व रेखांकित होता है। 7 जुलाई, 2012 को तत्कालीन अमेरिकी विदेश सचिव हिलेरी क्लिंटन ने काबुल में यह घोषणा की थी कि राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अफगानिस्तान को अमेरिका के प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा दिया है। लेकिन सवाल है कि यह दर्जा कहां तक और किस प्रकार का है? सेना को हथियारों के साथ पैसे की भी जरूरत है। आतंकवाद तथा विद्रोह से मुकाबला करना बहुत खर्चीला काम है। अमेरिका ने 2002 से 2019 वित्त वर्ष तक अफगानिस्तान को 86 बिलियन डालर सुरक्षा सहायता दी है। 2014 के बाद से वह एएनडीएसएफ को प्रति वर्ष 5 से 6 बिलियन डालर देता रहा है। लेकिन अपने सैनिकों की वापसी के बाद वाशिंगटन अफगानिस्तान को कितनी और किस प्रकार की सहायता देता रहेगा। स्पष्ट रूप से अफगानिस्तान में सैनिक परिदृश्य अधर में है और यही स्थिति अफगानिस्तान के भविष्य को लेकर है। इस बात के सारे संकेत हैं कि तालिबानों का देश पर फिर से मध्ययुगीन, तानाशाही, धर्मतांत्रिक व्यवस्था थोपने का पक्का इरादा है जिसने अफगानिस्तान को धर्मगुरुओं द्वारा संचालित जेल में बदल दिया था। अहमद रशीद ने 'तालिबान: इस्लाम, आयल एंद द न्यू ग्रेट गेम इन सेंट्रल एशिया' में लिखा है कि तालिबानों द्वारा प्रोत्साहित मूल्यों तथा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण 'काबुल में लोगों की जीवनशैली बदल गई है। एक समय सहज भाव से जनता में रहने वाली अफगान महिलाओं को अब सार्वजनिक रूप से नजरों से दूर रहने पर मजबूर होना पड़ा है।' भारत को इस स्थिति पर नजर रखनी होगी। दिसंबर, 1999 में इंडियन एयरलाइन्स के अपहृत विमान आईसी-814 को जबरन कंधार ले जाने की घटना ने स्पष्ट कर दिया था कि तालिबान सक्रिय रूप से भारत के खिलाफ जैशे मुहम्मद और लश्करे तैयबा को प्रोत्साहित कर रहे थे। क्या इस चुनौती से निपटने के लिए हमारे पास सुसंगत नीति है?

आप की बात

कब बाज आएगा चीन?

देश पहले ही कोरोना संक्रमण महामारी के संकटकालीन दौर से गुजर रहा है। महामारी से जनजीवन बुरी तरह से त्रस्त है। वहीं दूसरी ओर चीन अपनी फितरतों से बाज आने का नाम नही ले रहा है। कोरोना को देश दुनिया मे फैलाकर विश्व पटल पर तो छवि धूमिल कर ही ली। परन्तु भारत चीन की सैनिकों को हटाने की समझौते नीति को भी अनदेखी कर भारत मे अशांति फैलाने का दिवा स्वप्न देखने की फितरत में लगा है। सूत्रों द्वारा ज्ञात है कि चीन ने फिर पैंगोंग के पास भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा, सैनिकों का जमावड़ा शुरू कर दिया है। सैनिक अड्डों के आधुनिकीकरण में जुटकर नए हेलीपोर्ट और बैरक बना रहा है। उधर चीन ने अक्साई चिन के इलाकों में बैरक बनाकर हथियारों को छिपाकर रखा है। यही नहीं सेटेलाइट तस्वीरों के अनुसार चीन ने रूटोंग में युद्धक वाहन, हथियारों का जखीरा, जवानों को गरम रखने के टेंट बनाकर रखे। समझ से परे लगता है चीन का बर्ताव आखिर इस तरह की फ़ितरतों से भारत को क्या जताना चाहता है? समझौता नीति को दरकिनार कर चीन समझौते के बाद भी देपसांग प्लेन, गलवान घाटी, पैंगोंग झील के पास बड़ी तादाद में सैनिकों का जमावड़ा कर अपनी ओछी मानसिकता का परिचय नहीं दे रहा?

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

छात्रों की उलझन

पिछले साल लॉक डाउन के बाद से, शिक्षा व्यवस्था अभी तक पटरी पर नहीं लौट सकी। ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा को ना से हां करने का सिलसिला जारी हैं। ऐसे में यह सोचना किसी अतिशयोक्ति से कम नहीं होगा कि जो बच्चे बारहवीं के बोर्ड विद्यार्थि हैं, और शिक्षा में उतने ओजस्वी भी नहीं, क्या वे परीक्षा में सफल हो पाएंगे? इतना ही नहीं, जब सामान्य तरीके से कक्षाएं चलती थी तो स्थितियां गडबड रहती थी, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है।महामारी के बढ़ते आकड़े और राज्यों के द्वारा लगाया जा रहा लॉक डाउन, परीक्षाओं को बाधित किया है। सीबीएसई, आईसीएसई समेत कई राज्य बोर्ड ने भी दसवीं के विद्यार्थियों को बिना परीक्षा के, आंतरिक एवं पिछले परिणाम के आधार पर, नियम बनाकर मूल्यांकन करने का निर्णय लिया है। जो कि प्रशंसा करने योग्य हैं। वहीं बारहवीं की परीक्षाओं को टाल दिया गया है। ऐसे में ये निर्णय लेना अत्यंत आवश्यक है कि आखिरकार परीक्षाएं होंगी भी या नहीं। चूंकि विद्यार्थियों को प्रवेश प्रतियोगी परीक्षाओं की भी तैयारी करनी पड़ती है। इस विषम परिस्थिति में, छात्र उलझन में है। क्या वे अभी भी बोर्ड की तैयारी में जुटे रहे या फिर आगामी भविष्य को लेकर पढ़ाई शुरू करें।

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली विश्वविद्यालय

अमेरिकी दखलंदाज़ी

एक तरफ अमेरिका भारत से हमदर्दी जताता रहा है और संकट के समय मदद भी करता है मगर अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए उसे हमारे आंदोलन ही मामलों में दखलंदाजी का भी शौक है। भारत में अल्पसंख्यक मामलों पर चिंता और नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर उसे एतराज भी है। दिल्ली दंगों का भी उसे दर्द है। कुल मिलाकर वह भारत की उन समस्याओं को लेकर दिलचस्प है जो हमारे यहां विवादास्पद रही है। वैसे हमारे आंतरिक मामलों में दखल की यह कोई अमेरिका की कोई नई पहल नहीं है पर भारत सरकार के सुस्त रवैए के कारण वह समय पर अपना दुख जाहिर करता रहता है। अपनी एक रिपोर्ट में इन दर्दों को अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने जाहिर करते हुए दिल्ली दंगों, तबलीगी जमात, सीएए जैसे मुद्दों को हवा देने का काम किया है। प्रवक्ता ने जमकर भारत को कोसा और अमेरिकी सलाह मानने की बात कही। अब सवाल यह उठता है कि अमेरिका हमारे आंतरिक मामलों में दखल देने वाला होता कौन है?

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

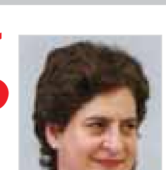

उत्तर प्रदेश में जो हो रहा है वह मानवता के विरुद्ध अपराध से कम नहीं है और मुख्य चुनाव अधिकारी भी साथ में शामिल हैं।

– **प्रियंका गांधी**
कांग्रेस नेता

प्रदेश में अब आक्सीजन की कमी नहीं है। मैं किसान नेताओं से विरोध प्रदर्शन स्थगित करने की पुन: अपील करता हूं।

– **एमएल खट्टर**
हरियाणा के मुख्यमंत्री

हरियाणा में स्थिति पड़ोसी राज्य दिल्ली से भी बुरी है। स्वास्थ्य मंत्री को स्थिति संभालने में विफलता के चलते त्यागपत्र दे देना चाहिए।

– **अभय सिंह चौटाला**
इनेलोद नेता

नोडल अफसर मिनिस्ती एस का निरीक्षण अभियान तीसरे दिन भी जारी

कोरोना के प्रसार को रोकने का प्रयास

संवाददाता। लहरपुर सीतापुर

लहरपुर-सीएचसी में निरीक्षण करतीं नोडल अफसर मिनिस्ती एस

कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण पाने के लिए देर से ही सही दुरूस्त रूप में प्रयास तेज हो रहे है। कोरोना की दूसरी लहर में पहली बार सनिवार को जनपद में आयी जिले की नोडल अफसर मिनिस्ती एस का तीसरे दिन भी निरीक्षण और बैठको का दौर जारी रहा। सोमवार को उन्होंने लहरपुर सीएचसी पहुंचकर निरीक्षण किया। वहां भर्ती मरीजों को बातचीत कर उन्हें मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। टीकाकरण, एंटीजन व आरटीपीसीआर सहित इमरजेन्सी सेवाओं और आक्सीजन के बारे में छानबीन की। नोडल अफसर ने सबसे पहले लहरपुर नगर के मोहल्ला गनी टोला में बने कंटेन्मेंन्ट जोन का जायजा लिया और फिर कुलतारपुर स्थित प्रा.वि. में निगरानी समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। आपको बता दें कि 16 मई को जनपद की नोडल अधिकारी मिनिस्ती एस ने सीएचसी सिधौली एवं कसमंडा का निरीक्षण कर आकस्मिक व्यवस्थाओं को देखा था फिर हिन्द अस्पताल अटरिया में कोविड एल-2 फैसलिटी का निरीक्षण किया था। तहसील सिधौली के सिंहपुर में प्राथमिक विद्यालय में बनाए गए क्वारंटाइन सेंटर का निरीक्षण कर निगरानी समिति के सदस्यों के साथ बैठक भी की थी। निरीक्षण वार्ता के क्रम में नगर पालिका भी समिल रही थी। इससे एक दिन पूर्व सनिवार की अपरान्ह सीतापुर पहुंचकर जनपद की नोडल अधिकारी ने नेहरूहाल में एकीकृत कोविड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर में अधिकारियों के साथ बैठक कर कोरोना वायरस, कोविड-19 महामारी के प्रसार के रोंकने के दृष्टिगत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की थी। आप को बता दें कि जिले की नोडल अफसर इससे पहले जनपद में 17 मार्च को आयी थी, उसके बाद पंचायत चुनाव कार्यक्रम आ गया जिस वजह से सरकारी मसीनरी की प्राथमिकताओं में पंचायत चुनाव कराने की जिम्मेदारी आन पड़ी, लिहाजा कोरोना संक्रमण को रोंकने और मरीजों को सुविधाएं मिलना भगवान भरोसे हो गया, जिस वजह से तमाम हाय तौबा मची। सरकार की किरकरी हुई, न जाने कितनों की जान चली गई। अब कोरोना संक्रमण का गांव में प्रसार रोंकना चुनौतीपूर्ण बन गया है। सीतापुर में अब तक कोरोना के मिले मरीजों में ज्यादातर गांव के है, गांव में बड़े पैमाने पर मौते हो रही है, लोगो को बुखार उल्टी और दस्त आने की सिकायत बनी हुई है, इन मौतों का रिकार्ड भी दर्ज नहीं हो रहा है। इतना जरूर है कि इधर एक सप्ताह से कोरोना के नये मरीज मिलने में थोड़ी कमी दर्ज हुई है, लेकिन ऐसा भी हो रहा है कि बहुत सारे लोग जांच ही नहीं करा रहे है। फिलहाल जिले की नोडल अफसर मिनिस्ती एस ने सीतापुर में डेरा डाल दिया है। अपने जनपद दौरे के तीसरे दिन लहरपुर ब बवह पहुंची तो उनके साथ सीडीओ अक्षता वर्मा, एसडीएम पी.के. सिंह, एसडीएम प्यारेलाल, कोतवाल राय साहब द्विवेदी, सीएचसी प्रभारी डा. आनंद मित्रा, डा. समयुद्दीन खां, डा. नितीस वर्मा, डा. प्रयाज्ञाश्ररण आनंद, फार्मासिस्ट अरूण, लैब टेक्नीषियन रतिभान वर्मा मौजूद रहे।

गंगा की डॉल्फिन का नहर में कर डाला शिकार

संवाददाता। हरगांव सीतापुर

- पिता गिरफ्तार, पुत्र फरार, दर्जन भर अज्ञात के विरूद्ध मुकदमा दर्ज

जिले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें ग्रामीण शारदा नहर से डॉल्फिन को पकड़कर शिकार करते हुए नजर आ रहे हैं। दुख की बात यह है कि बड़ी बेरहमी से गंगा की गाय कही जाने वाली डॉल्फिन की हत्या कर दी गई। जिसका वीडियो ग्रामीणों द्वारा ही वायरल किए जाने के बाद यह अपराध सामने आ सका लेकिन जब तक पुलिस और वन विभाग हरकत में आता तब तक डॉल्फिन का कोई अता-पता नहीं चल सका। वायरल यह वीडियो रविवार का होना बताया जा रहा है, इस डॉल्फिन का महत्व हमारी दूध देने वाली थलचर गाय से कहीं ज्यादा है क्योंकि यह गाय गंगा के जिन्दा रहने की गारण्टी है और गंगा की हालत कोरोना काल में क्या हो गई है। यह किसी से छिपा नहीं है। चूकि डॉल्फिन गंगा में पाई जाती है और यह जीव साफ और बहते हुए पानी में रहता है इसी वजह से पानी घटने पर षारदा नहर में इसके आने की सम्भावना जताई जा रही है, इस गाय को इसका जरा भी भान नहीं होगा कि उसे क्या पता शिकारी इंसान उसको यहां नहीं छोड़ेंगे। बताते हैं कि थाना हरगांव क्षेत्र की ककराही पुलिस चौकी के अन्तर्गत निकली षारदा नहर पर तकिया सुल्तानपुर के पुल के पास ग्रामीणों ने मछलियों का षिकार करने के लिए एक जाल डाल रखा था जिसमें यह डॉल्फिन फंस गई। वायरल हो रहे वीडियो में आप देख सकते है कि किस तरह ग्रामीण लाठी और बल्लम लेकर रस्सी से डॉल्फिन को नहर के बाहर ला रहे है, दर्जन भर से ज्यादा लोग उसे खींचते हुए नजर आ रहे है और फिर एक बाइक पर उसे ले जाते हुए दिखाई दे रहे है। उसके बाद ग्रामीणों ने डॉल्फिन को अपना कब भोजन बना डाला इसका पता न पुलिस के पास है और न ही वन विभाग के पास। डॉल्फिन एक लुप्त होती प्रजाति है इसे मारना दण्डनीय अपराध माना गया है। फिर भी डॉल्फिन को मारे जाने की अक्सर घटनाएं सामने आती रहती हैं। फिलहाल मामले में पिता-पुत्र पृथ्वी और मिथुन को नामजद और दर्जनभर अज्ञात लोगों के विरुद्ध हरगांव थानों में मुकदमा पंजीकृत करा दिया गया है। हरगांव थानाध्यक्ष डीपी शुक्ला ने बताया कि पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है। वन क्षेत्राधिकारी हरगांव समर सिंह ने बताया कि सूचना पाकर जब वन विभाग की टीम गांव पहुंची तब तक ग्रामीणों द्वारा डॉल्फिन को गायब किया जा चुका था। मामले में नामजद अभियुक्त पृथ्वी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आपसी विवाद में भाजपा नेता ने अपने ही छप्पर में लगाई आग

- वीडियो हुआ वायरल
- मुकदमा लिखकर विवेचना शुरू

संवाददाता। बेहजम खीरी

नीमगांव थाना क्षेत्र के कलीजपुर गांव में कल शाम दो पक्षो में विवाद हो गया था। देर शाम एक पक्ष ने सम्प्रदायिक रंग देने के लिए अपने मकान के बाहर पड़े छप्पर में आग लगा दी। जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। बताया जाता है कि सत्ता के दम पर लोगों को निर्दोष फंसाने का एक नया तरीका निकाला। ग्रामीणों के अनुसार व सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो एक के बाद कई वायरल वीडियो में वादी मुकदमा अपना घर जलते हुए खुद दिखाई दे रहा है। आग को बुझाने के बजाय एक डिब्बे से कुछ ज्वलनशील पदार्थ डालते हुए साफ साफ दिखाई दे रहा। वहीं एक अन्य वायरल वीडियो में गांव के लोग जलते हुए छप्पर को देख कर यह कहते हुए सुने का रहे कि याहू का किह्यू छप्पर कहे जलाए डियो वावलू कहे किहेयूगांव के लोग छप्पर बुझाने का प्रयास करते लेकिन वादी मुकदमा के मकान का गेट बंद था। आखिरकार वही हुआ जो होना था पुलिस गई। सांप्रदायिकता फैलाने की पूरी कोशिश की गई। अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने मौके पर पहुंचकर घटना की बारीकी से जांच की। सूत्रों के मुताबिक मुकदमा के द्वारा सनसनी फैला दी गई थी कि उसका गेट बंद रहा। विपक्ष के लोग दीवार फांद कर घर में घुस आए और उस का छप्पर फूंकने के बाद दीवाल फांद कर फरार हो गए। जांच के दौरान दीवाल फांद कर फरार होने की बात है निराधार साबित हुई। वही सत्ता पक्ष के छोटू भैया नेता के द्वारा सम्प्रदायिक रंग रचा जाने का प्रयास किया गया। जिसे नीमगांव पुलिस ने सूझबूझ का परिचय देते हुए गांव के लोगों से पूछताछ कर जांच शुरू कर दी है। घटना की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह व सीओ मितौली संदीप सिंह ने गांव पहुंच कर लोगों के बयान लिये और मामले की गंभीरता पूर्वक जांच के आदेश दिए हैं। इंस्पेक्टर नीमगांव गजेंद्र सिंह ने बताया कि गांव में शांति व्यवस्था के लिए पुलिस फोर्स तैनात कर दिया है। प्रथम दृष्टया घटना संदिग्ध लग रही है। रामपाल मौर्य ने गांव के ही सात लोगों के विरुद्ध आगजनी तोड़फोड़ और अभद्रता करने की तहरीर दी है। मामले की उच्चस्तरीय जांच की जा रही है जो भी दोषी पाया जायेगा। उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। किसी को भी साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का अधिकार नहीं है। फिलहाल गांव में शांति का माहौल है।

सत्ता के आगे नमस्तक हुई पुलिस

बेहजम खीरी। आखिर सत्ता पक्ष के नेताओं के आगे नतमस्तक होकर नीमगांव पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। दबाव में आकर मुकदमा दर्ज करने के बाद नीमगांव क्षेत्र की जनता हैरतअंगेज होकर पूछ रही है कि भाजपा सरकार में क्या निर्दोषों को ही फंसाया जाएगा। वही इस संबंध में इंस्पेक्टर नीमगांव गजेंद्र सिंह ने फोन पर बताया कि मुकदमा विभिन्न धाराओं में दर्ज किया गया है। घटना की वास्तविकता की जांच की जा रही जो भी दोषी होगा उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

रेउसा तृतीय वार्ड 76 के प्रत्याशी अरुण कुमार ने डीएम को दिया शिकायती पत्र

संवाददाता। सीतापुर

- जिला पंचायत के वार्ड 76 की पुर्नमतगणना कराए जाने की उठाई मांग

पंचायत चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद एक पखवाड़ा बीत चुका है, लेकिन मतगणना में गड़बड़ी किए जाने की षिकायतों का दौर अब भी जारी है। नया मामला जिला पंचायत के वार्ड संख्या 76 का है। रेउसा इलाके के इस वार्ड से प्रत्याशी रहे अरुण कुमार ने जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर पुर्न मतगणना कराए जाने की मांग की है। अरुण के मुताबिक उन्हें 3341 मत प्राप्त हुए थे तथा उनके निकटतम प्रतिद्वंदी बद्री प्रसाद को 2931 मत मिले थे, उन्हें 410 मतों से विजई किया गया था। मतगणना के पश्चात एआरओ द्वारा कहा गया कि यह मतपत्र सीट सीतापुर भेजी जाएगी, जिसके आधार पर आपको सीतापुर से प्रमाण पत्र जिला विकास अधिकारी सीतापुर के वहां से मिलेगा। आरोप है कि हारे हुए भाजपा समर्थित प्रत्याशी बसंत ने सांठगांठ करके जीत का प्रमाण पत्र हासिल कर लिया। अरुण कुमार ने पूर्व में उप जिलाधिकारी बिसवां तथा पुलिस अधीक्षक को भी षिकायती पत्र दिया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में अरुण ने पुर्नमतगणना तथा एआरओ की भूमिका की जांच करते हुए वैधानिक कार्रवाई की मांग की गई है। इस मौके पर अधिवक्ता पंकज तिवारी, अधिवक्ता अमित कुमार पाल, पूर्व उपाध्यक्ष बार एसोसिएशन बृजेंद्र कुमार पांडे, अधिवक्ता अजय कुमार मौर्य, पूर्व महासचिव बार एसोसिएशन दिनेश मौर्य आदि मौजूद थे।

क्विक न्यूज

पुलिस ने वांछित को भेजा जेल

मैलानी खीरी। थाना मैलानी पुलिस चौकी प्रभारी संसारपुर सतीश चन्द्र व आरक्षी धर्मेद्र यादव आरक्षी ऋषभ ने शरीफ अहमद पुत्र सकरूल्ला निवासी बोझिया थाना मैलानी को संसारपुर मोटर साइकिल एजेन्सी के निकट से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि उपरोक्त अभियुक्त एक मुकदमें में वान्छित था। उसे गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है। थाना प्रभारी निरिक्षक चन्द्र भान यादव ने बताया कि इस समय मुकदमो से वान्छित अभियुक्तों के धर पकड का अभियान जोरो पर है।

मरकजी कमेटी ने बांटे मास्क

लखीमपुर खीरी। जहां एक ओर सरकार द्वारा कोरोना की रोकथाम के लिए नित नए प्रयास किए जा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर सामाजिक संस्थाएं भी मदद के लिए आगे आ रही हैं। दो गज की दूरी और मास्क की जरूरतों को ध्यान रख आज अंजुमन गुलामान ए सरकार ए दोआलम ;सण्अण्वण्द्ध मरकजी कमेटी ने कोरोना के मद्देनजर सीओ ऑफिस कोतवाली सदर में सभी लोगों को मास्क वितरित किए। इस दौरान कमेटी के जरनल सेक्रेटरी जुबेर अहमद उर्फराजू ने लोगों से मास्क लगाने की गुजारिश भी की। साथ ही ये भी बतलाए कि मास्क लगाएं दो गज की दूरी बनाएं। घर में रहें सुरक्षित रहे। इस दौरान इश्तियाक पहलवान शाहिद पहलवान कामिल हुसैन सिकंदर और पप्पू खान सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

नशीली टैबलेट्स व तमंचा कारतूस सहित एक को पकड़ा

मोहम्मदी खीरी। कस्बा पुलिस द्वारा रात्रि गस्त के दौरान अभियुक्त सरताज नई बस्ती को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 1200 अदद अवैध नशीली टैबलेट्स अल्प्रासेफ01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस बरामद किया गया गया। मुकदमा लिख जेल भेजा जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में कस्वा प्रभारी जगपाल सिंह कॉन्स्टेबल लवकुश राजपूतए विशाल कुशवाहाए राहुल कुमार व गौरव कुमार प्रमुख हैं।

सड़क दुर्घटना में घायल अधेड़ की मौत

बरेली। दोस्त के साथ मोटरसाइकिल पर विवाह समारोह से लौट रहा एक अधेड़ रास्ते में हुई सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल भेजा। लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया और अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।मीरगंज थाने के गांव रतनपुर निवासी 50 वर्षीय नन्नू पुत्र ख्याली राम को बीती रात जिला अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पहुंचे मृतक के घर वालों ने बताया कि नन्नू कल शाम को अपने पड़ोसी कमल की बारात में शामिल होने के लिए फतेहगंज पश्चिमी गया था।

बोले ऑटो चालक- साहब हमारा क्या कुसूर!

सीतापुर। लॉकडाउन के बावजूद सब वाहन चल रहे है, लेकिन हम गरीब क्या करें साहब। हम ऑटो चलाने जब निकले तो पुलिस ने पकड़ लिया, जबकि सड़क पर हर छोटे-बड़े वाहन सभी निकल रहे है उनको कोई नहीं पकड़ता न रोंकता है। यह कहना है ऑटो चालकों का जो सोमवार को दो पैसे कमाने के लिए सड़क पर निकले थे। कैप्टन मनोज पांडेय चौक पर स्थित हरदोई चुंगी चौकी पर उस वक्त ऑटो चालको का ऑटो पकड़ लिया गया जब वह एक दो सवारी व जरूरी सामान लिए जा रहे थे। ऑटो चालक शाहिद का कहना है कि वह खरी लेकर जा रहा था लेकिन उसे पुलिस ने रोंककर ऑटो खड़ा करा लिया। ऑटो चालकों नसीम, सोनू कश्यप, विजय विश्वकर्मा, रामसरन, देशराज का कहना ने कहा कि हम लोगो का यही कमाई का जरिया था वह भी इस समय कोरोनाकाल में बंद हो गया है अब हम क्या करेंगें।

ओसरी में निगरानी समिति की बैठक

मितौली.खीरी। खंड विकास अधिकारी मितौली ने ग्राम पंचायत ओसरी में निगरानी समिति की बैठक कर कोरोना कोविड.19 की जांच कराई गई। खंड विकास अधिकारी मितौली चंदन देव पांडे ने कोरोना कॉविड से बचाव के क्रम में विशेष रुप से विकासखंड मितौली के समस्त ग्राम पंचायतों में सैनिटाइजर व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित कराए जाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में ग्राम पंचायत कस्ता के प्रधान अजमेर अली द्वारा स्वयं कस्ता ग्राम पंचायत की गलियों को सैनिटाइजर किया गया। मितौली ग्राम पंचायत के प्रधान नीरज कश्यप ने स्वयं सैनिटाइजर व्यवस्था की जिम्मेदारी लेते हुए मितौली कस्बे में सैनिटाइजिंग कराई गई।

राज्य सड़क निधि प्रबन्धन समिति की वर्चुअल बैठक

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

सोमवार को राज्य सड़क निधि प्रबन्धन समिति की पांच सदस्यीय समिति की वर्चुअल बैठक समिति के अध्यक्षध्उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें खीरी सांसद अजय मिश्र ष्टेनीष् ने सहभागिता की।

इस बैठक में सांसद ने जनपद की आठ प्रमुख मार्गों व पुल निर्माण सहित जनपद बहराइचए पीलीभीत शाहजहांपुर सीतापुर व हरदोई से आई संसदीय कार्यालय की मेल आईडी पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों को बैठक में रखकर स्वीकृत दिलाए जाने का अनुरोध किया। इस पर समिति के अध्यक्षध्उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उक्त सभी प्रस्तावों को भेजने के लिए कहा। उप मुख्यमंत्री ने कोरोना काल में इस वर्चुअल बैठक के बाद शीघ्र ही एक सामूहिक बैठक करने को कहा। सांसद टेनी ने लखीमपुर की प्रमुख सड़कों का प्रस्ताव वर्चुअल बैठक के माध्यम से उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के समक्ष प्रस्तुत किया व प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अवशेष 13 मार्गों पुरानी तकनीक से बनाए जाने की स्वीकृति एवं दुधवा.चन्दन चौकी मार्ग पर पुल निर्माण स्वीकृति के लिए वन विभाग से एनओसी लेने के बाद उक्त पुल का निर्माण कराए जाने का अनुरोध एवं उक्त प्रमुख मार्गों का पत्र भी आगणन सहित भेजा।

सांसद के प्रस्तावित कार्यों में बेलरायां एस0एच0.21 के मोतीपुर कालेसरन मंदिर तिराहे से तिकुनियां बनवीरपुर होते हुए खखरौला घाट मार्ग का चौड़ीकरण विकासखण्ड निघासन में बिलरायां.पनवारी राज्य मार्ग संख्या 21 के किमी0 20 से 27 का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्यए विकासखण्ड निघासन में खैरीगढ़ और मांझा के बीच जौरहा नदी पर पुल का निर्माण कार्यए विकासखण्ड पलिया में सम्पूर्णानगर.महंगापुर मार्ग से परसपुर लिंक मार्ग पर स्थित मिर्चिया नदी पर पुल निर्माण कार्य सीतापुर.लखीमपुर फोर लेन मार्ग से 200 शैय्या मातृ एवं शिशु चिकित्सालय तक चौड़ीकरण राज्य मार्ग संख्या 135 व राज्य मार्ग संख्या 21 लखीमपुर देवकली अलीगंज मार्ग का निर्माण सहित आठ मार्ग शामिल हैं।

नवनिर्वाचित प्रधान समर्थक पर हारे प्रधान प्रत्याशी ने झोंक दिया फायर

संवाददाता। कचनार सीतापुर

- गोली लगने से जख्मी संजय का ट्रामा सेंटर लखनऊ में चल रहा इलाज
- इमलिया सुल्तानपुर इलाके में रविवार देर रात अंजाम दी गई वारदात

सीतापुर के इमलिया सुल्तानपुर थाना इलाके में नवनिर्वाचित प्रधान के समर्थक पर हारे प्रधान प्रत्याषी ने तमंचे से फायर झोंक दिया। गोली पेट में लगते ही प्रधान का समर्थक लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। उसके साथी के षोर मचाने पर हमलावर दहषत फैलाने के लिए हवाई फायर करते हुए भाग निकले। जख्मी व्यक्ति का ट्रामा सेंटर लखनऊ में इलाज चल रहा है। पुलिस ने तीन आरोपियों पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरतारी के लिए पुलिस दबिशें दे रही है। आपको बता दें, कि थानाक्षेत्र इमलिया सुल्तानपुर गढ़ी घाट देवरिया में नवनिर्वाचित प्रधान याकूब रविवार की रात दावत में षामिल होने सेमरहन गया था। देर रात करीब 10 बजे वह अपने समर्थक संजय पुत्र भीखम व मीनू पुत्र बड़कन्ने के साथ वापस लौटा था। आरोप है कि प्रधान के घर से संजय व मीनू पैदल जब अपने घर जा रहे थे तभी रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे हारे प्रधान प्रत्याशी देव शंकर ने चुनावी रंजिष के चलते अपने कुछ साथियों के साथ घेर लिया और गाली गलौज करने लगे। विवाद के दौरान विपक्षियों में से किसी ने फायर झोंक दी। गोली संजय पुत्र भीखम के पेट में लगी और वह गम्भीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गया। मीनू के षोर मचाने पर हमलावर हवाई फायर करते हुए मौके से फरार हो गए। फायरिंग की आवाज सुनकर गांव वाले मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल को एलिया सीएचसी में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला मुख्यालय भेज दिया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने हालत नाजुक देख संजय को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया है। सीओ सदर अभिशेक प्रताप अजेय ने बताया कि आरोपी देवषंकर समेत तीन लोगों के विरुद्ध हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया गया है, गिरतारी के लिए दबिष दी जा रही है।

खेत में पानी लगा रहे लोगों पर चीते का हमला, दो घायल

संवाददाता। बरेली

गन्ने के खेत में पानी लगा रहे दो लोगों पर अचानक चीते ने जानलेवा हमला कर दिया। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया और फिर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।मीरगंज थाने के गांव गोरा लोकनाथ पुर में चीते के हमले से घायल धर्म पाल पुत्र नोबात सिह और उसके साथी चंद्रपाल पुत्र मदन लालको आज दोपहर घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनके घर वालों ने बताया कि सुरेंद्र और चंद्रपाल आज गांव के पास स्थित गन्ने के खेत में पानी लगाने गए थे। काम के दौरान अचानक झाड़ियों में छुप कर बैठे एक चीते ने उन पर हमला कर दिया। हमले के बाद दोनों ने भागने की कोशिश की। लेकिन घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। उनकी चीख सुनकर पास के खेतों में काम कर रहे लोग लाठी डंडे लेकर मौके पर पहुंचे और उन्होंने किसी तरह जीते को वहां से भगा दिया। लेकिन तब तक सुरेंद्र और चंद्रपाल गंभीर रूप से घायल हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही गांव के लोग भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने चीते को तलाशने की कोशिश की। लेकिन वह भाग चुका था। घटना की सूचना मिलते ही सुरेंद्र और चंद्र पाल के घर वाले की मौके पर पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले गए। कुछ देर बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और गंभीर रूप से घायल दोनों लोगों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। गांव वालों ने बताया कि उनके गांव में इस तरह की पहली घटना है। वहीं वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और चीते को तलाशने की कोशिश शुरू कर दी। घटना को लेकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और उन्होंने वन विभाग से जल्दी ही हमलावर चीते को पकड़ने की मांग की। दोनों घायलों की हालत नाजुक बताई जाती है।

निघासन तहसील क्षेत्र में नोडल अधिकारी ने किया औचक भ्रमण

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

सोमवार को जिले के नोडल अधिकारी आयुक्त लखनऊ मंडल लखनऊ रंजन कुमार ने अपने भ्रमण कार्यक्रम के तीसरे दिन तहसील निघासन की ग्राम पंचायत गंगा बेहड़ के मजरा पृथ्वीपुरवा एवं ग्राम पंचायत खैहरानी मे डोर टू डोर सर्वे कर रही टीमों की पड़ताल की। इस दौरान डीएम शैलेंद्र कुमार सिंहए सीएमओ मनोज अग्रवाल मौजूद रहे।नोडल अधिकारी ने तहसील निघासन के ग्राम पंचायत गंगा बेहड़ के मजरा पृथ्वीपुरवा में जाकर सर्वे टीमों के कार्यों की पड़ताल की। एएनएम सोनिया कुमारी को निर्देश दिए कि ग्रामीणों को वैक्सीनेशन के प्रति जागरूक करें। बीडीओ आलोक कुमार वर्मा को निर्देश दिए कि परिषदीय विद्यालयों पर क्षेत्रीय एएनएम व एमओआईसी का नाम नंबर अंकित कराए। नोडल ने आशा कार्यकत्री प्रीति मौर्य व नीलम से भ्रमण किए गए घरों की संख्या व उनमें मिले सिम्प्टोमैटिक का विवरण जाना। प्रधान आशा देवी को निर्देश दिए कि ग्रामीण को वैक्सीनेशन के प्रति जागरूक करे।नोडल अधिकारी ने सर्वे टीमो के पास मेडिकल किटों की उपलब्धता जानीए अपने सम्मुख मेडिकल किट खुलवा कर देखा। नोडल के सम्मुख सीएमओ ने मेडिकल किट में उपलब्ध दवाओं व उसके होने वाले फायदे बताए। नोडल अधिकारी ने कहा कि वैक्सीनेशन कोविड से बचाव का एक सुरक्षा कवच है। जो पूर्णतया सुरक्षित व बचाव हेतु कारगर हैए इसलिए बिना किसी संशय के वैक्सीनेशन कराए। पूरा सरकारी अमला आपकी चिंता कर रहा। आपके सहयोग। व जागरूकता से बेहतर परिणाम आएंगे। गांव में कोविड व वैक्सीनेशन की जागरूकता हेतु मास्टर ट्रेनर तैयार करेंए जो ग्रामवासियो को जागरूक करेंगे। 14 दिन तक संयम का संकल्प लेए जिससे कोविड के प्रसार खत्म करेगा।इसके बाद नोडल अधिकारी तहसील निघासन के ग्राम खेहरानी पहुंचे। जहां सर्वे टीमों के कार्यो का स्थलीय सत्यापन कर हाउस टू हाउस सर्वे कर रही टीम के कार्यो को देखा। आशा कार्यकत्री गीता देवी ने बताया कि 128 घरों का सर्वे किया। जिसमें 02 सिम्प्टोमैटिक मिले। जिन्हें मेडिकल किट दे दी गई। नोडल अधिकारी ने सिम्प्टोमैटिक गंगाराम के घर जाकर अपने सामने तापमान व ऑक्सीजन लेवल चेक कराया। जो सामान्य पाया गया। प्रधान संतोष गुप्ता को निर्देश दिए कि लोगो को जागरूक करें।तहसील निघासन के नगर पंचायत सिंगाही पहुंच कर साफ सफाई कर रही टीमों से जानकारी ली। आंगनबाड़ी कार्यकत्री राजकुमारी व पुष्पा देवी से सर्वे किये गए घरों की संख्या व उनमे सिम्प्टोमैटिक की संख्या जानी। नोडल ने निगरानी समिति द्वारा चिन्हित सिम्प्टोमैटिक सर्वोत्तम पंचोली के मोबाइल नंबर पर स्वयं बात का उनका कुशल जाना। मेडिकल किट मिलने की पुष्टि की। कोई भी सिम्प्टोमैटिक व्यक्ति सर्वे से वंचित न रहे।इस दौरान एसडीएम ओपी गुप्ता सीओ प्रदीप कुमार वर्मा एमओआईसी डॉ लाल जी पासी तहसीलदार डॉ धर्मेंद्र पांडेय व बीडीओ आलोक कुमार वर्मा सहित निगरानी समिति के सदस्य मौजूद रहे।

सीएचसी रमियाबेहड़ का भी किया निरीक्षण

लखीमपुर खीरी। तहसील धौरहरा की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रमियाबेहड़ का औचक निरीक्षण कर चिकित्सकीय व्यवस्थाओं की पड़ताल की। हेल्प डेस्क पर तैनात एएनएम विभा देवी व ज्योति से उनके कार्य दायित्वों की जानकारी ली। वैक्सीनेशन कर रही एएनएम पिंकी देवी ने नोडल अधिकारी के पूछने पर बताया कि आज 25 लोगों ;24 को फर्स्ट डोज व एक व्यक्ति को सेकंड डोजद्ध का वैक्सीनेशन हुआ। इस दौरान उन्होंने कोल्ड चैन कक्षए प्रसव कक्षए ऑब्ज़र्वेशन रूम सहित पूरे परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधीक्षक से दवाओंए मेडिकल किट की उपलब्धता जानी। सभी सात गठित रैपिड रिस्पॉस टीम का मूवमेंट जाना। एमओआईसी यह सुनिश्चित करे कि कोई भी सिम्प्टोमैटिक व्यक्ति मेडिकल किट से वंचित न रहने पाए। इस दौरान एसडीएम रेनू तहसीलदार अनिल यादव व एमओआईसी डा सुभाष सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बांदा के 13 केंद्रों पर टीकाकरण अभियान शुरू

प्रभारी मंत्री नंदी ने किया शुभारंभ, अस्पतालों की देखीं व्यवस्थाएं

समय पर बनवाया जाए ऑक्सीजन प्लांट

संवाददाता। बांदा

शहरी इलाकों में कोरोना संक्रमण की रफ्तार भले धीमी हो रही है पर ग्रामीण इलाकों में इसकी रफ्तार बढ़ चुकी है। हालांकि स्वस्थ होने वालों का आंकड़ा तेजी से बढ़ा है। इसके बीच सोमवार से चित्रकूटधाम मंडल के बांदा जिले के 13 केंद्रों पर 18 से 44 वर्ष वालों को वैक्सीनेशन का शुभारंभ किया गया। मेडिकल कालेज में अल्पसंख्यक कल्याण मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग के राज्यमंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी ने अभियान की शुरुआत की। इधर 18 से 44 वर्ष के लोगों को टीका लगने की शुरुआत होने से कई लोग परिवार के साथ वैक्सीनेशन को पहुंचे।

जिदगी बचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मंत्री नंदगोपाल गुप्ता ने कहा कि कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए प्रदेश व केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही हैं। लोगों की जिदगी बचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। अब तक स्वास्थ्य कर्मी फ्रंटलाइन वर्कर 60 वर्ष से ऊपर बुजुर्गों और 45 वर्ष से ऊपर तथा गंभीर बीमारी से ग्रस्त लोगों को प्रतिरक्षित किया जा रहा था। बताया कि प्रदेश में पहली मई से 18 से 44 वर्ष तक के लोगों टीका लगना था। लेकिन वैक्सीनेशन की पर्याप्त उपलब्धता न हो पाने की वजह से इसे कुछ ही जिलों में शुरू किया गया। फिलहाल मंडल के बांदा जनपद में ही यह अभियान शुरू हुआ।

बहुत जरूरी है टीकाकरण करा लें रजिस्ट्रेशन

जिलाधिकारी आनंद कुमार सिंह ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण बहुत जरूरी है। भ्रमित न हों। अपना रजिस्ट्रेशन कराकर टीकाकरण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

दो हजार में 1408 का हुआ टीकाकरण

सीएमओ डॉ. एनडी शर्मा ने बताया कि जिले में 18 से 44 आयुवर्ग के लोगों का जिला अस्पताल व मेडिकल कालेज सहित 13 केंद्रों पर टीकाकरण किया गया। इन केंद्रों पर दो हजार युवाओं को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था जिसमें 1408 लोगों ने टीका लगवाया है। वहीं 45 साल से अधिक उम्र के 4850 लोगों को टीका लगाना था जिसके सापेक्ष 1208 लोगों को यहां पर टीका लगाया गया। युवाओं का टीका लगाने का फीसद 70 रहा जबकि 45 साल से अधिक के लोगों का फीसद 25 रहा। सीएमओ ने कहा कि जिन्होंने आनलाइन आवेदन किया है उन्हें ही टीका लगाया जा रहा है। इन केंद्रों पर लग रहा 18 वर्ष से ऊपर के लोगों को टीका जिला अस्पताल पीपीसी मेडिकल कालेज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरैनी बबेरू जसपुरा व अतर्रा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महुआ तिदवारी बड़ोखर खुर्द बिसंडा कमासिन और शहरी स्वास्थ्य केंद्र छाबी तालाब में 18 से 44 वर्ष के लोगों को टीकाकरण शुरू कर दिया।

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने को तैयार है सरकारः मंत्री

चित्रकूट। सूबे के नागरिक उड्डयन, अल्पसंख्यक कल्याण, राजनैतिक पेंशन, मुस्लिम वक्फ एवं हज मंत्री/ प्रभारी मंत्री नन्दगोपाल गुप्ता नन्दी ने जिले के कोरोना अस्पताल खोह का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों से भेंटकर दवाओं व भोजन की जानकारी ली। कहा कि सरकार कोरोना की तीसरी लहर से निपटने को पूरी तरह तैयार है। सोमवार को जिले के प्रभारी मंत्री नन्दगोपाल गुप्ता ने कहा कि जिलों में आक्सीजन व स्वास्थ्य सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। सीएमओ को निर्देश दिया कि सभी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता के साथ साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाये। कोरोना अस्पताल में भर्ती मरीजों व होम आइसोलेशन के मरीजों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। मंत्री ने जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल से कहा कि गांव में गठित निगरानी समितियों को सक्रिय कर कोरोना रोकथाम एवं बचाव पर लगातार कार्य करें, ताकि महामारी से निपट सकें। स्वास्थ्य विभाग के साथ लगातार समीक्षा कर स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं में कमी न रहे। इस मौके पर सांसद आरके सिंह पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे, सांसद प्रतिनिधि शक्ति प्रताप सिंह तोमर, भाजपा नेता पंकज अग्रवाल समेत एडीएम जीपी सिंह, एसडीएम सदर रामप्रकाश व सीएमओ डॉ विनोद यादव आदि मौजूद रहे।

सीतापुर मार्ग के डिवाइडर में लगे पेड़ सूखे

चित्रकूट। बेडीपुलिया से सीतापुर के बीच बनी नवनिर्मित फोरलेन सड़क के डिवाइडर में लगे तीन दर्जन से अधिक खजूर के पेड़ देखरेख की अभाव में सूख गये हैं। बुन्देली सेना ने जिलाधिकारी से नई बनी सड़कों के डिवाइडर पर पहली बारिश में ही वृक्षारोपण कराने की मांग की है। सोमवार को बुन्देली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि तीर्थक्षेत्र के मुख्य सड़क के डिवाइडर में लगाये खजूर के पेड़ आकर्षण का केन्द्र थे। सड़क बने अभी ज्यादा समय नहीं हुआ। डिवाइडर में लगे पेड़ देखरेख की अभाव में दिनोंदिन सूखकर नष्ट हो रहे हैं। समय रहते ध्यान देने से तमाम पेड़ों को बचाया जा सकता है। सूख चुके पेड़ों की जगह पहली बारिश में पुन: पौधरोपण कराया जा सकता है।

सपा की नीति प्रभावित हो ली सदस्यता

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी कार्यालय में पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष/संस्थापक सदस्य स्व राजबहादुर सिंह यादव की आठवीं पुण्यतिथि पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ निर्भय सिंह पटेल ने कहा कि राजबहादुर हमेशा पार्टी के लिए समर्पित रहे हैं। पार्टी को जिले में मजबूत करने का उन्होंने काम किया। सभी के प्रेरणा स्त्रोत रहे राजबहादुर के रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। सोमवार को स्व राजबहादुर की पुण्यतिथि पर हुई बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण पटेल ने कहा कि राजबहादुर के बलिदान को पूरा प्रदेश जानता है। बैठक में पूर्व जिला पंचायत सदस्य अनिल प्रधान, मनोज यादव, राजीव लोचन त्रिपाठी, सीताराम कश्यप, चन्दन कोटार्य, घनश्याम यादव, लतीफ सौदागर, जलाल खां, पप्पू यादव, आनन्द यादव, अभिलाष यादव, राधेश्याम निषाद आदि मौजूद रहे।

दहशत से नहीं उबर पा रही है बच्ची

बांदा। दुष्कर्म पीड़ित बच्ची घटना के बाद दहशत से नहीं उबर पा रही है। डर व तकलीफ के चलते उसे बुखार भी आ गया है। पुलिस ने उसके न्यायालय में 164 के बयान दर्ज कराए हैं। जसपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव में मामा की शादी में जाने पर चार वर्ष की बच्ची के साथ पड़ोसी युवक उमेश निषाद ने दुष्कर्म किया था। बबूल की झाड़ियों में ले जाकर घटना करने से बच्ची जख्मी हो गई थी। उसे जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां से चिकित्सकों ने रात में उसकी छुट्टी कर दी। हालांकि वह अभी भी डरी हुई है। कुछ देर के लिए उसका ध्यान बंटता है तो वह खेलने लगती है।

तीन घंटे तड़पता रहा मरीज, हुई मौत

बांदा। शुगर के मरीज की ऑक्सीजन लेवल कम होने से अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। जिसको लेकर तीमारदारों का गुस्सा भड़क उठा। लापरवाही के चलते उपचार सही न मिलने से तीन घंटे तक मरीज के तड़प.तड़प कर दम तोड़ने का आरोप लगाया। आक्रोशित तीमारदारों के हंगामा करने से कर्मचारी कक्ष में ताला लगाकर भाग गए। पुलिस ने समझाकर किसी तरह मामला शांत कराया है। रविवार रात जिला अस्पताल एक बार फिर सुर्खियों में रहा। वहां 50 वर्षीय मरीज ओमप्रकाश निवासी शहर के मोहल्ला तिदवारी रोड को तीमारदारों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया था।

फांसी से झूलता मिला इकलौती संतान का शव

हमीरपुर। सुमेरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पचखुरा बुजुर्ग में एक युवक का शव फांसी के फंदे पर झूलता मिला स मृतक अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी, इस घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ हैपुलिस ने बताया कि गांव का राजू सिंह हैदराबाद में किसी कंपनी में काम करता है अपने साथ अपने पुत्र अनिल सिंह 24 वर्ष को भी काम पर लगाए था, मृतक अनिल सिंह एक माह पूर्व हैदराबाद से घर आ गया था और अपनी मां के पास रहता था रविवार की शाम को माँ के साथ खाना खाने के बाद अनिल सिंह नीचे की मंजिल में एक कमरे में सो गया था जबकि उसकी मां ऊपरी मंजिल में सोई हुई थी, सोमवार को सुबह मां जब अपने बेटे को जगाने पहुंची तो उसे फांसी के फंदे पर लटकते देखकर उसके होश हवास उड़ गए, चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन भी पहुंचे युवक की मौत की खबर हैदराबाद में मौजूद पिता के अलावा थाना सुमेरपुर की पुलिस को दी गई पुलिस ने मौके पर जाकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मृत्यु

राठ (हमीरपुर)। हमीरपुर रोड पर स्थित कुसमा मंदिर के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक सिकंदरपुरा मोहल्ला निवासी भीकम सिंह पुत्र रामकुमार जनपद फतेहपुर के जहानाबाद में शादी समारोह से वापस बाइक से घर लौट रहा था। तभी हमीरपुर रोड स्थित कुसमा मंदिर के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

चालक से मारपीट कर रुपये लेकर फरार

राठ(हमीरपुर)। कस्बे के जवाहर नवोदय विद्यालय के पास बाइक पर सवार तीन अज्ञात लोगों ने मौरंग से भरे ट्रक को रोक कर चालक के साथ मारपीट कर मोबाइल व रुपये लूटकर फरार हो गये। घायल ट्रक चालक को इलाज के लिये सीएचसी में भर्ती कराया। जनपद छतरपुर के नौगांव निवासी ट्रक चालक प्रहलाद प्रजापति पुत्र कालका प्रसाद ने बताया कि वह चिकासी थाना क्षेत्र के मौरंग खदान से ट्रक में बालू लेकर आ रहा था।

आयुक्त ने लिया कमाण्ड एंड कन्ट्रोल सेंटर का जायजा

संवाददाता। बांदा

कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुये जनपद बांदा के इन्टीग्रेटेड कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर विकास भवन का आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल बांदा दिनेश कुमार सिंह ने पुलिस महानिरीक्षक चित्रकूटधाम मण्डल बांदा के सत्यनारायण एवं जिलाधिकारी श्री आनन्द कुमार सिंह के साथ निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी हरिश्चन्द्र वर्मा मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एनडी शर्मा डिप्टी कलेक्टर सुश्री सुरभि शर्मा डिप्टी कमिश्नर एनआरएलएम केकेपाण्डेय जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी एसकेबघेल जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जिला बचत अधिकारी श्री राकेश जैन सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें। सर्वप्रथम आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल बांदा द्वारा टेलीकन्सलटेशन हेल्प डेस्क हेल्पलाइन डेस्क होम आइसोलेशन पेशेंट कॉलिंग डेस्क को देखा गया तथा ड्यूटी पर कार्यरत कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि जो भी कॉल आ रही है उनको रजिस्टर में साफसुथरा अंकित किया जाये। उन्होंने कहा कि जो भी संक्रमित मरीज पाये जाते है तो उनको आईसीसीसी के माध्यम से सुनिश्चित किया जाये कि मेडिकल किट प्राप्त हुयी है कि नहीं। यदि नहीं प्राप्त हुयी है तो तत्काल सम्बन्धित क्षेत्र की आरआरटी टीम आशा को कॉल करके तत्काल मेडिकल किट उपलब्ध करायी जाये।

आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल बांदा द्वारा कोविड कमाण्ड सेन्टर में तैनात कर्मचारियों को वर्तमान में कोविड.19 के बढ़ते संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुये कोविड कमाण्ड सेन्टर में सोशल डिस्टेंन्सिंग के साथ बैठने हेतु निर्देशित किया गया। कोविड-19 के संक्रमित मरीजों से अच्छी तरीके से वार्ता की जाये एवं प्रत्येक पॉजिटिव मरीज से प्रतिदिन 2 बार अवश्य वार्ता की जाये। होम आइसोलेशन एवं अस्पताल में भर्ती पॉजिटिव मरीज से उनके स्वास्थ्य मेडिकल किट प्राप्त होने की स्थिति एवं उनको कोई समस्या तो नहीं है आदि के सम्बन्ध में जानकारी ली जाये। यदि किसी मरीज द्वारा समस्या बतायी जाती है तो तत्काल सम्बन्धित अधिकारियों को अवगत कराते हुये समस्या का अतिशीघ्र निस्तारण कराकर निस्तारण आख्या रजिस्टर में सुस्पष्ट अंकित करें। उन्होंने नोडल अधिकारी आईसीसीसी को निर्देशित किया गया कि आम जनमास हेतु 18 नम्बर जो संचालित किये गये है एवं कोविड.19 के संक्रमण से बचाव के उपाय सहित बड़ी होर्डिंस लगवायी जाये ताकि आम जनमानस को पता चल सके तथा प्रतिदिन इन्ट्रीग्रेटेड कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर में होने वाली गतिविधियों का जिला सूचना अधिकारी से समन्व्य स्थापित करते हुये प्रतिदिन समाचार पत्रों में प्रकाशित कराया जाये।

आयुक्त द्वारा नोडल अधिकारी आईसीसीसी को निर्देशित किया गया कि जनपद में न्याय पंचायतवार तैनात किये गये सेक्टर मजिस्ट्रेट से प्रतिदिन में 2 बार वार्ता करने हेतु प्रथक से सत्यापन टीम आईसीसीसी में तैनात किया जाये तथा सत्यापन टीम द्वारा प्रत्येक आशा से भी वार्ता कर जानकारी लें कि आशा के पास उपलब्ध पल्सआक्सीमीटर एवं थर्मल स्कैनर सुचारू रूप से कार्य कर रहे है या नहीं तथा मेडिकल किट पर्याप्त मात्रा में है या नहीं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सेक्टर मजिस्ट्रेट से सत्यापन टीम द्वारा वार्ता करने के उपरान्त रिपोर्ट प्रतिदिन जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेगी।

बच्चों में दिखें नये लक्षण तो न करें नजरअंदाज

संवाददाता। चित्रकूट

महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत प्रदेश में संचालित 180 बालगृहों में 0 से 18 साल के बच्चों को कोरोना से सुरक्षित रखने को अधिकारियों और विशेषज्ञों ने गहन चर्चा की। सोमवार को वेबीनार में मौजूद एसजीपीजीआई लखनऊ के वरिष्ठ सलाहकार डॉ पियाली भट्टाचार ने कहा कि इस समय बच्चों में कोई भी नये लक्षण दिखें तो उन्हें नजरअंदाज न करें। बच्चों में डायरिया, उल्टी, दस्त, सर्दी, जुकाम, बुखार, खांसी, आंखे लाल होना या सिर व शरीर में दर्द होना, सांसों का तेज चलना आदि कोरोना के लक्षण हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर बच्चे को होम आइसोलेशन में रखकर इलाज करायें। बच्चा ज्यादा रोये या गुस्सा करे या गुमसुम रहे तो भी उस पर नजर रखनी है। बच्चों को हरी सब्जी, दाल, मौसमी फल, तरबूज, खरबूज, नींबू, संतरा जरूर खिलायें, ताकि शरीर में रोग से लडने की ताकत पैदा हो सके।

पाटनपुर गांव में तेरह मौतों का कारण क्या!

मौदहा(हमीरपुर)। वड़ी आबादी वाला यहां का पाटन पुर गांव में 20 दिन के अंदर 13 मौतें हुई हैं। ग्रामीणों के मुताबिक यह सभी मौतें अधिक आयु वालों की और उनमें से कुछ जवानों की हैं। जिन्हें बुखार आया किसी को खांसी आई और उसके बाद सही इलाज व जांच न होने पर वह काल के गाल में समा गए।एक के बाद एक मौतों से गांव में दहशत बड़ी और आज भी इस गांव में बुखार पीड़ित मरीजों की संख्या 2 दर्जन से अधिक बताई जा रही है। कोरोना से प्रभावित रहे गांव के महेंद्र सिंह ने कहा कि उन्होंने अस्पताल में जांच कराई थी। पॉजिटिव थे जब कि उनके कोई ऐसे लक्षण स्पष्ट नहीं थे दवा खाई गई। इलाज के बाद वह बिल्कुल ठीक है और अब जांच के बाद वह पूरी तरह ठीक हैं। उन्होंने बताया कि गांव में 20- 25 दिन के अंदर बुखार आने से मौतों का सिलसिला शुरू हुआ था। इस संबंध में अस्पताल के अधीक्षक डा अनिल सचान ने बताया कि अस्पताल से बाकायदा जांच के लिए टीमें भेजी गई। पहली बार तो 26 जाचें हुए।वहीं कल भी जांच कराई गई जिसमें मात्र सात जांचें हुए। बताया कि लोग जांच में सहयोग नहीं करते और जबरन घरों से निकाल कर किसी की जांच की नहीं जा सकती।

संक्रमित होने पर अस्पताल से लौटाया

मौदहा। सडक हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए युवक को कोरोना संक्रमित पाये जाने से उसका इलाज नहीं हो सका।जबकि स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा गाँव जाकर लगभग दो दर्जन लोगों के नमूने लिए गए हालांकि राहत की बात यह रही कि कोई भी व्यक्ति संक्रमित नहीं पाया गया है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तिंदुही निवासी नीरज सिंह(19)पुत्र फूल सिंह शुक्रवार की रात नेशनल हाईवे 34 पर हुए सडक हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसे 108 एम्बुलेंस की सहायता से कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया था। जहां से युवक की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया था जहां से युवक की हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कालेज कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया था शनिवार की सुबह घायल हुए युवक का कानपुर में कोरोना का टेस्ट किया गया जहां से उसकी रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव आने से उसे बिना इलाज के ही होम क्वारंटीन करते हुए घर वापस लौटा दिया गया था।उसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव पहुंच कर उसके सम्बंधियों के नमूने लिए जिससे पूरे गांव में हडकंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि गांव में कोई भी व्यक्ति संक्रमित नहीं पाया गया।

मुंडन न कराने पर चटकीं लाठियां

सुमेरपुर (हमीरपुर)। पारिवारिक सदस्य की बीमारी चलते मौत हो जाने के बाद शुद्धता कार्यक्रम में परिवार के अन्य सदस्यों के शामिल न होने से ऐसा विवाद खड़ा हुआ कि आपस में लाठियां चटक गई, जिसमें कई लोग घायल हो गए, दोनों पक्षों की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है, पुलिस ने तहरीर के आधार पर एक दूसरे पक्ष के खिलाफ कार्यवाही करते हुए घायलों का डॉक्टरी परीक्षण कराया है,

चोरी की नौ बाइक बरामद चार ऑटोलिफ्टर दबोचे गए

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी अभियान के क्रम में मानिकपुर थानाध्यक्ष सुभाषचन्द्र चौरसिया की अगुवाई में सरैंया चौकी प्रभारी संदीप पटेल ने अन्तर्राज्जीय मोटरबाइक चोर गिरोह के चार लोगों को दबोचकर चोरी की नौ मोटरबाइकें बरामद की हैं। सोमवार को चौकी प्रभारी सरैंया संदीप पटेल की टीम हनुवा मोड पर वाहनों की जांच कर रही थी। मोटरबाइक यूपी 96डी- 9859 चलाते हुए चन्दन सिंह पुत्र विनोद सिंह निवासी दसईपुर थाना किशुनपुर जिला फतेहपुर व बालकृष्ण उर्फनाम पुत्र बंशीधर निवासी रामपुर तरौंहा थाना बहिलपुरवा तथा अजय कुमार रैदास उर्फ रामकिशोर निवासी दसईपुर और बब्बू लोध पुत्र बलराम निवासी कबरहापुरवा मजरा हनुवा को दबोचकर पूंछताछ की गई तो ये सभी लोग गाडियों के कागज नहीं दिखा सके। सख्ती से पूंछताछ में बताया कि चारों लोग मिलकर मोटरसाइकिलें चुराकर बेंचने का काम करते हैं।

रोगियों के तीमारदारों को दिन में दो बार दी जाये जानकारी: नोडल अधिकारी

संवाददाता। हमीरपुर

आज नोडल अधिकारी एनजी रवी कुमार ने कंट्रोल रूम की व्यवस्था का जायजा लिया तथा कहा कि कोविड-19 के दृष्टिगत होम आइसोलेशन में रहने वाले लोगों अथवा अन्य लक्षण युक्त गंभीर मरीजों के लिए आपात स्थिति, इमरजेंसी के लिए एम्बुलेंस एवं दवाओं की व्यवस्था रखी जाए, इमरजेंसी में बात करने हेतु उन्हें अलग से कांटैक्ट नंबर दिए जाय। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के संबंध में रेंडमली जाँच भी की जाय । कहा कि रैपिड रेस्पांस टीम एवं निगरानी समितियों द्वारा सक्रियता के साथ कार्य किया जाए। कोविड के एडमिट मरीजों के स्वास्थ्य के बारे में उनके परिजनों को दिन में दो बार अवश्य बताया जाए। नोडल अधिकारी ने कहा कि पॉजिटिव पाए जाने वाले व्यक्ति से तत्काल संपर्क कर उनको अस्पताल पहुंचा कर इलाज शुरू कराया जाए तथा पॉजिटिव पाए गए मरीजो को समुचित इलाज तथा अन्य सुविधाएं समय से उपलब्ध हो । उनकी अच्छे ढंग से कांटैक्ट ट्रेसिंग हो तथा संपर्क में आये सभी लोगों की सैम्पलिंग की जाय। टीकाकरण के कार्य में तेजी लाई जाए। टीकाकरण के कार्यों में ग्राम प्रधानों आशाओं आदि का भी सहयोग लिया जाए । उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम में जो भी फोन आ रहे हैं उसको एक नोटबुक में नोट किया जाय तथा संबंधित को उस समस्या के बारे में अवगत कराकर निराकरण कराया जाय। कुरारा एल-2 हॉस्पिटल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एडमिट मरीजों के बारे में जानकारी ली ,इस पर एल -2 प्रभारी डॉ पीके सिंह ने बताया कि हॉस्पिटल में जितनी भी डेथ हुई है उसमें से किसी का भी वैक्सीनेशन नहीं था।

घायल युवक की इलाज के दौरान मृत्यु

राठ (हमीरपुर)। बीते दो दिन पहले मार्ग दुर्घटना में घायल हुये युवक की इलाज के दौरान झांसी में मौत हो गई। परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराये युवक के शव को दफन करा दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।कस्बे के सिकंदपुरा मोहल्ला निवासी साहिद (20) पुत्र स्व.यासीन खान शनिवार की दोपहर करीब 2 बजे कांशीराम कॉलनि से वापस बाइक से घर आ रहा था। तभी नहर बाईपास पर बाइक का संतुलन बिगड़ जाने पर वह पुलिया से टकरा गया और बाइक से उछलकर नहर में जा गिरा।

नदी में कूदकर जान दे दी

सरीला (हमीरपुर)। जनपद जालौन के कहटा गांव निवासी 38 वर्षीय अधेड़ शुक्रवार को चंडौत गांव किनारे बने बेतवा नदी की पुल से कूद गया था। सोमवार को उसका शव जरिया थाना क्षेत्र की सीमा में बरामद हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आटा थाना क्षेत्र के कहटा गांव का शिवराम (38) पारिवारिक विवाद के बाद घर से भाग गया था। और चंडौत में बेतवा नदी के पुल से कूद गया था।

सदर विधायक ने कोरोना संक्रमित मरीजों से मिलकर लिया हालचाल

पूर्व सांसद रामसेवक भाटिया के स्वास्थ्य के बारे में ली जानकारी

संवाददाता। उरई(जालौन)

सोमवार को सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा द्वारा मेडिकल कॉलेज में कोविड-19 के मरीजों के लिए मेडिकल कॉलेज रैन बसेरा मेडिकल कॉलेज एल 2 में जो मरीज भर्ती है उनके लिए पानी की बोतल बिस्कुट रियल का जूस, केला आदि का वितरण कर कोरोना संक्रमण से ग्रसित मरीजों से भी मिलकर उनका हालचाल लिया।सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने एल 2 के बार्ड 11 व 10 जाकर मरीजों का हाल-चाल एवं सफाई व्यवस्था को देखा और वहां पर स्टाफ नर्स एवं डॉक्टरों से वार्ता की एवं मरीजों को से उनके हालचाल लेकर पूछा वहां पर पूर्व सांसद रामसेवक भाटिया एवं राजू चौधरी का भी हालचाल लिया। इस दौरान सदर विधायक ने मरीजों से नियमितद वा का सेवन करने के साथ ही अस्पताल में मिलने वाले खाने के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान डॉक्टर प्रशांत निरंजन, डॉक्टर संजीव गुप्ता, डॉ. राहुल गुप्ता, डॉ. स्मृति वर्मा, बॉबी, धर्मेंद्र चौहान, संदीप पांचाल, रामू गुप्ता सहित अनेकों पार्टी कार्यकर्ता साथ में रहे।

तहसील परिसर में शिविर लगाकर तीस लोगों की टेस्टिंग की गयी

जालौन (उरई)। नगर में स्वास्थ्य विभाग की टीम शिविर लग कर लोगों की टेस्टिंग कर रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सोमवार को तहसील में शिविर लगा कर 30 कर्मचारी की टेस्टिंग की है। डा. सहन विहारी गुप्ता, संजय की टीम ने तहसील परिसर में तहसील कर्मचारियों की कोरोना टेस्टिंग की।

मेडिसिन किट बांटी

जालौन (उरई)। एक ओर जहां कोरोना संक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। दूसरी ओर ऐसे समय में समाज की सेवा करने वालों के हौंसले भी बढ़े हुए हैं। प्रधानाध्यापिका व्यंजना सिंह के नेतृत्व में उनकी टीम ग्रामीण क्षेत्र में निशुल्क मेडिसिन किट उपलब्ध करा रही है।

लड़की को सहपाठी ले भागा, रिपोर्ट दर्ज

सरीला (हमीरपुर)। जरिया थाना क्षेत्र के एक गांव से 16 वर्षीय किशोरी को उसी का सहपाठी अपहरण करके ले गया है। किशोरी के पिता की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध अनुसूचित जाति अधिनियम व अपहरण का मामला दर्ज किया गया है। किशोरी के पिता ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी अपने मामा के यहां गई थी। शनिवार को उसके साथ पढ़ने वाला अजय कुमार मिश्रा उसे बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। काफी खोजबीन के बाद उसका कहीं पता नहीं चल रहा है। थानाध्यक्ष राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध अपहरण व अनुसूचित जाति अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

पुलिस फालोवर के जेवरात व नगदी चोरी

सुमेरपुर(हमीरपुर)। कल देर रात को इगोहटा में पुलिस चौकी से थोड़ी दूर पर ही अलग अलग दो घरों को निशाना बनाकर चोर लाखो के जेवरात और नगदी चोरी कर ले गए, पुलिस फालोवर को तो नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश करने के बाद चोर आराम से चोरी करते रहे, एक रात में दो स्थानो में बड़ी चोरों होने से गांव में हड़कंप मच गया है, सूचना पाकर पुलिस ने मौका मुआयना करके चोरियों का पर्दाफाश करने का आश्वासन दिया है, थाना सुमेरपुर के फालोवर रामकरन सोनकर ने बताया कि रविवार की रात को करीब 2 बजे अग्यात चोर पीछे से छत पर चढ़कर अंदर आ गए और उसे नशीला पदार्थ सुंघाकर घर में रक्खी 2 लाख की नगदी तथा उसकी पत्नी तथा दो विवाहित पुत्रियों का करीब 4 लाख का जेवरात जिसमें लगभग 7 तोला सोना और चांदी चोरी करके ले गए।

सगे भाइयों में मारपीट

जालौन (उरई)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छिरिया सलेमपुर में पारिवारिक बंटवारे को लेकर दो भाइयों में झगड़ा हो गया। पुलिस ने आपस में झगड़ा कर रहे दोनों भाईयों को पकड़ लिया है। छिरिया सलेमपुर निवासी वीर सिंह तथा राज कुमार उर्फ राजू के बीच पारिवारिक बंटवारे को लेकर दोनों भाईयों में झगड़ा होने लगा। दोनों भाइयों में गाली-गलौज के बाद मारपीट होने लगी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आपस में झगड़ा कर रहे दोनों भाईयों को पकड़ा।

युवक ने पुलिस से की हाथापायी, गिरफ्तार

कुरारा(हमीरपुर)। पुलिस गस्त के दौरान बैंक के बाहर मौजूद युवक से मास्क लगाने के लिए कहने पर युवक पुलिस के साथ हाथापाई भी कर डाली पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। बेरी पुलिस चौकी के सिपाही दीपक बाबू व राहुल कुमार दोपहर में बेरी गांव की आर्यावर्त बैंक में गश्त के लिए गए थे तभी वहां बेरी गांव निवासी धीरेंद्र यादव उर्फ मुन्ना बिना मास्क लगाए टहल रहा था तो सिपाही राहुल यादव व दीपक बाबू ने मास्क लगा लेने के लिए कहा ये सुनते ही युवक भड़क गया व सिपाहियों से बहस करने लगा तभी सिपाही दीपक बाबू ने उसका वीडियो बनाना चाहा तो युवक सिपाही दीपक बाबू के हांथ से मोबाइल छीनने लगा व हांथापाई में उतर आया।

एक हजार पैकेट रोज बांट रहे समाजसेवी

चित्रकूट। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की तपोभूमि में अतिगरीब बस्तियों में श्रीराम अन्नपूर्णा रसोई प्रतिदिन एक हजार लोगों को भोजन बांट रही है। छठवें दिन समाजसेवी शानू गुप्ता की अगुवाई में टीम ने पहाडी क्षेत्र के गांवों में एक हजार लोगों के बीच भोजन पैकेट बांटे। सोमवार को समाजसेवी शानू गुप्ता की अगुवाई में टीम पहाडी क्षेत्र के नांदीतौरा गांव के कुम्हार मोहल्ला, चमरौडी, नांदी, पहाडी चमरौडी, मालिन बस्ती में गरीबों के बीच भोजन बांटा। ये रसोई 12 मई से शंकर बाजार ब्रम्हचर्य स्कूल के पास चल रही है। रसोई संचालक/समाजसेवी/राष्ट्रीय जनउद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन शानू गुप्ता वितरण व भंडारण कार्य को प्रमुख रुप से देख रहे हैं। उनके इस कार्य में मंडल संगठन मंत्री अमित पौहरिया, मंडल महामंत्री युवा शेषू जायसवाल, रुकमणि सेवा संस्थान के संस्थापक अतुल कुमार की पूरी टीम लोगों की भूख मिटाने के प्रयास में लगी है।

पाजिटिव मरीजों के संपर्क में आने वालों की सैंपलिंग जरूरी

● नोडल अफसर ने कोविड-19 को लेकर की अहम बैठक, विकासखंड जगदीशपुर अंतर्गत ग्राम पलिया पश्चिम का किया स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता। अमेठी

अधिकारियों के साथ बैठक में मौजूद नोडल अधिकारी, ग्राम सभा में लोगों से जानकारी लेती हुई नोडल अधिकारी पायनियर

शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी मोनिका एस. गर्ग, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा ने आज जगदीशपुर स्थित बीएचईएल गेस्ट हाउस में जिलाधिकारी अरुण कुमार, पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंहए मुख्य विकास अधिकारी डॉ अंकुर लाठर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष दुबे व अन्य अधिकारियों के साथ कोविड-19 व उसके टीकाकरण के संबंध में चल रही समस्त कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा कर प्रभावी कार्यवाही हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान नोडल अधिकारी ने कहा कि पॉजिटिव व्यक्ति के संपर्क में आए समस्त व्यक्तियों की सैंपलिंग अनिवार्य रूप से कराई जाए। कांटेक्ट ट्रेसिंगए टेस्टिंग तथा टीकाकरण की प्रगति पर विशेष ध्यान दिया जाए। 45 वर्ष की आयु से ऊपर के सभी व्यक्तियों का टीकाकरण अनिवार्य रूप से कराया जाए। एल.2 हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों तथा होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों से नियमित फोन के माध्यम से उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली जाए। हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों के खाने पीनेए साफसफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके उपरांत नोडल अधिकारी ने विकासखंड जगदीशपुर अंतर्गत ग्राम पलिया पश्चिम का स्थलीय निरीक्षण कर साफसफाईए सैनिटाइजेशन का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने प्राथमिक विद्यालय पलिया पश्चिम में निगरानी समितिए आरआरटी टीमए सर्विलांस टीम के सदस्यों के साथ वार्ता कर कोविड.19 महामारी पर प्रभावी नियंत्रण व टीकाकरण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीकाकरण को लेकर लोगों में जो भ्रांतियां हैं उनको दूर करते हुए अधिक से अधिक व्यक्तियों का टीकाकरण कराया जाए। निगरानी समितियां गांव में लगातार भ्रमणशील रहकर लक्षण युक्त वाले मरीजों की पहचान करने तथा उनकी सैंपलिंग कराने के साथ ही उन्हें मेडिकल किट भी उपलब्ध कराएं। हल्के लक्षण वाले मरीजों को होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दें साथ ही बाहर से आ रहे प्रवासियों को चिन्हित करते हुए उनकी सेंपलिंग करायें तथा उन्हें क्वारंटाइन सेंटर में रखने की कार्यवाही भी सुनिश्चित कराएंगे। गांवों में नियमित रूप से साफसफाईए सैनिटाइजेशनए फागिंग का कार्य कराया जाए। उन्होंने कहा कि स्वयं को सुरक्षित रखते हुए इस महामारी में लगातार सहयोग करते रहे। इस दौरान नोडल अधिकारी ने जनसामान्य से अपील करते हुए कहा कि अभी कोरोना का खतरा टला नहीं है इसके लिए जरूरी है कि नियमित रूप से मास्क पहनेए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करेंए बार बार साबुन से हाथ धोते रहेंए भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचेंए आवश्यक ना हो तो घर से बाहर ना निकलेए साथ ही 45 वर्ष के ऊपर के सभी व्यक्ति अपना टीकाकरण जरूर कराएं। इस दौरान उक्त के अतिरिक्त उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना सुनील त्रिवेदीए जिला विकास अधिकारी प्रदीप पांडेयए पुलिस क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखानाए तहसीलदार मुसाफिरखाना सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

अज्ञात लुटेरों ने कट्टे की नोक पर मोबाइल और नकदी लूट ली

लालगंज-रायबरेली। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के भैरमपुर गांव के पास अज्ञात बाइक सवार लुटेरों ने मोबाइल व नगदी छीन लिया। लूट का शिकार व्यक्ति पूरे नरायन मजरे सेमरपहा निवासी राकेश कुमार पुत्र रामप्रताप बताया गया है। जानकारी के अनुसार बीती शाम को वह सरेनी की ओर जा रहा था तभी बाइक सवार लुटेरो ने उसे बेहटाकलां पावर हाउस के आगे सूनसान जगह पर रोंका और पहले मोबाइल छीनने की कोशिश की तब इसने विरोध किया। विरोध में लुटेरे के साथ राकेश कुमार ने मारपीट शुरू कर दी। लेकिन बाद मे दूसरे साथी ने राकेश को कट्टे से उड़ाने की धमकी दी। भयभीत राकेश कुमार ने मारपीट बंद कर दी। बताते हैं कि मोबाइल के साथ लुटेरों ने उसकी जेब में पड़े रूपये भी छीन लिए। और बेहटाकलां की ओर चम्पत हो गये। पीड़ित ने बीती शाम को ही पुलिस का तहरीर देकर प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की थी लेकिन घटना की रिपोर्ट पुलिस ने दर्ज नही किया है।

तेंदुए के हमले में युवक घायल ग्रामीणों के पहुंचने पर बची जान

● सिरसिया सीएचसी पर चल रहा है इलाज

संवाददाता। श्रावस्ती,सिरसिया

थाना सिरसिया के जंगल के समीपवर्ती गांवो में इन दिनों तेंदुए के हमले की घटनाओं में बृद्धि आयी है ताजा मामला थाना सिरसिया अंतर्गत हथियाकुंडा नाले की है जहाँ ग्राम पण्डितपुरवा निवासी 25 वर्षीय धर्मेन्द्र कुमार पर तेंदुवे ने हमला कर दिया ग्रामीणों के पहुंचने पर युवक की जान बच गई। सूचना पर मौके पर पहुची पीआरबी के पुलिस जवानों ने युवक को सिरसिया सी एच सी में भर्ती कराया है। थाना सिरसिया के ग्राम पण्डित पुरवा निवासी 25 वर्षिय धर्मेन्द्र कुमार पुत्र जमुना प्रसाद पासवान अपने ही गांव के धनी राम के साथ पूर्बी सोहेलवा जंगल के निकटवर्ती हथियाकुंडा नाले में फूस का क्षप्पर बनाने के के काम में आने वाली बनबेला काटने गया था। जब वह बन बेला काट रहा था तभी झाडियो में पहले से बैठे तेंदुवे ने हमला कर दिया दूसरे साथी ने चिल्लाने की आवाज सुन अपने साथी की तरफदौडा तो देखा तेन्दुआ उसके साथी युवक पर हमलावर है। जिस पर वह शोर मचाते हुए गांव पहुच कर लोगो को घटना के बारे में जानकारी दी। जिसपर ग्रामीण लाठी डंडो से लैस होकर घटना स्थल की तरफदौड़ पड़े। भीड़ से अपने को घिरा देख तेंदुवा जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने हमले की जानकारी पी आर वी को दी मौके पर पहुचे पुलिस जवानों ने घायल युवक को ए बुलेंश से सी एच सी सिरसिया में भर्ती कराया गया है जहां युवक का इलाज चल रहा है।

अमेठी में विशेष सफाई, सैनिटाइजेशन व फागिंग अभियान

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जनपद अमेठी में कोविड.19 महामारी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में लगातार साफसफाईए सैनिटाइजेशन व स्वच्छता का कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद के सभी नगर निकायों के वार्डों में नियमित साफसफाई के लिए नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मियों व फायर टैंकर की गाड़ियों के माध्यम से सैनिटाइजेशन कराने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी सफाई कर्मचारी तथा फायर टैंकर के माध्यम से लगातार सफाई अभियान चलानेए सैनिटाइजेशन कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। साथ ही सभी कार्यालयों में भी सैनिटाइजेशन कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कोविड.19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत जनपद में विशेष स्वच्छता अभियान संचालित कर सैनिटाइजेशन कराया जा रहा है। इसके साथ ही कंटेनमेंट जोन में भी नियमित सैनिटाइजेशन कराया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में सफाईए सैनिटाइजेशन हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी तथा शहरी क्षेत्र में समस्त अधिशासी अधिकारियों को सफाई कर्मचारियों की टीम गठित कर प्रतिदिन निर्धारित कंटेनमेंट जोन के साथ संक्रमित क्षेत्र में कोविड.19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सैनिटाइजेशन व सफाई कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि जनपद की सभी ग्राम पंचायतों के साथ प्रमुख स्थानों पर फायर टैंकर के सहयोग से बृहद सैनिटाइजेशन कराने तथा नालियों में एंटी लार्वा स्प्रेए ब्लीचिंग पाउडर छिड़काव सहित वृहद स्तर पर सफाई कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। इसके साथ ही जन सामान्य को भी कोविड.19 संक्रमण से बचाव हेतु क्या करें.क्या ना करें के संबंध में भी जागरूक करने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने टीम-9, स्वास्थ्य और अन्य अधिकारियों के साथ की बैठक

अमेठी। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने आज सीएमओ कार्यालय में संचालित एकीकृत कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में प्रभारी इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूमए प्रभारी सर्विलांसए प्रभारी सैम्पलिंगए प्रभारी स्टोरए प्रभारी टीकाकरणए मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिला अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों तथा टीम-9 के अधिकारियों के साथ कोविड-19 व उसके टीकाकरण के संबंध में चल रही समस्त कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा कर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान समस्त उपजिलाधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि एल-2 हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों तथा होम आइसोलेशन वाले मरीजों से प्रतिदिन फोन के माध्यम से उनके स्वास्थ्य संबंधी फीडबैक लिया जाए यदि किसी भी मरीज को किसी भी प्रकार की समस्या हो तो उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित कराएं। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कांटेक्ट ट्रेसिंगए टेस्टिंग तथा टीकाकरण की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पॉजिटिव व्यक्ति के संपर्क में आये सभी व्यक्तियों की जांच अवश्य किया जाए तथा कोविड टेस्टिंग कार्य में वृद्धि की जाए। जिलाधिकारी ने कांटेक्ट ट्रेसिंग बढ़ाने के साथ.साथ बाहर से आने वाले समस्त व्यक्तियों की सैंपलिंग अनिवार्य रूप से कराए जाने को कहा।

क्विक न्यूज

रायबरेली के नवागत डाक अधीक्षक अशोक बहादुर सिंह ने ग्रहण किया कार्यभार

रायबरेली। भारतीय डाक विभाग में रायबरेली मंडल के नवागत अधीक्षक अशोक बहादुर सिंह ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। रायबरेली डाक कर्मचारी संघ के महासचिव चित्रवीर सिंह एवं कर्मचारी नेता सुशील शुक्ला ने डाक अधीक्षक से कोरोना प्रोटोकॉल के तहत मुलाकात की एवं शुभकामनाएं दी एवं नवागत अधीक्षक से कोरोना के दौरान सभी उप डाकघरों एवं शाखा डाकघरों को नियमित सैनिटाइज एवं कर्मचारियों को मास्क एवं सैनिटाइजर नियमित रूप से प्रदान किए जाने की अपील की। अधीक्षक अशोक बहादुर सिंह ने विभागीय अधिकारियों से मंडल में डाक सेवाओं की प्रगति का जायजा लिया और सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को आगाह किया कि इस महामारी में अपने कार्य के साथ-साथ अपनी सुरक्षा का भी ध्यान रखें क्योंकि जरा सी लापरवाही, जीवन के लिए घातक हो सकती है सरकार एवं मंडल से जारी कोरोना से संबंधित दिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन करने का सुझाव दिया।

एनटीपीसी सीएमओ का निलंबन वापस, रामागुंडम भेजे गए

ऊंचाहार,रायबरेली। एनटीपीसी के सीएमओ डॉ एन एम सिंह पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप बदले की भावना से ग्रसित होकर द्वेषपूर्ण भावना से लगाए गए थे। प्रारंभिक जांच में आरोपों को द्वेषपूर्ण पाए जाने के बाद उनका निलंबन वापस लेते हुए एनटीपीसी के उच्च प्रबंधन ने उनको एनटीपीसी की रामागुंडम परियोजना के अस्पताल में स्थानांतरित किया है। ज्ञात हो कि करीब तीन माह पूर्व भारत सरकार के सतर्कता विभाग के पोर्टल पर दो लोगो की शिकायत के आधार पर एनटीपीसी ने सीएमओ को निलंबित कर दिया था। इस मामले में गठित एक कमेटी द्वारा जांच की जा रही है। जांच टीम द्वारा प्रारंभिक जांच में पाया है कि एनटीपीसी चिकित्सालय के ही एक पूर्व चिकित्सक द्वारा साजिश के तहत अपने करीबी लोगों से शिकायत दर्ज कराई थी। धनराशि के लेन देन को लेकर की गई शिकायत में उपलब्ध साक्ष्यों में यह पाया गया है कि रुपए का लें देन आपसी उधारी थी। जिसमे से धनराशि वापस भी की गई। उधर दूसरी शिकायत ऊंचाहार के एक टेंट व्यवसाई की थी। यह व्यवसाई एनटीपीसी में किराए पर टेंट लगाता रहा है। इसने इससे पहले भी लोगो के विरुद्ध कई शिकायतें करके समझौता कर चुका है। लोगो को ब्लैकमेल करना इसका पेशा है। जांच कमेटी ने प्रारंभिक जांच के बाद सीएमओ का निलंबन वापस ले लिया है और उनको ऊंचाहार से रामागुंडम की परियोजना के लिए स्थानांतरित कर दिया है।

डलमऊ प्रथम से नवनिर्वाचित जि.पं. सदस्य सत्येन्द्र कुमार का निधन, शोक की लहर

लालगंज-रायबरेली। पंचायत चुनाव में डलमऊ प्रथम से जिला पंचायत सदस्य पद पर नवनिर्वाचित सदस्य सत्येन्द्र कुमार की हृदय गति रूक जाने से निधन हो गया। इस नवयुवक के निधन की खबर फैलते ही न केवल डलमऊ बल्कि जिले में शोक की लहर फैल गयी। आप को बता दें कि अभी हाल में सम्पन्न हुए पंचायत चुनाव में डलमऊ प्रथम सीट से विजयी हुए थे और इन्होने अपने प्रतिद्वंदी प्रदीप कुमार सोनकर को करीब 600 मतों से पराजित किया था। सत्येन्द्र कुमार डलमऊ ब्लाक क्षेत्र के भीरागोविन्दपुर गांव के निवासी थे और मिलनसार व नेक स्वभाव वाले इंसान थे। डलमऊ ब्लाक क्षेत्र की यह सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित थी।

गौवध अधिनियम के तीन वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार मौर्य द्वारा जनपद में अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक बी0सी0 दूबे के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक ददन सिंह थाना मल्हीपुर मय टीम द्वारा क्षेत्र में भ्रमणशील थे तभी मुखबीर की सूचना पर मुकदमा अपराध सं या 096/2021 धारा 379 भा0द0वि0 व धारा 3/5/8 गोवध निवारण अधिनियम से संबंधित वांछित अभियुक्तगण छब्बू पुत्र मंसब निवासी महुली बनकटवा थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्तीए मोह मद नियामत खा उर्फ चैतू पुत्र शकूर खान उर्फ छोटन खान व सद्दन खान पुत्र मोह मद उमर निवासीगण चौरी कोटिया थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती को हरबंशपुर चौराहे के आगे से गिर तार कर अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 2 अदद चाकू ;छुरीद्ध व 01 अदद तराजू बरामद कर अभियुक्तगण को माननीय न्यायालय भिनगा रवाना किया गया।

सीएचसी के अधीक्षक की कोराना जांच आने पर उठे सवाल

लालगंज-रायबरेली। लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधीक्षक की आईटीपीसीआर रिपोर्ट में कोरोना निगेटिव आने के बाद एलटू हास्पिटल में ड्यूटी न करने का बहाना करने वाले चिकित्सकों की कलई खुल गयी। लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधीक्षक को सीएमओ ने रेलकोच फैक्ट्री के बने एलटू अस्तपाल में ड्यूटी लगायी थी लेकिन प्रारम्भिक जांच में रिपोर्ट पॉजिटिव आयी थी लेकिन उसके बाद करायी गयी आईटीपीसीआर रिपोर्ट में निगेटिव आये हैं। ऐसे चिकित्सकों की मेडिकल रिपोर्ट जांच की मांग की है।

चुनावी रंजिश को लेकर मारपीट, फायरिंग का आरोप

जामों, अमेठी। थाना अंतर्गत ग्राम दलीलपुर मौजा लोरिकपुर में अपने लिखित प्रार्थना पत्र में मनोज कुमार पांडे पुत्र संतोष कुमार पांडे ने कहा है कि रविवार की शाम लगभग 7.30 बजे मैं अपने घर पर बैठा था प् मेरे घर के सामने रामेश्वर शुक्ला पुत्र राम शंकर शुक्ला के घर पर संदीप द्विवेदी पुत्र स्वर्गीय रामचंद्र द्विवेदी निवासी लोरिकपुर हरिशंकर शुक्ला पुत्र राजकिशोर रामेश्वर शुक्ल निवासी दलीलपुर कपिल कांत द्विवेदी निवासी धाराधरी दुबे का पुरवाएरजनीश द्विवेदीए सोम द्विवेदीएविद्या कांत द्विवेदी धाराधरी दुबे का पुरवा व चंचल पांडे को अपने दरवाजे पर बिठा रखे थे प् यह सभी लोग मेरे दरवाजे पर आकर गाली गलौज व मारपीट करने लगे और कहा कि बहुत बड़े नेता बनते हो हम तुम्हें जान से मार देंगे प् इसी बीच फायरिंग भी की और पत्थर भी चलाए द्य हम लोग किसी तरह से भाग कर अपनी जान बचाई द्य मोटरसाइकिल भी तोड़ दी द्य सूचना पर मौके पर पुलिस भी पहुंची द्य इस मामले की जब जानकारी प्रभारी निरीक्षक अंगद सिंह से किया गया तो उन्होंने कहा कि धारा 147 323 504 506 427 336 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

अस्पताल की लापरवाही से नवजात शिशु के सिर से उठ गया मां का साया

संवाददाता। बछरावां-रायबरेली

● गुस्साए परिजनों ने लगभग दो घंटे तक अस्पताल के बाहर जमकर हंगामा काटा

स्वास्थ्य विभाग की अकर्मण्यता के चलते लगातार जिले के नर्सिंग होम में संसाधनों के अभाव व इलाज में लापरवाही के चलते मौत हो रही हैं। लेकिन विभाग कोई सुध लेने को तैयार नहीं है। ताजा मामला बछरावां विकासखंड के अंतर्गत बछरावां कस्बे के महाराजगंज रोड स्थित कल्याण सेवा हॉस्पिटल का है। जहां पर एक प्रसूता की इलाज मे लापरवाही के चलते मौत हो गई। महिला की मौत से गुस्साए परिजनों ने लगभग 2 घंटे तक अस्पताल के बाहर जमकर हंगामा काटा। लोगों में चर्चा है कि अस्पताल संचालकों द्वारा पैसे का लेनदेन कर मामले को सलटा दिया गया है। सनद हो रविवार की देर रात बछरावां विकासखंड के नीमटीकर गांव निवासी विवेक वर्मा ने अपनी 25 वर्षीय गर्भवती पत्नी को बछरावां कस्बे के महाराजगंज रोड स्थित कल्याण सेवा हॉस्पिटल में डिलीवरी के लिए भर्ती कराया। हॉस्पिटल संचालक व डॉक्टरों ने बेहतर इलाज का आश्वासन दिया। इलाज में लापरवाही का आलम यह था कि पैसे के लालच में गर्भवती महिला का बिना किसी जांच रिपोर्ट के ही ऑपरेशन कर दिया गया। प्रसूता ने एक बच्चे को जन्म दिया। सोमवार की सुबह तक महिला का रक्तस्राव नहीं रुका। सुबह अस्पताल के संचालकों व डॉक्टरों ने प्रसूता की तबीयत का मामला बिगड़ता देख आनन-फानन में प्रसूता को अति गंभीर अवस्था में लखनऊ के एक निजी प्राइवेट हॉस्पिटल के लिए भेज दिया। लेकिन रास्ते में ही प्रसूता की मौत हो गई। वही नवजात स्वस्थ है। महिला की मौत से गुस्साए परिजनों ने कल्याण सेवा हॉस्पिटल पहुंचकर जमकर हंगामा काटा। लगभग 2 घंटे तक अस्पताल के बाहर हंगामा होता रहा बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। मृतका के पति ने आरोप लगाया है कि इलाज में लापरवाही के चलते उसकी पत्नी की मौत हो गई है। अस्पताल संचालक इलाज में लापरवाही की बात से इंकार कर रहे हैं।लोगों में चर्चा है कि अस्पताल संचालकों द्वारा मृतका के परिजनों के साथ पैसों का लेनदेन कर मामले को निपटा दिया गया है। इस बाबत थाना अध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि ऐसी कोई सूचना थाने को नहीं दी गई है फिलहाल मामले की जांच पड़ताल कराई जाएगी।

एसडीएम ने इकौना नगर का किया भ्रमण, कोरोना कर्फ्यू का लिया जायजा

श्रावस्ती, इकौना। कोरोना क र्यू को देखते हुए एसडीएम इकौना ने नगर का भ्रमण कर ब्यवस्थाओ का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बेचूबाबा मंदिर मे लगी भीड़ को वहाँ से हटवाकर मन्दिर के गेट को बंद कराया। कर्फ्यू के दौरान लगातार बाजार मे खुल रही दुकानो की शिकायते मिलने के मददेनजर एसडीएम इकौना राजेश मिश्र ने प्रभारी निरीक्षक थाना इकौना कमलाकांत त्रिपाठी व पुलिस जवानों के साथ बाजार में पैदल मार्च किया। प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिसबल को पैदल मार्च करता देख बाजार मे भगदड़ की स्थिति बन गयी। जिन लोगों ने दुकाने खोल रखी थी उन्होंने दुकानों के शटर तत्काल बन्द कर दियेए भीड़ ने गलियों का रूख कर लिया। एसडीएम ने सभी दुकानदारों को क र्यू का पालन न करने को लेकर चेताया।

सादगी व कर्मठता की मिसाल कायम कर रहीं उपनिरीक्षक अर्चना यादव

संवाददाता। डलमऊ रायबरेली

डलमऊ कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक अर्चना यादव महिला शशक्तिकरण की साक्षात उदाहरण बन डलमऊ कोतवाली क्षेत्र की छात्राओं व महिलाओं के बीच जागरूकता फैलाने की अहम भूमिका निभा रही है अपने मृदुभाषी व सरल स्वभाव की पहचान स्थापित करने वाली महिला उपनिरीक्षक महिलाओं संग होने वाले अपराध को लेकर काफी सख्त व गंभीर हो जाती है। डलमऊ कोतवाली क्षेत्र में एंटीरोमियो से लेकर मिशन शक्ति में बहुत बड़ा योगदान अदा करते हुए उसे सही दिशा देने का भरशक प्रयास कर रही है महिलाओं के साथ जुड़ाव उपनिरीक्षक के व्यक्तिगत समर्पण सा प्रतीत होता है पुलिस विभाग में अपने अल्पकालीन अनुभव के उपरांत पीड़ितों के साथ समस्या के निस्तारण करने की अद्भुद शक्ति मानो एक लंबे कार्यकाल साअनुभव प्रदान करती है बेहद सरलता के साथ किये गए समस्याओं के निदान से प्राप्त हो रहे सार्थक परिणाम इसकी गवाही देते है पीड़ितों कोसही मार्गदर्शन देना फरियादियों को विवादों से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से समझाते हुए परिवार के सदस्य की भूमिका निभा जाती है जिससे लोगों के बीच अपनतत्व स्थापित कर जाती है जिसकी क्षेत्र में काफी चर्चा हो रही है बड़ी से बड़ी समस्या को केवल समझाने में विश्वास रखने वाली कर्मठ उपनिरीक्षक से शक्ति मिशन अंतर्गत महिलाओं को आत्मरक्षा व अपने साथ किसी तरह का अन्याय को रोकने को सक्षम बनाना जीवन का उद्देश्य मानती है।

निर्धन परिवारों में संक्रमण से मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार को मिलेगी 5000 की आर्थिक सहायता : डीएम

● शवों को नदी अथवा जल स्त्रोतों में प्रवाहित न करें

श्रावस्ती। जिलाधिकारी टी0के0 शिबु ने बताया है कि शासन के संज्ञान में यह तथ्य आया है कि कोविड.19 से संक्रमित या किसी अन्य कारण से मृत्यु होने पर शवों को पार परिक रीति से अंतिम संस्कार के स्थान पर नदियों में प्रवाहित किया जा रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप अन्य जनपद के नदियों में कई जगह शव प्राप्त हुए हैं। शवों का उचित अंतिम संस्कार के स्थान पर जल में प्रवाहित करने के नि न कारण इंगित किए गये हैं जैसे कि अंतिम संस्कार हेतु धन का अभाव ;लकड़ी व अन्य व्यवस्था न होनाद्धए पंथध्पर परा एवं कोविड.19 के शव को संक्रमण के भय से लावारिस छोड़ देना। इस प्रकरण को ग भीरता से लेते हुए सरकार ने ऐसे गरीब असहाय व्यक्ति जिनकी आर्थिक स्थित बहुत दयनीय हैए गरीबी के कारण वे परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने पर अंतिम संस्कार भी करने में असमर्थ हैए ऐसे लोगो को सरकार द्वारा अंतिम संस्कार हेतु अब 5000 की आर्थिक सहायता दी जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि सरकार द्वारा प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक निर्धन व निराश्रित परिवारों में मृत्यु होने पर अंत्येष्टि हेतु राज्य वित्त आयोग से 5ए000६ की धनराशि निर्गत किया गया है। इसी प्रकार शासन द्वारा यह भी निर्देश दिये गए हैं कि कोविड.19 से संक्रमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर अंतिम क्रिया के लिए तत्काल 5ए000६ की धनराशि प्रदान किया जायेगा। यदि इस प्रकार से कोविड संकमण से मृत्यु जिसमें परिवारजन अंतिम संस्कार में सहयोग न कर पा रहे हों तोंए ग्राम पंचायत स्तर से उक्त धनराशि का उपयोग शवों के दाह संस्कार पर करेगी।

सरकार की शीर्ष प्राथमिकता वाले कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई व शिथिलता न बरतेंः रामी रेड्डी

संवाददाता। रायबरेली

जनपद के नामित नोडल अधिकारी अपर मुख्य सचिव सहकारिता ने गंगागंज स्थित गेहूँ क्रय केन्द्र शोरा गंगागंज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेहूँ क्रय केन्द्र पर खरीद कार्य पूरी सतर्कता के साथ ही निरीक्षण व प्रभावी तरीके से संचालन किये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने अधिकारी से कहा कि गेहूँ क्रय केन्द्रों पर अपनी उपज बेचने में किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न हों। किसी भी दशा में गेहूँ क्रय केन्द्रों पर दलाल व बिचौलियां, किसान विरोधी आदि असामाजिक तत्व न दिखाई पड़े। किसानों से गेहूँ खरीद में कोई विलम्ब नही होना चाहिए तथा किसानों को उपज का मूल्य का भुगतान 72 घण्टे के अन्दर उनके खातों में हस्तातरित हो जाना चाहिए। पीसीएफगेहूँ क्रय केन्द्रों पर 2212 कुंटल गेहूँ की खरीद की गई जो 40 प्रतिशत थी 1620 कुंटल डिलेवरी होना भी बताया गया। उन्होंने गेहूँ खरीद को बढ़ाये जाने के निर्देश दिये। नोडल अधिकारी ने किसानों के भुगतान आदि के जानकारी लेने के दौरान बताया गया कि केन्द्र पर 66 प्रतिशत किसानो का भुगतान किया जा चुका है इस पर नोडल अधिकारी ने अन्य जिलों में 75 प्रतिशत किया गया है। भुगतान में अन्य जिलो के भांति किसानों का भुगतान तत्काल दिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा भुगतान हेतु 2800 करोड़ रूपये उपलब्ध कराया गया है।

अपनों को खोते जा रहे है लोग बढ़ रहा मौतों का आंकड़ा

ऊंचाहार। सरकार के दो आंकड़े ही पूरे सिस्टम की पोल खोल रहे है। ऊंचाहार नगर क्षेत्र में कोरोना से मौत की संख्या शून्य बताई जा रही है, लेकिन निकाय कार्यालय में दर्ज मृत्यु दर अपेक्षाकृत करीब पांच गुना है। जो कहीं न कहीं सरकारी दावे की ही पोल खोल रही है। सरकारी दावे बता रहे है कि ऊंचाहार में इधर कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई है । जबकि दूसरी ओर ऊंचाहार नगर क्षेत्र में ही अचानक मृत्यु दर बढ़ गई है । जिससे स्पष्ट है कि कहीं न कहीं कुछ तो गड़बड़ है । ऊंचाहार मगर पंचायत में एक वर्ष में औसतन 50 मौत होती रही है। लेकिन इस साल मई माह के पंद्रह दिनों में करीब 24 मौतें हो चुकी है। नगर पंचायत में वर्ष 2020 में कुल 57 मौतें हुई थी। जिसमे अप्रैल माह में शून्य और मई महीने में कुल 12 मौतें हुई थी। जबकि पिछले साल भी इन महीनों में कोरोना की पहली लहर का प्रभाव था। लेकिन इस साल मौतों की संख्या अचानक बढ़ गई है। इस वर्ष जनवरी महीने में कुल सात , फरवरी महीने में कुल 8, मार्च महीने में मात्र एक, अप्रैल महीने में 7 व 15 मई तक 24 मौतें दर्ज की गई है ।

'आरबीएस' एंड 'कंपनी' का किला ढहने की कगार पर!

संवाददाता। बस्ती

- क्षेत्र की जनता, जीते बीडीसी और प्रधान इस बार बदलाव के मूड में
- बिना दल के राजनीति करने वालों से ब्लॉक को मुक्त करना चाहती है जनता
- ब्लॉक को विकास की ओर ले जाने और भ्रष्टाचार मुक्त करने की छिड़ी मुहिम
- प्रदेश के सबसे भ्रष्ट बनकटी ब्लॉक को प्रदेश का माडल बनाने की दिशा में उठ रहे कदम

प्रदेश के सबसे भ्रष्ट ब्लॉक में गिनती होने वाले बनकटी को भ्रष्टाचारमुक्त और माडल बनाने की दिशा में अग्रसर अरविंद पाल एंड कंपनी की ओर से क्षेत्र के लोगों से वायदा किया जा रहा है, कि अगर उन लोगों को सेवा करने का अवसर मिला तो वह लोग दिखा देंगे कि ब्लॉक क्षेत्र का विकास किस तरह किया जाता है। दावा किया जा रहा है कि क्षेत्र की जनता और जीते हुए अधिकतर बीडीसी और प्रधान चाहते हैं कि ब्लॉक के माथे पर भ्रष्टाचार का जो कलंक लगा हैं, उसे इस बार धो दिया जाए। कहते हैं कि इस बार आरबीएस एंड कंपनी का किला ढ़हने की कगार पर है। बस भाजपा की ओर से प्रत्याशी घोषित होने की देरी है। हालांकि अभी भी दोनों की ओर से 40-40 बीडीसी का साथ होने का दावा किया जा रहा हैं, कोई बीडीसी प्रमाण-पत्र तो कोई आधार कार्ड के साथ प्रमाण-पत्र जेब में रखने का दम भर रहे है। अगर अरविंद पाल एंड कंपनी की जीत हुई तो उन प्रधानों के सामने बड़ी समस्या खड़ी होने वाली है, जिन्होंने सरकारी धन के लूटखसोट करने में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इनमें बेलसुही, कड़सरी, खोरिया, मकदूमपुर, गुलौरा, बाघापार, मनिकौरा खुर्द, पिकौरा शुक्ल, घुघसा और देवमी के पूर्व प्रधान का नाम षामिल है। उक्त ग्राम पंचायतों के प्रधानों ने वित्तीय वर्ष 20-21 में सिर्फ मनरेगा में लगभग 15 करोड़ कागजों में खर्च कर डाले। नई ब्लॉक प्रशासन के नजर में उक्त गांव निशाने पर रहेगें, और इन्हें हिसाब-किताब भी देना होगा। इसी से बचने के लिए इस ग्रुप पर आरबीएस एंड कंपनी का हर स्तर पर सपोर्ट करने का आरोप लग रहा है। वर्तमान समय में चर्चा में रहने वाला बनकटी ब्लॉक क्षेत्र में एक ही चर्चा हो रही हैं, क्या इस बार यह ब्लॉक भ्रष्टाचार से मुक्त हो पाएगा, या फिर कायम रहेगा। यह बात इसलिए कही जा रही है, क्योंकि पिछले पांच सालों में यहां की जनता ने सिर्फ भ्रष्टाचार को ही पनपते देखा। खैराटी जैसे ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार को कौन भूल पाएगा, जहां पर एक साथ प्रधान, सेक्रेटरी, रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक और एकाउंटेंट के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप में मुकदमा दर्ज हो चुका और तत्कालीन बीडीओ एवं डीडीओ के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए। जिन भ्रष्टाचारियों को जेल के भीतर होना चाहिए उसे ब्लॉक के दंबगों ने अपने धन और बल से मामले को ही रफादफा करवा दिया। इसके लिए क्षेत्र की जनता आज भी आरबीएस एंड कंपनी को सबसे अधिक जिम्मेदार मान रही है। यह तो इस क्षेत्र के लिए एक बानगी है। अंदाजा लगाइए जिस ब्लॉक में सिर्फ मनरेगा में एक साल में 40 करोड़ का भुगतान हुआ हो और जिसमें आधे से अधिक फर्जी कामों पर हुआ तो समझा जा सकता है कि इसका लाभ किसे मिला होगा। इस ब्लॉक के अधिकारी से लेकर रोजगार सेवक और प्रधान से लेकर ब्लॉक प्रमुख तक सरकारी धन पर राजा हो गए। सरकारी धन के बंदरबांट करने के मामले में बनकटी ब्लॉक जैसा उदाहरण पूरे प्रदेश में नहीं मिल सकता। ऐसा क्षेत्र की जनता का मानना है। इसी लिए यहां के लोग जिससे राजनीति से कोई मतलब नहीं हैं, वह भी परिवर्तन की आस लगाए बैठे है। नये ब्लॉक प्रशासन को ब्लॉक में व्याप्त प्रधानों के काकस को भी समाप्त करने का शपथ लेना चाहिए।

अस्पताल छोड़ 'डाक्टर' क्लीनिक चलाने में मस्त!

बस्ती। मेडिकल कालेज के बाद जिला अस्पताल की व्यवस्था बद से बददर होती जा रही है। रुधौली के विधायक संजय प्रताप जायसवाल के अस्पताल में जाकर एसआईसी को सुधार लाने की चेतावनी के बाद भी सुधार नहीं हो रहा हैं,कहना गलत नहीं होगा कि व्यवस्था और भी खराब होती है। जिसका खामियाजा मरीज और तीमारदारों को भुगतना पड़ रहा है। आलम यह है कि रेफर के अभाव में मरीज का दमया तो बेड पर या फिर एम्बुलेंस में टूट जा रही हैं, और जिस डाक्टर की ड्यूटी वार्ड में रहकर रेफर करने की हैं, वह आवास में बैठकर क्लीनिक चलाने और धन बटोरने में मस्त है। नई व्यवस्था के तहत मरीज को रेफर करने से पहले संबंधित डाक्टर को विकास भवन में स्थित आईथ्रीसी को मरीज का पूरा डिटेल भेजना पड़ना हैं, तब जाकर मरीज एल-टू , एल थ्री या फिर एल-वन में रेफर हो सकता है, और जाहिर सी बात है कि इसके लिए डाक्टर को अपनी ड्यूटी पर होना आवश्यक है। सीडीओ तक को इस मामले में लिखापढ़ी करनी पड़ रही है। मरीजों और तीमारदारों और माननीयों की माने तो जिला अस्पताल की व्यवस्था पटरी से लगभग उतर चुकी है। मरीज को देखने के नाम पर डाक्टर पैसा ले रहे हैं, मरीजों को फर्श पर लिटाकर उन्हें मरने के लिए छोड़ दिया जाता है। जिला अस्पताल में हर तरफ मरीजों का बुरा हाल है। जिस अस्पताल में आक्सीमीटर तक काम न करता हो, उस अस्पताल का भगवान ही मालिक है। वर्तमान में सबसे खराब स्थिति मरीजों को रेफर करने को लेकर हो रही है। देखा जाए तो डाक्टरों के रेफर के अभाव में एक दिन पहले वार्ड के बाहर 30 से अधिक एम्बुलेंस घटों इंतजार करती रही।

तीन जांच फिर भी नतीजा सिफर

सीडीओ ने शासन को किया गुमराह

संवाददाता। बस्ती

- हर बार की जांच में साबित हो रहा घोटाला फिर भी नहीं हो रही कार्रवाई
- मनरेगा के घोटाले में बीडीओ, जेई, सेक्रेटरी और प्रधान को बचाने का हो रहा 'खेल'
- न्याय तो नहीं मिला अलबत्ता शिकायतकर्ताओं को जाना पड़ा जेल

मनरेगा में हो रहे करोड़ों का घोटाला इसलिए नहीं रुक रहा है, क्यों कि घोटाला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाए उसे या तो अभयदान दे दिया जाता हैं या मामले की लीपापोती कर दी जाती है। यह खेल उन मामलों में भी अधिक हो रहा है, जिन मामलों में एक नहीं बल्कि कई बार जांच हो चुकी है, और हर बार षिकायत सही पाया गया। इसमें मलाई तो सब काटते हैं, मगर असली मुसीबत षिकायतकर्ताओं को झेलनी पड़ रही है। शिकायत करने का खामियाजा उन्हें फर्जी केस में फंसवाकर जेल भेजवाने के रुप में मिलता है। ऐसा ही एक मामला रुधौली ब्लॉक के ग्राम पंचायत मझौवा कलां का सामने आया। अब जरा अंदाजा लगाइए जब सीडीओ ही दोषी को बचाने के लिए गुमराह करने वाली रिपोर्ट शासन को कर दे रहे हैं, तो कार्रवाई होगी कैसे और किस पर होगी? यह सवाल शिकायतकर्ता राकेश कुमार सिंह सहित उन लोगों का है, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने की गलती कर रहे हैं। चूंकि लाखों के इस फर्जीवाड़े में तत्कालीन बीडीओ एवं ब्लॉक का अतिरिक्त प्रभार लिए जिला विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव, जेइ शशिकांत पांडेय, सेक्रेटरी कनिक राम चौधरी, प्रधान प्रदीप कुमार और एकाउंटेंट फंस रहे है। इसलिए तीन बार जांच होने के बाद भी आज तक कार्रवाई नहीं हुई। जबकि 'पायनियर' की कटिंग के साथ आयुक्त ग्राम्य विकास और विधानसभा में आवेदन दिया जा चुका है। इस पर 20 अगस्त 20 को आयुक्त ने सीडीओ को तीन दिन में कार्रवाई कर जानकारी देने का निर्देष भी दिया। बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई, अलबत्ता कार्रवाई होने की रिपोर्ट अवष्य कर दी गई। लगभग दस माह पहले ग्राम पंचायत मझौवा कलां प्रथम के राकेष कुमार सिंह ने आयुक्त ग्राम्य विकास से मिलकर षिकायत किया कि वित्तीय वर्ष 20-21 के तहत मनरेगा से मझौवा कलां मंदिर के पास पोखरे की खुदाई और सफाई के नाम पर फर्जी तरीके से लगभग साढ़े तीन लाख रुपये का बंदरबांट कर लिया गया। जबकि रोजगार सेवक लिखकर दे रहा हैं कि मनरेगा के मस्टरोल पर उसका हस्ताक्षर नहीं हैं, फिर भी मजदूरी मद में तीन लाख 40 हजार का भुगतान कर दिया गया। यह बात तीन बार कराई गई जांच में साबित भी हो चुका है। बताया कि पहली जांच डीआरडीए की टीम ने की, दूसरी उपायुक्त मनरेगा, जिला अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी और पीडब्लूडी प्रांतीय खंड के सहायक अभियंता ने की, और तीसरी जांच हाल ही में डीसी मनरेगा ने पुन: की, ताज्जुब की बात है कि तीनों जांच में घपला करना पाया गया,मगर कार्रवाई आज तक नहीं हुई। जबकि प्रधान इस बार चुनाव भी हार गया। अब जरा सीडीओ डा. राकेष प्रजापति के उस रिपोर्ट पर नजर डालिए जिसमें इन्होंने डीएम को तीन दिसंबर 20 को ट्यूट करके लिखा है कि 'एक्षन हैज आलरेडी बीन टेकेन दिस मैटर' जब कि अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, बताया कि षिकायत से नाराज होकर प्रधान ने एक साथ दस लोगों के खिलाफ फर्जी तरीके से एससी का मुकदमा दर्ज करा दिया, जिसमें चार लोगों को जेल तक जाना पड़ा।

जिला अस्पताल में मंत्री जय प्रताप ने किया टीकाकरण सत्र का उद्घाटन

संवाददाता। बस्ती। 18 वर्ष से 44 वर्ष तक के नागरिको का टीकाकरण सत्र का जिला अस्पताल में फीताकाट कर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण,मातृ एवं शिशु कल्याण मंत्री जय प्रताप सिंह ने उदघाटन किया। अस्पताल में आईडी मिलान काउंटर, वेटिंग रूम, आबर्जवेशन रूम, आकस्मिक चिकित्सा कक्ष, विकास भवन स्थित एकीकृत कोविड कमाण्ड एवं कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर आशीष पाण्डेय,सौम्या शुक्ला ने सबसे पहले कोवीशील्ड का टीका लगवाया। कमिश्नर अनिल कुमार सागर, डीएम सौम्या अग्रवाल, एसपी आशीष श्रीवास्तव, सीएमओ डा. अनूप कुमार, सीएमएस डा. आलोक वर्मा, एसीएमओ डा. फखरेयार हुसैन, डा. रामप्रकाश, डा. राकेश मणि, डा. वीके वर्मा, यूनिसेफ के आलोक राय, यूएनडीपी के हरेन्द्र मिश्रा व अन्य अधिकारी,कर्मचारी मौजूद रहे। रूधौली विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रुधौली, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सल्टौआ में टीकाकरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रुधौली, भानपुर एवं सल्टौआ में एक-एक डिजिटल एक्सरे मशीन, दो-दो ऑक्सीजन कॉन्सरट्रेटर मशीन विधायक निधि से देने की घोषणा की।

बिना पंजीकरण चल रहा हास्पिटल सीज चार जम्बो आक्सीजन सिलेंडर बरामद

बस्ती। शहर के पचपेडिया मार्ग पर चल रहे आस्था हास्पिटल को सीज करने की कार्रवाई की गई है। यह हास्पिटल बिना पंजीकरण संचालित हो रहा था। अवैध रूप से यहां चार जम्बो आक्सीजन सिलेंडर स्टोर कर रखे गए थे। मरीजो से आक्सीजन के नाम पर यहां भर्ती मरीजो से 35 से 40 हजार रूपए लिए जाने की डीएम से षिकायत की गई थी। षिकायत को गंभीरता से लेते हुए डीएम के निर्देष पर एसडीएम सदर के नेतृत्व में हास्पिटल पर छापा मारा गया। मौके से यहां चार जम्बो आक्सीजन सिलेण्डर बरामद हुए। आक्सीजन के नाम पर 35 हजार रूपए लिए जाने का इस हास्पिटल पर आरोप है। छापामारी के दौरान पता चला कि यह हास्पिटल अवैध रूप से संचालित किया जा रहा था। इस हास्पिटल का सीएमओ कार्यालय में पंजीकरण तक नहीं है।

कोविड कंट्रोल की प्रभारी मंत्री ने की समीक्षा

संवाददाता। गोंडा

कोविड अस्पताल में वेक्सीनेशन कार्य का औपचारिक शुभारम्भ करने के उपरान्त कलेक्ट्रेट सभागार में प्रभारी मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ बैठक कर जिला प्रशासन द्वारा अब तक की गई कार्यवाही व तैयारियों की विस्तार से समीक्षा किया। जिसमे मुख्य विकास अधिकारी शशांक त्रिपाठी द्वारा पॉवर प्वाइन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से कोविड संक्रमण के दौरान की गई गतिविधियों का प्रस्तुतीकरण किया। जिलाधिकारी डीएम मार्कण्डेय शाही ने प्रभारी मंत्री को अवगत कराया कि जिले में कोविड से बचाव के लिए जिला अस्पताल के कोविड अस्पताल में 180 बेड तथा एससीपीएम हास्पिटल में 160 बेड्स की की व्यवस्था है। इसके अलावा जिले के चार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को भी कोविड हास्पिटल के रूप में व्यवस्थित किया गया है। संसाधनों की समीक्षा में सीडीओ द्वारा नोडल अधिकारी को बताया गया कि 700 नए बेड्स की व्यवस्था की गई है। 91 ऑक्सीजन कन्सेन्ट्रटर मंगाए गए हैं तथा 275 नए ऑक्सीजन सिलेन्डर की भी व्यवस्था की गई है। 02 लैबों में कोविड की जांच की सुविधा उपलब्ध है तथा वर्तमान में 630 रेमडेसिविर इंजेक्शन की उपलब्धता है। इसके अलावा एसडीआरएफ फण्ड से कोविड हास्पिटल में नया आक्सीजन प्लान्ट लगवाए जाने के लिए कार्यवाही शुरू कर दी गई है। कोविड जांच की समीक्षा में प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष सैम्पल टेस्टिंग सुनिश्चित कराई जाये। डीएम ने बताया कि रोजाना होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों से आईजी देवीपाटन, एसपी गोण्डा तथा स्वयं डीएम के द्वारा फोन पर बात हाल-चाल लिया जाता है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि बेशक कोविड के पाजिटिव केसेज में कमी आई है परन्तु मृत्यु दर में वृद्धि चिन्ता का विषय है। इसलिए पूरी सतर्कता के साथ अभियान मोड में कोविड से बचाव व वैक्सीनेसन का कार्य कराया जाना है। इसके साथ ही कोविड की संभावित तीसरी लहर के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी जाय, ताकि यदि कोरोना की तीसरी लहर आए भी तो जनहानि न होने पावे। सांसद कैसरगंज बृजभूषण शरण सिंह द्वारा सुझाव दिया गया कि दवाओं तथा अन्य जरूरी चीजों की ब्लैक मार्केटिंग न होने पाए, यह सुनिश्चित कराया जाय। सांसद गोण्डा कीर्तिवर्धन सिंह ने सुझाव दिया कि कोरोना के साथ ही ब्लैक फंगस की बीमारी तेजी से फैल रही है। इसलिए इसके बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार व बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया जाना नितान्त आवश्यक है। विधायक सदर प्रतीक भूषण सिंह ने कहा कि जिला अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ की तैनाती न होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री, भाजपा जिलाध्यक्ष्य सूर्य नरायन तिवारी, विधायक कटरा बावन सिंह, सचिव नगर विकास विभाग/नोडल अधिकारी अनुराग यादव, आयुक्त देवीपाटन मण्डल एसवीएस रंगाराव, आईजी देवीपाटन डा0 राकेश सिंह, एसपी संतोष कुमार मिश्रा, एएसपी शिवराज, सीएमओ आर0एस0 केसरी, प्रमुख अधीक्षक जिला अस्पताल डा0 घनश्याम सिंह, प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर आत्रेय मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों व अफसरों संग कलेक्ट्रेट में बैठक करते प्रभारी मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह

एक साथ तीन कोविड अस्पतालों का हुआ लोकार्पण

फीता काटकर कोविड अस्पताल का लोकार्पण करते प्रभारी मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह व अन्य

गोंडा। कोविड के खिलाफजंग में जिले में संसाधनों में दिनो-दिन बढ़ोत्तरी व मजबूती आती जा रही है। सोमवार को जिले में तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों हलधरमऊ, वजीरगंज तथा मुजहेना में 30-30 बेड के कोविड हास्पिटल का लोकार्पण हुआ। जनपद के प्रभारी मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हलधरमऊ में 30 बेड के कोविड हास्पिटल, समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री ने सीएचसी वजीरगंज में 30 बेड के कोविड हास्पिटल तथा मुजेहना में 30 बेड के कोविड हास्पिटल का लोकार्पण विधायक मेहनौन विनय द्विवेदी ने किया। जिलाधिकारी ने बताया कि हलधरमऊ में तत्काल प्रभाव से 04 आक्सीजन कन्सेन्ट्रेटर उपलब्ध करा दिया गया तथा कोविड के मरीजों को अब सीएचसी लेबल पर ही उपचार मिल सकेगा। कोविड हास्पिटल के लोकार्पण के बाद विधायक कटरा बाजार बावन सिंह तथा डीएम व एसपी ने सीएचसी हलधरमऊ में कोविड वैक्सीनेशन का औपचारिक शुभारम्भ किया। इस दौरान सीएमओ आरएस केसरी, एसडीएम महेन्द्र कुमार, सीओ संसार सिंह राठी, तहसीलदार बृजमोहन यादव तथा सीएचसी अधीक्षक हलधरमऊ आदि उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने कोविड वैक्सीनेशन कार्य का किया शुभारम्भ

गोंडा। सोमवार से जिले में 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को कोविड का टीका लगना चालू हो गया। वैक्सीनेशन को लेकर जिला अस्पताल, महिला अस्पताल सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर लोगों में गजब का उत्साह देखने को मिला। जहां टीका लगवाने के लिए भारी तादात में लोग अस्पताल पहुंचे। वैक्सीनेशन का औपचारिक शुभारम्भ जिला अस्पताल में संचालित कोविड हास्पिटल में जनपद के प्रभारी मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, सांसद कैसरगंज बृजभूषण शरण सिंह, सांसद गोण्डा कीर्तिवर्धन सिंह तथा जिलाध्यक्ष सूर्य नरायन तिवारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने कोविड का टीका लगवाने वाले लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दी।

मेडिकल कालेज प्राचार्य की मनमानी और दुर्व्यवहार से मंत्री को कराया गया अवगत

- भाजपा नेता अनूप खरे ने चिकित्सा व स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन सौप की भौतिक सत्यापन की मांग

बस्ती। भाजपा नेता अनूप खरे ने मेडिकल कालेज की चिकित्सा इकाई ओपेक हास्पिटल कैली में सामानो की उपलब्धता न होने एवं यहां भर्ती मरीजों, उनके तीमादरदारों के साथ दुर्व्यवहार की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण,मातृ एवं शिशु कल्याण मंत्री जय प्रताप सिंह से षिकायत की। ज्ञापन सौंपकर सभी सामानों का भौतिक सत्यापन कराए जाने की मांग की।मंत्री को सौपे गए ज्ञापन में भाजपा नेता ने कहा है कि बस्ती मेडिकल कालेज के प्राचार्य जब भी राउंड पर निकलते हैं और मरीज एवं तीमारदार उनसे कोई षिकायत करता है तो वे उसके साथ दुर्व्यवहार करते हैं, गाली देते हैं। प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले महीने इनके द्वारा आक्सीजन पाइप लाइन धीमा करवाने या बन्द करवाने के कारण कई मरीजों की मौत हो गई। मेडिकल कालेज में न तो पर्याप्त बाईपैप उपलब्ध है और न ही मरीजों का शुगर चेक करने के लिए ग्लूकोमीटर, आक्सीजन चेक करने के लिए पल्स आक्सीमीटर, बुखार चेक करने के लिए इंफ्रारेड थर्मामीटर, आक्सीजन रेगुलेटर ही पर्याप्त मात्रा में है। कहा कि जब भी किसी अधिकारी, जनप्रतिनिधि द्वारा सामान की उपलब्धता के बारे में पूछा जाता है तो प्राचार्य द्वारा सामान की उपलब्धता की बात कहीं जाती है। ऐसी स्थिति में सभी सामानों का भौतिक रूप से सत्यापन कराए जाने की मांग किया है ताकि सामानों की उपलब्धता की वास्तविक स्थिति का पता चल सके।

कुत्तों के नोंचने से हिरन की मौत

करनैलगंज (गोंडा)। कोतवाली करनैलगंज अंतर्गत ग्राम चंगेरिया में पानी की तलाश में रास्ता भटक कर आबादी में आये हिरन को कुत्तों ने नोंचकर घायल कर दिया। ग्रामीणों ने हिरन को बचाने का प्रयास किया मगर बाद में उसकी मौत हो गई। कुत्तों से घिरे हिरन को नोचते देखकर दौड़े ग्रामीणों द्वारा हिरन को बचाने की कोशिश की गई। घायल हिरन का ग्रामीणों ने खुद से इलाज भी किया तथा चिकित्सक को कॉल किया। चिकित्सक के पहुंचने के पहले ही उसकी मौत हो गयी। यह जानकारी देते हुए सूरज अवस्थी ने बताया कि हिरन को कुत्तों से बचाने की पूरी कोशिश हुई मगर हिरन को बचाया नही जा सका।

निगरानी समिति अपना दायित्व निभाए: एडीएम

संवाददाता। सेमरियावां,संतकबीरनगर

- पुलिस का मिलेगा पूरा सहयोग : एएसपी
- शासन के निर्देश पर जनपद के 9 ब्लाकों में हुई निगरानी समिति की बैठक

सोमवार को ब्लॉक सभागार में ग्राम पंचायत निगरानी समिति की बैठक अपर जिलाधिकारीए अपर पुलिस अधीक्षकए परियोजना निदेशकए बीडीओ की उपस्थिति में संपन्न हुई इस दौरान निगरानी समिति के सदस्य ग्राम पंचायत सचिवए आशाए आगनबाड़ी कार्यकत्रीए सफाईकर्मी तथा रोजगार सेवकों आदि को उनके दायित्वों के निर्वहन हेतु दिया गया निर्देश। इस दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व मनोज कुमार सिंह ने कहा कि आप लोग कोविड.19 महामारी को देखते हुए गांवो में साफसफाई के साथ सैनिटाइजेशन करवाने के साथ फागिंग पर ध्यान दे लोगो को सफाई के लिए प्रेरित करे और मास्क लगाने तथा सामाजिक दूरी का पालन करने के लिए जागरूक करते रहे उन्होंने संक्रमण को मात देने के लिए साफसफाई का विशेष महत्व हैं इसीलिए गांवो में साफसफाई पर विशेष ध्यान दे।अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने कहा कि कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा हैं इस विकट परिस्थितियों में निगरानी समिति अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए सभी को साफसफाई के लिए जागरूक करते रहे। परियोजना निदेशक प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि निगरानी समिति के सदस्य घर घर जाकर सभी को साफसफाई एवं संक्रमण के प्रति जागरूक करते रहे। इस दौरान बीडीओ रेनू चौधरीए एडीओ (पंचायत) शशिभूषण पाण्डेय, एडीओ (आईएसबी) संतराम चौधरी, अधीक्षक डा. जगदीश पटेल, बीपीएम राजेश कुमार पाण्डेय, बीसीपीएम रंजना, शिवमूरत मौर्य, योगेन्द्र गौड़, असादुल्लाह सिद्दीकी, मुहम्मद अफजल, विमला यादव, अश्वनी सिंह मौजूद रहे।

कोविड बचाव पर नपा अध्यक्ष ने किया मंथन

- शासन के निर्देश पर समिति गठित

संवाददाता। संतकबीरनगर

नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा ने सोमवार को नगर पालिका खलीलाबाद के सभागार में कोविड से निपटने के लिए सदस्यों एव नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारियों के साथ बैठक कर रूप रेखा तैयार की गई। शासन के निर्देश के क्रम में नदियो में शव प्रवाहित नही किये जाने को लेकर समिति का गठन किया गया जिसके अध्यक्ष वह स्वयं होंगे। इसके कोरोना संक्रमित मरीज़ो के निधन पर जिनके पास आर्थिक समस्या है उन्हें 5 हज़ार ? नगर पालिका परिषद अपने क्षेत्र के लोगो को देगी। और यदि कोई लावारिश भी है और कोरोना से मृत्यु हुई है तो उसका भी अंतिम संस्कार नगर पालिका खलीलाबाद करेगी। बैठक में रेड़ी पटरी दुकानदारों के सत्यापनए प्रवासी आने की सूचना सत्यापन पर चर्चा हुई। बैठक में जल शक्ति अभियान गोष्ठी कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमें यह संकल्प लिया गया कि जल संचय सभी को करना है तभी आने वाला कल बेहतर होगा। बैठक में सभासद राम शंकर चौहान, कवलजीत सिंह, राजेश वर्मा, विनोद जयसवाल सहित सदस्यगण, ईओ श्रीमती बीना सिंह, सफाई प्रभारी पंकज कुमार, अवर अभियंता श्रीप्रकाश तिवारी, लिपिक गोरख प्रसाद सहित कर्मी उपस्थित रहे।

कोविड पर प्रशासन के क्रियान्वयन को नोडल अफसर ने बारीकी से जांचा

- शासन से नामित प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम जनपदं पहुंचे

संवाददाता। संतकबीरनगर

शासन से नामित जनपद के नोडल अधिकारीध्प्रमुख सचिव पर्यटन एव संस्कृति विभाग सोमवार की देर शाम जिले में पहुँचकर कोविड पर प्रशासन द्वारा किये जा रहे रोकथाम के सत्यापन स्थलों पर पहुँच कर किये। नोडल अफ़सर द्वारा अधिकतर प्रश्न स्वास्थ विभाग के मुखिया एसीएमओ डॉ मोहन झा से करते रहे। श्री मेश्राम देर शाम क्लेट्रेट में पहुँचकर गादर की सलामी लिए। तदोपरांत उन्होंने डीएम कार्यलय के बगल कोविड कंट्रोल रूम का निरीक्षण किये उन्होंने एलसीडी स्क्रीन पर कोविड अस्पताल में भर्ती मरीज़ो के गतिविधियों एव व्यवस्थाओं को बारीकियों से समीक्षा किये। उन्होंने जिलाधिकारी दिव्या मित्तल एव पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ के साथ जिला अस्पताल परिसर में पहुँचकर लगाए जा रहे ऑक्सीजन प्लांट के तैयारी की जानकारी लेते हुए वर्तमान समय मे ऑक्सीजन खपत के केपेसिटी की जानकारी लिए। कोविड तीसरी लहर में प्रशासन ने क्या तैयारी किया है इस परिपेक्ष्य में पीकू सेंटरए कोविड टीकाकरण सेंटर को जांच किये। नोडल अफ़सर ने अधिकारियों से लॉक डाऊन के पालन एव कन्टेमेंट जोन की सख्या से अवगत होते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। गांवों में निगरानी समिति सक्रियता की जानकारी लिए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह, सीएमओ डॉ इंद्र विजय विश्वकर्मा, एएसपी सन्तोष कुमार सिंह, सीएमएस डॉ ओपी चतुर्वेदी सहित प्रमुख विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अभ्यास सत्रों का महत्व समझने लग गए : मोनिका

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर मोनिका ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम अब अपने अभ्यास सत्रों के उद्देश्य को समझने लग गई है जबकि पहले वह केवल कोच के निर्देशों का अनुसरण करती थी। रियो ओलंपिक 2016 में खेलने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहीं मोनिका ने कहा कि शारीरिक को सुबह का सत्र सबसे कड़ा होता है। मोनिका ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, यह बेहद कड़ा सत्र होता है जिसमें मैच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर कड़ा अभ्यास किया जाता है।

दबाव से निबटने में मदद के लिए क्रिकेटर्स फाउंडेशन ने पहल की

मुंबई। शहर के क्रिकेटर्स फाउंडेशन ने मुंबई के युवा खिलाड़ियों के क्रिकेट जैसे प्रतिस्पर्धी खेलों में दबाव और चिंता से निबटने में मदद करने के लिए एक पहल शुरू की है। फाउंडेशन के चेयरमैन मकरंद वेंगाकर ने बताया कि यह पहल अप्रैल में माइंडस्पोर्ट्स के साथ मिलकर शुरू की गई और इसमें मानसिक प्रशिक्षण सत्र भी शामिल हैं। शहर के 12 लड़के के पहले बैच ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े छह अभ्यास सत्र पूरे कर लिए हैं।

बेकर जैसा हेडर जमाना सीख रहे हैं गुरप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत सिंह ब्राजील के दिग्गज एलिसन बेकर जैसा हेडर लगाना सीखना चाहते है लेकिन जब तक वह इसमें पारंगत होते हैं तब तक इसकी जिम्मेदारी अपने कप्तान सुनील छेत्री पर छोड़ना चाहते हैं। लिवरपूल के ब्राजीली गोलकीपर एलिसन के दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में लगाए गए खूबसूरत हेडर से उनकी टीम ने वेस्टब्रोमिच को 2-1 से हराया। गोलकीपरों को मैच के अंतिम क्षणों में इस तरह से गोल करते हुए बहुत कम देखा जाता है।

इंग्लैंड के खिलाफ मैचों को अभ्यास के तौर पर नहीं लेंगे : वैगनर

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नील वैगनर ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला को भारत के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के अभ्यास के तौर पर नहीं लेगी। वैगनर ने रवाना होने से पहले ऑकलैंड हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, हम इंग्लैंड के खिलाफ इन दो टेस्ट मैचों को केवल (डब्ल्यूटीसी फाइनल के) अभ्यास के तौर पर नहीं लेंगे।

एंडालूसिया रैली में चौथे और पांचवें स्थान पर रहे हीरो टीम के चालक

विलामार्टिन (स्पेन)। भारत की हीरो मोटोस्पोर्ट्स टीम रैली शीर्ष तीन में जगह बनाने से चूक गई लेकिन उसके चालक जोकिम रोड्रिग्स और फ्रैंको कैमी एंडालूसिया रैली मे क्रमशः चौथे और पांचवे स्थान पर रहे। दोनों के पास अंतिम चरण मे पोडियम हासिल करने का सर्वश्रेष्ठ मौका था।

फिक्स नहीं थे भारत के टेस्ट मैच : आईसीसी

● इंग्लैंड (2016) और आस्ट्रेलिया (2017) के खिलाफ भारत से हुए थे मैच

●अल जजीरा के दावे को खारिज किया

भाषा। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने सोमवार को समाचार चैनल अल जजीरा के उस दावे को खारिज किया कि इंग्लैंड (2016) और आस्ट्रेलिया (2017) के खिलाफ भारत के टेस्ट फिक्स थे। आईसीसी ने कहा कि खेल के जिस तरीके को फिक्स बताया गया , वह पूरी तरह से प्रत्याशित था लिहाजा इसे फिक्स कहना अकल्पनीय है। अल जजीरा ने 2018 में प्रदर्शित अपनी डाक्यूमेंट्री क्रिकेट्स मैच फिक्सर्स में दावा किया था कि 2016 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ और 2017 में रांची में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट फिक्स थे। आईसीसी ने चैनल द्वारा दिखाए गए पांच लोगों को भी क्लीन चिट देते हुए कहा कि उनका बर्ताव भले ही संदिग्ध हो लेकिन उनके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिला है। कार्यक्रम में एक कथित सटोरिए अनील मुनव्वर को यह दावा करते दिखाया गया था कि उनका फिक्सिंग का इतिहास रहा है और फिक्स मैचों में विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम के भी दो मैच हैं। आईसीसी ने उन दावों की जांच की थी। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसने चार स्वतंत्र सट्टेबाजी और क्रिकेट विशेषज्ञों से जांच कराई थी। चारों ने कहा कि खेल के जिस हिस्से को कथित तौर पर फिक्स कहा गया , वह पूरी तरह से प्रत्याशित था और उसे फिक्स नहीं कहा जा सकता। आईसीसी ने उन व्यक्तियों के नाम का खुलासा नहीं किया जिन्हें क्लीन चिट दी गई लेकिन सूत्रों का कहना है कि उनमें पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर हसन रजा, श्रीलंका के थरंगा इंडिका और थारिंदु मेंडिस शामिल थे। उन्होंने आईसीसी की जांच में भाग लिया। मुंबई के प्रथम श्रेणी क्रिकेटर रॉबिन मौरिस का भी इसमें जिक्र था लेकिन वह जांच से नहीं जुड़ा। आईसीसी ने कहा , आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के तहत इन पांचों के खिलाफ कोई आरोप नहीं बनता था। उनके खिलाफ ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं थे। आईसीसी महाप्रबंधक (इंटीग्रिटी) एलेक्स मार्शल ने कहा , कार्यक्रम में जो दावे किए गए , वे कमजोर थे। उनकी जांच करने पर पता चला कि वे विश्वसनीय भी नहीं है और चारों विशेषज्ञों का यही मानना था।

हम बीसीसीआई के आभारी हैं : सीईओ सीए

खिलाड़ियों पर वापसी पर हॉक्ले ने कहा

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉक्ले ने सोमवार को कहा कि वह इंडियन प्रीमियर लीग में खेल रहे आस्ट्रेलिया के दल की सुरक्षित और जल्द वापसी सुनिश्चित करने के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के आभारी है। आस्ट्रेलियाई दल मालदीव में कुछ दिन बिताने के बाद स्वदेश लौटा। पैट कमिंस, डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ जैसे आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल के जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड-19 संक्रमण के मामले आने पर इस टी20 लीग के निलंबित होने के लगभग दो हफ्ते बाद सिडनी पहुंचे। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने हॉक्ले के हवाले से कहा, हम बेहद खुश है। उनके सुरक्षित और जल्द स्वदेश भेजने का इंतजाम करने के लिए हम बीसीसीआई के आभारी हैं।

स्वदेश पहुंचे आईपीएल में खेलने वाले आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर

मेलबर्न। पैट कमिंस और स्टीव स्मिथ सहित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने वाले आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मालदीव में कुछ दिन बिताने के बाद सोमवार को सिडनी पहुंच गए। भारत में कोविड महामारी की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए आस्ट्रेलिया ने वहां से उड़ानों पर रोक लगा रखी थी जिसके कारण आईपीएल स्थगित होने के लगभग दो सप्ताह बाद आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्वदेश लौट पाए। आस्ट्रेलियाई दल में खिलाड़ियों, अधिकारियों और कमेंटेटरों सहित कुल 38 सदस्य शामिल थे जो 10 दिन मालदीव में बिताने के बाद आज सुबह सिडनी हवाई अड्डे पर पहुंचे। आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को अब सिडनी में दो सप्ताह के अनिवार्य पृथकवास पर रहना होगा।

बार्सिलोना ने चेल्सी को 4-0 से हराकर पहली बार डब्ल्यूसीएल खिताब जीता

गोटेनबर्ग। बार्सिलोना ने मैच शुरू होने के 32वें सेकेंड में बढ़त हासिल करने के बाद आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा और चेल्सी को 4-0 से करारी शिकस्त देकर पहली बार महिला चैंपियन्स लीग (डब्ल्यूसीएल) का खिताब जीता। बार्सिलोना ने आत्मघाती गोल से खाता खोला और फिर 36 मिनट के अंदर स्कोर 4-0 कर दिया और इसे आखिर तक बरकरार रखा। बार्सिलोना स्पेन का पहला क्लब है जिसने डब्ल्यूसीएल खिताब जीता। अभी तक इस पर सात बार के चैंपियन लियोन का दबदबा रहा था। इससे पहले बार्सिलोना 2019 में फाइनल में पहुंचा था लेकिन तब लियोन ने उसे 4-। से हरा दिया था। पहली बार फाइनल में खेल रही चेल्सी की टीम मिडफील्डर मेलेनी लियोपोल के आत्मघाती गोल से दबाव में आ गई। अलेक्सिया पुतेलास ने 14वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर बार्सिलोना को 2-0 से आगे कर दिया। इसके सात मिनट बाद आइताना बोनमाती को गोलमुख के करीब गेंद मिली जिसे उन्होंने जाली में डालने में गलती नहीं की। कारोलिन ग्राहम हेनसन ने 36वें मिनट लिएकी मर्टन्स के खूबसूरत पास पर चौथा गोल किया।

एटलेटिको खिताब से एक जीत दूर, बार्सिलोना बाहर

मैड्रिड। लुई सुआरेज के आखिरी क्षणों में किए गए गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड ने ओसासुना को 2-। से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में खिताब जीतने की उम्मीदें मजबूत कर दी। एटलेटिको की स्पेनिश खिताब जीतने की उम्मीदों पर एक समय पानी फिरता नजर आ रहा था था लेकिन सुआरेज ने 88वें मिनट में निर्णायक गोल दाग दिया। इससे पहले रीनन लोडी ने 82वें मिनट में बराबरी का गोल किया था। ओसासुना की तरफ से एंटे बुडमीर ने 75वें मिनट में गोल दागा था। इस जीत से एटलेटिको अंतिम दौर से पहले अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रीयाल मैड्रिड से दो अंक आगे हो गया है।

मिलान, नैपोली व युवेंटस का चैंपियन्स लीग का इंतजार बढ़ा

मिलान। एसी मिलान, नैपोली और युवेंटस में से कोई दो टीमें चैंपियन्स लीग में जगह बनाएंगी लेकिन इसके लिए उन्हें इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए के अंतिम दौर के मैचों तक इंतजार करना होगा। यूरोप के शीर्ष लीग में आठ साल बाद जगह बनाने की कवायद में लगे एसी मिलान ने कैगलियारी के खिलाफ गोलरहित ड्रा खेला जिससे उसके और नैपोली के समान 76 अंक हो गए हैं। नैपोली ने एक अन्य मैच में फ्लोरेंटिना को 2-0 से हराया। युवेंटस अभी पांचवें स्थान पर है लेकिन वह एसी मिलान और नैपोली से केवल एक अंक पीछे है।

पहली बार तटस्थ स्थल पर टेस्ट खेलेगा भारत

भाषा। नई दिल्ली

● 89 वर्ष के टेस्ट इतिहास में पहला अवसर

भारत अगले महीने जब न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल खेलने के लिए रोज बाउल में उतरेगा तो यह उसके लगभग 89 वर्ष के टेस्ट इतिहास में पहला अवसर होगा जबकि वह तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेलेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से टेस्ट दर्जा हासिल करने वाले 12 देशों में से केवल दो देश ही ऐसे हैं जिन्होंने अब तक तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच नहीं खेला है। इनमें भारत के अलावा बांग्लादेश शामिल है। भारत अब जल्द ही इस सूची में शामिल हो जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 जून से इंग्लैंड के साउथम्पटन में डब्ल्यूटीसी का फाइनल खेला जाएगा जो दोनों देशों के लिए तटस्थ स्थल है। पाकिस्तान में सुरक्षा खतरे को देखते हुए एक दशक से भी अधिक समय तक विदेशी टीमों ने वहां का दौरा नहीं किया। पाकिस्तान ने इस बीच अपने घरेलू मैचों का आयोजन यूएई और श्रीलंका में किया। इस तरह से इस बीच अधिकतर देशों को तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेलने का मौका मिल गया। इनमें न्यूजीलैंड भी शामिल है जिसने 2014 से लेकर 2018 तक तटस्थ स्थलों पर छह मैच खेले हैं जिनमें से उसे तीन में जीत और दो में हार मिली। भारत और पाकिस्तान के बीच 2007 के बाद कोई टेस्ट मैच नहीं खेला गया है। भारत के पास इससे पहले 1999 में तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेलने का मौका था लेकिन तब भारतीय टीम एशियाई टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में नहीं पहुंच पाई थी जो कि ढाका में खेला गया था। पाकिस्तान और श्रीलंका उस चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे थे और तब उन्होंने पहली बार तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेला था। वैसे तटस्थ स्थल पर पहला टेस्ट मैच आज से 109 साल पहले आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 2728 मई 1912 को मैनचेस्टर में खेला गया था। यह मैच त्रिकोणीय टेस्ट श्रृंखला का हिस्सा था जिसमें इन दोनों टीमों के अलावा मेजबान इंग्लैंड ने भाग लिया था। आस्ट्रेलिया ने यह मैच दो दिन में पारी और 88 रन से जीता था। इसके बाद 1999 में ही कोई मैच तटस्थ स्थल पर खेला गया। पाकिस्तान ने पिछले 20 वर्षों में अपने अधिकतर घरेलू मैच मुख्य रूप से यूएई में खेले हैं। यही कारण है कि तटस्थ स्थल पर सर्वाधिक मैच खेलने का रिकार्ड उसी के नाम पर दर्ज है। पाकिस्तान ने अब तक 39 मैच तटस्थ स्थल पर खेले हैं। इनमें से उसे 19 में जीत और 12 में हार मिली है। बाकी आठ मैच ड्रा रहे। आस्ट्रेलिया ने भी 12 मैच तटस्थ स्थलों पर खेले हैं।

सीए की नैतिक इकाई ने बेनक्राफ्ट के खुलासे के बाद उनसे संपर्क किया

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) की नैतिक इकाई ने कैमरन बेनक्राफ्ट से संपर्क किया है जिससे कि यह पता चल सके कि इस क्रिकेटर के पास 2018 में विश्व क्रिकेट को झकझोरने वाले गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के संदर्भ में कोई नई सूचना है या नहीं। बेनक्राफ्ट ने आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में यह कहकर नया तूफान ला दिया है कि उस घटना के बारे में और अधिक गेंदबाजों को जानकारी थी। इस घटना के बाद तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और उप कप्तान डेविड वार्नर पर एक-एक साल का प्रतिबंध लगाया गया था। बेनक्राफ्ट के पास रेगमाल मिला था और केपटाउन टेस्ट में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण में भूमिका के लिए उन्हें नौ महीने के लिए निलंबित किया गया था। क्रिकेट आस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीमों के प्रमुख बेन ओलिवर रे ने कहा कि रेबेका मरे की अगुआई वाली नैतिक इकाई ने बेनक्राफ्ट से संपर्क किया है कि क्या वह अपने पूर्व के बयान में कुछ और जोड़ना चाहते हैं।

खुलासे में कुछ भी चौंकाने वाला नहीं : क्लार्क

मेलबर्न। पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा कि उन्हें यह जानकर हैरानी नहीं होगी कि 2018 में गेंद से छेड़छाड़ की साजिश के बारे में गेंदबाजों को पता था। इस विवाद के कारण आस्ट्रेलिया की हर हाल में जीत दर्ज करने की संस्कृति की समीक्षा की गई थी।

इंग्लैंड से श्रृंखला और डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए लंदन पहुंचे कीवी खिलाड़ी

आर्चर न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से बाहर

लंदन। आईपीएल से बाहर होने के बाद हाल में वापसी करने वाले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर कोहनी की चोट फिर से उबरने के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला मे नही खेल पाएंगे। ईसीबी ने बयान मे कहा, इंग्लैंड और ससेक्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर

अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गए है। इसमे कहा गया है, गेंदबाजी करते समय उनकी दाहिनी कोहनी में दर्द हो रहा था और वह मैच के आखिरी दो दिन गेंदबाजी नही कर पाए। आर्चर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो जून से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए स्वयं को फिट घोषित किया था लेकिन कोहनी की चोट उबरने के कारण उनकी और ईसीबी की योजना खटाई में पड़ गई। क्रिकेट बोर्ड अब इस पर विचार कर रहा है कि आर्चर को अपनी दाहिनी कोहनी के उपचार के लिए आपरेशन की जरूरत है या नही। उन्होने कोहनी की चोट के कारण ही आईपीएल से हटने का फैसला किया था।

भाषा। लंदन

न्यूजीलैंड के अधिकतर खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला और भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल खेलने के लिए यहां पहुंच गए हैं। खिलाड़ी आकलैंड से सिंगापुर होते हुए रविवार की शाम को यहां पहुंचे और इसके बाद साउथम्पटन के एजिस बाउल चले गए। इस दौरे के पहले दो सप्ताह वे साउथम्पटन में ही रहेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला का पहला मैच दो जून को लंदन में शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 10 जून से बर्मिंघम में खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 18 जून से साउथम्पटन में शुरू होगा। न्यूजीलैंड की टीम कड़े स्वास्थ्य दिशानिर्देशों का पालन कर रही है जिसमें रवानगी से पहले टीकाकरण और कोविड परीक्षण के अलावा मास्क और सेनेटाइजर से युक्त चिकित्सा किट शामिल है। खिलाड़ी पहले तीन दिन होटल में पृथकवास पर रहेंगे जिसके बाद वे चौथे से छठे दिन के बीच छह खिलाड़ियों के समूह में अभ्यास कर सकते हैं लेकिन इसके लिए उनका कोविड परीक्षण नेगेटिव आना चाहिए। टीम के बीच आपस में ही 26 मई से 28 मई के बीच तीन दिवसीय मैच खेला जाएगा जिसमें छह स्थानीय गेंदबाज उनकी मदद करेंगे। छह गेंदबाज पहले ही पृथकवास पर रहेंगे। टिम साउदी, बी जे वाटलिंग, रोस टेलर और नील वैगनर सोमवार को आकलैंड से रवाना होकर साउथम्पटन में टीम से जुड़ेंगे। आईपीएल के निलंबित होने के बाद मालदीव में रह रहे कप्तान विलियमसन, जेमीसन, सेंटनर, टीम फिजियो सिमसेक और ट्रेनर डोनाल्डसन सोमवार को पहुंचेंगे।

पीएसजी जीता, लिली ने ड्रा खेला, फ्रांसीसी लीग में खिताब के लिए संघर्ष जारी

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने रीम्स को 4-0 से करारी शिकस्त देकर फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में खिताबी दौड़ को आखिरी दिन तक खींच दिया क्योंकि लिली ने सेंट एटिनी के साथ गोलरहित ड्रा खेलकर अंक बांटे। लिली के 37 मैचों में 80 अंक हैं जबकि पीएसजी के 79 अंक हो गए हैं। पीएसजी का सामना अब ब्रेस्ट से जबकि लिली का एंजर्स से होगा। रीम्स के डिफेंडर यूनिस अब्दुलहामिद को 11वें मिनट में बाहर भेजे जाने का पीएसजी से पूरा फायदा उठाया। उसे पेनल्टी मिली जिसे नेमार ने गोल में बदला। काइल एमबापे ने 24वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी जबकि मारक्विनहोस और मोइज कीन ने दूसरे हाफ में गोल किए।

डोर्टमंड और वोल्फ्सबर्ग ने चैंपियन्स लीग में जगह बनाई

बर्लिन। बोरुसिया डोर्टमंड और वोल्फ्सबर्ग ने जर्मन फुटबॉल लीग बुंदेसलीगा से यूरोप के शीर्ष क्लब टूर्नामेंट चैंपियन्स लीग में जगह बनाई। डोर्टमंड ने मेंज को 3-। से हराकर जबकि वोल्फ्सबर्ग ने लीपजिग के खिलाफ 2-2 से ड्रा खेलकर बुंदेशलीगा में अपना शीर्ष चार में स्थान सुनिश्चित किया। इन दोनों टीमों के समान 61-61 अंक हैं जो पांचवें स्थान की टीम से चार अंक अधिक हैं। लीपजिग दूसरे स्थान पर है और उसने लीग के चैंपियन बायर्न म्यूनिख के साथ चैंपियन्स लीग में पहले ही अपनी जगह सुरक्षित कर ली थी। प्रत्एक लीग से शीर्ष चार पर रहने वाली टीमें अगले सत्र में चैंपियन्स लीग में खेलेंगी।

ब्लिंकन ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री कुरैशी से फोन पर बात की

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अफगान शांति प्रक्रिया तथा अन्य द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों के बारे में अपने पाकिस्तानी समकक्ष शाह महमूद कुरैशी से बात की। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बताया कि फोन पर बातचीत के दौरान ब्लिंकन ने अफगान शांति प्रक्रिया में निरंतर सहयोग तथा आतकंवाद के खिलाफ पाकिस्तान के कदमों के महत्व को रेखांकित किया।

लॉस एंजिलिस में जंगल में लगी आग और फैली, दो लोगों से की गई पूछताछ

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस में जंगल में लगी आग के रविवार को उग्र रूप ले लेने के बाद हजारों स्थानीय निवासियों को वहां से निकालने का आदेश दिया गया और अन्य को वहां से कभी भी निकलने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। लॉस एंजिलिस के अग्निशमन विभाग ने बताया कि टोपांग स्टेट पार्क के पास लगी आग के कारण संदेहास्पद हैं और उनकी जांच जारी है। अग्निशमन विभाग की प्रवक्ता मार्गरेट स्टेवार्ट ने एक बयान में बताया कि जांचकर्ताओं ने अग्निशमन विभाग तथा लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के साथ मिलकर एक व्यक्ति को मामले में हिरासत में लिया था, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया। जांचकर्ताओं ने रविवार शाम एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लेकर उससे भी पूछताछ की।

गाजा की सुरंगों को ध्वस्त किया : इजराइल

● 15 किलोमीटर लंबे हिस्से व हमास के नौ कमांडरों के मकान किये ध्वस्त

भाषा। गाजा सिटी (गाजा पट्टी)

गाजा पट्टी पर सोमवार तड़के भारी हवाई हमले के बाद इजराइल की सेना ने कहा कि उसने चरमपंथियों द्वारा बनाई गई सुरंगों के 15 किलोमीटर लंबे हिस्से और हमास के नौ कमांडरों के मकानों को ध्वस्त कर दिया है।

सप्ताह भर पहले शुरू हुई लड़ाई के दौरान कल रात हुआ हवाई हमला एक दिन पहले गाजा सिटी पर हुए हमले से भी भीषण था जिसमें 42 लोग मारे गए थे और तीन इमारतें ध्वस्त हो गई थीं। इजराइल और गाजा के हमास शासकों के बीच ताजा संघर्ष के दौरान यह सबसे भीषण हमला था। ताजा हमले में लोगों के हताहत होने के संबंध में फिलहाल कोई सूचना नहीं है। गाजा सिटी में तीन मंजिला इमारत बुरी तरह बर्बाद हो गई है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि सेना ने हमले से 10 मिनट पहले चेतावनी जारी की थी जिस कारण सभी लोग वहां से हट गए। उन्होंने बताया कि कई बम आसपास के इलाके में गिरे। गाजा के मेयर यह्या सराज ने अल-जजीरा टीवी को बताया कि हमलों से सड़कों और अन्य आधारभूत संरचनाओं को बहुत नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, अगर संघर्ष जारी रहा तो, हमें हालात और बिगड़ने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र ने पहले ही चेतावनी जारी की है कि क्षेत्र के एक एकमात्र बिजली घर में ईंधन समाप्त होने का खतरा है और सराज ने बताया कि गाजा के पास मरम्मत के लिए कल-पुर्जों की भी कमी है। गाजा में पहले से ही 8 से 12 घंटों की बिजली कटौती हो रही है और वहां नल से आने वाला पानी पीने लायक नहीं है।

गाजा-इजराइल के बीच संघर्ष विराम के लिए प्रयास तेज

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के राजनयिको और मुस्लिम देशो के विदेश मंत्रियो ने इजराइल और फलस्तीन के बीच हिंसा को रोकने के प्रयासो के तहत सप्ताहांत मे आपात बैठक बुलाई। हमास के हमलो के बाद पिछले एक सप्ताह के सबसे भीषण हमलो मे इजराइल ने गाजा शहर मे कई रॉकेट दागे है।अमेरिका मे कुछ डेमोक्रेट नेताओ ने बाइडन के प्रशासन के इस मामले मे भूमिका निभाने की वकालत की है लेकिन राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल पर तत्काल संघर्ष-विराम के लिए सहमत होने के लिहाज से दबाव बढ़ाने का कोई संकेत नही दिया है। संयुक्त राष्ट्र मे अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने सुरक्षा परिषद की आपात उच्चस्तरीय बैठक मे कहा कि अमेरिका संघर्ष को रोकने के लिहाज से राजनयिक माध्यमो से अथक प्रयास कर रहा है। थॉमस-ग्रीनफील्ड ने चेतावनी दी है कि सशस्त्र संघर्ष से दशको पुराने इजराइल-फलस्तीन संघर्ष के लिए दोनो के बीच बातचीत से समाधान के प्रयास निष्प्रभावी हो जाएंगे।

अमेरिका से इज़राइल पर दबाव बढ़ाने का अनुरोध

भाषा। यरुशलम

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के राजनयिक और मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों ने इज़राइल और हमास के बीच पिछले एक सप्ताह से जारी संघर्ष को रोकने के लिए एक आपात बैठक की। दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष में कई लोगों की मौत हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कुछ डेमोक्रेट्स के बार-बार आह्वान करने के बाद भी इज़राइल पर सार्वजनिक रूप से दबाव बढ़ाने के कोई संकेत नहीं दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने सुरक्षा परिषद की उच्च स्तरीय आपात बैठक में बताया कि अमेरिका यह लड़ाई रोकने के लिए राजनयिक माध्यमों के जरिए लगातार काम कर रहा है।

एपी की शीर्ष संपादक ने जांच का आह्वान किया

वाशिंगटन। एसोसिएटेड प्रेस की शीर्ष संपादक ने गाजा सिटी मे इजराइली हमले मे मीडिया संस्थानो के दफ्तरों वाली इमारत को निशाना बनाए जाने और उसे ध्वस्त किए जाने की घटना की स्वतंत्र जांच का आह्वान करते हुए कहा है कि लोग हकीकत जानना चाहते है।

क्रिकेट क्लब ने भारतीय अनुसंधानकर्ताओं को शरण दी

बीरशेबा (इजराइल)। इजराइल के दक्षिणी शहर बीरशेबा के एक क्रिकेट क्लब ने बेन-गुरियन यूनिवर्सिटी के अनेक भारतीय अनुसंधानकर्ताओं को बचाने के लिए पहल की है जो पिछले एक सप्ताह से हमास के हमलो के बाद उचित आश्रय की तलाश में है। विश्वविद्यालय के पास स्थित बीरशेबा क्रिकेट क्लब की इमारत के दरवाजे स्थानीय निवासियो के लिए खोल दिए गए है।

चीन ने अमेरिका से महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की अपील की

बीजिंग। चीन ने सोमवार को अमेरिका के सामने फिर से यह मांग रखी है कि वह गाजा मे संघर्ष समाप्त करने मे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करे और यहां रक्तपात को समाप्त करने संबंधी प्रयासों को संयुक्त राष्ट्र में अवरूद्ध करना बंद करे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने सुरक्षा परिषद के बारी बारी से बनने वाले प्रमुख (रोटेटिंग हेड) के तौर पर संघर्ष विराम की अपील की तथा मानवीय सहायता समेत अन्य प्रस्ताव रखे।

फलस्तीन के विदेश मंत्री ने युद्ध अपराध का आरोप लगाया

संयुक्त राष्ट्र। फलस्तीन के विदेश मंत्री रियाद अल-मलिकी ने रविवार को इजराइल पर गाजा में युद्ध अपराध करने और मानवता के खिलाफ अपराध किए जाने का आरोप लगाया।

किशोरों पर चल रहे ट्रायल कोविड-19 लक्षणों को रोकने में 100 फीसदी कारगर

(वर्जीनिया विश्वविद्यालय मे बाल चिकित्सा की एसोसिएट प्रोफेसर डेबी-एनन शर्ले ने दिए सवालों के जवाब)

शार्लोट्सविले (अमेरिका)। (द कन्वर्सेशन) खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने फाइजर-बायोएनटेक द्वारा बनाए गए कोविड-19 टीके का इस्तेमाल 12-15 साल के किशोरों पर करने के लिए इसके आपातकालीन प्रयोग का दायरा बढ़ा दिया है। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने 12 मई को उनकी सलाहकार समूह की बैठक के बाद इस आयु समूह पर इस्तेमाल करने की सिफारिश का अनुसरण किया है। द अमेरिकन एकेडमी ऑफ पेडियर्टिक्स इस फैसला का समर्थन करती है। डॉ डेबी-एन शर्ले वर्जीनिया विश्वविद्यालय मे बाल चिकित्सा की एसोसिएट प्रोफेसर है और बाल संक्रमण रोग मे विशेषज्ञ है। यहां वह बच्चो को कोविड-19 का टीका लगवाने को लेकर अभिभावकों की चिंताओं का जवाब दे रही है।

1.क्या किशोरों में ए टीका काम करता है?

बिल्कुल काम करता है। फाइजर-बायोएनटेक की ओर से हाल में जारी आंकड़ें दिखाते हैं कि कोविड-19 टीका इस आयु समूह में वाकई में अच्छी तरह से काम करता हुआ दिखता है। कोविड-19 टीका अमेरिका में 12-15 साल के किशोरों पर चल रहे क्लीनिकल ट्रायल में कोविड-19 लक्षणों को रोकने में 100 फीसदी कारगर पाया गया है। किशोरों ने टीके की प्रतिक्रिया में बड़ी संख्या एंटी बॉडी बनाई और उनका रोग प्रतिरोधक उतना ही मजबूत था जिनता 16-25 साल के नौजवानों में देखा गया है।

2.मुझे कैसे पता चलेगा कि टीका मेरे बच्चे के लिए सुरक्षित है या नहीं?

अबतक कोविड-19 टीका किशोरों में सुरक्षित प्रतीत हुआ है। अमेरिका में जितने टीकों को इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है, उनपर सब पर गहन अध्ययन किया गया है लेकिन हम यह मान लेना नहीं चाहते हैं कि बच्चे छोटे वयस्क होते हैं। यही कारण है कि स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा उपयोग की सिफारिश करने से पहले बच्चों में इन टीकों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करना महत्वपूर्ण है। मौजूदा अध्ययन बच्चों पर टीकाकरण को लेकर बारीक नजर रखना जारी रखेंगे और मजबूत सुरक्षा निगरानी से दुर्लभ या अप्रत्याशित चिंताओं को उभरने पर उन्हें तेजी से पहचानने में मदद मिलेगी।

3.मुझे लगा था कि बच्चों को कम खतरा है- क्या उन्हें अब भी टीका लगवाने की जरूरत है?

फिलहाल, अमेरिका में सामने आ रहे साप्ताहिक कोविड-19 मामलों में बच्चों की संख्या करीब एक चौथाई है। बच्चों में कोविड-19 के कारण गंभीर बीमारी होना दुलर्भ है पर यह होती है और हजारों बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ता है और अमेरिका में कम से कम 351 बच्चों की मौत हुई है। टीकाकरण बच्चों में संक्रमण को गंभीर रूप लेने से रोकेगा।

4.मेरे बच्चे को क्या दुष्प्रभाव हो सकते हैं?

टीकाकरण के बाद मामूली दुष्प्रभाव हो सकते हैं। सबसे सामान्य दुष्प्रभाव इंजेक्शन लगने वाली जगह पर दर्द और सूजन हो सकती है। अन्य सामान्य दुष्प्रभाव में थकान और सिर में दर्द शामिल है। युवाओं की तरह ही, कुछ किशोरों को बुखार, सर्दी लगना, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द हो सकता है और ए टीके की दूसरी खुराक के बाद बहुत सामान्य है। ए दुष्प्रभाव कम समय के लिए होते हैं और ज्यादातर लोगों में एक-दो दिन में चले जाते हैं।

मैक्सिको की मेज़ा बनी 69वीं मिस यूनिवर्स

हॉलीवुड (अमेरिका)। मैक्सिको की एंड्रिया मेज़ा ने मिस यूनिवर्स का 69वां खिताब अपने नाम किया है। मेज़ा ने मिस ब्राजील को शिकस्त देकर यह ताज जीता है। गत विजेता जोजिबिनी तुंज़ी ने मेज़ा के सिर पर मिस यूनिवर्स का ताज सजाया। मेज़ा के पास सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की डिग्री है। तुंज़ी एक जनसंपर्क पेशेवर हैं। दक्षिण अफ्रीकी की रहने वाली तुंज़ी मिस यूनिवर्स का खिताब जीतने वाली पहली अश्वेत महिला हैं और उनके पास यह ताज दिसंबर 2019 से था, क्योंकि पिछले साल महामारी के कारण इस प्रतियोगिता को रद्द कर दिया गया था। इस समारोह की मेज़बानी एक्सेस हॉलीवुड्स की मारियो लोपेज और अभिनेत्री, मॉडल तथा 2012 में मिस यूनिवर्स रह चुकी ओलिवियो कुल्पो ने की है।

सुनिधि की 'ये रंजिशें'

गायिका सुनिधि चौहान ने लगभग दो दशकों बाद एक गीत जारी किया है। इस संबंध में उन्होंने पायनियर के साथ कुछ अनछुए पहलुओं को साझा किया:

हर गाने के पीछे हमेशा एक अनकही कहानी होती है। हालांकि उनमें से कुछ कहानियां किसी न किसी तरह से सामने आती हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर सुर्खियों से दूर, पर्दे के पीछे एक रहस्य बनी रहती हैं। गायिका सुनिधि चौहान, जिन्होंने हाल ही में लगभग दो दशकों के बाद अपना नवीनतम एकल ये रंजीशीं रिलीज़ किया, अपने पांच पसंदीदा गीतों के बारे में कुछ अज्ञात जानकारी साझा करती हैं।

हुई हुई मैं मस्त (1999)

यह बहुत से लोग नहीं जानते हैं लेकिन रिकॉर्डिंग के दिन स्टूडियो में इस गाने को गाने के लिए मेरे पास कोई आवाज नहीं थी। निर्धारित रिकॉर्डिंग से ठीक तीन दिन पहले, मैंने अपनी आवाज खो दी थी और मेरे डॉक्टर ने मुझसे कहा था कि अगर मैं वास्तव में इस अवसर का उपयोग करना चाहती हूं, तो मुझे अपना मुंह ठीक उसी क्षण तक बंद रखना होगा जब जब स्टूडियो में मेरे सामने माइक्रोफोन होगा। उन्होंने कहा ''यदि आप अगले तीन दिनों के दौरान बिल्कुल भी बोलते हैं, तो आप अपनी आवाज खो देंगे। यदि आप वास्तव में इसे इतना बुरा चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप चुप रहें। रिकॉर्डिंग के दिन सीधे माइक पर गाएं।'' मैं यह सुनकर परेशान हो गई थी, खासकर क्योंकि मैं ऐसी हूं जो अभ्यास और अभ्यास में लगभग थकावट के बिंदु पर विश्वास करती है। हालांकि, एक बदलाव के लिए, मैंने अपने डॉक्टर के निर्देशों का पालन किया और उनकी हिम्मत के अनुरूप काम किया। मैं वास्तव में डर गई थी, कल्पना नहीं कर सकती थी कि एक खराब गले के साथ क्या कर पाऊंगी। आखिरकार यह सब अच्छा रहा। मेरे डॉक्टर की सोच सही थी और मेरी आवाज वापस सामान्य हो गई थी और हमने सफलतापूर्वक गाना रिकॉर्ड किया था।

आज सोचा तो आंसू भर आए : हंसते ज़ख्म (1973)

मेरा दूसरा सर्वकालिक पसंदीदा गीत लता मंगेशकर द्वारा गया, 'आज सोचा तो आंसू भर आए', और यह मदन मोहन जी द्वारा रचित है। हर बार जब मैं वह गाना सुनती हूं, तो मैं कहीं और पहुंच जाती हूं। मैं लता जी की आवाज़ और उस गीत में उनके द्वारा लाई गई भावनाओं में खो जाने के अलावा कुछ नहीं कर सकती। जबकि मैं एक दुखी व्यक्ति नहीं हूं, मेरे पास लंबे समय से दुखी होने के लिए कुछ भी नहीं है, मैं मदद नहीं कर सकती लेकिन इस गीत से इतना संबंधित हूं। इस गाने में लता जी की आवाज सुनते ही मेरी आंखें छलकने लगती हैं।

दिल में जागी धड़कन ऐसी : सुर (2002)

ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे मैं इस गीत को कभी भूल न सकूं; जाहिर है इसकी रचना के कारण। एमएम कीरवानी सर को बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मुझे यह खूबसूरत गाना दिया। इस गाने के पीछे एक छोटी सी कहानी यह है कि मुखड़े को एक सांस में गाया जाना था और मैं मदद नहीं कर सकता था लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या ऐसा करना मेरे लिए शारीरिक रूप से संभव होगा क्योंकि इसमें बहुत सारी लाइनें थीं। लेकिन कीरवानी सर चाहते थे कि यह एक सांस में हो और उन्होंने कहा कि उन्हें पता था कि मैं यह कर सकती हूं। उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें मुझ पर विश्वास है और मुझे जितना हो सके अभ्यास करने के लिए अपना समय निकालना चाहिए। मुझे लगभग 45 मिनट से एक घंटे तक का समय लगा, शायद अधिक। मैंने समय का ट्रैक खो दिया लेकिन जब मैं माइक पर आई, तो किसी तरह उसे पकड़ लिया। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मैं एक सांस में वह मुखड़ा गाने में कामयाब हो गई हूं। यह एक स्मृति है जो बाहर खड़ी है, यह वास्तव में एक पागलपन भरा समय था।

रहना तू : दिल्ली-6 (2009)

'रहना तू' एआर रहमान सर और प्रसून जोशी द्वारा मेरी सर्वकालिक पसंदीदा है। उन्होंने एक उत्कृष्ट कृति बनाई है। माधुर्य और गीत, यह मुझे एक ऐसी जगह ले जाता है जहां से मैं वापस नहीं आना चाहती। और मैंने इसे हजारों बार पहले ही सुना होगा लेकिन यह एहसास कभी कम नहीं होता...

ले चले : माई ब्रदर निखिल (2005)

मुझे यहां ले चले का जिक्र करना है। जब इस गाने की रचना करने वाले विवेक फिलिप और (ओनिर) अनिर्बान, जो फिल्म के निर्देशक हैं, ने मुझे इस गाने को गाने के लिए संपर्क किया, तो मुझे यह बेहद पसंद आ गया। मैं माधुर्य के लिए ऊंची एड़ी के जूते पर था। मैं इस गाने के पीछे की एक कहानी साझा करना चाहता हूं, जो बहुत से लोग नहीं जानते, वास्तव में कोई नहीं जानता। स्टूडियो में यह गाना गाते समय मेरा दम घुट रहा था। मैंने इसे बहुत स्पष्ट नहीं करने की कोशिश की क्योंकि मुझे पता था कि अगर मैंने गाना बंद कर दिया तो मैं रोना शुरू कर दूंगी। इसे गाते समय अपनी भावनाओं को काबू में रखना वाकई मुश्किल था। और ध्यान रहे, इससे पहले कि मुझे फिल्म में इस गीत के संदर्भ के बारे में पता चला। यह विशुद्ध रूप से जादुई था, वह राग मेरे साथ क्या कर रहा था। वे नोट मुझे पागल कर रहे थे और मैं खुद को बार-बार घुटता हुआ महसूस कर सकती थी। यह कोई नहीं जानता, अनिर्बान या विवेक भी नहीं... मुझे लगता है कि अब उन्हें यह पता चल जाएगा।

कठिन मगर खूबसूरत यात्रा

अभिनेता अभिषेक बनर्जी ने पाताल लोक में अपने चरित्र के लिए आधे-अधूरे मन से ऑडिशन दिया योंकि उन्हें अस्वीकृति का डर था और इसलिए भी कि वह शृंखला के कास्टिंग डायरे टर थे।

लगभग एक साल हो गया है जब दुनिया ने अभिनेता अभिषेक बनर्जी को क्राइम-थ्रिलर श्रृंखला पाताल लोक में शानदार प्रदर्शन करते देखा था। प्रोजेक्ट से पहले कॉमिक भूमिकाओं में अभिनय करने के बाद, अभिषेक ने प्रशंसकों को दिखाया कि दूसरी शैली में भूमिकाएं निभाते समय वह कितने बहुमुखी हो सकते हैं। उन्होंने अब उस समय से अपना अनुभव साझा किया है जब वह इसी नाम की श्रृंखला की शूटिंग कर रहे थे।

''सुदीप (शर्मा) सर एक दिन थिएटर में स्त्री देखने गए और उन्होंने अगले दिन मुझे यह कहते हुए फोन किया कि वह चाहते हैं कि मैं विशाल त्यागी (हथोदा त्यागी) के किरदार के लिए कोशिश करूं।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने मेरी आंखों में एक पागल देखा।'' यह चौंकाने वाला था क्योंकि मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी। मैं खुद को आईने में देख रहा था अपने अंदर पागल को ढूंढ रहा था। शुरुआत में, मुझे भूमिका रोमांचक नहीं लगी, त्यागी के पास ज्यादा संवाद नहीं थे, यहां तक कि अन्य पात्रों की तुलना में स्क्रीन टाइम भी कम था! मैं ऑडिशन देने के बारे में आधे-अधूरे मन से था और साथ ही मैं कास्टिंग डायरेक्टर भी था, इसलिए मैं ऐसी शर्मनाक स्थिति में नहीं रहना चाहता था, जहां मुझे टीम से खुद की अस्वीकृति की खबर सुनने को मिले।

''हालांकि, कर्णेश (शर्मा) सर और सुदीप सर दोनों आश्वस्त थे कि मैं इसके साथ अच्छा काम कर सकता हूं। हाथोदा की भूमिका के लिए मैंने उन्हें जो अन्य विकल्प प्रस्तुत किए, वे उन्हें पसंद नहीं आ रहे थे! अंत में एक लंबे आंतरिक द्वंद्व के बाद, मैंने हिम्मत जुटाई और ऑडिशन दिया। मैंने इसे अपना सब कुछ दे दिया लेकिन फिर भी जब मैंने उन्हें परीक्षा भेजी तो मैं घबरा गया। अगली सुबह कर्णेश सर ने फोन किया, मैंने उसे उत्सुकता से उठाया। मुझे बताया गया कि वे वास्तव में मेरे ऑडिशन को पसंद करते हैं और मैं इसमें शामिल हूं। ओह! यह एक ऐसी राहत थी। लेकिन यह एक कठिन लेकिन खूबसूरत यात्रा की शुरुआत मात्र थी।''

कड़ी आलोचनात्मक प्रशंसा के लिए खुलने के साथ ही श्रृंखला को बहुत प्रशंसा मिली। हाथोदा त्यागी के किरदार के लिए अभिषेक को भी काफी सराहना मिली थी। श्रृंखला में उनकी भूमिका ने वास्तव में उन्हें परदे पर कॉमेडी व्यक्तित्व से मुक्त होने में मदद की।

उनकी हाल ही में रिलीज़ हुई एंथोलॉजी फिल्म, अजीब दास्तान, फिर से एक सफल आउटिंग थी। हर नए प्रोजेक्ट के साथ वह अपनी काबिलियत साबित करते रहते हैं। उनके पास अब पांच परियोजनाएं हैं जो विकासशील चरणों में काफी कुछ और हैं। अभिषेक अगली बार रश्मि रॉकेट, भेदिया, आंख मिचोली, दोस्ताना 2 और हेलमेट में दिखाई देंगे।

'बड़ा मज़ा आता है बच्चों के साथ काम करने में!'

लविना टंडन, दंगल टीवी पर एक फंतासी शो, निक्की और जादुई बबल में झंझरिका की भूमिका निभा रही हैं। शालिनी ससेना के साथ अपने चरित्र के बारे में बात करते हुए उन्होंने आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया।

निक्की और जादुई बबल किस बारे में है?

यह एक बच्चों का फंतासी शो है जहां असली दुनिया है और जादुई जो एक साथ विलीन हो जाती है। कभी हमारे किरदार असली में होते हैं तो कभी जादुई। यह एक लड़की के बारे में है, निक्की; यह उसकी कहानी है। उसके पिता एक महान जादूगर हैं और अपनी प्रतिभा और दुनिया को अपने पिता को इस बात का एहसास कराए बिना देते हैं।

आपका किरदार इसमें क्या है?

मैं यहां ग्रे शेड बजाती हूं-झांझरिका। मैं जादू की दुनिया में महिलाओं के बीच एक जादूगर और शक्तिशाली भी हूं। वह हमेशा दुष्ट नहीं थी लेकिन फिर एक प्रतियोगिता हुई और वह हार गई। वह प्रतिष्ठित बुलबुला चाहती थी जिसमें अपार शक्ति हो और बुलबुला निक्की के पिता के पास गया, जिसे हिमांशु मल्होत्रा द्वारा निभाया गया था। यहीं से मेरा चरित्र नकारात्मक हो जाता है और मैं दुष्ट चुड़ैल बन जाती हूं और मेरा काम सभी को परेशान करना है।

आप प्रोजेक्ट में कैसे आईं?

मैं असिस्टेंट इंटर्न के रूप में एक और प्रोजेक्ट की शूटिंग कर रही थी। लेकिन मुझे स्क्रिप्ट मिलती रहती है क्योंकि मैंने दूसरे शो किए हैं। मैंने पहले भी धीरज कुमार के लिए काम किया है और मेरा अनुभव अच्छा था और ना कहने का कोई कारण नहीं देखा। मैंने जाकर ऑडिशन दिया। तीन सप्ताह के बाद मुझे एक पुष्टिकरण कॉल आया। लेकिन मैं गोवा में एक वेब सीरीज की शूटिंग कर रही थी और टीम से कहा कि एक बार काम पूरा हो जाने के बाद मैं इसमें शामिल हो जाऊंगी।

यह एक बच्चों का फंतासी शो है, क्या आप बहुत मज़ा कर रहे हैं?

हमने खूब मज़े किए। मेरे साथ दृश्यों में कोई वयस्क नहीं है। वयस्क हैं लेकिन हम कभी भी एक ही फ्रेम में नहीं होते हैं। अच्छी बात यह है कि गपशप होती है, माहौल तनावमुक्त होता है। एक नकारात्मकता है जैसे अन्य वयस्क शो में हो सकती है - उसे यह पोशाक मिली, मुझे नहीं; उसे यह आभूषण मिला, मुझे नहीं मिला। यहां ऐसी कोई बात नहीं है। बच्चे स्वाभाविक होते हैं, उनमें कोई दिखावा नहीं होता। वे आते हैं, शूटिंग करते हैं और अपनी पढ़ाई पर वापस चले जाते हैं। हमने एक साथ काफी समय बिताया और बातें कीं और आम तौर पर मस्ती की। मैंने भी उनसे बहुत कुछ सीखा। वे बहुत ऊर्जा से भरे हुए हैं।

बच्चों के साथ काम करना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

बच्चों के साथ काम करने में कोई चुनौती नहीं थी जैसे मैंने कहा कि शो में बच्चे बेहद बुद्धिमान हैं। मैंने खुद को यह कहते हुए स्तब्ध कर दिया कि यह बच्चों का शो है इसलिए मुझे उनके साथ काम करने के लिए धैर्य रखने की जरूरत है। लेकिन वे जल्दी सीखने वाले होते हैं। चुनौती लुक में आने के रूप में आई। मेरे पास दो हैं - एक सामान्य और दूसरी दुष्ट चुड़ैल। पोशाक बदलने और बदलने में समय लगता था।

आप अभिनय में कैसे आईं?

अभिनय में आने की मेरी कभी योजना नहीं थी। अभिनय ने मुझे चुना। मैं 12 साल की थी जब मेरी मां की दोस्त ज़ी टीवी पर एक शो - तुम बिन जाऊं कहां - के लिए समन्वय कर रही थी - जिसमें घुंघराले बालों वाली लड़की की आवश्यकता थी। यह अरुणा ईरानी प्रोडक्शन हाउस का एक शो था। मैं ऑडिशन के लिए गई और चयनित हो गई। जैसे ही मैं कैमरे के सामने खड़ी हुई, उन्होंने मुझे चुना क्योंकि मैंने उनके किरदार को एक टी में फिट किया। मैंने 70-80 एपिसोड शूट किए। लेकिन फिर मेरी सातवीं कक्षा का फाइनल आ गया और मुझे शो छोड़ना पड़ा। लेकिन मुझे कभी-कभी बैक-टू-बैक काम मिलता रहा।

हीरो भक्ति ही शक्ति है एक ऐसी भूमिका थी जिसे आपने किया और सबका ध्यान खींचा। क्या शो ने लोकप्रिय बनाया?

यह कुछ सुपरहीरो शो में से एक था। उस समय केवल शक्तिमान थे। हीरो भक्ति... लोकप्रिय हो गई क्योंकि कहानी दिलचस्प थी और बच्चों को आकर्षित करती थी। साथ ही, हर हफ्ते एक नया किरदार होता था जो दिलचस्पी बनाए रखता था। बच्चे तब टीवी देखते थे। आज वे अपने मोबाइल, वीडियो गेम और सोशल मीडिया से चिपके हुए हैं।

क्या कोई ऐसी भूमिका है जिसे करने से आपको नफरत थी?

नहीं वास्तव में नहीं। मैंने खुद को कभी भी ऐसी स्थिति में नहीं रखा जहां मुझे कुछ करने से नफरत हो गई। अभिनय मेरा पेशा है। अगर मैं इससे प्यार नहीं करती तो मैं अपने द्वारा किए गए किरदारों के साथ न्याय नहीं कर सकती।

आगे क्या?

इस समय, मैं महामारी के कारण किसी भी चीज़ पर काम करने को तैयार नहीं हूं। मैं किराने का सामान खरीदने के लिए बाहर जाने से भी डरती थी, शूटिंग के लिए बाहर जाने की बात तो दूर। लेकिन मैं निक्की और के लिए प्रतिबद्ध हूं... इसलिए मैं इसकी शूटिंग करूंगी, लेकिन फिलहाल कोई नया प्रोजेक्ट नहीं है।

बदलाव की बयार

फिल्म उद्योग की महिलाएं इस प्रमुख धारणा को बदल रही हैं कि बॉक्स ऑफिस पर सफलता के लिए एक पुरुष कलाकार का होना जरूरी है।

पिछले दो दशकों में, हमने भारतीय सिनेमा में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा है। जबकि एक बार व्यापक रूप से यह माना जाता था कि केवल एक पुरुष सितारा ही किसी फिल्म को ब्लॉकबस्टर में बदल सकता है, आज यह सूत्र अप्रचलित हो गया है। अभिनेत्रियां अब सबसे आगे हैं, और परिवर्तन की अंतिम आवाज़ बनने के लिए प्रमुख, मादक भूमिकाएं निभा रही हैं। बॉलीवुड की महिलाओं का जश्न मनाते हुए, आज हमने पांच अभिनेताओं को सूचीबद्ध किया है जिन्होंने वर्षों में अपने नॉकआउट प्रदर्शन से शो को चुरा लिया।

प्रियंका चोपड़ा

दुनिया भर में एक जाना-पहचाना नाम, प्रियंका चोपड़ा जोनास सबसे लंबे समय से कांच की छतें तोड़ रही हैं और निश्चित रूप से उन्हें किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। उनका वैश्विक सुपरस्टारडम और विशाल फैनबेस इस बात का सबूत है कि वह अजेय हैं। अपने दो दशक लंबे बॉलीवुड करियर में, चोपड़ा ने ऐतराज़ (2004), फैशन (2008), कमीने (2009), 7 खून माफ़ (2011), अग्निपथ (2012), बर्फी! (2012), मैरी कॉम (2014), दिल धड़कने दो (2015), बाजीराव मस्तानी (2015), द स्काई इज़ पिंक (2019) और नवीनतम वैश्विक रिलीज़ द व्हाइट टाइगर (2021) सहित कई अन्य। राष्ट्रीय और फिल्मफेयर पुरस्कार विजेता अभिनेत्री को अगली बार मैट्रिक्स 4 में कीनू रीव्स के साथ देखा जाएगा।

यामी गौतम

2012 में विक्की डोनर के साथ अपने सपनों के बॉलीवुड डेब्यू के बाद से, यामी गौतम दर्शकों के साथ सही तालमेल बिठाने में कामयाब रही हैं। आठ साल से अधिक के अपने करियर में, यामी ने आज खुद को उद्योग में सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक के रूप में सफलतापूर्वक स्थापित किया है। उन्हें बदलापुर (2015), काबिल (2017), उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक (2019), बाला (2019) और नेटफ्लिक्स पर उनकी हालिया रिलीज़, गिन्नी वेड्स सनी (2020) जैसी फिल्मों में विभिन्न शक्तिशाली प्रदर्शनों का श्रेय दिया जाता है। इस बीच, वह इस साल कई रिलीज़ के साथ बॉक्स-ऑफिस पर तूफान मचाने के लिए तैयार है। अपने हालिया प्रदर्शनों पर ध्यान देते हुए, यामी रुकने के मूड में नहीं है और अपने प्रदर्शन के साथ आश्चर्यजनक सिनेप्रेमियों को जारी रखना निश्चित है। यामी की नवीनतम परियोजना, भूत पुलिस नामक एक डरावनी साहसिक कॉमेडी है, जो 10 सितंबर को रिलीज होने वाली है ।

तापसी पन्नू

तापसी पन्नू के बारे में सोचें और आप जानते हैं कि हम एक शानदार, बहुमुखी कलाकार के बारे में बात कर रहे हैं। फिल्मफेयर पुरस्कार विजेता अभिनेत्री ने अपनी 2020 की रिलीज थप्पड़ के साथ बहुत शोर मचाया, जो निस्संदेह उनका अब तक का सबसे शक्तिशाली प्रदर्शन है। तापसी को सांड की आंख (2019), मनमर्जियां (2018), मुल्क (2018) और पिंक (2016) जैसी फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए भी जाना जाता है। प्रयोगात्मक अभिनेत्री के पास लूप लापेटा (1998 की जर्मन थ्रिलर रन लोला रन की आधिकारिक रीमेक), रश्मि रॉकेट, दोबारा, हसीन दिलरुबा और राहुल ढोलकिया की मिताली राज पर निर्देशित बायोपिक शाबाश मिठू सहित कुछ दिलचस्प परियोजनाएं हैं।

आलिया भट्ट

आज उद्योग में सबसे अधिक बैंक योग्य नए जमाने की अभिनेत्री के रूप में सम्मानित, आलिया भट्ट को एक निर्देशकों की पसंदीदा के रूप में जाना जाता है। इन वर्षों में, आलिया ने अपने करियर में इम्तियाज अली की हाईवे (2014) और उड़ता पंजाब (2016) से लेकर गौरी शिंदे की डियर ज़िंदगी (2016), मेघना गुलज़ार की राज़ी (2018) और जोया अख्तर की गली बॉय (2019) तक कुछ असाधारण प्रदर्शन किए हैं। . इन वर्षों में, उन्होंने अपने प्रदर्शन से आलोचकों और दर्शकों को समान रूप से आश्चर्यचकित किया है। 2012 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर के साथ अपनी शुरुआत करने के बाद, वह सिर्फ आठ साल की अवधि में एक घरेलू नाम बन गई। उनकी आगामी रिलीज़ में संजय लीला भंसाली की गंगूबाई काठियावाड़ी, ब्रह्मास्त्र, एसएस राजामौली की आरआरआर और करण जौहर की महत्वाकांक्षी 'तख्त' शामिल हैं।

अनुष्का शर्मा

दर्शकों को हमेशा कुछ नया देने के लिए जानी जाने वाली, अनुष्का ने शाहरुख खान के साथ रब ने बना दी जोड़ी (2008) में अपनी शुरुआत से ही लेखक-समर्थित भूमिकाओं के साथ बार-बार दिल जीता है। अभिनेत्री जो एनएच 10 (2015) के साथ निर्माता बनीं। उन्होंने सुल्तान (2016), सुई धागा (2018) और ज़ीरो (2018) सहित कई फिल्मों में प्रभावशाली प्रदर्शन किए हैं। खबरों के मुताबिक, अनुष्का अगली बार भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान झूलन गोस्वामी की बायोपिक में दिखाई देंगी ।